भारत सरकार

परिणाम बजट
2021-2022

फरवरी, 2021

वित्त मंत्रालय

निर्गम परिणाम रूपरेखा 2021-22

(प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाएं)

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं, जैसे आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना। नतीजतन, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम करता है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय निर्गम- परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित आउटपुट और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, निर्गमों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि निर्गम (आउटपुट) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

परिणाम बजट में (क) वर्ष 2021-22 के लिए वित्तीय परिव्यय (ख) के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित निर्गम और परिणाम (ग) माप्य निर्गम और परिणाम संकेतक और (घ) वित्त वर्ष 2021-22 के लिए विशिष्ट निर्गम और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता,पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

सरकार का लक्ष्य इस अभ्यास के माध्यम से शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए महज नतीजों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख निर्गम और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी। यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा दस्तावेज़ परिणाम बजट 2021-22 का एक उद्धरण है और इसमें वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 500 करोड़ रूपए से अधिक परिव्यय वाली मुख्य सीएस और सीएसएस योजनाओं के लिए निर्गम-परिणाम रुपरेखा शामिल है। अतः यह दस्तावेज़ परिणाम बजट 2021-22 के अंतर्गत 139 सीएस और सीएसएस योजनाओं को कवर करता है।

अभिस्वीकृतियाँ

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक मदद और समर्थन के बिना इस संपूर्ण रूपरेखा को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

डॉ. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग और श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग के नेतृत्व में विषय वस्तु वर्टिकल एवं विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस रूपरेखा को व्यापक रूप से लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस रूपरेखा को तैयार करने के संबंध में उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

इसके अलावा, मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज के संबंध में दर्शाए गए दृढ़ विश्वास के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा के कार्य में वित्त सचिव डॉ अजय भूषण प्रसाद पाडेय की अंतर्दृष्टि और सुझावों से बहुत अधिक लाभ मिला है।

और अंत में, मैं माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन और माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर का विशेष रूप से धन्यवाद करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें यह महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री टी.वी. सोमनाथन
(सचिव, व्यय विभाग)
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

विषय-सूची

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1.	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	1	1
2.	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	10
3.	आयुष मंत्रालय	लागू नहीं	4	14
4.	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	उर्वरक विभाग	6	16
5.	नागर विमानन मंत्रालय	लागू नहीं	8	18
6.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	19
7.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	20
8.	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	23
9.	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	29
10.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	32
11.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	33
12.	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	22	35
13.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	24	37
14.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा विभाग	25	43
15.	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	26	47

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
16.	वित्त मंत्रालय	आर्थिक कार्य विभाग	29	54
17.	वित्त मंत्रालय	वित्तीय सेवाएं विभाग	31	56
18.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्यपालन विभाग	41	59
19.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशुपालन और डेयरी विभाग	42	63
20.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	लागू नहीं	43	64
21.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	44	73
22.	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय	भारी उद्योग विभाग	46	93
23.	गृह मंत्रालय : गृह मामले	लागू नहीं	48	94
24.	गृह मंत्रालय : पुलिस	लागू नहीं	50	95
25.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	59	112
26.	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	61	127
27.	जल शक्ति मंत्रालय	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग	62	136
28.	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	63	139
29.	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	64	142
30.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	67	143
31.	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	69	144
32.	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	70	154
33.	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	71	156

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
34.	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	77	157
35.	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	78	158
36.	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	84	161
37.	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	85	167
38.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	86	171
39.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	87	178
40.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	88	179
41.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	बायोटेक्नोलॉजी विभाग	89	197
42.	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	लागू नहीं	91	212
43.	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग	92	218
44.	अंतरिक्ष विभाग	लागू नहीं	94	223
45.	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय	लागू नहीं	95	226
46.	वस्त्र मंत्रलाय	लागू नहीं	97	229
47.	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	98	233
48.	जनजातीय कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	99	236
49.	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	100	239
50.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	लागू नहीं	101	251

कृषि सहकरिता एवं किसान कल्याण विभाग

1. फसल बीमा योजना: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
16,000	1. कवरेज में वृद्धि[1]	1.1 फसल बीमा के तहत किसान आवेदनों की संख्या (%)	5% वृद्धि	1. बीमित किसानों के लिए जोखिम कवरेज में वृद्धि	1.1. कुल बीमा राशि (%)	5%
		1.2 फसल बीमा के तहत बीमित क्षेत्र	5% वृद्धि	2. दावों की समय पर प्रक्रिया और निपटान	2.1. फसल कटाई की तारीख से अधिकांश दावों के भुगतान के लिए औसत टर्न-अराउंड[2]	30
	2. प्रौद्योगिकी और दावा निपटान तंत्र के माध्यम से कुशल दावा आकलन	2.1. स्मार्टफोन (सीसीई एग्री ऐप) के माध्यम से कैप्चर किए गए क्रॉप कटिंग प्रयोगों (सीसीई) की संख्या	5% वृद्धि			
		2.2. सीसीई एग्री ऐप पर सीसीई आयोजित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले स्मार्ट सैंपलिंग पॉइंट्स की संख्या	5% वृद्धि			
		2.3. चल रहे मौसमों के लिए बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को भुगतान किए गए अनुमोदित दावों का प्रतिशत[3]	95%			
	3. क्षमता निर्माण पहल	3.1. योजना कार्यान्वयन की दिशा में आयोजित प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या	5% वृद्धि			

---

1 *चूंकि राज्य सरकारों द्वारा पीएमएफबीवाई को कार्यान्वित किया जाता है, इसलिए कुछ राज्य इस योजना को एक वर्ष में लागू कर सकते हैं न कि दूसरे वर्ष में। इसलिए, केवल उन राज्यों को ही जिन्होने **2020-21** और **2021-22** दोनों में पीएमएफबीवाई लागू किया है, यहां तुलना के लिए विचार किया गया है*

2 *अधिकांश दावे यानी > 90% फसल कटाई की तारीख से यानी खरीफ के लिए 30 नवंबर और रबी सीजन के लिए 30 अप्रैल*

3 *स्वीकृत दावे ऐसे दावे हैं जो किसानों को भुगतान के लिए तैयार हैं और आम तौर पर भुगतान विफलताओं, राज्य सरकारों से लंबित स्पष्टीकरण आदि जैसे परिचालन कारणों से लंबित होते हैं।*

2. किसानों को लघु अवधि के लिए ब्याज सब्सिडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
19,468.31	1. नए खाते खोलने	1.1. किसानों के नए खातों की संख्या जिन्हें अल्पावधि ऋण (एसटीसी)प्रदान किया गया(लाख)	120	1. क्रेडिट तक पहुंच	1.1. किसानों के खातों की संख्या जिन्हें त्वरित पुनर्भुगतान प्रोत्साहन खाते (पीआरआई) और ब्याज छूट लाभ (आईएस)प्रदान कि गई (करोड़)	7.98
		1.2. कवर किए गए एसएमएफ के नए खातों की संख्या (लाख)	101.57		1.2. कुल संवितरित ऋण की राशि (लाख करोड़)	5.35
		1.3. जेएंडके, पूर्वोत्तर क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में नए खातों की संख्या (लाख)	5.00			

3. बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य सहायता योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,500.50	1. संकट की स्थिति में खरीद आधारित हस्तक्षेप की आवश्यकता[4]	1.1 तिलहन की खरीद (लाख मीट्रिक टन में)	18.25	1. किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना और संकट में बिक्री से बचना	1.1. पीएसएस के तहत कवर किए गए प्रत्येक आइटम के लिए एमएसपी/ खरीद मूल्य और बाजार की कीमतों के बीच औसत अंतर (%)[5]	एमएसपी दर का 15% से 10%
		1.2 दलहन की खरीद (लाख मैट्रिक टन में)	15.64			
		1.3 पीएसएस के तहत उनकी उपज की प्राप्ति के बाद दिनों में किसानों को भुगतान की औसत देरी	3			

[4] *पीएसएस के तहत दलहन और तिलहन का खरीद लक्ष्य 2019-20 सीज़न के दौरान किए गए दलहन और तिलहन की खरीद पर आधारित है।*

[5] *सभी एमएसपी अधिसूचित दलहन और तिलहन के लिए पिछले पांच वर्षों के आधार पर अनुमानित, तथापि दलहन और तिलहन का बाजार मूल्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।*

4. फसल अवशेष के स्वस्थाने प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना(सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
700.00	1. मशीनीकृत स्वस्थाने फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना	1.1. फ़सल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की कस्टम हायरिंग के लिए स्थापित फ़ार्म मशीनरी बैंकों की संख्या	9,347	1. किसानों के बीच स्वस्थाने फसल अवशेष प्रबंधन को अधिक से अधिक अपनाना	1.1. इस योजना के तहत मशीनरी के माध्यम से प्रबंधित फसल-अवशेषों की मात्रा (एमटी)	25
		1.2. सब्सिडी पर वितरित की गई फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की संख्या	19,145		1.2. भूमि की मात्रा जिस पर इस योजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन को अपनाया गया (लाख हेक्टेयर में)	41

5. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) (सीएस)

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
65,000.00	1. स्कीम का बढ़ा हुआ कवरेज	1.1. राज्यं/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा नामांकन किए जाने वाले पात्र लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़)	12.5	1. खेती योग्य भूमि वाले सभी भूमिहीन किसानों को आय का समर्थन प्रदान किया	1.1. सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर वित्तीय लाभ (%)	100
	2. पीएम-किसान के बारे में किसानों की जागरूकता में वृद्धि	2.1. पीएम-किसान पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले लघु पात्र किसानों का विवरण (करोड़)	0.9332645			
	3. भुगतान व्यवस्था में सुधार	3.1. नियत बैंक को प्रायोजित बैंक के द्वारा प्रेषित की जाने वाली कुल धनराशि (करोड़ रुपए में)	75,000			

6. 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और संवर्धन (सीएस)[6]

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
700.00	1. उत्पादक संगठन की पहुंच में वृद्धि	1.1. गठित और पंजीकृत नए एफपीओ की संख्या	2,500	1. एफपीओ की ऋण उपलब्धता और वित्तीय योग्यता में वृद्धि	1.1 एफपीओ द्वारा प्राप्त क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफ) का कुल मूल्य(करोड़)	100
		1.2. एफपीओ के तहत कवर किए गए किसानों की संख्या	60,000		1.3 एफपीओ (करोड़) द्वारा प्राप्त इक्विटी ग्रांट फंड (ईजीएफ) का कुल मूल्य	75
	2. क्षमता निर्माण	1.1. आयोजित संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	400			
		1.2. प्रशिक्षित मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की संख्या	400			
		1.3. निदेशक मंडल (बीओडी)/ प्रशिक्षित सदस्यों की संख्या	500			

7. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई): प्रति बूंद अधिक फसल (सीएसएस)

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
4,000.00	1. पर्याप्त जल वाहक और सुव्यवस्थित जल अनुप्रयोग उपकरण यथा - स्प्रिंकलर,	1.1. सूक्ष्म सिंचाई (एमआई) के तहत शामिल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	20.0	1. एमआई के तहत क्षेत्र में उत्पादकता में	1.1. फसल विविधीकरण उपायों के तहत सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र (%)	20

6 *केंद्रीय क्षेत्र योजना क्रियान्वयन के अधीन है और अब तक वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन के लिए क्लस्टर की पहचान की गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए, ईएफसी के अनुसार लक्ष्य 2500 है।*

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ड्रिप, पिवट, रेन गन आदि	1.2. एमआई अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख)	6.0	वृद्धि		
	2. जल सघन फसलों तक एमआई के कवरेज का विस्तार करना	2.1. जल सघन फसलों में एमआई के तहत शामिल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	1.0	2. उन्नत जल उपयोग दक्षता	2.1. शुद्ध सिंचित क्षेत्र में शामिल सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र (%)	2
	3. वर्षा सिंचित कृषि क्षेत्र में संरक्षात्मक सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था	3.1. सृजित किए जाने वाले सूक्ष्म-जल संरक्षण अवसंरचनाओं की संख्या	25,000	3. कृषि को सूखे से संरक्षण	3.1. संरक्षित सिंचाई के तहत कुल क्षेत्र (हेक्टेयर)	50,000

8. हरित क्रांतिः राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
3,712.44	1. कृषि और संबद्ध योजनाओं के नियोजन और निष्पादन में राज्यों को छूट और स्वायत्ता प्रदान करना[7]	1.1. आरकेवीवाई योजनाओं का उपयोग करने वाले राज्यों की संख्या	लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते	1. किसानों के प्रयासों को सुदृढ़ करने, जोखिम कम करने और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा देने के माध्यम से एक लाभकारी आर्थिक गतिविधि तैयार करना	1.1. कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में राज्यों द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या[8]	710-750
		1.2. राज्यों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या	लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते		1.2. वित्तीय सहायता के साथ प्रदान किए गए उद्यमियों / स्टार्टअप	500

[7] *सभी राज्यों द्वारा योजना के तहत परियोजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें और सभी राज्यों द्वारा डीएपी और एसएपी तैयार करें*

[8] *परियोजनाओं की क्षेत्रवार संख्या: कृषि (460-480),पशुपालन (70-80), डेरी विकास (30-40), मात्स्यिकी (40-50), अनुसंधान परियोजनाएं (90-100)*

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. संभावित राज्यों में कृषि उद्यमशीलता को बढ़ाना	2.1. कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण की संख्या	लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते		की संख्या[9]	

9. हरित क्रांति: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (सीएसएस)

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2096.00	1. खेती के तहत अतिरिक्त क्षेत्र	1.1. खाद्यान्न की खेती के लिए चिह्नित जिलों में अतिरिक्त सकल फसलित क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	13.00	1. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता	1.1. चावल परती क्षेत्रों (एमटी) में अतिरिक्त दलहन का उत्पादन	1.00
	2. उपज/ उत्पादकता में वृद्धि	2.1. खाद्यान फसलों की उत्पादकता (कि.ग्रा. / हेक्टेयर)	2,300		1.2. अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन (एमटी)	4.4

10. हरित क्रांति: राष्ट्रीय बागवानी मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,385.00	1. जल संसाधन संरचनाओं का सृजन	1.1. जल संसाधन सृजन के कारण बागवानी खेती के तहत लाया गया क्षेत्र (हे)	42,200	1. बागवानी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाना	1.1. बागवानी के तहत अतिरिक्त क्षेत्रफल लाना	1,36,000
				2. बागवानी	2.1. उत्पादकता में वृद्धि	0.5

9 *विभाग द्वारा प्रयोजनों के लिए लगाए गए ज्ञान साझीदारों (केपी) और आरकेवीवाई कृषि व्यापार इन्क्यूबेटर्स (आरएबीआई) के माध्यम से चुने गए उद्यमियों / स्टार्टअप्स का वित्तपोषण*

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				फसलों का उच्च उत्पादन और उत्पादकता	औरमिट्टीकी गुणवत्ता में सुधार (%)	
	2. नर्सरियों की क्षमता में वृद्धि	2.1. विकसित नई नर्सरियों की संख्या	265		2.2. बागवानी उपज का कुल उत्पादन (एमटी)	320
		2.2. नई नर्सरियों के माध्यम से पौधों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (लाख)	70			
	3. खेती क्षेत्र के अलावा	3.1. नए बगीचे के माध्यम से जोड़ा खेती के तहत कुल क्षेत्र(हे)	1,36,000			
	4. सूखे पौधों के तहत क्षेत्र कायाकल्प	4.1. खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां सूखे पौधों का कायाकल्प किया गया (हे)	11,800			
	5. संरक्षित खेती	5.1. खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां संरक्षित खेती की जाती है (हे)	34,000			
	6. फसल के बाद प्रबंधन बढ़ाएं	6.1. कोल्ड स्टोरेज के लिए समर्थित एकीकृत कटाई पश्चात् फसल प्रबंधन इकाइयों की क्षमता (लाख मीट्रिक टन)	1.8			
		6.2. फसल के बाद के बुनियादी ढांचे की संख्या समर्थित (पकाने वाले चैंबर, पैक हाउस और एकीकृत पैक हाउस)	6,345			

11. हरित क्रांति: कृषि विस्तार उप-मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये मे)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,173.75	1. राज्य विस्तार कर्मियों, ईईआई, कौशल प्रशिक्षण	1.1. मैंनेज और ईईआई द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	450	1. कृषि विस्तार कर्मियों की क्षमता निर्माण के माध्यम	1.1. प्रशिक्षित प्रस किए जाने वाले विस्तार कर्मियों की संख्या	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये मे)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	पाठ्यक्रमों के ज्ञान एवं कौशल का अपग्रेडेशन	1.2. एनएसडीएम के तहत आयोजित किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	1,200	से तकनी करण को अपनाने में वृद्धि	1.2. प्रशिक्षित किए जाने वाले किसानों, ग्रामीण युवाओं की संख्या	30,000
	2. एटीएमए के तहत किसानों को प्रशिक्षण एवं विस्तार सहायता	2.1. किसान प्रशिक्षण के लिए व्यक्ति दिनों की संख्या (लाख)	75	2. किसानों के प्रशिक्षण एवं विस्तार सहायता में वृद्धि	2.1. कृषि प्रशिक्षण के तहत लाभार्थियों की संख्या (लाख)	25
		2.2. प्रदर्शनों की संख्या (लाख)	4.25		2.2. प्रदर्शनों के तहत लाभार्थी किसानों की संख्या (लाख)	4.25
		2.3. किसान मेला/गोष्ठी/किसान-वैज्ञानिक वार्ता के लिए समारोहों की संख्या	1,2500		2.3. किसान मेला/गोष्ठी/ किसान-वैज्ञानिक वार्ताओं के तहत आगन्तुकों की संख्या	12.50
		2.4. आयोजित किए गए फार्म स्कूलों की संख्या	1,5000		2.4. फार्म स्कूलों के तहत प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या (लाख)	3.75
	3. कृषि उद्यमियों एवं कृषि-आदान डीलरों का प्रशिक्षण	2.1. एसी एंड एबीसी योजना के तहत कृषि-उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	209	3. कृषि उद्यमी/कृषि आदान डीलरों के प्रशिक्षण में वृद्धि	3.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले कृषि उद्यमियों की कुल संख्या	7,315
		2.2. इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के लिए बैच की संख्या	400		3.2. एसी एंड एबीसी द्वारा स्थापित किए जाने वाले कृषि उद्यमों की कुल संख्या	3,658
	4. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रम	4.1. किसान कॉल केन्द्र सेटअप की संख्या	21		3.3. प्रशिक्षित किए जाने वाले आदान डीलरों की कुल संख्या	16,000
		4.2. दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों की कुल संख्या	35,724	3. किसानों के लिए बढ़ी हुई आउटरीच कार्यक्रम	4.1 किसान कॉल सेंटर का उपयोग कर कॉल सेवाओं की कुल संख्या (लाख)	55

12. हरित क्रांतिः कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,050.00	1. कृषि उपकरण की खरीद करने तथा भाड़े पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	1.1. कृषि मशीनरी/ उपकरण की खरीद करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर चुके किसानों/ लाभार्थियों की संख्या	1,34,000	1. लक्षित लाभार्थियों के बीच कृषि यंत्रीकरण की पहुंच में वृद्धि	1.1. खेती किए गए क्षेत्र में प्रति यूनिट कृषि विद्युत उपलब्धता में वृद्धि (के डब्लू/है.)	0.1-0.2
		1.2. स्थापित किए गए सीएचसी, उच्च तकनीकी हबों की संख्या	1,967			
	2. लाभार्थियों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता में वृद्धि	2.1. प्रशिक्षित किए गए किसानों तथा अन्य हितधारकों की संख्य	10,000	2. लाभार्थियों/ हितधारकों की जागरूकता में हुआ सुधार	2.1. यंत्रीकृत कृषि अभ्यास में लगे लघु और सीमांत किसानों की संख्या	1,14,500
		2.2. उन गांव की संख्या जहां कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया गया	1,524			
	3. कृषि उपकरण परीक्षण और प्रमाणन क्षमता में वृद्धि जागरुकता में हुआ सुधार	1.1. उत्पाद परीक्षण और प्रमाणपत्र आयोजित करने वाले संस्थानों की	5			

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

1. फसल विज्ञान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
708.00	1. मूल्यांकित जननद्रव्य एवं प्रजनन वंशक्रम	1.1. मूल्यांकित जननद्रव्य एवं प्रजनन वंशक्रमों की कुल संख्या	37,000	1. फसलों की संभावित उत्पादकता में अपेक्षित सुधार	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में संभावित पैदावार में % परिवर्तन	2.2
	2. दीर्घकालिक भंडारण के लिए संरक्षित जननद्रव्य	2.1. दीर्घकालिक भंडारण के लिए संरक्षित जननद्रव्यों की कुल सं.	5,400	2. फसल विज्ञान के तहत कृषि तकनीकों का संवर्धित अंगीकरण	1.1 कृषि विज्ञान प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसान/हितधारक	11,000
	3. सूक्ष्मजीवी आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण	3.1. संरक्षित सूक्ष्मजीवी आनुवंशिक संसाधनों की कुल संख्या	275			
	4. कीट आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण	4.1. संरक्षित कीट आनुवंशिक संसाधनों की कुल संख्या	125			
	5. अनूठे विशेषकों के लिए चिह्नित एवं पंजीकृत जीनप्ररूप	5.1. अनूठे विशेषकों के लिए चिह्नित एवं पंजीकृत जीनप्ररूपों की कुल संख्या	60			
	6. क्लोन किए गए एवं लक्षणवर्णित जीन	6.1. क्लोन किए गए एवं लक्षणवर्णित जीनों की कुल संख्या	17			
	7. एआईसीआरपी बहु-स्थानिक परीक्षणों में जांची गई प्रविष्टियां	7.1. एआईसीआरपी बहु-स्थानिक परीक्षणों में जांची गई प्रविष्टियों की कुल संख्या	3,300			

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
	8. एआईसीआरपी किस्म पहचान समितियों द्वारा चिह्नित किस्में	8.1. जारी करने के लिए एआईसीआरपी किस्म पहचान समितियों द्वारा चिह्नित किस्मों की कुल संख्या	80			
	9. मार्कर समर्थित चयन/विकसित बैकक्रॉस्ड लाइने लगाना	9.1. विकसित की गई जीनोमिक समर्थित किस्में/ संकर किस्में	5			
	10. विकसित की गई जैव-प्रबलित किस्में/संकर किस्में	10.1. विकसित की गई जैव-प्रबलित किस्मों/ संकर किस्मों की कुल संख्या	5			
	11. पीपीवी एवं एफआरए के पास पंजीकृत किस्में/संकर किस्में	11.1. पीपीवी एवं एफआरए के पास पंजीकृत किस्मों /संकर किस्मों की कुल संख्या	10			
	12. उत्पादित प्रजनक बीज	12.1. उत्पादित प्रजनक बीज की कुल मात्रा (क्विं.)	72,000			
	13. विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियां	13.1. विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियों (संरक्षण, उत्पादन) की कुल संख्या	55			

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
	14. आयोजित किए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	14.1. आयोजित किए गए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों की कुल संख्या	11,000			
	15. आयोजित प्रशिक्षण	15.1. किसानों, वैज्ञानिकों, तकनीकी, सहायक कर्मचारियों, विस्तार एजेंसियों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	275			
	16. मानव संसाधन विकास	16.1. प्रदान की गई स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल उपाधियों की कुल संख्या	200			
	17. प्रकाशनों की संख्या	17.1. प्रकाशनों की कुल संख्या	300			

2. कृषि शिक्षा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**निर्गम 2021-22**			**परिणाम 2021-22**		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
613.00	1. कृषि विश्वविद्यालयों में छात्र और संकाय सुविधाओं का निर्माण	1.1. छात्राओं/छात्रों, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास, परीक्षा भवन, शैक्षणिक संग्रहालय, सभागार की संख्या	25	1. उच्च कृषि शिक्षा के प्रति प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करना	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में एआईईईए परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	10
					1.2. पिछले वर्ष की तुलना में एयू में नामांकित छात्रों	5

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	
					1.3. उच्च कृषि शिक्षा में छात्राओं की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	2
	2. ज्ञानसृजन और क्षमता निर्माण के लिए विशिष्टता के श्रेष्ठ क्षेत्र (एनएई) कार्यक्रमों की स्थापना (वर्तमान एवं नए)	2.1. विशिष्टता के श्रेष्ठ क्षेत्र (एनएई) कार्यक्रमों की संख्या	10	2. कृषि विज्ञान के अग्रणी/विशिष्टता के श्रेष्ठ क्षेत्रों में विकसित विशेषज्ञता	2.1. विकसित प्रौद्योगिकियों प्रणालियों/ अवधारणाओं/ पेटेंट की संख्या	5
					2.2. पिछले वर्ष की तुलना में पीजी अनुसंधान के माध्यम से प्रकाशनों की संख्या	300
	3. छात्र ग्रामीण उद्यमिता जागरूकता विकास कार्यक्रम (रेडी)	3.1. ईएल यूनिट सैटअप की संख्या	15	3. यूजी छात्रों के बीच विकसित कौशल एवं उद्यमिता	3.1. उद्यमिता/रोजगारप्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	2
		3.2. स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	15,000			
	4. प्रदत्त यूजी/पीजी छात्रवृत्तियों की संख्या	4.1. छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की संख्या	12,000	4. छात्रों को आकर्षित करने के लिए वित्तीय सहायता	4.1. वित्तीय सहायता में वृद्धि का प्रतिशत	5
	5. प्रौद्योगिकी/प्रक्रिया/मॉडल/नीतियों/अन्य उपकरणों आदि का विकास	5.1. अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	9	5. हितधारकों के लिए नए और उन्नत/सुधारे हुए डिजिटल संसाधन/नीतियां आदि	5.1 पिछले वर्ष की तुलना में विकसित और वर्धित पैकेजों/नीतियों की संख्या	5
	6. क्षमता निर्माण कार्यक्रम	6.1. आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	50	6 किसानों/किसान महिलाओं के साथ कृषि अनुसंधान वैज्ञानिकों और एनएआरईएस के संकाय सदस्यों की दक्षता में सुधार	6.1 आयोजित विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या	1,000

आयुष मंत्रालय **मांग सं. 4**

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेत	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2021-22
553.80	1. आयुष (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी) सेवाएं मुहैया कराना	1.1. अनिवार्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं वाले राज्यों की कुल संख्या	33	1. आयुष स्वास्थ्य प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1. संचालित किए गए अतिरिक्त 50 बिस्तर तक वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की संख्या	6
		1.2. 500 या उससे अधिक नमूनों का परीक्षण करने वाली औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं की कुल संख्या	25		1.2. आयुष आईपीडी सेवाएं प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या (लाख में)	22.00
		1.3. परीक्षित औषध नमूनों की कुल संख्या	13,000		1.3. आयुष ओपीडी सेवाएं प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या (रुपए करोड़ में)	19.50
		1.4. गुणवत्ता परीक्षण पास करने वाले औषध नमूनों की कुल संख्या	13,000		1.4. सीसीआईएम के अनुसार न्यूनतम मानकों को पूरा करने वाले सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त आयुष शिक्षा संस्थानों का प्रतिशत	100
		1.5. 50 बिस्तर तक वाले अतिरिक्त एकीकृत आयुष अस्पतालों जिनके लिए निधियां निर्मुक्त की गईं, की कुल संख्या	3		1.5. संचालित किए गए आयुष स्वास्थ्य और आरोग्यता केंद्रों की संख्या	2,850
		1.6. एकमात्र/विशिष्ट सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष अस्पतालों और आयुष औषधालयों जिनके उन्नयन के लिए (आयुष अस्पताल/ आयुष औषधालय) निधियां निर्मुक्त की गईं, की कुल संख्या	750			
		1.7. मौजूदा कुल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में से सह-स्थापित आयुष इकाइयों की कुल संख्या	11,029			

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेत	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2021-22
		1.8. परिभाषित सामान्य रोगों के लिए औषध मुहैया करने वाली सुविधाओं की संख्या	16,500			
		1.9. आयुष स्वास्थ्य और आरोग्यता केंद्रों के लिए जांच किए गए प्रस्तावों की संख्या	36			
		1.10. सहायता प्राप्त आयुष स्वास्थ्य एवं वैलनेस केंद्रों की संख्या	3,100			
		1.11. क्रियाशील राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/फार्मेसियों वाले राज्यों की कुल संख्या	20			

उर्वरक विभाग

1. यूरिया राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
58,767.68	1. यूरिया उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी	1.1. यूरिया उत्पादन की कुल संस्थापित क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)	245.64	1. कमियों के बिना किसानों के द्वारा यूरिया का पर्याप्त प्रयोग	1.1. किसानों को यूरिया की कुल बिक्री (लाख मीट्रिक टन में)	361.12
	2. परिष्कृत घरेलू यूरिया उत्पादन	2.1. यूरिया का कुल घरेलू उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)	277.43		1.2. यूरिया खरीद रहे किसानों की संख्या	440.03
					1.3. मांग के संबंध में बिक्री का अनुपात (पूरी की गई यूरिया की मांग का प्रतिशत)	102.47
	3. यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता	3.1. राज्य स्तर पर उपलब्ध यूरिया की कुल मात्रा (लाख मीट्रिक टन में)	462.76	2. यूरिया के संबंध में आयात पर निर्भरता में कमी	2.1. आयात पर निर्भरता का % {आयात/(आयात + घरेलू उत्पादन)}	26.39
		3.2. गोदामों से प्राप्त स्टॉक-आउट शिकायतों की संख्या	0			

2. पोषक तत्व आधारित राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
20,762.00	1. पीएण्डके उर्वरकों का संवर्धित घरेलू उत्पादन	1.1. पीएण्डके उर्वरकों का कुल स्वदेशी उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)	271.30	1. किसानों द्वारा पीएण्डके उर्वरकों का पर्याप्त अनुप्रयोग	1.1. किसानों को पीएण्डके उर्वरकों की बिक्री की कुल मात्रा (लाख मीट्रिक टन में)	275.19
	2. पीएण्डके उर्वरकों की	2.1. राज्य स्तर पर उपलब्ध	449.61		1.2. पीएण्डके उर्वरकों की खरीद कर रहे किसानों की संख्या	394.68

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	पर्याप्त उपलब्धता	पीएण्डके उर्वरकों की कुल मात्रा (लाख मीट्रिक टन मे)			1.3. मांग हेतु बिक्री का अनुपात (पीएण्डके उर्वरकों की पूरी की गई मांग का प्रतिशत)	111.71
				1. पीएण्डके उर्वरकों हेतु आयात पर निर्भरता में कमी	1.1 आयात निर्भरता % {आयात)(आयात+घरेलू उत्पादन)]	27.23
	3. शहरी कंपोस्ट का संवर्धित घरेलू उत्पादन	3.1. शहरी कंपोस्ट का कुल घरेलू उत्पादन (मीट्रिक टन में)	3,27,791	3. किसानों द्वारा शहरी कंपोस्ट का पर्याप्त अनुप्रयोग	3.1. किसानों को शहरी कंपोस्ट की बिक्री की कुल मात्रा (मीट्रिक टन में)	2,15,000
	4. शहरी कंपोस्ट की पर्याप्त उपलब्धता	4.1. राज्य स्तर पर उपलब्ध शहरी कंपोस्ट की कुल मात्रा (मीट्रिक टन में)	4,06,000		3.2. शहरी कंपोस्ट खरीद रहे किसानों की संख्या	1,83,125

1. क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना - आरसीएस उड़ान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
600.00	1. **हवाई अड्डा अवसंरचना**: अपेक्षित अवसंरचना का उन्नयन / पुनरुद्धार भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और राज्यों द्वारा योजना के अंतर्गत दिए गए प्रस्तावों के आधार पर किया जाना है।	1.1. आरसीएस हवाई अड्डों / हेलिपैडों / वाटरड्रोमों का उन्नयन / पुनरुद्धार किए जाने की संख्या	20	1. क्षेत्रीय मार्गों के लिए किफायती परिवहन सेवाएं	1.1. आरसीएस मार्गों पर यात्रा कर चुके यात्रियों की संख्या (लगभग)	30 लाख
		1.2. आरसीएस मार्गों को प्रारम्भ किए जाने की संख्या।	50		1.2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में यात्रा कर चुके यात्रियों की संख्या (लगभग)	1 लाख
	2. **आरसीएस विमान संपर्कता प्रचालन:** आरसीएस के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र से सम्पर्कता के लिए व्यवहार्यता अंतर निधियन (वीजीएफ)	2.1. बजट प्रावधानों का उपयोग	100%		1.3. चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों द्वारा जुड़े आरसीएस हवाई अड्डों/ हेलिपैडों की संख्या	20
		2.2. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में परिचालित मार्गों की संख्या	14			
		2.3. गंतव्यों की संख्या	06			
	3. योजना के अंतर्गत दिए गए प्रस्तावों के आधार पर आरसीएस विमान सम्पर्कता प्रचालन| आरसीएस हवाईअड्डों (असेवित हवाईअड्डे / अल्प-सेवित हवाईअड्डे) की प्रचालनात्मकता[10]	2.1. प्रचालित आरसीएस हवाईअड्डों की संख्या	20			

[10] *यह घटक अतिरिक्त बजट परिव्यय का उपयोग करके वित्त-पोषित किया जाएगा।*

वाणिज्य विभाग

1. ब्याज समानता योजना (सी एस)[11]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1900.00	1. एमएसएमई सेक्टर के सभी विनिर्माता निर्यातकों को 02.11.2018 से 5 प्रतिशत दर से ब्याज समकरण की और विनिर्दिष्ट 416 टैरिफ लाइनों के विनिर्माता निर्यातकों को ब्याज समकरण की 3 प्रतिशत दर उपलब्ध कराई गई।	1.1. आरबीआई द्वारा अन्य बैंकों को प्रतिपूर्ति किए गए दावों का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	1. एमएसएमई क्षेत्र के विनिर्माता निर्यातकों और अभिज्ञात 416 टैरिफ लाइनों को सस्ता ऋण क्रेडिट प्रदान करना	1.1. पिछले वर्ष के दावों के कवरेज में % परिवर्तन।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.2. एमएसएमई निर्यातकों द्वारा दायर किए गए प्रतिपूर्ति दावों का कुल मूल्य (रू. करोड़ में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते		1.2. कुल प्रतिपूर्ति में एमएसएमई निर्यातकों का प्रतिशत हिस्सा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.3. निर्यात क्षेत्र - वार प्रति पूर्ति (वार्षिक आधार पर रू. करोड़	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते		1.3. पिछले वर्ष की तुलना में क्षेत्रवार प्रतिपूर्ति में प्रतिशत परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते

[11] *यह एक प्रतिपूर्ति योजना है; का.ज्ञा. जी-20008/14/2020-बीएंडए के अनुसार, पूर्व-निर्धारित लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते हैं।*

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

1. फंड ऑफ फंड्स (सीएस)

वित्तिय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
830.00	1. फंड ऑफ फंड्स स्टार्टअप्स में निवेश हेतु वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) के लिए वित्त प्रदान किया जाएगा	1.1. एआईएफ द्वारा प्रति वर्ष ड्रा-डाउन (रुपये करोड़ में)	306.92	1. स्टार्टअप्स में निवेश करने के लिए एआईएफ	2.1. वित्तीय ऋण के माध्यम से सहायता प्राप्त करने वाले स्टार्टअप (डीपीआईआईटी के साथ पंजीकृत)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[12]
		1.2. चालू वित्त वर्ष के दौरान योजना के अन्तर्गत वित्तपोषित किए गए स्टार्टअप की संख्या	50			
		1.3. वित्तीय वर्ष के अंत तक योजना के अन्तर्गत वित्तपोषित किए गए स्टार्टअप की संख्या (संचयी)	388			
		1.4. स्टार्टअप के लिए वित्तीय उपलब्धता को सहज बनाने हेतु बनाए गए उद्यम कोष की संख्या	62			

[12] *डीपीआईआईटी के माध्यम से कोई प्रत्यक्ष वित्तपोषण नहीं। डीपीआईआईटी से सिडबी को एक विशिष्ट राशि स्वीकृत और प्रदान की जाती है, जो बदले में वित्तीय क्रेडिट के साथ स्टार्ट-अप की सहायता करती है।*

2. राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (सीएस)

वित्तिय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,000.00	1. डीएमआईसी[13] नोड्स में आधारिक संरचनात्मक पैकेजों का संतोषजनक समापन एवं विभिन्न औद्योगिक गलियारों के अन्तर्गत जैसे सीबीआईसी, सीबीआईसी का वाया कोयम्बटूर कोच्चि तक विस्तार, वीसीआईसी इत्यादि नई परियोजनाओं के लिए स्वीकृति एवं अनुमोदन के साथ मास्टर प्लान एवं प्रारंभिक इंजीनियरिंग	1.1. आंकी गई परियोजनाओं की संख्या	3	1. क्षेत्र में आधारिक संरचना की सुविधाओं के विकास से ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र के विकास के मार्ग खुलेंगे और क्षेत्र के भविष्य के विकास कार्यों के लिए प्रेरणा मिलेगी।	1.1. कुल सृजित रोजगार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष)	20,000
		1.2. स्वीकृत एवं अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	3			
		1.3. चालू परियोजनाओं की संख्या	8		1.2. भूमि के आवंटन के कारण सुरक्षित कुल निवेश (रुपए करोड़ में)	2,960
		1.4. औद्योगिक इकाइयों को भूखंडों के रूप में आवंटित भूमि एकड़ में	240			

[13] *डीएमआईसी- दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, सीबीआईसी- चेन्नई बेंगलुरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, वीसीआईसी- विशाखापट्टनम-चेन्नई कॉरिडोर*

3. उत्तर पूर्वी क्षेत्र और हिमालयी राज्यों में औद्योगिक इकाइयों को केंद्रीय और एकीकृत जीएसटी का रिफंड (सीएस)

वित्तिय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,507.92	1. उत्तर पूर्वी क्षेत्र में स्थित सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित सभी इकाइयों को बजटीय सहायता प्रदान करके उनको सहयोग प्रदान करना	1.1. वित्त वर्ष के दौरान इस योजना के अन्तर्गत उपयुक्त पात्र पाई गई इकाइयों की संख्या	2,211	1. इकाइयों के लिए बजटीय सहायता का प्रावधान एक अच्छा उपाय है जो इकाइयों की प्रतिस्पर्धा में सुधार करेगा और इन क्षेत्रों में निवेश में वृद्धि को बढ़ावा देगा।	1.1. वित्त वर्ष के दौरान इस योजना के अन्तर्गत प्रदत्त चलनिधि की राशि (रुपए करोड़ में)	2,716

डाक विभाग

1. डाक प्रचालन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
973.97	1. ग्रामीण व्यवसाय	1.1. पुनर्स्थापना के माध्यम से खोले जाने वाले शाखा डाकघरों (बीओ) की संख्या	200	1. ग्रामीण व्यवसाय में बढ़ोतरी, डाक नेटवर्क तक बेहतर पहुंच और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना	1.1. शाखा डाकघर ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[14]
		1.2. पुनर्स्थापना के माध्यम से खोले जाने वाले उप-डाकघरों (एसओ) की संख्या	200			
		1.3. खोले जाने वाले फ्रैंचाइजी आउटलेटों की संख्या	100			
		1.4. उन शाखा डाकघरों की संख्या जिनमें पत्र-पेटिकाओं तथा संकेत-चिह्नों सहित इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाया जाएगा	1,595			
		1.5. उन शाखा डाकघरों की संख्या जिनमें आधुनिक तिजोरियों की आपूर्ति की जाएगी	5,333			
	2. मेल प्रचालन एवं सेवाओं का उन्नयन	2.1. उन मेल कार्यालयों की संख्या जिनमें स्पीड पोस्ट केंद्रों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जाएगा	249	2. स्पीड पोस्ट डाक-वस्तुओं की प्रोसेसिंग की क्षमता को बढ़ाना और नेटवर्क का इष्टतम प्रयोग परियोजना का विस्तार तथा मेल एवं पार्सल सेवाओं में सुधार	2.1. स्पीड पोस्ट डाक-वस्तुओं की इलेक्ट्रॉनिक विजिबिलिटी बढ़ाने के उद्देश्य से स्पीड पोस्ट डाक-वस्तुओं के संदर्भ में स्कैन की औसत	90

[14] *यह एक अमूर्त लक्ष्य है और इसकी प्राप्ति के संबंध में किसी तृतीया पक्षकार द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। इसी मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत बेसलाइन के आकलन का कार्य भी होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					संख्या में वृद्धि (% स्कैनिंग प्रति माह)	
		2.2. मानकीकृत थैलों की खरीद सहित बंद थैलों की सुरक्षा के लिए खरीदे जाने वाली प्लास्टिक सील (लाख में)	180		2.2. अपंजीकृत डाक थैलों की ट्रैकिंग में बढ़ोतरी(लाख प्रति माहमें)	12
		2.3. मानकीकृत थैलों की संख्या	45,000		2.3. सड़क परिवहन नेटवर्क के माध्यम से जुड़े शहरों की संख्या	80
		2.4. उन मार्गों की संख्या जिन पर सड़क परिवहन नेटवर्क का विकास किया जाएगा	68		2.4. पारेषित डाक की मात्रा (टन/वर्ष)	47,450
		2.5. नोडल डिलीवरी केंद्रों (एनडीसी) की स्थापना (संख्या में)	78		2.5. एनडीसीसे यंत्रीकृत सुपुर्दगी के माध्यम से संवितरित पार्सलों की संख्या (लाख/वर्ष में)	24
		2.6. नए एक्सचेंज कार्यालय (ओई) की स्थापना (संख्या में)	1			
		2.7. मौजूदा ओई का उन्नयन (संख्या में)	2		2.6. उप-विदेश डाकघर तक लोगों की पहुंच को बढ़ाना (मिलियन औसत वर्ग कि.मी. प्रति	0.11

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					विदेश डाकघर/ उप विदेश डाकघर)	
		2.8. उप-विदेश डाकघरों की स्थापना/उन्नयन (संख्या में)	5		2.7. विदेश डाक एवं पार्सल परियात 2020-21 के कुल परियात की तुलना में प्रतिशत वृद्धि	8
		2.9. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय केंद्रों की स्थापना/उन्नयन (संख्या में)	6			
	3. डाकघर बचत बैंक प्रचालन	3.1. जारी किए गए चिप आधारित डेबिट कार्डों की कुल संख्या (लाख में)	43	3. ग्राहक संतुष्टि तथा लेन-देन कार्य में सुविधा एवं लेन-देन की संख्या में वृद्धि	3.1. डेबिट कार्ड के माध्यम से किए गए लेन-देन कार्यों की संख्या (करोड़ में)	10
	4. डाक जीवन बीमा (पीएलआई) प्रचालन	4.1. डाक जीवन बीमा (पीएलआई) के अंतर्गत संग्रहित कुल प्रीमियम (रु. करोड़ में)	8,200	4. सरकारी सेवकों, पेशेवर व्यक्तियों के बीच अधिक जीवन बीमा कवरेज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा की अधिक पहुंच	4.1. पीएलआई के अंतर्गत प्रीमियम आय में वृद्धि का प्रतिशत	5
		4.2. ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के अंतर्गत संग्रहित कुल प्रीमियम (रु.करोड़ में)	2,700			
		4.3. पीएलआई के अंतर्गत अधिप्राप्त नई पॉलिसियों की संख्या	2,50,000		4.2. आरपीएलआई के अंतर्गत प्रीमियम आय में वृद्धि का प्रतिशत	8
		4.4. आरपीएलआई के अंतर्गत अधिप्राप्त नई पॉलिसियों की संख्या	9,50,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	5. व्यवसाय संवर्द्धन, विपणन अनुसंधान एवं उत्पाद विकास	5.1. आरंभ किए गए विज्ञापन अभियानों की संख्या	5	5. डाक उत्पादों तथा सेवाओं को बेहतर विजिबिलिटी प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न मीडिया विकल्पों जैसे टीवी, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो, प्रिंट, आउटडोर आदि के जरिए एबव द लाइन अभियान और इसी प्रकार बिलो द लाइन कार्यकलापों के माध्यम से प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम आयोजित करना	5.1. स्पीड पोस्ट/पार्सल / पीएलआई/ आरपीएलआई व्यवसाय/ बचत बैंक खातों में 2020-21 के कुल व्यवसाय की तुलना में वृद्धि का प्रतिशत	2
					5.2. सोशल मीडिया में वार्षिक वृद्धि - पहुंच एवं प्रतिक्रिया[15] (प्रतिशत में)	7
	6. फिलैटली: राज्य एवं जिला स्तर पर प्रदर्शनियां	6.1. विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार अभियानकी संख्या	5	6. भारतीय धरोहर एवं संस्कृति का प्रचार-प्रसार	6.1. फिलैटली जमा खातों की संख्या में बढ़ोतरी	10,000
		6.2. अंतरराष्ट्रीय फिलैटली प्रदर्शनियों की संख्या जिनमें भाग लिया गया	2			
	7. फिलैटली: फिलैटली और पत्र-लेखन के संबंध में युवाओं को और अधिक जागरूक बनाना	7.1. खोले जाने वाले मेरा स्टांप काउंटरों की संख्या	50			
		7.2. आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों और कार्यशालाओं की संख्या	2,500			

[15] *सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाली प्रतिक्रिया (रिस्पांस) के माध्यम से मापा जाएगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		7.3. विद्यालय स्तर पर फिलैटली क्लब खोलना (संख्या में)	1,000			
	8. फिलैटली: भारतीय फिलैटली की डाक-टिकटों की गुणवत्ता और इसके मुख्य विषयों (डोमेन) के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जन-जागरूकता बढ़ाना	8.1. फिलैटली ब्यूरों का उन्नयन (संख्या में)	15			
		8.2. नए दार्शनिक और सहायक टिकट की संख्या[16]	50			
	9. सेवा गुणवत्ता	9.1. प्राप्त किए जाने वाले सेवा संवितरण उत्कृष्टता प्रमाण-पत्रों की संख्या	45	7. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सेवा संवितरण मानदंडों में उत्कृष्टता लाना	7.1. ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[17]
	10. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण: ग्रामीण हार्डवेयर-ग्रामीण डाकघरों में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सौर ऊर्जा पैनल प्रदान करना	10.1. उन शाखा डाकघरों की संख्या जहां मुख्य कम्प्यूटिंग उपकरणों की आपूर्ति की जानी है	1,29,157[18]	8. प्रावधान की जाने वाली सभी उपलब्ध सेवाओं (मेल, वित्तीय लेनदेन, कोर बैंकिंग, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, रिटेल, नकदी प्रबंधन आदि) नेटवर्क संबंधी शिकायतों के केन्द्रीकृत समाधान के साथ-साथ प्रक्रियाओं	8.1. डाक विभाग में किए गए डिजिटल लेनदेनों की संख्या (रु. करोड़ में)	100
		10.2. उन शाखा डाकघरों की संख्या जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है	1,29,157			
	11. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण: सभी डाकघरों में कोर बैंकिंग, डाक जीवन बीमा के लिए समाधान लागू करना और एटीएम,	11.1. उन डाकघरों की संख्या जहां कोर बैंकिंग समाधान लागू किया जाना है	23,500[19]			

16 *फिलैटली संबंधी सामग्री की ऑनलाइन बिक्री*

17 *यह ग्राहक संतुष्टि सूचकांक द्वारा इंगित किया जाएगा।*

18 *डाकघरों में उपकरणों का प्रचालन और रख-रखाव*

19 *डाकघरों का प्रचालन और रख-रखाव*

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	एसएमएस आदि जैसे विविध वितरण चैनलों के माध्यम से सेवाएं प्रदान करना			की दृश्यता में वृद्धि और समग्र प्रचालन कार्यकुशलता के लिए वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रक्रियाओं का एकीकरण		
	12. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण: नेटवर्क इंटीग्रेटर (एनआई)- एक सिंगल वाइड एरिया नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध नेटवर्क कनेक्टिविटी (लगभग 29,000 स्थल) को सुनिश्चित करने के लिए 2 भिन्न नेटवर्क सेवा प्रदाताओं के माध्यम से प्रत्येक कार्यालय स्थल के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करना	1.1. उन डाकघरों की संख्या जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है	25,500[20]			
		1.2. उन डाकघरों की संख्या जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी का उन्नयन किया जाना है	5,000[21]			
	13. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण: मेल प्रचालन, रिटेल, लॉजिस्टिक पोस्ट, फिलैटली, वित्त एवं लेखा और मानव संसाधन के लिए समाधान लागू करना एवं अन्य अनुप्रयोगों के साथ एकीकरण	1.1. प्रधान डाकघरों के साथ-साथ शुरू किए जाने वाले डाक, आरएमएस डिवीजनों की संख्या	513[22]			

[20] *विभागीय कार्यालय का प्रचालन और रख-रखाव*

[21] *विभागीय कार्यालयों में कनेक्टिविटी का उन्नयन*

[22] *डाक और आरएमएस डिवीजनों में कोर सिस्टम इंटीग्रेटर समाधान का प्रचालन और रख-रखाव*

दूरसंचार विभाग

1. रक्षा स्पेक्ट्रम - रक्षा सेवाओं के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित नेटवर्क (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
5,200.00	1. ओएफसी बिछाना	1.1. कुल कि. मी ओएफसी बिछाने के कार्य में से समग्र परियोजना के लिए निष्पादित बिछाई गयी ओएफसी का कुल प्रतिशत	100%	1. देशव्यापी सुरक्षित, बहु सेवा और बहु-प्रोटोकॉल अभिसरित नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क	1.1. पूरी परियोजना के लिए शुरू किए गए ओएफसी लिंक का प्रतिशत	100%
	2. उपकरणों के लिए खरीद आदेश देना	2.1. कुल कि.मी ओएफसी बिछाने के कार्य में से समग्र परियोजना के लिए निष्पादित बिछाई गयी ओएफसी का कुल प्रतिशत	100%	2. देशव्यापी सुरक्षित, बहु सेवा और बहु-प्रोटोकॉल अभिसरित नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क	2.1. पूरी परियोजना के लिए विभिन्न घटकों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एसएआई टीसी)	100%

2. दूरसंचार अवसंरचना के निर्माण और संवर्धन के लिए सेवा प्रदाताओं को मुआवजा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
9,000.00	**क. भारतनेट परियोजना**					
	1. हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जुड़ी ग्राम पंचायतें	1.1. ऑप्टिकल फाइबर/रेडियो/सैटेलाइट के माध्यम से जुड़ी ग्राम पंचायतों की संख्या (नग में संचयी)	2,20,000	1. भारतनेट अवसंरचना के उपयोग की स्थिति e	1.1. बैंडविड्थ उपयोग (जीबीपीएस में)	4,500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. सेवा के लिए तैयार की गई ग्राम पंचायतों की संख्या (नग में संचयी)	2,20,000		1.2. डार्क फाइबर उपयोग (संचयी किमी)	35,000
		1.3. बिछाई गई ओएफसी का कुल किमी (किमी में संचयी)	6,70,000		1.3. डेटा खपत (टीबी में) (प्रति माह)	3,000
		1.4. जीपीएस की संख्या जिसमें वाई-फाई एक्सेस पॉइंट स्थापित (संचयी संख्या)	1,20,000			
		1.5. एफटीटीएच कनेक्शन की कुल संख्या (संचयी संख्या)	6,50,000			
	ख. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)					
	1. अरुणाचल प्रदेश और असम के 2 जिलों में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1. स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या) (1500 टावर)	600	1. अरुणाचल प्रदेश और असम के 2 जिलों में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं की उपलब्धता	1.1. विकिरण वाले मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	400
	2. मेघालय में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	2.1. स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	600	2. मेघालय में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं की उपलब्धता	2.1. विकिरण वाले मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	500
	ग. द्वीपों के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)					
	1. अंडमान एवं निकोबार द्वीपों में एनएच-223 पर कवर न किए गए गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी और निर्बाध	1.1. चालू किए जाने वाले मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	124	1. कवर न किए गए गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी का	1.1. मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले कवर न किए गए गांवों की संख्या (संचयी संख्या)	85

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	कवरेज का प्रावधान			प्रावधान और अंडमान एवं निकोबार द्वीपों में एनएच-223 पर निर्बाध कवरेज		
	घ. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संचार सेवा स्कीम (चरण-।।)					
	1. वामपंथी प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान (द्वितीय चरण)	1.1. स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	1,000	1. इन क्षेत्रों में विशेष रूप से गृह मंत्रालय आदि की सुरक्षा एजेंसियों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मोबाइल निवेश बढ़ाना	1.1. विकिरण करने वाली साइटों की संख्या (संचयी संख्या)।	500
	ड. 354 कवर न किए गए गांवों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान					
	1. लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, सीमा और उनकी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के 354 कवर न किए गए गांवों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1. स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	354	1. कवर न किए गए गांवों को मोबाइल सेवाओं से कवर करना	1.1. विकिरण करने वाली मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	354
					1.2. बाइल टेलीफोनी सेवाओं के अभिगम के साथ कवर किए गए गांवों की संख्या। (354 गांवों के परियोजना लक्ष्य का संचयी संख्या)	354
	च. महत्वाकांक्षी जिलों में मोबाइल सेवा का प्रावधान					
	1. महत्वाकांक्षी जिलों में मोबाइल सेवा का प्रावधान	1.1. स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	350	1. महत्वाकांक्षी जिलों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मोबाइल निवेश बढ़ाना	1.1. विकिरण करने वाले मोबाइल टावरों की संख्या (संचयी संख्या)	250
					1.2. कवर न किए गए जिलों की संख्या(संचयी संख्या)	16

उपभोक्ता मामले विभाग

1. उपभोक्ता संरक्षण – मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेत	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेत	लक्ष्य 2021-22
2,700.00	1. संगत कीमतों पर वस्तुओं के स्टॉक की कैलिब्रेटेड रिलीज और उनका समयबद्ध वितरण	1.1. खुला बाजार बिक्री सहित अधिकृत माध्यमों के जरिए बिक्री की गई कृषि-बागवानी वस्तुओं की मात्रा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[23]	1. दालों और प्याज की आपूर्ति बढ़ाना	1.1. बफर स्टाक से निपटान करना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[24]
		1.2. मूल्य स्थिरीकरण पर चर्चा के लिए आयोजित की गई पीएसएफएमसी, आईएमसी और अन्य बैठकों की संख्या	4			

[23] *बिक्री, खुदरा हस्तक्षेप और ओएमएस के माध्यम से होती है*

[24] *निपटान की गई मात्रा मूल्य वृद्धि पर निर्भर होती है और तिमाही का वार्षिक लक्ष्य तय नहीं किए जा सकते*

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

1. खाद्य राज सहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य निगम को खाद्य राज सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,02,616.00[25]	1. पात्र परिवारों को खाद्यान्नों का वितरण (मिलियन टन में))	1.1. खरीदे गए खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	48.71	1. लक्षित आबादी को वितरित किए गए राजसहायता प्राप्त खाद्यान्नों के वितरण के माध्यम से लोगों की खाद्य सुरक्षा	1.1. खाद्यान्न के आवंटन के प्रति राज्य सरकारों द्वारा एफसीआई से उठान किए गए खाद्यान्नों का %	96.24%
		1.2. खरीद (गैर-डीसीपी) प्रक्रिया में शामिल किसानों की कुल संख्या	86,02,132			

2. खाद्य राज सहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्नों की विकेन्द्रीकृत खरीद हेतु खाद्य राज सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
40,000.00	1. पात्र परिवारों को खाद्यान्नों का वितरण (मिलियन टन में)	1.1. इस स्कीम के तहत वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	53.10	1. लक्षित आबादी को वितरित किए गए राजसहायता प्राप्त खाद्यान्नों के वितरण के माध्यम से लोगों की खाद्य सुरक्षा	1.1. इस स्कीम के तहत कुल पात्र व्यक्तियों की संख्या में से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का %.	96.24%
		1.2. डीसीपी राज्यों द्वारा एफसीआई को सौंपे खाद्यान्नों की मात्रा (एमटी))	29.54			
		1.3. डीसीपी प्रक्रिया में शामिल किसानों की कुल संख्या	1,48,11,999			
		1.4. विकेंद्रीकृत तरीके से खरीदे गए खद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	53.36			

[25] *एनएसएसएफ ऋण को छोड़कर*

3. एनएफएसएस के अंतर्गत खाद्यान्नों के राज्य के भीतर संचलन और एफपीएस डीलरों कीमार्जिन हेतु राज्य एजेंसियों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
4,000	1. उचित दर दुकानों के द्वार तक खाद्यान्नों की डिलीवरी	1.1 उचित दर दुकानों के द्वार तक पहुंचाए गए खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)।	55	1. उचित दर दुकानों के माध्यम से खाद्यान्नों का सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित करना।	1.1 आवंटन की तुलना में उचित दर दुकानों पर खाद्यान्नों की सुपुर्दगी की प्रतिशतता।	100%
		1.2 ई-पीओएस उपकरण का प्रयोग करने वाली उचित दर दुकानों की संख्या।	5,38,411		1.2 ई-पीओएस प्रणाली का उपयोग करने वाले एफपीएस डीलरों का प्रतिशत	100%

4. 2019-20 मौसम के लिए चीनी मिलों को सहायता हेतु नई स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,000.00	1. चीनी मौसम 2019-20 के दौरान निर्यात के लिए 60 लाख टन की मिल-वार अधिकतम अनुमेय निर्यात मात्रा में से चीनी मिल द्वारा अपने कोटे का डिस्चार्ज	1.1. स्कीम के अधीन चीनी मिल को भुगतान की गई राशि (करोड़ रुपये में)	1,168	1. चीनी मिल की नकदी की स्थिति में सुधार करने हेतु ताकि वे किसानों के गन्ना मूल्य बकाया का भुगतान कर सकें।	1.1. इस स्कीम के अधीन आबंटित कुल निधियों में से चीनी मिल को भुगतान की जाने वाली राशि का प्रतिशत (करोड़ रुपए में)	90%

1. पूर्वोत्तर और सिक्किम के लिए केंद्रीय संसाधन पूल (एनएलसीपीआर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
580.95	1. सृजित सीटों या नए नामांकित छात्रों की संख्या	1.1 पूर्व सड़कों की लम्बाई कि. मी. में	260	1. गांवों/ पहाड़ी कस्बों से बेहतर कनेक्टिविटी	1.1. सड़कों के माध्यम से जुड़े गांवों की संख्या	355
		1.2 पूर्ण पुलों की संख्या	6		1.2. सड़कों के माध्यम से जुड़े कस्बों की संख्या	46
	2. सब-स्टेशनों/ ट्रांसमिशन लाइनों का स्थापना /उन्नयन	2.1. निर्मित/उन्नत किए गए सब-स्टेशनों की संख्या	11		1.3 पुलों के माध्यम से जुड़े गांवों की संख्या	83
					1.4 पुलों के माध्यम से जुड़े कस्बों की संख्या	2
	3. प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य क्षेत्र की अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण/उन्नयन की परियोजनाओं की संख्या	4	2. बिजली की उपलब्धता में सुधार	2.1. 24*7 बिजली उपलब्धता प्राप्त घरों की संख्या	80,000
				3. स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच	3.1 प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या	1.65 लाख
	4. प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्र शिक्षा अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	4.1. निर्मित/उन्नत किए गए स्कूलों की परियोजनाओं की संख्या	18	4. स्कूली शिक्षा तक बेहतर पहुंच	4.1. सृजित सीटों या नए नामांकित छात्रों की संख्या	3,200
	5. जल आपूर्ति परियोजनाएं	5.1. पूर्ण जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	9	5. पेयजल की बेहतर आपूर्ति	5.1 सुरक्षित पेयजल प्राप्त घरों की संख्या	50,000

2. उत्तर पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
675.00	1. सड़कों और पुलों का निर्माण और उन्नयन	1.1. पूर्ण सड़कों की लंबाई किमी में	212	1. गांवों/पहाड़ी कस्बों से बेहतर कनेक्टिविटी	1.1. सड़कों के माध्यम से जुड़े गांवों की संख्या	302
		1.2. पूर्ण पुलों की संख्या	1		1.2. सड़कों के माध्यम से जुड़े कस्बों की संख्या	66
	2. सब-स्टेशनों /ट्रांसमिशन लाइनों का स्थापना/उन्नयन	2.1. निर्मित/उन्नत किए गए सब-स्टेशनों की संख्या	2		1.3. पुलों के माध्यम से जुड़े गांवों की संख्या	120
	3. प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य क्षेत्र की अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण/उन्नयन की परियोजनाओं की संख्या	5		1.4. पुलों के माध्यम से जुड़े कस्बों की संख्या	1
	4. प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्र शिक्षा अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	4.1. निर्मित/उन्नत किए गए स्कूलों की परियोजनाओं की संख्या	3	2. बिजली की उपलब्धता में सुधार	2.1. 24*7 बिजली उपलब्धता प्राप्त घरों की संख्या	14,000
	5. जल आपूर्ति परियोजनाएं	5.1. पूर्ण जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	4	3. स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच	3.1. प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या	2.8 लाख
				4. स्कूली शिक्षा तक बेहतर पहुंच	4.1. सृजित सीटों या नए नामांकित छात्रों की संख्या	1,000
				5. पेयजल की बेहतर आपूर्ति	5.1. सुरक्षित पेयजल प्राप्त घरों की संख्या	40,000

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग

1. समग्र शिक्षा अभियान (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
31,050.16	1. सार्वभौमिक पहुंच, प्रतिधारण और बुनियादी सुविधाएं	1.1. खोले गए नए स्कूल/ उन्नत किए गए मौजूदा स्कूलों की संख्या (प्राथमिक)	10	1. पहुंच, प्रतिधारण, उत्तीर्णता में वृद्धि और ड्रॉप आउट दर में कमी	1.1. प्रारंभिक स्तर पर समायोजित निवल नामांकन अनुपात (एएनईआर) (%)	88.0%
		1.2. खोले गए नए स्कूल/ उन्नत किए गए मौजूदा स्कूलों की संख्या (उच्च प्राथमिक)	30		1.2. प्रारंभिक स्तर पर वार्षिक ड्रॉप आउट दर (%)	4.5%
		1.3. खोले गए नए स्कूल/ उन्नत किए गए मौजूदा स्कूलों की संख्या (माध्यमिक)	200		1.3. माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (%)	78.0%
		1.4. खोले गए नए स्कूल/ उन्नत किए गए मौजूदा स्कूलों की संख्या (माध्यमिक स्कूलों का उच्चतर माध्यमिक में उन्नयन)	100		1.4 माध्यमिक स्तर पर सकल पहुंच अनुपात (जीएआर) (%)	92.0%
		1.5. खोले गए नए स्कूल/ उन्नत किए गए मौजूदा स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त विषय सहित उच्चतर माध्यमिक)	300		1.5 प्रारंभिक स्तर पर मुख्य धारा में लाए गए स्कूल से बाहर के बच्चों की संख्या	100%
		1.6. नये आवासीय स्कूलों/ खोले गए छात्रावासों की संख्या	10		1.6 माध्यमिक स्तर पर वार्षिक औसत ड्रॉप-आउट दर (%)	17.3%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.7 स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या जिन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया (प्रारंभिक स्तर पर)	8,00,000		1.7 वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (%)	52.0%
					1.8 प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर पर ट्रांजिशन दर (%)	91.5%
		1.8 परिवहन और एस्कॉर्ट सुविधा प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या	11,00,000		1.9 जिशन दर (कक्षा VIII से IX) (%)	91.0%
		1.9 धारा 12(1)(ग) *(आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(ग) के अंतर्गत दाखिले पर हुए व्यय के 25% की प्रतिपूर्ति)* के अंतर्गत कवर किए बच्चों की संख्या	30,00,000		1.10 ट्रांजिशन दर (कक्षा X से XI) (%)	71.0%
		1.10 सुदृढीकरण (अतिरिक्त कक्षा कक्ष सहित) के अंतर्गत कवर किए गए स्कूलों की संख्या (प्रारंभिक)	30,000			
		1.11 सुदृढीकरण (अतिरिक्त कक्षा कक्ष सहित) के अंतर्गत कवर किए गए स्कूलों की संख्या (माध्यमिक)	5,000			
		1.12 सुदृढीकरण (अतिरिक्त कक्षा कक्ष सहित) के अंतर्गत कवर किए गए	1,500			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		स्कूलों की संख्या (उच्चतर माध्यमिक)				
		1.13 नि:शुल्क वर्दी दिए गए छात्रों की संख्या	8,02,04,045			
	2. गुणवत्ता	2.1. निशुल्क पाठ्य पुस्तक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	9,99,51,086	2. छात्रों के अधिगम परिणाम में वृद्धि	2.1. भाषा में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 3)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		2.2 अधिगम वृद्धि/ संवर्धन कार्यक्रम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	2,13,54,878		2.2. भाषा में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 5)	
		2.3 पुस्तकालय सुविधा वाले स्कूलों की संख्या	10,83,747		2.3. भाषा में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 8)	
		2.4 खेल उपकरण सुविधा वाले स्कूलों की संख्या	10,83,747		2.4. गणित में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 3)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					2.5. गणित में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 5)	
					2.6. गणित में 50 % अथवा उससे अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों (%) के अंक प्रतिशत में वृद्धि (कक्षा 8)	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3 आईसीटी एवं डिजिटल पहल	3.1 आईसीटी एवं डिजिटल पहलों के अंतर्गत कवर किए गए स्कूलों की संख्या	6,000	3. शिक्षक शिक्षा संस्थानों की विभिन्न गतिविधियों की समग्र गुणवत्ता में सुधार एवं उनकी कार्यपद्धति को मजबूत बनाना	3.1. वर्ष के दौरान प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन आयोजित करने वाले राज्यों की संख्या	10
					3.2. शिक्षकों का प्रतिशत जिन्होंने वर्ष के दौरान प्रशिक्षण के बाद के मूल्यांकन को उत्तीर्ण किया	60%
	4 शिक्षक शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण	4.1 वर्ष के दौरान कार्यात्मक डीआईईटी की संख्या	5			
		4.2 डीआईईटी में खाली पदों में कटौती (%)	5%			
		4.3 प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, शिक्षक शिक्षकों और शैक्षणिक प्रशासकों की संख्या (लाख)	30 लाख			
	5 कौशल विकास	5.1 व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत शामिल किए गए नये स्कूलों की संख्या	2,000	4. शिक्षा के व्यावसायीकरण को बढ़ावा	4.1. वोकेशनल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या (लाख)	2 लाख
	6 महिला-पुरूष	6.1 नये कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की संख्या	5	5. एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित बच्चों के लिए सभी स्तर पर समान और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करना- छात्रों	5.1. प्रांरभिक स्तर पर महिला-पुरूष अंतराल	1.01
		6.2 कक्षा VIII से कक्षा X तक अपग्रेड किए गए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की संख्या	300		5.2. माध्यमिक स्तर पर जीपीआई	1.0
		6.3 कक्षा VIII से कक्षा XII तक अपग्रेड किए गए	300		5.3. वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर जीपीआई	1.0

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की संख्या		का कम ड्रापआउट		
		6.4 अलग बालिका शौचालय के लिए प्रावधान (संख्या)	4,000		5.4. सीडब्ल्यूएसएन के नामांकन में सुधार	0.5%
		6.5 छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या	3,00,000			
	7. समानता और समावेशी शिक्षा	7.1 विशेष जरूरतों वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) छात्राओं की संख्या जिनको भत्ता प्रदान किया गया	5,00,000			
		7.2 वित्तीय सहायता प्रदान किए गए विशेष शिक्षकों की संख्या	25,000			

2. स्कूलों में राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
11,500.00	1. पात्र स्कूल में बच्चो के लिए नि:शुल्क भोजन का प्रावधान	1.1. वास्तविक लाभार्थियों की संख्या (सं. करोड़ में)	11.59 करोड़	1. उपस्थिति सुधारने के लिए	1.1. छात्रों की उपस्थिति दर (%)	80%
	2. एनपी-एमडीएमएस 2019 दिशानिर्देशों का अनुपालन	2.1. एनपी-एमडीएमएस (संख्या लाख में) अनुपालन करने वाले स्कूलों की संख्या	11.20 लाख	2. शिक्षा में जेंडर और सामाजिक	2.1. एनईआर को प्राथमिक शिक्षा में एसटी/एससी छात्रों के लिए समायोजित किया गया (%)	90%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		(लाख)		अंतराल में कमी	2.2. एनईआर को प्राथमिक शिक्षा में छात्राओं के लिए समायोजित किया गया (%)	91%
					2.3. प्राथमिक स्तर पर कुल मिलाकर एनईआर को समायोजित किया गया (%)	90%
	3. स्कूलों की अवसंरचना का प्रावधान	3.1. रसोई-सह-भंडार गृह के साथ स्कूलों का प्रतिशत	100%	3. सभी पात्र स्कूलों मे भोजन तैयार करना	3.1. उपयोग किए गए खाद्यान्न का प्रतिशत	100%
	4. स्कूल पोषण उद्यान	4.1. स्कूल पोषण उद्यान वाले स्कूलों का प्रतिशत	100%	4. बच्चों के पोषण स्तर में सुधार	4.1. एमडीएम प्राप्त कर रहे बच्चों की ऊंचाई/वजन में % वृद्धि	10%
					4.2. कम वजन वाले बच्चे जिन्होंने एमडीएम प्राप्त किया, के % में कमी	10%

उच्चतर शिक्षा विभाग

1. विश्व स्तरीय संस्थाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,710.00	1. सहायता दी गई है। के रूप में उन सार्वजनिक और निजी संस्थाओं का चयन जो विश्व स्तरीय संस्थाओं के रूप में उभरेंगी।	1.1. उन सावर्जनिक क्षेत्र की संस्थाओं की संख्या जिन्हें विश्व स्तरीय संस्था बनने के लिए सहायता दी गई है।	2	1. देश के छात्रों को देश के भीतर किफायती दर पर विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना।	1.1. विश्व स्तरीय संस्थानों में उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने वाले देश के छात्रों की संख्या	1,11,709
					1.2. विश्व स्तरीय संस्थाओं में संकाय-छात्र के मध्य औसत अनुपात	1:10
					1.3 विश्व स्तरीय संस्थाओं में विकसित सामजिक रूप से प्रासंगिक प्रौद्योगिकयों की संख्या	294
					1.4. प्रमुख विदेशी समीक्षा पत्र-पत्रिकाओं में प्रति संकाय सदस्य प्रकाशित शोध पत्रों की औसत संख्या	2.67
					1.5. दायर किए जाने वाले पेटेंट की संख्या	300
					1.6 एनएएसी अथवा अन्य प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित संस्थाओं की संख्या	11
		1.2 उन निजी संस्थाओं की संख्या जिन्हें विश्व स्तरीय संस्थाएं बनने के लिए गैर-वित्तीय सहायता दी गई है।	7		1.7 भारत की विश्व स्तरीय संस्थाओं में उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे विदेशी छात्रों की संख्या	4987
					1.8 उभरती प्रौद्योगियों के क्षेत्रों में और राष्ट्र के विकास संबंधी सराकारों के किए प्रासंगिक अंतर-विषयी पाठ्यक्रमों की संख्या	208
					1.9. भारत की विश्व स्तरीय संस्थाओं में विदेशी संकाय की संख्या	1098

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				2. उत्कृष्ट संस्थानों (आईओई) की विश्व रैंकिंग में सुधार[26]	2.1. उन चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या जिनको विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 में स्थान मिला (टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग अथवा क्यूएस या शंघाई की जियाओ टोंग यूनिवर्सिटी के अनुसार)।	0
					2.2 उन चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या जिनको विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान मिला (टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग अथवा क्यूएस या शंघाई की जियाओ टोंग यूनिवर्सिटी के अनुसार)	0

2. गारंटी निधि के लिए ब्याज सहायता और अंशदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,900.00	1. योजना के अंतर्गत ब्याज सहायता दावों को जारी करना	1.1. उन छात्रों की संख्या जिन्हें वित्तीय वर्ष में ब्याज सहायता दावों का भुगतान किया गया (नये/नवीकरणीय)	2,46,233	1. व्यावसायिक/प्रौद्योगिक पाठ्यक्रमों तक अधिक पहुंच	1.1. उच्च शिक्षा (व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्क्रयम) के अपेक्षित स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले लाभार्थी छात्रों की संख्या	1,11,709
	2. शैक्षिक ऋणों के	2.1. उन छात्रों के खातों की	1,15,000	2. उधार देने वाले बैंकों पर	2.1. विगत वर्ष से गारंटी	15%

[26]यह योजना अभी शुरूआती स्तर पर है; वित्तीय वर्ष 2021-22. में कोई परिणाम संभव नहीं है।

योजना के अनुसार, संस्थाओं को 10 वर्षों की अवधि के भीतर विश्व रैंकिंग के शीर्ष 500 में स्थान पाना होता है तथा शीर्ष 500 में स्थान प्राप्त करने के बाद विश्व रैंकिंग के शीर्ष 100 में स्थान पाने के लिए अपनी रैंकिंग में निरंतर सुधार करना होता है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	लिए क्रेडिट गारंटी निधि	कुल संख्या जिन्हें गारंटी दी जानी है।		एनपीए के भार में कमी, जिसके परिणाम-स्वरूप और पात्र छात्रों को अधिक संख्या में शामिल करने के लिए उनके आत्मविश्वास में बढोतरी	निधि में शामिल किए गए ऋणों में वृद्धि का %	

3. शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम (छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
500.00	1. तकनीकी पात्रता रखने वाले युवाओं को उनके कार्य क्षेत्र के लिए अपेक्षित व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना।	1.1. गैर-इंजीनियरिंग डिग्री छात्रों और इंजीनियरों/ डिप्लोमा पास करने वालों की संख्या जिन्होंने सफलतापूर्वक अपनी प्रशिक्षुता को पूरा कर लिया है और जो भारत सरकार से दक्षता प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं। (लाख)	1.25 लाख	1. प्रशिक्षुओं के लिए आजीविका के अवसरों में वद्धि	1.1. प्रशिक्षुता के पूरा होने के बाद नौकरी की पेशकश प्राप्त प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	70%

4. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
3,000.00	1. बहुविषयी विश्वविद्यालय	1.1. उन बहु विषयी विश्वविद्यालयों की कुल संख्या जिनके लिए वित्त वर्ष 2021-22 में सहायता अनुमोदित की गई	10	1. पहुँच	1.1. नामांकन (मिलियन में)	38.96
	2. बहुविषयी उच्च शिक्षा संस्थान	2.1. उन बहु विषयी उच्च शिक्षा संस्थानों की कुल संख्या जिनके लिए वित्त वर्ष 2021-22 में सहायता अनुमोदित की गई	10		1.2. जीईआर	27.52%
	3. प्रत्यायन के जरिए ग्रेडेड स्वायत्तता	3.1. उन संस्थानों की कुल संख्या जिनकी मान्यता के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में सहायता स्वीकृत क	10	2. समता	2.1. महिलाओं के लिए जीईआर	27.8%
	4. जेंडर समावेशिता और समता	4.1. उन राज्यों की कुल संख्या जिनके लिए वित्त वर्ष 2021-22 में जेंडर समावेशन और समता पहल अनुमोदित की गई	10		2.2. अनुसूचित जातियों के लिए जीईआर	24.62%
					2.3 अनुसूचित जन जातियों के लिए जीईआर	18.4%
				3 उत्कृष्टता	3.1. संकाय अनुपात	18
					3.2 शीर्ष 100 एनआईआरएफ रैंक में आने वाले रूसा के तहत सहायता प्राप्त संस्थानों की संख्या	3

1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम – इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी एचडब्ल्यू विनिर्माण (सीएस) को प्रोत्साहन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,631.32	**क. संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम सिप्स)**					
	1. ईएसडीएम क्षेत्र में पूंजी निवेश पर प्रोत्साहन प्रदान करना (प्रतिपूर्ति के आधार पर)	1.1 अनुमोदित परियोजनाओं के अनुवर्ती चरणों में निवेश पर प्रोत्साहन प्रतिबद्धता (करोड़ रू में)	500	2. ईएसडीएम क्षेत्र में पूंजी निवेश और रोजगार सृजन।	1.1 एम सिप्स के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा पूंजी निवेश(करोड़ रुपये में)	5,000
		1.2 संवितरित प्रोत्साहन की राशि (करोड़ रु में)	500		1.2 एम सिप्स के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा उत्पन्न रोजगार(संख्या में)।	25,000
	क. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) योजना					
	1. ईएसडीएम क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए अवसंरचना आधार सृजित करना और उसे मजबूत बनाना	1.1 ऐसी ईएमसी की संख्या जिनके लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है ।	12	3. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण अवसंरचना को बढ़ावा देना	3.1. ईएमसी क्षेत्र की कंपनियों को आबंटित भूमि (एकड में)	150
		1.2 जारी जीआईए की राशि (करोड़ में)	190		3.2. ईएमसी में आकर्षित निवेश (करोड़ रु. में)	6,000
					3.3. उत्पादन शुरू करने वाली कंपनियों की संख्या	40
	ग. संशोधित इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना					
	2. ईएमसी के माध्यम से देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण कंपनियों को आकर्षित करने के लिए अवसंरचना को मजबूत करना	1.1 ईएमसी की संख्या जिनके लिए अनुदान स्वीकृत किया जाता है	3	2. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए मार्ग उपलब्ध कराना	2.1. ईएमसी में कंपनियों को आबंटित भूमि (एकड़ में)	100
		1.2 जारी जीआईए की राशि (करोड़ रु में)	150		2.2. ईएमसी में आकर्षित निवेश (करोड़ रु में)	5,000
					2.3. ईएमसी में अनुमानित रोजगार ।	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	घ. इलेक्ट्रॉनिक विकास निधि (ईडीएफ़)					
	1. इलेक्ट्रॉनिकी, नैनों - इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी में केंद्रित उद्यम निधि में ईडीएफ द्वारा निवेश।	1.1. उद्यम निधि की संख्या जिसमें ईडीएफ़ के माध्यम से निवेश किया जाता है	8	1. इलेक्ट्रॉनिकी, नैनो-इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी में काम करने वाली कंपनियों के लिए जोखिम पूंजी की उपलब्धता ।	1.1. ईडीएफ़ की डॉटर निधि के माध्यम से वित्त पोषित स्टार्टअप की संख्या	10
		1.2. उद्यम निधि में ईडीएफ़ के निवेश की राशि (करोड़ रु में)	49		1.2. इन स्टार्टअप्स में डॉटर निधि के निवेश की राशि	160
	ड. इलेक्ट्रॉनिक संघटक और सेमिकंडक्टर विनिर्माण संवर्धन योजना (एसपीईसीएस)					
	1. इलेक्ट्रॉनिक संघटकों और सेमिकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को सहायता	1.1. प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या	50	1. इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निवेश में वृद्धि	1.1. योजना के तहत शामिल इकाइयों द्वारा निवेश	1,000
		1.2. ऐसी इकाइयों की कुल संख्या जिनके लिए प्रोत्साहन जारी किया गया	30	2. इलेक्ट्रॉनिक संघटकों और सेमिकंडक्टरों के उत्पादन में वृद्धि	2.1. योजना के तहत शामिल इकाइयों द्वारा उत्पादन	2,000
		1.3. ऐसी इकाइयों की कुल संख्या जिनके लिए प्रोत्साहन वितरित किया गया	20	3. इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में प्रत्यक्ष रोजगार में वृद्धि	3.1. योजना के तहत शामिल इकाइयों द्वारा रोजगार	10,000
	च. बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण के लिए उत्पादन संबद्ध (पीएलआई) योजना					
	1. पीएलआई योजना के तहत अनुमोदित मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक संघटक विनिर्माण इकाइयों द्वारा वृद्धिशील निवेश	1.1. यथा परिभाषित आधार वर्ष के अंत के बाद वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक भारत में अनुमोदित कंपनियों द्वारा किया गया निवेश (करोड़)	1,000	1. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में सृजित रोजगार	1.1. वित्त वर्ष 2021-22 तक अनुमोदित कंपनियों द्वारा नियोजित लोगों की संख्या	1,00,000
	2. अनुमोदित कंपनियों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं	2.1. दी गई अवधि में विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री में से समतुल्य	10,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	की वृद्धिशील बिक्री	अवधि में आधार वर्ष में विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री घटाकर (यानी वित्त वर्ष 2021-22) (करोड़ रुपए में)				

2. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - आईटी, इलेक्ट्रॉनिकी, सीसीबीटी में अनुसंधान एवं विकास [टाइड 2.0, टीडीआईएल और आईओटी तथा उभरती प्रौद्योगिकियों सहित] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
700.00	**1. इनक्यूबेटर, इनोवेशन और आईपीआर**					
	1. इनक्यूबेटर और विशेषीकृत इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्कों को सहायता	1.1. ऐसे स्थानों की कुल संख्या जहां इन्क्यूबेटरों को स्थापित किया गया है (विष्य-आधारित इनक्यूबेटर्स)	4	1. नवाचार द्वारा संचालित अवसंरचना को बढ़ावा देने की लिए सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप	1.1. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप की कुल संख्या	170
					1.2. सफलतापूर्वक चलाये गए स्टार्ट-अप की संख्या	40
				2. आईसीटी उद्योग में रोजगार के अवसरों में वृद्धि	2.1. सृजित नई नौकरियों की कुल संख्या	1,000
				3. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप द्वारा सृजित आईपीआर	3.1. दायर किए गए कुल पेटेंट/ कॉपीराइट की संख्या	120
	2. आर एंड डी ग्रुप					
	1. सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), ईलेक्ट्रॉनिकी और संचार समाहार और ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकियों (सीसी	1.1. कार्यान्वित की गई परियोजनाओं की कुल संख्या *(जारी और नई परियोजनाएँ)* ~ आईटी में आर एंड डी	30	1. उल्लिखित क्षेत्रों में इनक्यूबेशन/ स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए, प्रूफ ऑफ़ कांसेप्ट, प्रोटोटाइप, उत्पादों,	1.1. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (आईटी में आरएंडडी)	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	और बीटी) में अनुसंधान और विकास	1.2. कार्यान्वित की गई परियोजनाओं की कुल संख्या *(जारी और नई परियोजनाएँ)* ~ इलेक्ट्रॉनिकी में आर एंड डी	40	प्रयासों को पूरा कर नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.2. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	12
		1.3. कार्यान्वित की गई परियोजनाओं की कुल संख्या (*जारी और नई परियोजनाएँ)* ~ सीसी और बीटी में आरएंडडी	20		1.3. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (सीसीएंडबीटी में आर एंड डी)	0
		1.4. आईटी में अनुसंधान और विकास: परियोजना में प्रशिक्षित एसएंडटी जनशक्ति/ दी गयी पीएचडी की संख्या	60		1.4. प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (आर एंड डी)	5
		1.5. इलेक्ट्रॉनिकी में अनुसंधान और विकास: परियोजना में प्रशिक्षित एस एंड टी जनशक्ति/ दी गयी पीएचडी की संख्या	200		1.5. प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण (इलेक्ट्रॉनिकी में आर एंड डी)	2
		1.6. सीसीबीटी में अनुसंधान और विकास: परियोजना में प्रशिक्षित एस एंड टी जनशक्ति/ दी गयी पीएचडी की संख्या	50		1.6. पेटेंट फाइलिंग (आर एंड डी)	12
					1.7. प्रकाशन (आर एंड डी)	85
	ग. टीडीआईएल					
	1. टीडीआईएल में आर एंड डी	1.1. कार्यान्वित की गई परियोजनाओं की कुल संख्या	4	1. टीडीआईएल में आर एंड डी	1.1. चैलेंज राउंड्स के माध्यम से स्टार्टअप के साथ सहभागिता	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		(जारी और नई परियोजनाएँ) - टीडीआईएल में आर एंड डी			(टीडीआईएल में आर एंड डी) (संख्या में)	
					1.2. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (टीडीआईएल में आर एंड डी) (संख्या में)	5
					1.3. प्रकाशन (टीडीआईएल में आर एंड डी) (संख्या में)	6
	घ. प्रौद्योगिकी उद्भवन और उद्यमियों का विकास (टाइड) 2.0					
	1. स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सहयोग के लिए आधार को मजबूत करना	1.1. सहायता प्राप्त इनक्यूबेटरों की संख्या	51	1. स्टार्ट-अप प्रणाली में बढ़े हुए निवेश के साथ बढ़ा हुआ रोजगार और स्टार्ट-अप की अधिक वृद्धि	1.1. कुल सृजित रोजगार	400
		1.2. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या	200		1.2. विकसित उत्पादों की संख्या	50
		1.3. इकोसिस्टम की गतिविधियों की संख्या	1		1.3. पंजीकृत पेटेंट की संख्या	20
		1.4. संचालित प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	50		1.4. पंजीकृत कॉपीराइट की संख्या	10
		1.5. संचालित किए गए कम सहभागिता वाले कार्यक्रमों की संख्या	50		1.5. पंजीकृत ट्रेडमार्क की संख्या	10
		1.6. संचालित किए गए अधिक सहभागिता वाले कार्यक्रमों की संख्या	12		1.6. स्टार्ट-अप की संख्या जो लाभदायक रहे	10
		1.7. लॉन्च किए गए चैलेंज ग्रांट की संख्या	12		1.7. स्टार्ट-अप की संख्या जिसे सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया	10
		1.8. आयोजित की गई हैकेथॉन्स की संख्या	12			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.9. इनक्यूबेटर द्वारा औद्योगिक टाई-अप/ हस्ताक्षरित एमओयू की संख्या	25			
	ड. आईओटी और उभरती प्रौद्योगिकियाँ					
	1. इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स पर नए उत्कृष्टता केन्द्रों की शुरुआत करना	1.1. स्थापित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की कुल संख्या	1	1. ओपन टेक्नोलॉजी स्टैक के प्रयोग के अधिक लाभ । कंपनी से लेकर एसएमई/ स्टार्ट-अप तक प्रोटोटाइप/ परियोजना को प्रदर्शित करते हुए उद्योग विशेषज्ञ/ सलाहकारों तक अभिगम।	1.1. वास्तविक जीवन की समस्या के लिए निष्पादित पायलटों/ परियोजनाओं की संख्या	3
		1.2. नामांकित स्टार्ट-अप की संख्या	35		1.2. दायर की गई आईपी की संख्या	3
		1.3. स्टार्ट-अप के साथ की गई सहभागिता की संख्या	75			

3. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[27]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[28]
500.00	1. उच्च अधिगम एवं अनुसंधान संस्थानों को	1.1. एनकेएन से जुड़े संस्थानों को दी गई लिंकों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	1. बड़े प्रतिभागी संस्थानों में ज्ञान संसाधनों का सृजन,	1.1. पैटाबाइट्स में एनकेएन में औसत डेटा प्रवाह ।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए

[27] *एनकेएन परियोजना की अवधि 31 मार्च 2021 तक है । एनकेएन के अगले चरण के लिए प्रस्ताव यानि डिजिटल इंडिया इन्फोवे (डीआईआई) जो बड़े व्यापक और बड़े स्तर पर एनकेएन की निरंतरता में है पर विचार किया जा रहा है ।*

[28] *एनकेएन परियोजना की अवधि 31 मार्च 2021 तक है । एनकेएन के अगले चरण के लिए प्रस्ताव यानि डिजिटल इंडिया इन्फोवे (डीआईआई) जो बड़े व्यापक और बड़े स्तर पर एनकेएन की निरंतरता में है पर विचार किया जा रहा है ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[27]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[28]
	परस्पर जोड़ने के लिए एक उच्च गति डेटा संचार नेटवर्क			अभिग्रहण और साझेदारी; सहयोगात्मक अनुसंधान आदि को सुकर बनाना ।		जा सकते।
		1.2. एनकेएन से जुड़ी प्रमुख लिंकों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।		1.2. नेटवर्क पर औसत बैंडविथ उपयोगिता ।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		1.3. अंतरराष्ट्रीय लैन्डिंग पॉइंट/ पीओपी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।		1.3. कम से कम 1 जीबीपीएस कनेक्शन के साथ संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

4. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1500.00	1. डिजिटल भुगतान स्वीकृति अवसंरचना में वृद्धि	1.1. डिजिटल भुगतानों को स्वीकार करने के लिए ऑन बोर्ड किए गए व्यापारियों की संख्या (**करोड़** में)	1.3	1. डिजिटल लेनदेनों की वृद्धि	1.1. डिजिटल लेनदेनों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (% वृद्धि)	20%
	2. डिजिटल भुगतानों का अधिक प्रसार	2.1. डिजिटल लेनदेनों की संख्या (**करोड़** में)	6,000			

आर्थिक कार्य विभाग

1. एक्ज़िम बैंक के लिए ब्याज समकारी सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,776.01	1. रियायती शर्तों पर विकासशील देशों को उधार देने में समर्थ बनाने के लिए एक्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (आईईएस)	1.1 एक्जिम बैंक को दी गई ब्याज समकारी सहायता की राशि (रु0 में)	2,075[29]	1. भारत के रणनीतिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों में सुधार हुआ	1.1 आईईएस के माध्यम से एक्जिम (संचयी) के लिए समर्थित देशों की कुल संख्या	68
		1.2 दी गई ऋण श्रृंखला की संख्या	335		1.2 समर्थित नए देशों की संख्या (वर्षानुवर्ष)	5
		1.3 दी गई ऋण श्रृंखला की राशि (मिलियन अमरीकी डालर में)	35,536.61		1.3 समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या (वर्षानुवर्ष)	25
		1.4 विभिन्न देशों को दी गई ऋण श्रृंखलाओं के तहत समर्थित परियोजनाओं की संख्या	580			
		1.5 दी गई ऋण श्रृंखला के तहत परियोजना का मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर में)	7,000		1.4 समर्थित परियोजनाओं के मूल्य में परिवर्तन (मिलियन अमरीकी डालर में) (वर्षानुवर्ष)	2,366.92
		1.6 आईईएस के भुगतान के लिए निधियों का उपयोग (% में)	100			
				2. भारत के माल और सेवा निर्यात को बेहतर बनाया है	2.1 माल और सेवा निर्यात के माध्यम से भारत के निर्यात उत्पादों की संख्या में परिवर्तन (मिलियन अमरीकी डालर में)	750

[29] *वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एक्जिम बैंक को दी गई ब्याज समतुल्यता सहायता (आईईएस) की कुल राशि 2075 करोड़ रु0 (इसमें विदेश मंत्रालय का 499 करोड़ रुपये का बजट भी शामिल है) है। तदनुसार, 1576 करोड़ रुपये की आईईएस राशि का भुगतान आर्थिक कार्य विभाग के बजट शीर्ष से किया जाएगा। कार्य आबंटन नियम, 1961 के अनुसार, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश को ऋण और क्रेडिट प्रदान करने से संबंधित सभी मामलों को विदेश मंत्रालय द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इसलिए आईईएस की 499 करोड़ रुपये की शेष राशि विदेश मंत्रालय के बजट शीर्ष से अदा की जाएगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					2.2. ऋण श्रृंखलाओं के माध्यम से भारत के निर्यात उत्पाद मूल्यों में परिवर्तन (रू0 करोड़ में)	5,550
					2.3. भारतीय निर्यातकों द्वारा अर्जित व्यापार का कुल मूल्य (रू0 करोड़ में)	5,550
					2.4. संविदा के माध्यम से लाभान्वित नए भारतीय निर्यातकों की संख्या	25
					2.5. भारतीय निर्यातकों को दिए गए नए संविदा का कुल मूल्य (रू0 करोड़ में)	17,515
				3. भागीदार देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया है	3.1 ऋण श्रृंखला के तहत कार्यान्वित परियोजनाओं के माध्यम से भागीदार देश में सृजित नौकरियों की संख्या	4,500

वित्तीय सेवाएं विभाग

1. नाबार्ड की शेयर पूंजी में अभिदान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,000.00	1. नाबार्ड[30] की उधार देने की क्षमता में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार 10 गुना तक की वृद्धि	1.1. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान (भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए) निधियां एकत्र करने का प्रस्ताव किया गया (रु करोड़ में)[31]	2,000	1. भारत सरकार की विभिन्न पहल विशेष रूप से कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों के लाभ के लिए ऋण बढ़ाने की सुविधा हेतु नाबार्ड की सहायता करना	1.1. आजीविका और आय सृजन गतिविधियों के लिए स्वीकृत राशि में वृद्धि[32] (रु करोड़ में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[33]

2. सूक्ष्म इकाइयों के लिए ऋण गारंटी योजना – सीजीएफएमयू (एनसीजीटीसी के माध्यम से)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,500.00	1. ऐसे ऋणों को गारंटी कवर उपलब्ध कराकर संपार्श्विक रहित उधार को प्रोत्साहित करना	1.1. योजना के अंतर्गत गारंटीयुक्त ऋण खातों की संचयी	75	1. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के अंतर्गत संपार्श्विक रहित ऋण (10	1.1. वित्तीय वर्ष 2021-22 में पीएमएमवाई के अंतर्गत मंजूर किए जाने	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[34]

[30] *राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक*

[31] *नेट स्वामित्व वाले फंड का 10 गुना*

[32] *प्रस्तावित संकेतक*

[33] *परिणाम निर्धारित नहीं किए जा सकते। हालाँकि, यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वृद्धि को गति प्रदान करती है, जो कि ग्रामीण बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने में सहायक है।*

[34] *लक्ष्य निर्धारित किया जाना शेष है (विगत वर्ष की उपलब्धियों के आधार पर प्रत्येक वर्ष लक्ष्य का निर्धारण किया जाता है) वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ताकि सदस्य उधारदात्री संस्थाओं के ऋण जोखिम को कम किया जा सके	संख्या (लाखों में)		लाख रुपए तक) में वृद्धि	वाले ऋणों की राशि (रु करोड़ में)	

3. भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम) की शेयर पूंजी में अभिदान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,500.00	1. जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) को बनाए रखना	1.1. सीआरएआर का प्रतिशत	9	1. उधार देने की क्षमता में सुधार	1.1. 31.03.2021 से परे एक्जिम बैंक के पास बकाया निवल ऋणों में प्रतिशत वृद्धि	5

4. आंशिक ऋण गारंटी योजना (पीसीजीएस) - (सिडबी के माध्यम से परिचालित)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,000.00	1. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)/ आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी)/ सूक्ष्म वित्त संस्थाओं (एमएफआई) से संपत्ति/बांड्स/ वाणिज्यिक प्रपत्रों (सीपी) की खरीद हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को आंशिक गारंटी कवर उपलब्ध कराना	1.1. बढ़ाई गई गारंटी की राशि (रु करोड़ में)	10,000	1. एनबीएफसी/एचएफसी/ एमएफआई की अल्पकालिक चल निधि/ नकदी प्रवाह असंतुलन संबंधी समस्याओं का समाधान करना	1.1. योजना के अंतर्गत खरीदी गई सामूहिक संपत्ति/ बांड्स/सीपी की कुल राशि (रु में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

5. **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का पुर्नपूंजीकरण**[35]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,200.00	1. आरआबी में विनियामक पूंजीकरण को शामिल करना	1.1 पूंजीकरण के साथ शामिल आरआरबी की संख्या	25	1. विनियामक आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए जोखिम आधारित परिसंपत्तियों का रखरखाव	1.1 आरआरबी की ऋण प्रदान करने की क्षमता द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा	200*
		1.2 विनियामक पूंजीकरण के लिए शामिल आरआरबी को अंतरित राशि (रुपए करोड़ में)	200			

[35] *2020-21 के बाद स्कीम को जारी रखने के लिए मंत्रिमंडल के अनुमोदन के अधीन। 25 आरआरबी में विनियामक पूंजी को शामिल करने की सीमा 200 करोड़ रुपए है।*

मत्स्य पालन विभाग

1. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.) (सी.एस.+सी.एस.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,000.00	1. मत्स्यपालन में अतिरिक्त निवेश	1.1. मत्स्यपालन क्षेत्र में किया गया कुल निवेश (सभी अनुमोदित डी.पी.आर. का आर्थिक मूल्य) (करोड़ रुपये)	2,500	1.1. मछली उत्पादन, उत्पादकता को बढ़ावा देनाजिसके परिणामस्वरूप आय और जीवन स्तर में सुधार होगा	1.1. वार्षिक मछली उत्पादन वृद्धि दर (%)	8
		1.2. सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या (लाख में)	3		1.2. वित्त वर्ष के दौरान कुल मछली उत्पादन (मिलियन मीट्रिक टन)	17.03
					1.3. नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले मछली किसानों की संख्या	7,000
	2. मत्स्य पालन में नई प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण का अपनाया जाना	2.1. सहायता प्राप्त जलाशय पेन्स की संख्या	563		1.4. वैश्विक मछली उत्पादन में भारत का अंशदान (%)	7.8
		2.2. सहायता प्राप्त पिंजरों की संख्या	7,200			
		2.3. स्थापित की गई पुन: संचारी जलकृषि प्रणाली (आर.ए.एस.) की इकाइयों की संख्या	400			
		2.4. सहायता प्राप्त बायोफ्लोक इकाइयों की सं.	400			
		2.5. कौशल उन्नयन और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	10			
		2.6. प्रशिक्षण कार्यशालाओं/ सेमिनारों की संख्या	5,000			
	3. मछली/ झींगा हैचरी, ब्रूड बैंक, फीड मिल,	3.1. स्थापित ब्रूड बैंकों की संख्या	5	2. कम लागत और बेहतर कीमतों से	2.1. मछली निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा की आय में वृद्धि (करोड़ रुपये)	1,941

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	तालाबों(/ टैंकों, रेसवे, इकाइयों की स्थापना	3.2. स्थापित हैचरियों की संख्या	104	संबंधितउच्च निर्यात, मत्स्य क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन	2.2. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन (कुल नियोजित व्यक्तियों की संख्या) (लाख में)	11,00,000
		3.3. निर्मित मछली चारा मिलों की संख्या	124		2.3. उत्पादित मछली चारा की कुल राशि (मीट्रिक टन)	1,240
		3.4. निर्मित रेसवे की संख्या	675			
		3.5. जलकृषि के अन्तर्गत लाया गया कुल क्षेत्र (हेक्टेयर)	4,140			
	4. मजबूत पोस्ट हार्वेस्ट अवसंरचना का सृजन	4.1. निर्मित आइस प्लांट तथा कोल्ड स्टोरेज की कुल क्षतमा (मीट्रिक टन)	54			
		4.2. आइस प्लांट तथा कोल्ड स्टोरेज की कुल क्षमता(मीट्रिक टन)	2,160			
		4.3. उपलब्ध कराए गए इंसुलेटिड तथा रेफ्रिजरेटर कंटेनरों/ट्रकों की संख्या	383			
		4.4. इंसुलेटिड तथा रेफ्रिजरेटर कंटेनरों/ट्रकों की कुल क्षमता (मीट्रिक टन)	3,830			
		4.5. आइस बाक्स के साथ उपलब्ध कराई गई साईकिलों कीसंख्या	1,238			
		4.6. आइस बाक्स के साथ उपलब्ध कराई गई मोटरसाईकिलों कीसंख्या	1,237			
		4.7. समर्थित सागर मित्रों की संख्या	3,477			
		4.8. स्थापित किए गए मत्स्य सेवा केन्द्रों की संख्या	100			
		4.9. मछली बंदरगाह तथा मछली लेंडिंग केन्द्रों की संख्या	7			
	5. बाजार अवसंरचना की स्थापना और आधुनिकीकरण	5.1. खुदरा मछली बाजारों की संख्या जिनमें सुपर बाजार मोबाइल फिश और लाइव फिश बाजार का सृजन भी शामिल है	24			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	तथा बाजार लिंकेज को सुविधाजनक बनाना	5.2. विकसित किए गए आधुनिक थोक मछली बाजारों की संख्या	62			
		5.3. स्थापित किए गए मछली विक्रय की कियास्कों की संख्या	371			
		5.4. मछली किसान उत्पादक संगठनों (एफ.एफ.पी.ओ.) तथा सहायता प्राप्त सहकारी/परिसंघों की संख्या	100			
	6. समुद्री मत्स्यपालन में मॉनिटरिंग नियंत्रण और निगरानी गतिविधियों को मजबूत करना	6.1. तिमाही के दौरान रजिस्ट्रीकृत मत्स्ययन जलयानों की संख्या	5,000	3. मछुआरों की सुरक्षा तथा शारीरिक और आजीविका की सुरक्षा को बढ़ाना	3.1. कुल रजिस्ट्रीकृत जलयानों की प्रतिशत में वृद्धि (%)	100
		6.2. पारंपरिक और उपलब्ध मोटर चालित जलयानों के लिए संचार और ट्रैकिंग उपकरणों की संख्या	11,250		3.2. बीमा सुरक्षा प्राप्त करने वाले मछुआरों की संख्या	300
	7. मछुआरों का कल्याण	7.1. पारंपरिक और मोटरचालित मत्स्ययन जलयानों के लिए सुरक्षा किट और पी.एफ.जैड उपकरणों की संख्या	2,700	4. समुद्री कृषि का विकास	4.1. समुद्री शैवाल के उत्पादन में वर्ष दर वर्ष की प्रतिशतता में परिवर्तन (%)	2.5
		7.2. सामूहिक दुर्घटना बीमा के अन्तर्गत शामिल किए गए मछुआरों की संख्या (लाख में)	35		4.2. सृजित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार (संख्या)	5,500
		7.3. प्रतिस्थापित नावों / जलयानों की संख्या	1,125	5. सजावटी मछली उत्पादन में वृद्धि	5.1. सजावटी मछली पालन में निर्यात का मूल्य (करोड़ रुपये)	11.5
		7.4. मछली पकड़ने पर लगे प्रतिबंध/मंदी की अवधि के दौरान आजीविका सहायता प्राप्त करने वाले मछुआरों/मछली किसानों की संख्या (लाख में)	6		5.2. सृजित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार (संख्या)	3,500

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	8. समुद्री कृषि को बढ़ावा देना (गैर-मछली)	8.1. सहायता प्राप्त समुद्री शैवाल बीज बैंकों, नर्सरियों, टिशू कल्चर इकाइयों, प्रसंस्करण और विपणन इकाइयों की संख्या	5			
		8.2. सहायता प्राप्त समुद्री शैवाल कृषि के लिए राफ्ट और मोनोक्लाइन ट्यूबनेट की संख्या	79,650			
	9. सजावटी मत्स्यपालन का विकास	9.1. स्थापित की गई सजावटी मछली उत्पादन इकाइयों की संख्या	477			
		9.2. सहायता प्राप्त सार्वजनिक मछली जलचलगृह संख्या	20			

पशुपालन और डेयरी विभाग

1. राष्ट्रीय गोकुल मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
502.04	1. कृत्रिम गर्भाधान कवरेज का विस्तार (ए.आई.)	1.1. किए गए कृत्रिम गर्भाधान की संख्या (मिलियन में)	100	1. एआई कवरेज में वृद्धि	1.1. एआई कवरेज में वृद्धि का %	5
		1.2. उत्पादित वीर्य खुराक की संख्या (मिलियन में)	130			
		1.3. प्रशिक्षित और सुसज्जित मैत्री की संख्या	5,000			
	2. आधुनिक तकनीक द्वारा नस्ल सुधार	2.1. उत्पादित सेक्स पृथक्कृत वीर्य खुराक	10	2. सेक्स पृथक्कृत वीर्य की उपलब्धता में वृद्धि	2.1. पारंपरिक वीर्य के संबंध में सेक्स पृथक्कृत वीर्य की उपलब्धता में वृद्धि का %	1%
		2.2. आईवीएफ गर्भावस्था की कुल संख्या	10,000	3. उत्कृष्ट बछड़ों की उपलब्धता में वृद्धि	3.1. किसानों के पास उपलब्ध उत्कृष्ट गायों/ भैंसों की संख्या में वृद्धि	8,000
	3. कौशल विकास	3.1. प्रशिक्षित एआई तकनीशियन की संख्या	15,000	4. एआई के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता में वृद्धि	4.1. प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता में वृद्धि का %	10%
	4. स्वदेशी नस्लों का विकास और संरक्षण	4.1. पीटी, पीएस परियोजना और ईटीटी / आईवीएफ के माध्यम से पैदा किए गए आईबी एचजीएम बैल (जीनोमिक परीक्षण) (संख्या)	800	5. वीर्य उत्पादन के लिए आईबी बैल में वृद्धि	5.1. आईबी वीर्य की उपलब्धता में % वृद्धि	20%

1. प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
700.00	**क. मेगा फूड पार्क स्कीम**					
	1. उन्नत उत्पादन और मूल्य संवर्धन क्षमता, कच्चे माल/प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (मेगा फूड पार्क)।	1.1. वर्ष के दौरान प्ररिचालनात्मक फूड पार्कों की कुल संख्या	4	1. उन्नत प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन सुविधाएं (मेगा फूड पार्क) के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और किसान स्तर पर प्रभाव	1.1. वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क से कुल वास्तविक उत्पादन (मूल्य में): संरक्षण (करोड़ रुपए में)	1,927.20
		1.2. वर्ष के दौरान स्थापित प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्रों की संख्या	6		1.2. प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्रों की क्षमता स्थापना का %	40%
		1.3 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में सृजित की गई कुल उत्पादन क्षमता (मूल्य में): संरक्षण (करोड़ रुपए में)	875.6			
		1.4 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में सृजित की गई कुल उत्पादन क्षमता (मात्रा में): संरक्षण (एमटी)	3,50,252		1.3 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क से कुल वास्तविक उत्पादन (मात्रा में): संरक्षण (एमटी)	7,70,878
		1.5 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में सृजित की गई कुल उत्पादन क्षमता (मूल्य में): प्रसंस्करण (करोड़ रुपए में)	211.1		1.4. वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क से कुल वास्तविक उत्पादन (मूल्य में) : प्रसंस्करण (करोड़ रुपए में)	1,105.90
		1.6 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में सृजित की गई कुल उत्पादन क्षमता (मात्रा में): प्रसंस्करण (एमटी)	84,434		1.5. वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क से कुल वास्तविक उत्पादन (मात्रा में): प्रसंस्करण (एमटी)	4,42,355
		1.7 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में स्थापित लघु और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण की संख्या	55		1.6 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क के कारण लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	62,000
					1.7 वर्ष के दौरान मेगा फूड पार्क में स्थापित यूनिटों में उत्पन्न कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	24,800

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ख. कृषि - प्रसंस्करण क्लस्टर अवसंरचना स्कीम					
	1. उन्नत उत्पादन और मूल्य संवर्धन क्षमता, कच्चे माल/प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर)	1.1 वर्ष के दौरान प्रचालनात्मक कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों की कुल संख्या	8	1. उन्नत प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन संवर्धन सुविधाएं (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों) के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और किसान स्तर पर प्रभाव	1.1 वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर से संसाधित/संरक्षित कुल वास्तविक उत्पादन (मूल्य में) (करोड़ रुपए में)	1,075
		1.2. वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर से जोडी गई कुल प्रसंस्करण/संरक्षण क्षमता (मात्रा में) (लाख एमटी)	4.026		1.2 वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर स प्रसंस्कृत/संरक्षित कुल वास्तविक उत्पाद (मात्रा में) (लाख एमटी)	4.30
		1.3. वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर में प्रचालनात्मक खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की कुल संख्या	20		1.3 वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर के कारण लाभान्वित कुल किसानों की संख्या	32,000
					1.4. वर्ष के दौरान कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित यूनिटों में उत्पन्न कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	2,000
	ग. एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्यवर्धन अवसंरचना स्कीम					
	1. नई इकाइयों के निर्माण/समर्थन के माध्यम से शीत भंडारण क्षमता में वृद्धि	1.1 स्थापित की गई शीत श्रृंखला इकाईयों की संख्या	44	1. शीत भंडारण सुविधा प्राप्त करने वाले किसानों को अधिक से अधिक भंडारण सुविधाएं, अधिक	1.1 शीत श्रृंखला यूनिट रूपरचना का उपयोग कर भंडारित कृषि उत्पाद की कुल संख्या (मूल्य में) (करोड़ रुपए में)	11,142
		1.2 वर्ष के दौरान सृजित की गई शीत श्रृंखला यूनिट की कुल क्षमता (क) दुग्ध प्रसंस्करण (एलएलपीडी)	42.95		1.2 शीत श्रृंखला यूनिट रूपरचना का उपयोग कर भंडारित/संरक्षित कृषि उत्पाद की कुल मात्रा (मात्रा में) (एमटी)	4,45,6858

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3 वर्ष के दौरान सृजित की गई शीत श्रृंखला यूनिट की कुल संख्या क्षमता (ख) शीत श्रृंखला (एमटी)	1.32	रोजगार और लाभ	1.3 वर्ष के दौरान शीत श्रृंखला यूनिटों के कारण लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	4,20,288
		1.4 वर्ष के दौरान सृजित की गई शीत श्रृंखला यूनिटों की कुल क्षमता (ग) आईक्यूएफ (एमटी/घंटों)	39.45		1.4 वर्ष के दौरान शीत श्रृंखला यूनिटों की स्थापना के कारण उत्पन्न किए गए कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	26,400
		1.5 वर्ष के दौरान सृजित की गई शीत श्रृंखला यूनिटों की कुल क्षमता (घ) रीफर ट्रक (संख्या)	240		1.5. शीत श्रृंखला यूनिटों का औसत क्षमता उपयोग (%)	50%
	घ. खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण का सृजन/विस्तार स्कीम					
	1. उन्नत खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता का सृजन	1.1 वर्ष के दौरान प्रचालनात्मक खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण यूनिटों की संख्या	80	1. स्कीम के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण यूनिट रूपरचना का क्षमता उपयोग (%)	1.1 वर्ष के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्कृत और संरक्षित कृषि उत्पाद का कुल मूल्य (करोड़ रुपए)	2,520
		1.2 वर्ष के दौरान जोडे गए कुल कृषि उत्पाद प्रसंस्करण और परिरक्षण क्षमता (लाख एमटी/ वार्षिक)	14.4		1.2 वर्ष के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्कृत और संरक्षित कृषि उत्पाद की कुल मात्रा (लाख एमटी)	10.08
					1.3 वर्ष के दौरान खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण/विस्तार के कारण उत्पन्न हुए कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	8,000
	ड. बैकवर्ड और फारवर्ड लिंकेज निर्माण स्कीम					
	1. बैकवर्ड और फारवर्ड लिंकेज के साथ	1.1. बैकवर्ड और फारवर्ड लिंकेज के निर्माण के लिए शुरू की गई	30	1. कृषि उत्पाद प्रसंस्करण	1.1. वर्ष के दौरान सृजित की जाने वाली कुल परिरक्षण और	3.4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	परियोजनाओं की सहायता करना	परियोजनाओं की संख्या		और परिरक्षण क्षमता में वृद्धि और रोजगार में वृद्धि	प्रसंस्करण क्षमता (लाख एमटी)	
		1.2. वर्ष के दौरान पूरी की गई बैकवर्ड और फारवर्ड लिंकेज परियोजनाओं की संख्या	34		1.2. वर्ष के दौरान उत्पन्न किए जाने वाले कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	24,000
	च. खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना स्कीम					
	1. नए एफटीएल की स्थापना/ एफटीएल की क्षमता वृद्धि	1.1 प्रचालनात्मक नए एफटीएल की संख्या	18	1. एफटीएल की बढ़ती गुणवत्ता सुनिश्चित खाद्य उत्पाद और सुदृढ़ीकरण	1.1. वर्ष के दौरान प्राप्त किए गए सभी नमूनों में से जांचे गए नमूनों का प्रतिशत	100%
		1.2 एनएबीएल प्रमाणन दिए गए एफटीएल की संख्या	18		1.2. वर्ष के दौरान एफटीएल में उत्पन्न रोजगार	666
		1.3. हैसेप/आईएसओ प्रमाणन के लिए सहायता प्राप्त इकाइयों की कुल संख्या	0			
	छ. मानव संसाधन और संस्थानों के लिए योजना					
	1. खाद्य क्षेत्र में बढ़ी हुई अनुसंधान एवं विकास गतिविधि	1.1 वर्ष के दौरान पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	20	1. विकसित नई प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण बढ़ा	1.1 वर्ष के दौरान व्यावसायीकरण की नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	4
		1.2 वर्ष के दौरान विकसित नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	10		1.2 ख्याति की पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र की संख्या	15
	2. खाद्य प्रसंस्करण और इसकी क्षमता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियां	2.1 कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/कार्यक्रमों के आयोजन की संख्या	20	2. खाद्य प्रसंस्करण और इसकी क्षमता के बारे में हितधारकों	2.1 कार्यक्रम/कार्यशालाओं/सेमिनारों में भाग लेने वाले की संख्या	2,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				के बीच जागरूकता में वृद्धि		
	3. क्षेत्र-विशिष्ट कौशल विकास तक पहुंच में सुधार	3.1 वर्ष के दौरान स्थापित प्रशिक्षण केंद्र की संख्या	42	3. खाद्य प्रसंस्करण के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल कार्य बल की संख्या में वृद्धि	3.1 प्रशिक्षित व्यक्तियों से बाहर रखे गए व्यक्तियों का%	3,600
		3.2 वर्ष के दौरान आयोजित क्षमता विकास कार्यक्रम की संख्या	300		3.2 कौशल विकास का प्रशिक्षण दिए जाने वालों की संख्या	9,000
	ज. ऑपरेशन ग्रीन्स					
	1. किसानों द्वारा संकट बिक्री को रोकना	1.1 वर्ष के दौरान निकाले गए एफएंडवी फसलों की मात्रा (हजार मीट्रिक टन)	333	1. किसानों के लिए मूल्य वसूली और स्थिरीकरण	1.1 वर्ष के दौरान लाभान्वित किसानों की संख्या	6,660
		1.2 वर्ष के दौरान निकाले गए एफएंडवी फसलों का मूल्य (करोड़ रुपये में)	850			
	2. एफपीओ का गठन और उनकी क्षमता निर्माण	2.1 वर्ष के दौरान चयनित समूहों में गठित नए एफपीओ की संख्या	15	2 क्लस्टर में एफपीओ का सुदृढ़ीकरण	2.1 एफपीओ के कारोबार में औसत % वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [36]
		2.2 वर्ष के दौरान किसानों और एफपीओ के लिए आयोजित प्रशिक्षण/कार्यशालाओं की संख्या	150			
		2.3 वर्ष के दौरान प्रशिक्षित किसानों की संख्या	7,500			

[36] *परियोजना के संचालन के बाद पहुँचा जा सकता है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. गुणवत्ता उत्पादन	3.1 वर्ष के दौरान गुणवत्ता आदानों के साथ प्रदान किए गए किसानों की संख्या	2,5300	3 उत्पादकता में सुधार	3.1 वर्ष दर वर्ष औसत% प्रति एकड़ उपज (मीट्रिक टन) में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2 वर्ष के दौरान नर्सरी और ग्रीनहाउस सेटअप की संख्या	29	4. प्रोसेसेबल/ ड्यूल वैरायटी इंडिकेटर की शुरुआत	4.1 शुरुआत की गई नई किस्म की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [37]
	3. फसल के बाद प्रसंस्करण सुविधाएं बनाना; एग्री लॉजिस्टिक्स और मार्केटिंग/उपभोग	4.1 वर्ष के दौरान बनाई गई ऑन-फार्म/ग्राम स्तरीय भंडारण सुविधाओं की संख्या	25		4.2 नई किस्म की मात्रा का उत्पादन किया	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [38]
		4.2 योजना (एमटी) के तहत बनाई गई ऑन-फार्म/ग्राम स्तरीय भंडारण सुविधाओं की क्षमता	16,650	5. फसल के बाद के नुकसान में कमी	5.1 वर्ष के दौरान शीर्ष फसलों की फसल के बाद की बर्बादी में कमी (एमटी)	2,93,150
		4.3 वर्ष के दौरान स्थापित बड़े पैमाने पर भंडारण केंद्रों की संख्या	5		5.2 वर्ष के दौरान परियोजना के कारण उत्पन्न अतिरिक्त रोजगार (व्यक्तियों की संख्या	1,0749
		4.4 वर्ष के दौरान स्थापित उपभोग केंद्रों पर बड़े पैमाने पर भंडारण क्षमता (एमटी)	14,030		5.3 वर्ष के दौरान प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन के दौर से गुजर रही टॉप फसलों की मात्रा (मीट्रिक टन	2,53,800
		4.5 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की संख्या	31	6. सृजित अवसंरचना सुविधाओं का क्षमता उपयोग	6.1 वर्ष के दौरान ऑन-फार्म/ग्राम स्तरीय भंडारण सुविधाओं का औसत क्षमता उपयोग (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [39]
		4.6 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता (एमटी/दिन)	512		6.2 वर्ष के दौरान संग्रहण केंद्रों/पैक घरों का औसत क्षमता उपयोग (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा

[37] *परियोजना के संचालन के बाद पहुँचा जा सकता है*

[38] *परियोजना के संचालन के बाद पहुँचा जा सकता है*

[39] *परियोजना के संचालन के बाद पहुँचा जा सकता है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		4.7 माध्यमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की संख्या	4			सकते [40]
		4.8 माध्यमिक प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता (एमटी/दिन)	87			
		4.9 वर्ष के दौरान स्थापित संग्रहण केंद्रों/पैक घरों की संख्या	31			
		4.10 वर्ष के दौरान स्थापित संग्रह केंद्रों/पैक हाउसेस की संख्या	512			
		4.11 वर्ष के दौरान स्थापित खुदरा दुकानों की संख्या	17			
		4.12 वर्ष के दौरान स्थापित खुदरा दुकानों की क्षमता	850			

[40] *परियोजना के संचालन के बाद पहुँचा जा सकता है*

2. प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्न्यन योजना (पीएम एफएमई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
500.00	2. सूक्ष्म उद्यमों के लिए व्यक्तिगत और समूहों को सहायता	2.1. वित्त वर्ष के दौरान क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी सहित मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की संख्या	40,000	1. सूक्ष्म उद्यमों की उन्नत प्रसंस्करण क्षमता	1.1 अतिरिक्त रोजगार के उत्पन्न अवसर (संख्या लाख में)	55
					1.2 ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: महिला उद्यमियों की इकाइयाँ	4,000
		2.2. व्यक्तिगत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए विस्तारित ऋण की राशि (करोड़ रुपए)	1,352		1.3 ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: महिला उद्यमियों को दिए गए ऋण की राशि (करोड़ में)	386
		2.3. किसान उत्पादक संगठनों के समूह की संख्या (एफपीओ)/ स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)/ निर्माता सहकारी समितियों को वित्त वर्ष के दौरान क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी और प्रारम्भिक पूंजी सहायता	61,450		1.4 ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: एससी उद्यमियों की इकाइयाँ	3,320
					1.5 ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: एसटी उद्यमियों की इकाइयाँ	1,720
					1.6. ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: अनुसूचित जाति के उद्यमियों को दिए गए ऋण की राशि (करोड़ रूपये में)	320
					1.7 ऋण तक पहुँचने वाले उद्यमों की संख्या: अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को दिए गए ऋण की राशि (करोड़ रूपये में)	166
		2.4. एफपीओ/ एसएचजी/ प्रोड्यूसर को-ऑपरेटिव्स को दी गई क्रेडिट और प्रारंभिक पूंजी की राशि (करोड़ रुपए): प्रारंभिक पूँजी - 180.96 समूह- 246.48	426		1.8. ऋण तक पहुंच वाले उद्यमों की संख्या: आकांक्षी जिलों में इकाइयां	6,301
					1.9 ऋण तक पहुंच वाले उद्यमों की संख्या: आकांक्षी जिलों में इकाइयों को दिए गए ऋण की राशि (करोड़ रूपये में)	608

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		2.5. वितीय वर्ष के दौरान सृजित की गई सामान्य प्रसंस्करण सुविधाओं की संख्या	205		1.10 उद्योग आधार पंजीकरण वाले उद्यमों की संख्या	41,717
		2.6. वित्त वर्ष के दौरान सृजित किए गए ऊष्मायन केंद्रों की संख्या	45		1.11 जीएसटी पंजीकरण वाले उद्यमों की संख्या	20,850
		2.7. प्रशिक्षण सुविधा का लाभ उठाने वाले अद्वितीय उद्यमों की संख्या संख्या	41,717		1.12 एफएसएसएआई पंजीकरण वाले उद्यमों की संख्या	41,717
	3. ब्रांडिंग और विपणन सहायता	2.1 वित्त वर्ष में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय रिटेल चेन और राज्य स्तर के संस्थानों के साथ मार्केटिंग टाई अप की संख्या	7	2. खाद्य उत्पादों की बिक्री में वृद्धि	2.1 सृजित किए गए ब्रांडों की संख्या	7
					2.2 उत्पादों के बेहतर विपणन को दर्शाता बैंक ऋण चुकौती में नियमितता	90%
					2.3 परियोजना सहायता के तहत संचालित विज्ञापन अभियानों की संख्या	35
	3. संस्थानों की मजबूती के लिए समर्थन	3.1 खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता के लिए राष्ट्रीय/राज्य स्तर के संस्थानों की संख्या	42	3. श्रम उत्पादकता में वृद्धि	3.1. उत्पादन स्तर पर योजना के तहत प्रशिक्षित कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों की संख्या	88,585
		3.2 तकनीकी उन्नयन और खाद्य प्रसंस्करण सूक्ष्म उद्यमों की औपचारिकता के लिए राष्ट्रीय/ राज्य संस्थानों द्वारा आयोजित क्षमता विकास/ प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या	3,033			

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

1. प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य-2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
7,000.00	1. एम्स और एम्स जैसे संस्थानों में पहुंच में वृद्धि	1.1. बिस्तर क्षमता में कुल वृद्धि (13 एम्स में)	7,500	1. प्रोन्नत तृतीयक स्वास्थ्य परिचर्या एवं चिकित्सा शिक्षा	1.1. आईपीडी /नए एम्स में आने वाले आईपीडी रोगियों की औसत संख्या में वृद्धि (आईपीडी रोगी/माह)	19,000
		1.2. जोड़े गए स्पेशियलिटी विभागों की संख्या (13 एम्स में)	280		1.2. ओपीडी/नए एम्स में आने वाले ओपीडी रोगियों की संख्या (ओपीडी रोगी/दिन)	20,000
		1.3. सीटों की संख्या में वृद्धि :यूजी सीटें (14 एम्स में)	1,000		1.3. प्रचालनात्मक/कार्यात्मक एम्स की संख्या	18
		1.4. सीटों की संख्या में वृद्धि :पीजी सीटें (6 एम्से में)	800		1.4. चिकित्सा स्नातकों की संख्या (1 वर्ष में स्नातक करने वाले)	2,050
		1.5. सीटों की संख्या में वृद्धि: नर्सिंग (बी.एससी) सीटें (6 एम्स में)	400			
	2. सुलभ/सस्ती तृतीयक परिचर्या एवं चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता	2.1. जीएमसी में सृजित सुपर स्पेशियलिटी विभागों की संख्या (70 जीएमसी में)	400			
		2.2. जीएमसी में संवर्धित पीजी सीटों की संख्या (70 जीएमसी में)	900			
		2.3. जीएमसी में जोड़े गे बिस्तरों की संख्या (70 जीएमसी में लगभग अस्पताल बिस्तर)	14,000			

2. राष्ट्रीय एड्स एवं एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,900.00	1. लक्षित कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च जोखिम समूह को शामिल करना (महिला सैक्स वर्कर, पुरुषों के साथ सैक्स करने वाले पुरूष, हिजड़ा/ ट्रांसजेंडर लोग, इंजेक्शन द्वारा ड्रग लेने वाले) और ब्रिज आबादी (ट्रक चालक एवं प्रवासी)	1.1. लक्षित कार्यक्रमों के माध्यम से शामिल किए गए उच्च जोखिम समूह एवं ब्रिज आबादी (लाख)	83.87	1. एचआईवी प्रभावित लोग, जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी है।	1.1. एचआईवी प्रभावित लोगों की प्रतिशतता जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी हो।	90%
	2. लिंक वर्कर स्कीम (एलडब्ल्यूएस) के माध्यम से उच्च जोखिम समूहों और संवदेनशील आबादी को शामिल करना	2.1. एलडब्ल्यूएस के माध्यम से शामिल उच्च जोखिम समूह एवं संवेदनशील आबादी की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	18.53	2. एचआईवी प्रभावित लोग, जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी है और एआरटी पर हैं।	2.1 एचआईवी प्रभावित लोगों की प्रतिशतता जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी हो और एआरटी पर हैं।	90%
	3. सामान्य लोगों की एचआईवी संबंधी जांच	3.1. एचआईवी के संबंध में जांचे गए सामान्य लोगों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	252.00			
	4. गर्भवती महिलाओं की एचआईवी संबंधी जांच	4.1. एचआईवी के लिए जांची गई गर्भवती महिलाओं की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	252.00			
	5. नाको समर्थित ब्लड बैंकों में ब्लड यूनिटों का एकत्रण	5.1 नाको समर्थित ब्लड बैंकों में एकत्रित ब्लड यूनिटों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	82.61	3. एआरटी पर पीएचएलवी तथा वायरली स्परेस्ड	3.1 एआरटी पर वायरली स्परेस्ड पीएलएचआईवी की प्रतिशतता	90%
	6. स्वैच्छिक रक्ताधान के द्वारा ब्लड यूनिटों का एकत्रण	6.1 स्वैच्छिक रक्ताधान के द्वारा एकत्रित ब्लड इकाइयों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	70.06			
	7. एसटीआई/आरटीआई रोगियों का उपचार	7.1 उपचारित एसटीआई/आरटीआई रोगी (त्रैमासिक) (लाख)	100.16			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	8. एआरटी पर एचआईवी से पीड़ित लोग (पीएलएचआईवी)	8.1. एआरटी पर पीएलएचआईवी की संख्या संचयी[41] (त्रैमासिक) (लाख)	15.30			
	9. एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच वायरल लोड परीक्षण	9.1 एआरटी पीएलएचआईसी के बीच की गई वायरल लोड जांच की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	11.00			

3. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन: सीएसएस

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
30,100.00	**I. एनआरएचएम के तहत स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना**					
	1. स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) द्वारा प्रदान की जाने वाली प्राथमिक परिचर्या सेवाओं का विस्तार	1.1. कार्यशील एबी-एचडब्ल्यूसी (एसएचसी, पीएचसी और यूपीएचसी) की संख्या (संचयी) लक्ष्य	1,10,000	1. प्राथमिक परिचर्या सेवाओं के उपयोग और एनसीडी की ब्रांच और प्रबंधन में सुधार।	1.1. एनसीडी के लिए 30 से अधिक आयु वाली जनसंख्या की कुल संख्या (करोड़ में)	4
	2. पीएचसी में डीवीडीएमएस का कार्यान्वयन	2.1. डीवीडीएमएस को कार्यान्वित करने वाले पीएचसी की संख्या	80%	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में दवाओं और निदान की उपलब्धता में वृद्धि हुई	2.1. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में वार्षिक फुटफॉल्स (ओपीडी और आईपीडी की संख्या) में वृद्धि (% वृद्धि)	10[42]

[41] *निजी क्षेत्र में एआरटी पर पीएलएचआईवी सहित।*

[42] *वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में वर्ष 2021-22 में जन स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों के वार्षिक रूप में आने में 10% वृद्धि (ओपीडी की संख्या) (एचएमआईएस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. एनक्यूएएस प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्र	3.1. एनक्यूएएस जन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या (% वृद्धि)	20%[43]	3. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के लिए जन स्वास्थ्य केंद्र को मजबूत करना एनक्यूएएस प्रमाणित जन स्वास्थ्य सूविधाओं के उपयोग में सुधार	3.1. एनक्यूएएस प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों के वार्षिक रूप में आने में वृद्धि। (% वृद्धि)	10%[44]
	4. कायाकल्प स्कोर> 70% वाले जन स्वास्थ्य केंद्र	4.1. कायाकल्प स्कोर वाले जन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या> 70% (प्रतशित की वृद्धि)	20%	4. सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों का बेहतर उपयोग	4.1. जन सवास्थ्य केंद्रों में वार्षिक फुटफॉल्स में वृद्धि (% वृद्धि)	10%[45]
	II. नेमी रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम, पल्स पोलियो रोग प्रतिरक्षणकार्यक्रम, राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता रोग नियंत्रण कार्यक्रम आदि सहित आरसीएच फ्लेक्सीबल पूल					
	1. गर्भवती महिलाओं को 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टैबलेट दिए गए	1.1. एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की तुलना में 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टेबलेट दी गई गर्भवती महिलाओं की प्रतिशतता	85%[46]	1. अनिमीया में कमी जिसके परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी आई ।	1.1. मातृ-मृत्यु अनुपात (एमएमआर): एमएमआर में कमी लाकर 91 (2021-22) करना	91
	2. प्रसूति के दौरान कुशल जन्म अटेंडेंट	2.1. कुल बताई गई प्रसूतियों में एसबीए (कुशल जन्म	95%[47]	2. (सुरक्षित प्रसूति सेवाओं की सुगमता	2.1. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर): एमएमआर	91

[43] *वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में जन स्वास्थ्य केंद्रों में रागियों के वार्षिक रूप में आने में 10 प्रतिशत की वृद्धि (ओपीडी) (31.03.2021 तक एनक्यूएएस प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या 1.2 से गुणा)*

[44] *वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में जन स्वास्थ्य केंद्रों में रागियों के वार्षिक रूप में आने में 10 प्रतिशत की वृद्धि (ओपीडी) (एचएमआईएस)*

[45] *वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में जन स्वास्थ्य केंद्रों में रागियों के वार्षिक रूप में आने में 10 प्रतिशत की वृद्धि (ओपीडी) (एचएमआईएस)*

[46] *वित्त 2020-21 की उपलब्धियों को 85% मानते हुए एचएमआईएसके अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की तुलना में न्यूनतम 85 % गर्भवती महिलाओं को 180 आईएफए दिए गए।*

[47] *वित्त 2020-21 की उपलब्धियों को 95% मानते हुए एचएमआईएमएस के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष कुल बताई गई प्रसूतियों का कम से कम 95 प्रतिशत एसबीए (संस्थान+गृह)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	की सहायता प्राप्त गर्भवती महिलाओं की प्रतिशतता (संस्थानिक + गृह)	अटेंडेंट की %)		में वृद्धि से मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी आई।	में कमी लाकर 91 (2021-22) करना	
	3. सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक केंद्र	3.1. सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक केंद्रों की संख्या	600[48]	3. जन्म के समय आश्वसत, गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक प्रसूति परिचर्या जिससे मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में कमी आएगी	3.1. मातृ मृत्यु दर (एमएमआर): मातृ मृत्यु दर में कमी लाकर 91 करना(2021-22)	91
	4. लक्ष्य प्रमाणित एकक (लेबर रूम)	4.1. राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लक्ष्य एककों की संख्या (लेबर रूम)	80 अतिरिक्त[49]	4. जन्म के समय गुणवत्तापूर्ण परिचर्या से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में कमी आएगी	4.1. मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) : मातृ मृत्यु दर में कमी लाकर 91 करना (2021-22)	91
	5. लाक्श्या प्रमाणित इकाइयां (ऑपरेशन थिएटर)	5.1. राष्ट्रीय प्रमाणित लक्ष्य इकाइयों (ऑपरेशन थिएटर) की संख्या	40 अतिरिक्त[50]	5. मातृत्व मृत्यु अनुपात (एमएमआर) को कम करने के लिए जन्म योगदान में गुणवत्ता	5.1. मातृत्व मृत्यु अनुपात (एमएमआर):मातृत्व मृत्यु अनुपात में 91 तक की कमी (2021-22)	91

[48] *31.3.2022 तक सुमन के लिए अधिसूचित अतिरिक्त जन सुविधाएं (31.32021 को सुमन के अंतर्गत अधिसूचित केंद्रों की संख्या 275 होने की आशा है, 2021-22 के लिए लक्ष्य सुमन के अंतर्गत अतिरिक्त 600 जन स्वास्थ्य केंद्रों को अधिसूचित करने का है। अर्थात 31-3-2022 तक 275+600=875*

[49] *वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 2021-22 में राष्ट्रीय रूप से प्रमाणित 80 अतिरिक्त लक्ष्य एकक (प्रसूति कक्ष) (31.03.2021 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लेबर रूम की संख्या 275 होने की उम्मीद है। 2021-22 के लिए लक्ष्य 80 अतिरिक्त लाक्श्या प्रमाणित लेबर रूम हैं, यानी, 31.03.2022 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लॉक्शया इकाइयों के लिए 275 + 80 = 355)*

[50] *वित्त वर्ष 2020-2021 की तुलना में वर्ष 2021-2022 में 40 अतिरिक्त राष्ट्रीय प्रमाणित लक्ष्य इकाई (ऑपरेशन थिएटर)। (दिनांक 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय प्रमाणित ऑपरेशन थिएटर) की संख्या 235 किए जाने की संभावना है। वर्ष 2021-22 के लिए 40 अतिरिक्त ऑपरेशन थिएटर अर्थात 235+40=275 दिनांक 31.03.2022 तक राष्ट्रीय प्रमाणित लक्ष्य ओटी इकाइयों का लक्ष्य है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				परिचर्या		
	6. पीपीआईयूसीडी स्वीकार दर में बढ़ोतरी	6.1. पीपीआईयूसीडी स्वीकार दर (%)	17.5%[51]	6. वर्ष 2021-22 कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में 2.1 की कमी	6.1. कुल प्रजनन दर (टीएफआर): टीएफआर कम करके 2.1 करना	2.1
	7. एसएनसीयू सफल डिस्चार्ज दर	7.1. एसएनसीयू सफल डिस्चार्ज दर (न्यूनतम बेंचमार्क: 80% से ऊपर रहा)	80%	7. एसएनसीयू में बीमार नवजातों की उच्चतम संख्या के प्रबंधन से नवजात की मृत्यु में कमी होगी	7.1. नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) की कमी : प्रति 1000 जीवित जन्मों के एनएमआर की कमी कर के 20 पर लाना	20
	8. पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज	8.1. प्रतिशत पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज (एफआईसी) (स्रोत: एचएमआईएस)	90%[52]	8. अंडर 5 मृत्यु दर (यू5 एमआर) की कमी	8.1. अंडर 5 मृत्यु दर (यू5 एमआर) प्रति 1000 जीवित जन्म के यू5एमआर की कमी कर के 30 पर लाना	30
	III. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. मलेरिया: मामलों की संख्या में कमी	1.1. पिछले वर्ष में इसी अवधि की तुलना में मामलों की संख्या में प्रतिशत में कमी	12%	1. मलेरिया: एपीआई में कमी	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर एपीआई में प्रतिशत में कमी	<1[53]
	2. कालाज़ार: पीकेडीएल मामलों में कमी	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में कमी प्रतिशत	20%	2. कालाज़ार: कालाज़ार उन्मूलन	2.1. स्थानिक ब्लॉक्स रिपोर्टिंग >1 केए मामले में कमी /ब्लॉक स्तर पर 10000 जनसंख्या	0

[51] *वर्ष 2020-21 की अनुमानित उपलब्धि पीपीआईयूसीडी स्वीकार दर में 16.5% है, प्रस्तावित लक्ष्य 17.5% है अर्थात दिनांक 31.03.2022 तक पीपीआईयूसीडी स्वीकार दर में 1% की बढ़ोतरी है।*

[52] *एचएमआईएस के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कुल के रूप में प्रतिवर्ष नवजात की कम से कम 90% पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज को बनाए रखना*

[53] 669 जिलों में राष्ट्रीय एपीआई 1 प्रतिशत प्राप्त करना तथा एपीआई 1 प्रतिशत बनाए रखना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. जेपनीज़ एन्सिफ्लेलिटिस (जेई)/ राष्ट्रीय स्तर पर नियमित प्रतिरक्षण में जेई की कवरेज	3.1. नियमित प्रतिरक्षण के तहत कवर की गई जनसंख्या का प्रतिशत	>89%	3. जेई: जेई मामलों में कमी	3.1. जेई मामलों में प्रतिशत में कमी	10%
	4. लिम्फेटिक फ़िलारियासिस: महामारी जिलों में एलएफ में मास ड्रग एड्मिनिसट्रेशन (एमडीए) द्वारा जनसंख्या को सुरक्षित करना	4.1. योग्य जनसंख्या में एलएफ महामारी जिलों में पता लगाए गए एमडीए की संख्या	139	4. टीएएस (ट्रांसमिशन अस्सेमेंट सर्वे) सत्यपान के माध्यम से महामारी जिलों में लिम्फेटिक फ़िलारियासिस स्टॉप एमडीए।	4.1. टीएएस द्वारा सत्यापित एलएफ महामारी जिलों में प्राप्त की गई एमएफ दर <1% की संख्या	35
	IV. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. हेपेटाइटिस सी-कार्यक्रम के तहत कार्यशील प्रयोगशालाएँ	1.1. वायरल हेपेटाइटिस सी के निदान के लिए की गई सेरोलॉजिकल जाँचों की संख्या	20,00,000	1. हेपेटाइटिस सी उपचार को पूरा किया जाना	1.1. नए रोगियों की संख्या जिन्होंने एचसीवी का उपचार पूरा लिया	45,000
	2. हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत कार्यशील उपचार स्थल	2.1. हेपेटाइटिस सी के उपचार हेतु लिए गए नए रोगियों की संख्या	50,000	2. हेपेटाइटिस बी रोगियों की देखरेख	2.1. हेपेटाइटिस बी के रोगी, जिन्होंने उपचार को जारी रखा है, की संख्या	14,400
	3. हेपेटाइटिस बी-कार्यक्रम के तहत कार्यशील प्रयोगशालाएँ	3.1. वायरल हेपेटाइटिस बी के निदान के लिए की गई सेरोलॉजिकल जाँचों की संख्या	20,00,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	4. हेपेटाइटिस बी - कार्यक्रम के तहत कार्यशील उपचार स्थल	4.1. हेपेटाइटिस बी के उपचार हेतु लिए गए नए रोगियों की संख्या	16,000			
	V. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय लेपरोसी उन्मूलन कार्यक्रम					
	1. नए मामलों के बीच ग्रेड// अशक्तता (जी2डी) मामलों के प्रतिशत में गिरावट	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर नए मामलों के बीच नए ग्रेड // अशक्तता (जी2डी) मामलों का पता लगाने के प्रतिशत में कमी	1.65	1. लेपरोसी के कारण ग्रेड// अशक्तता (जी2डी) का खात्मा	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर ग्रेड II अशक्तता (जी2डी) प्रति मिलियन जनसंख्या	1
	VI. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी)					
	1. दर्ज किए गए टीबी मामलों में बढ़ोतरी	1.1. दर्ज किए गए टीबी मामलों (सार्वजनिक और निजी) वर्ष 2020 प्रतिशत में बढ़ोतरी	10%	1. वर्ष *2019* में पता लगाए गए रोगियों का सफल उपचार	1.1. उन रोगियों का प्रतिशत जिनका परिणाम सफल रहा है (उनके बीच जिनकी परिणाम की सूचना दी गई है।	>90%
	2. टीबी के लिए रैपिड मालिकुलर डाइगनोस्टिक्स का विस्तार करना	2.1. रैपिड मालिकुलर डाइगनोस्टिक्स के साथ ब्लॉक्स की संख्या	900	2. ड्रग रेसिसस्टेंस टीबी मामलों की पहचान में वृद्धि	2.1. वर्ष 2020 से डीआर-टीबी मामलों में बढ़ोतरी प्रतिशत	10%
		2.2. रिफ़ंपीसीन रेसिसस्टेंस के लिए जांच किए गए योग्य टीबी रोगियों का प्रतिशत	80%			
	VII. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम					
	1. जिला अस्पतालों में एनसीडी की क्लीनिकों की स्थापना।	1.1. जिला अस्पतालों में स्थापित किए गए एनसीडी क्लीनिकों की संख्या	50	1. एनसीडी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उन्नत सुगमता	1.1. एनसीडी क्लीनिक में सुविधा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या (% बढ़ोतरी)	10%
	2. सीएचसी में अतिरिक्त एनसीडी क्लीनिक	2.1. सीएचसी में स्थापित किए जाने वाले एनसीडी क्लीनिकों	500	2. शीघ्र निदान	1.1. उपचार हेतु लिए गए नए रोगी (% बढ़ोतरी)	10%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	स्थापित किए जाने है।	की संख्या				
	3. उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा के लिए जांच	3.1. उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा के लिए जांच किए गए रोगियों की संख्या (% बढ़ोतरी)	10			
	VIII. गैर संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का संशोधित कवरेज	1.1. जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में जिलों की संख्या	708	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का संशोधित कवरेज	1.1. जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य इकाईयों में मानसिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों के पंजीकरण में वृद्धि %	5%
		1.2 चालू जिला स्तरीय मानसिक स्वास्थ्य इकाईयों की संख्या	566			
	IX. गैर संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. जिला और इससे नीचे के स्तर पर प्राथमिक, द्वितीय स्तर में एनपीसीबी एवं वीआई के अंतर्गत प्रदान की जा रही नेत्र परिचर्या सेवाएं	1.1. मोतियाबिंद सर्जरी (लाख)	69,00,000	1. मोतियाबिंद, रिफ्रेक्टिव विकार और ग्लूकोमा सहित अन्य नेत्र संबंधी रोगों के चलते दृष्टिहीनता के मामलों में उपयुक्त प्रयासों के द्वारा कमी करना। सर्जिकल कौशल और गुणवत्ता में सुधार।	1.1. दृष्टिहीनता में कमी- वर्ष 2025 तक दृष्टिहीनता रोग की मौजूदगी में कमी	0.25%
		1.1. कार्निया प्रत्यार्वतन हेतु दान की गई आंखों का एकत्रण	71,000			
		1.2. रिफ्रेक्टिव विकार से पीड़ित स्कूली बच्चों को नि:शुल्क चश्मों की संख्या (लाख)	11.00			
	X. गैर संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल कार्यक्रम (एनपीपीसी)					
	1. प्रशामक परिचर्या सेवाओं के विस्तार में सुधार किया गया	1.1 प्रशामक परिचर्या यूनिट वाले जिलों की संख्या	479	1. प्रशामक परिचर्या सेवाओं के विस्तार में सुधार किया गया	1. जिला प्रशामक परिचर्या यूनिटों में प्रशामक सेवाओं की आवश्यकता वाले व्यक्तियों के पंजीकरण में वृद्धि %	5%
		1.2 प्रचालनरत प्रशामक परिचर्या यूनिटों की संख्या	380			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	XI. वृद्ध लोगों की स्वास्थ्य परिचर्या हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम					
	1. जिला स्तरीय और इससे नीचे स्तर पर प्राथमिक और द्वितीय जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान।	1.1 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	642	1. जिला अस्पतालों और सीएचसी में जराचिकित्सा रोगियों को उपचार प्रदान करना।	1.1 जिला अस्पतालों में जराचिकित्सा ओपीडी, इनपेशेंट परिचर्या, फिजियोथेरेपी और प्रयोगशाला सेवाओं की संख्या में वृद्धि %	10%
		1.2 वृद्ध रोगियों के लिए आरक्षित कम-से-कम 10 बिस्तरों वाले जिला अस्पतालों की संख्या	525		1.2 सीएचसी में जराचिकित्सा ओपीडी, फिजियोथेरेपी सेवाओं में वृद्ध रोगियों की संख्या में वृद्धि %	10%
		1.3 फिजियोथेरेपी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	525			
		1.4 प्रयोगशाला सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	525			
		1.5 ओपीडी सेवाओं वाले सीएचसी की संख्या	2993			
		1.6 जराचिकित्सा फिजियोथेरेपी सेवाओं वाले सीएचसी की संख्या	1500			
	XII. राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. तंबाकू रोकथाम सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. तंबाकू रोकथाम केंद्रों वाले जिलों की अतिरिक्त संख्या	60	1. तंबाकू रोकथाम सेवाओं हेतु पहुँच में सुधार	1.1. वर्ष 2021-22 में तंबाकू रोकथाम सेवाएं लेने वाले लोगों की संख्या	1,50,000
	XIII. राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीपीसीडी)					
	1. बहरेपन के बधिर रोगियों की जांच	1.1. बधिर व्यक्तियों की स्क्रीनिंग संख्या 10% वृद्धि	10%	1. निदान बहरे रोगियों का पुनर्वास	1.1. पुर्नवासित किए गए व्यक्तियों की संख्या % वृद्धि	10%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	XIV. राष्ट्रीय फ्लोरोसिस रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीपीसीएफ)					
	1. फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण में जिला भागीदारी में वृद्धि	1.1. एनपीपीसीएफ कार्यान्वित करने वाले जिलों की संख्या	159	1. फ्लोरोसिस रोगों के प्रति जागरूकता	1.1. जिलों को लागू करने में फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्र में रहने वाली आबादी की प्रतिशतता फ्लोरोसिस बीमारी के प्रति जागरूक किए गए।	50
	XV. राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	1. जिला और नीचे के स्तर के अस्पतालों में डेंटल केयर यूनिट की स्थापना करने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करना	1.1. डेंटल केयर यूनिटों की अनुमोदित संख्या	3,832	1. रोगियों को डेंटल उपचार प्रदान किया गया	1.1. डीएच, सीएचसी, पीएचसी में डेंटल ओपीडी में प्रतिशत वृद्धि	5%
	2. प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में आईईसी अभियान	2.1. आईईसी विकसित किया गया	2	2. ओरल स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी और जागरूकता में वृद्धि की गई	2.1. कई प्रशिक्षण और ओरल स्वास्थ्य शिक्षा के अभियान आयोजित किए गए	5
		2.2. आईईसी क्रियाकलाप करने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान की गई	36			
	3. डेंटल ओपीडी में परिचर्या के लिए आने वाले तंबाकू प्रयोक्ताओं को तंबाकू मुक्ति सेवाएं प्रदान करना	3.1. तंबाकू मुक्ति सेवाओं वाले डेंटल सुविधा केंद्रों की संख्या	5	3. तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ी है	3.1. तंबाकू मुक्ति दर में वृद्धि हुई है	5%

4. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन- फ्लैक्सीबल पूल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1000.00	1. शहरी भारत में स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुँच में सुधार	1.1. चालू शहरी स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों एचडब्ल्यूसी की संख्या में वृद्धि हुई है।	4,500	1. मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में कमी	1. मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. शहरी भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं में दी जा रही ओपीडी सेवाएं (वृद्धि प्रतिशत में)	2%[54]	2. शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में कमी	2. शिशु मृत्यु दर (आईएमआर)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	2. शहरी भारत में गुणवत्तापरक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करना।	2.1. सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में कम-से-कम 4 एएनसी प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या (% में वृद्धि)	2%			
		2.2. सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में संपूर्ण टीकाकरण करवाने वाले बच्चों की संख्या (% में वृद्धि)	2%			
		2.3. यूपीएचसी द्वारा आयोजित यूएचएनडी (शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस) आउटरीच/विशेष आउटरीच की संख्या (% में वृद्धि)	2%			

[54] पिछले वित्त वर्ष से प्रतिशत में कमी (31.03.2022 तक एचएमआईएस के अनुसार)

5. तृतीयक परिचर्या कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
500.50	**I. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम**					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज में सुधार	1.1. मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर के साथ स्नातक विद्यार्थियों की संख्या	1,263	1. मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सकों की उपलब्धता में सुधार	1.1. मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सकों की उपलब्धता में वृद्धि	1%
	II. ट्रामा केंद्रों के क्षमता निर्माण हेतु सहायता (1. ट्रामा केंद्रों, 2. बर्न ईंजरी की रोकथाम)					
	1. अभिज्ञात ट्रामा परिचर्या सुविधा केंद्रों (*स्तर* I, II, III) का प्रचालन शुरू करना।	1.1. *शुरू किए गए ट्रामा परिचर्या सुविधा केंद्रों स्तर* I, II, III) *की संख्या:*	10	1. ट्रामा तथा बर्न पीड़ितों को संवर्धित गुणवत्तापरक परिचर्या प्रदान करने के लिए ट्रामा परिचर्या केद्रों तथा बर्न इकाईयों को सुदृढ़ करना।	1.1. मृत्यु तथा अपंगता *(टीसीएफ)* में कमी करके ट्रामा पीड़ितों के लिए गुणवत्तापरक सुविधाओं का प्रावधान	10
	2. तृतीयक स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों में बर्न इकाईयां विकसित करना।	2.1. स्थापित की जाने वाली कुल इकाईयों में से विकसित बर्न इकाईयों की संख्या	10		1.2. मृत्यु तथा अपंगता (बर्न इकाईयां) में कमी करके बर्न ईंजरी पीड़ितों के लिए गुणवत्तापरक सुविधाओं का प्रावधान	10
	3. राष्ट्रीय ईंजरी निगरानी, ट्रामा रजिस्ट्री तथा क्षमता निर्माण केंद्रों का सुदृढ़ीकरण	3.1. ईंजरी निगरानी तथा बर्न रजिस्ट्री के लिए एनआईएससी के साथ जोड़ी गए ट्रामा परिचर्या सुविधा केंद्रों तथा बर्न इकाईयों की संख्या	20	2. नीति डिजाइनिंग के लिए अच्छे गुणवत्तापरक आंकड़ों की उपलब्धता तथा ट्रामा और बर्न पीड़ितों के लिए सेवाओं का सुदृढ़ीकरण	2.1. अभिज्ञात टीसीएफ और बर्न इकाईयों से नियमित तौर पर आंकड़े प्राप्त होना। अभिज्ञात टीसीएफ और बर्न इकाईयों से प्राप्त आंकड़ों का	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
					विश्लेषण करना तथा रिपोर्ट तैयार करना (अस्पतालों की संख्या)	
		3.2. ट्रामा रजिस्ट्री की प्रतिस्थापना:	2	3. ट्रामा प्रबंधन हेतु मानव प्रोटोकॉल के जरिए परिचर्या की गुणवत्ता में सुधार	3.1. ट्रामा रजिस्ट्री प्रपत्र एवं फीडबैक विश्लेषण तथा ट्रामा पीड़ितों की मृत्युदर और रूग्णता में कमी अस्पतालों की संख्या	2
		3.3. ट्रामा तथा बर्न परिचर्या में सम्मिलित मानव संसाधन (मेडिकल & पैरामेडिकल) का क्षमता निर्माण: बैच एटीएल (बैचों की संख्या)	1	4. अभिज्ञात टीसीएफ और बर्न इकाईयों में प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता	4.1. प्रशिक्षित एचआर कार्मिकों की संख्या: बैच एटीएल (16 प्रतिभागी) (बैचों की संख्या का लक्ष्य)	1
		3.4 ट्रामा तथा बर्न परिचर्या में सम्मिलित मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: बैच बीएलएस (बैचों की संख्या)	1		4.2. प्रशिक्षित एचआर कार्मिकों की संख्या: बैच बीएलएस (15 प्रतिभागी) (बैचों की संख्या का लक्ष्य)	1
		3.5 ट्रामा तथा बर्न परिचर्या में सम्मिलित मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: फर्स्ट एड ट्रेनिंग बैच (बैचों की संख्या)	1		4.3. प्रशिक्षित एचआर कार्मिकों की संख्या: फर्स्ट एड ट्रेनिंग बैच (30	1

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
					प्रतिभागी) (बैचों की संख्या का लक्ष्य)	
		3.6 ट्रामा तथा बर्न परिचर्या में सम्मिलित मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: बैच बर्न ईंजरी प्रबंधन (बैचों की संख्या)	1		4.4. प्रशिक्षित एचआर कार्मिकों की संख्या: बैच बर्न ईंजरी प्रबंधन (20 प्रतिभागी) (बैचों की संख्या का लक्ष्य)	1
	III. वृद्ध जनों की स्वास्थ्य परिचर्या हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम					
	1. प्रादेशिक जरा-चिकित्सा केंद्रों (आरजीसी) में जरा-चिकित्सा विभाग में तृतीयक जरा-चिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं के प्रावधान	1.1. चयनित मेडिकल कॉलेजों में प्रादेशिक जरा-चिकित्सा केंद्रों की प्रतिस्थापना	19	1. जरा-चिकित्सा में 02 पीजी सीटों को शुरू करके जरा-चिकित्सा ओपीडी, 30 बिस्तरों वाले वार्ड, अनुसंधान कार्यकलाप, प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रावधान	1.1. आरजीसी में जरा-चिकित्सा ओपीडी सेवाओं की संख्या में वृद्धि प्रतिशत में	10%
		1.2. आरजीसी में बेड- संचयी	570		1.2. आरजीसी में जरा-चिकित्सा फिजियोथेरेपी सेवाओं की संख्या में वृद्धि प्रतिशत में	10%
					1.3. आरजीसी में जरा-चिकित्सा इन-पेशेंट सेवाओं की संख्या में वृद्धि प्रतिशत में	10%
	2. एनसीए में तृतीयक जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या	2.1. एम्स दिल्ली और एमएमसी, चेन्नई में नेशनल सेंटर फॉर एजिंग (एनसीए) की स्थापना	2	2. प्रत्येक एनसीए में 200 बिस्तर सुविधा, स्वास्थ्य पेशेवरों के प्रशिक्षण,	2.1. वर्ष 2021-22 तक अवसंरचना की स्थापना	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
	सेवाओं का प्रावधान	2.2. एनसीए में बिस्तरों की संख्या-संचयी	400	अनुसंधान गतिविधियों, 15 पीजी सीटों के साथ स्वास्थ्य पेशेवर के विकास के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रदानगी का प्रावधान।	2.2. एनसीए में वर्ष *2021-22* तक ओपीडी सेवाएं शुरू करना	2
	IV. राष्ट्रीय दृष्टिहीनता और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी और वीआई)					
	1. क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थानों (आरआईओ) का सुदृढ़ीकरण	1.1. आरआईओ को निरंतर सहायता-(करोड़ रुपये में)	6	1. तृतीयक परिचर्या सुविधा केन्द्रों नेत्र परिचर्या का विस्तार	1.1. दृष्टिहीनता व्यापता में कमी: वर्ष 2025 तक	0.25%
	2. नेत्र सर्जनों का प्रशिक्षण	2.1. प्रशिक्षित नेत्र सर्जनों की संख्या	150			
	V. टेलीमेडिसिन					
	1. राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन): टेली-शिक्षा के लिए विशेषज्ञ परामर्श के लिए डॉक्टरों की उपलब्धता, आईसीटी अवसंरचना की उपलब्धता	1.1. टेली मेडिसिन, टेली- शिक्षा अवसंरचना के साथ मेडिकल कॉलेजों की संख्या	50[55]	1. बेहतर स्वास्थ्य परिचर्या सेवा वितरण, सुलभता और किफायत। छात्रों द्वारा मेडिकल कॉलेजों में टेली-शिक्षा सेवाओं को अपनाना	1.1. मेडिकल कॉलेजों में टेली-शिक्षा सेवाओं का उपयोग करने वाले छात्रों की संख्या- मेडिकल छात्र और पैरामेडिकल कार्यकर्ता और मेडिकल अनुसंधानकर्ता (अनुमानित)	1,00,000

[55] *100 एमसी/ एसएसएच का नेटवर्क बनाने के लिए 50 और मेडिकल कॉलेजों तक बढ़ाया जाएगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
					1.2. लाइव व्याख्यान की कुल संख्या-मेडिकल कॉलेज में 200 के अनुमान से)	20,000[56]
	2. छात्रों / डॉक्टरों के लिए ई-अध्ययन सामग्री की उपलब्धता	2.1. मेडिकल छात्रों तथा अनुसंधानकर्ताओं द्वारा ऑफलाइन पहुंच के लिए टेली शिक्षा सेवा पर टेली परामर्श और व्याख्यान की संख्या एनएमसीएन पोर्टल पर डाली जाएगी (लाख टेली-परामर्श)	2,000			
		2.2. स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एचडबल्यूसी), ई-संजीविनी प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से टेली-परामर्श,	10,000			
	VI. तृतीयक परिचर्या कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण और नशा-मुक्ति उपचार कार्यक्रम (एनपीटीटीसीडीएटी)					
	1. तम्बाकू मुक्ति सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. तम्बाकू मुक्ति केंद्र के जिलों की संख्या बढ़ाना	60	1. तम्बाकू मुक्ति सेवाओं के लिए बेहतर पहुंच	1.1. वर्ष *2021-22* में तम्बाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या	1,50,000
	2. नशा-मुक्ति उपचार तंबाकू के अलावा अन्य	2.1. अंतरंग रोगी सुविधा वाले औषध निर्भरता उपचार केंद्र की सहायता करना	6	2. औषध निर्भरता उपचार सेवाओं तक बेहतर पहुंच	2.1. वर्ष *2021-22* में उपचार सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या: नए पंजीकरण	50,000

[56] *100 एमसी के सभी भागीदार अखिल भारत नेटवर्क के साथ 20,000 लाइव मेडिकल व्याख्यान साझा किए जाएंगे*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
					2.2. उपचार सेवाएं लेने वाले लोगों की संख्या जांच हेतु मामले	2,50,000
					2.3. अंतरंग रोगी विभाग (आईपीडी)	3,000
	VII. एनपीसीडीसीएस					
	1. तृतीयक परिचर्या कैंसर केंद्रों (टीसीसीसी) और राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) के लिए सहायता	1.1. अनुमोदित टीसीसीसी हेतु निरंतर सहायता	20	1. केंद्रों में कैंसर उपचार सुविधाओं की उपलब्धता	1.1. अनुमोदित टीसीसीसी में कैंसर उपचार सेवाओं की उपलब्धता	12
		1.2. अनुमोदित एससीआई हेतु निरंतर सहायता	19		1.2. अनुमोदित एससीआई में कैंसर उपचार सेवाओं की उपलब्धता	15

6. स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव संसाधन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य-**2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य-**2021-22
4,800.00	I. **जिला अस्पताल - राज्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों (पीजी सीटें) का उन्नयन**					
	1. जिला अस्पतालों का राज्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों (पीजी सीटें) से रूप में उन्नयन	1.1 पीजी सीटों की संख्या	772	1. विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना	1.1 सृजित पीजी सीटों की संख्या	772
					1.2 समग्र पीजी सीटों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [57]

[57] *पीजी सीटों / पाठ्यक्रमों की अनुमति सांविधिक प्रावधानों के अनुसार दी गई है। वर्तमान में देश में लगभग 54,000 पीजी सीटें हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य-**2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य-**2021-22
					1.3 समग्र नामांकित पीजी छात्रों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [58]
	II. **सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटें) और केंद्रीय सरकार के स्वास्थ्य संस्थानों का सुदृढ़ीकरण**					
	1. सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटें) और केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करना	1.1 एमबीबीएस की सीटें 10ए के तहत	980	1. डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना	1.1 सृजित एमबीबीएस सीटों की संख्या	980
					1.2 एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [59]
					1.3 समग्र नामांकित एमबीबीएस छात्रों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [60]
	III. **नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)**					
	1. नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)	1.1 योजना के तहत जोड़े गए नए मेडिकल कॉलेजों की संख्या को जोड़ा गया	35	1. मेडिकल सीटों की उपलब्धता बढ़ाना	1.1. योजना के तहत जोड़ी गई यूजी सीटों की संख्या: मेडिकल कॉलेज	35
					1.2. योजना के तहत जोड़ी गई यूजी सीटों की संख्या: सीटें	3,500

[58] *प्रवेश की अंतिम तिथि को 31, मई, 2021 तक बढ़ा दिया गया है और इसके पश्चात ही नामांकित पीजी छात्रों की सीटें ज्ञात हो सकेंगी।*

[59] *पीजी सीटों / पाठ्यक्रमों की अनुमति सांविधिक प्रावधानों के अनुसार दी गई है। वर्तमान में देश में लगभग 84649 एमबीबीएस सीटें। हैं।*

[60] *दाखिले की अंतिम तिथि को 31, अगस्त, 2021 तक बढ़ा दिया है और इसके पश्चात ही नामांकित एमबीबीएसछात्रों की सीटें ज्ञात हो सकेंगी।*

7. आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
6400.00	1. अस्पताल में भर्ती	1.1. अस्पताल में भर्ती (लाखों में संचयी)	81.9	1. अस्पताल में भर्ती की दर	1.1. कुल अस्पताल में प्रवेश की संख्या प्रति लाख लाभार्थी	2%
	2. लाभार्थी की पहचान	2.1. लाभार्थियों को जारी किए गए सुनहरे कार्डों की अनुमानित संख्या (लाख में संचयी)	55	2. लाभार्थियों की योजना के अंतर्गत उनके अधिकारों के प्रति जागरूक	2.1. ई-कार्ड वाले परिवारों की संख्या में % वृद्धि	20%
	3. दावा भुगतान	3.1 प्रस्तुत दावों की राशि (करोड़ रुपए में)	8,703.76	3. जेब से किए गए खर्च की बचत में वृद्धि	3.1. अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों में % वृद्धि	10%
	4. अस्पताल का पैनलबद्ध करना	4.1. प्रस्तुत किए गए दावों की राशि (करोड़ रुपए में)	26,145	4. योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की पहुँच में वृद्धि	4.1. कुल अस्पतालों की संख्या में % वृद्धि हुई	10%
		4.2. सार्वजनिक और निजी अस्पतालों की कुल संख्या: वर्ष के दौरान	2,000			

भारी उद्योग विभाग

1. **ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास : भारत में विद्युत एवं (हाइब्रिड) वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (सी एस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
756.66	1. मांग प्रोत्साहन के माध्यम से विद्युत वाहनों के सरल अंगीकरण को प्रोत्साहन	1.1. विद्युत बसों पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित विद्युत वाहनों (तैनाती) की संख्या	3,500	1. विद्युत और हाइब्रिड वाहनों के अंगीकरण में वृद्धि	1.1. नये बेचे गए वाहनों की कुल संख्या में विद्युत वाहनों की हिस्सेदारी	0.10%
		1.2. चौपहिया स्ट्रांग हाइब्रिड वाहन समेत चौपहिया (विद्युत)	4,000			
		1.3. ई-रिक्शा समेत तिपहिया (विद्युत)	10,000			
		1.4. दुपहिया वाहन (विद्युत)	36,000			
	2. दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले सभी नगरों, राज्यों की राजधानियों नामित स्मार्ट शहरों और राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क की स्थापना ।	2.1. शहरों और राजमार्गों में चालू वर्ष में स्थापित किये जाने वाले चार्जिंग स्टेशन की संख्या	1,500	2. विद्युत वाहन उद्योग में भारत की वैश्विक स्थिति का संवर्द्धन	2.1. सृजित रोजगार (लोगों की संख्या की दृष्टि से)	1,19,500
		2.2. प्रचालनरत चार्जिंग स्टेशनों की संख्या अभी तक स्थापित कुल चार्जिंग स्टेशनों के प्रतिशत के रूप में	100%	3. उत्सर्जन को कम करना और ईंधन की बचत को बढ़ाना	3.1. वाहन के जीवन-काल तक कुल ईंधन की बचत (अरब लीटर)	1.04
	3. आईईसी गतिविधियों के माध्यम से हितधारक जागरुकता और रूचि उत्पन्न करना	3.1. वर्ष के दौरान आयोजित आईईसी गतिविधियों की संख्या	10		3.2. वाहन के जीवन-काल तक कुल उत्सर्जन बचत (मिलियन टन सीओ$_2$)	2.26
		3.2. आईईसी गतिविधियों की अनुमानित पहुँच (व्यक्तियों की संख्या में)	5,00,000			

गृह विभाग

1. योजना: स्वतंत्रता सेनानी (पेंशन और अन्य लाभ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
775.31	1. स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को दिए जाने वाली निधि का समय पर संवितरण	1.1. लाभार्थियों को निधि के संवितरण में औसत देरी (दिनों की संख्या)	3	1. स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और उनके परिवारों के वित्तीय सहायता और सम्मान देना	1.1. श्रेणी (स्वतंत्रता सेनानी, विधवा, विधुर, अविवाहित पुत्री) के अनुसार कई लोगों को पेंशन दी गई	24,591

पुलिस विभाग

1. पुलिस अवसंरचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
3,612.29	**I. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की भवन परियोजनाएं**					
	1. सीएपीएफ (बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबीएवं आईटीबीपी), एआर और एनएसजी की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना (कार्यालय भवन) का प्रावधान सुनिश्चित करना।	1.1. बैरकों की संख्या जिनका निर्माण किया जाना है	150	1. बेहतर आवासीय संतुष्टि स्तर	1.1. योजना के तहत निर्मित अस्पताल में चिकित्सा सुविधा प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	15,814
		1.2. कार्यालय भवनों की संख्या जिनका निर्माण किया जाना है	169	2. निर्मित अस्पतालों से सीएपीएफ की चिकित्सा सुविधाएं बढ़ेंगी।	2.1. शुरु किए गए अस्पतालों में डॉक्टर मरीज अनुपात	1:311
		1.3. योजना के तहत चालू किए गए अस्पतालों की संख्या	13		2.2. अस्पताल अधिभोग दर (%)	100%
		1.4. नियुक्त डॉक्टरों की संख्या	51			
	2. सीएपीएफ (बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी एवं आईटीबीपी), एआर और एनएसजी के लिए आवासीय अवसंरचना का प्रावधान सुनिश्चित करना।	2.1 आवास प्रदान करने के लिए बनाए जाने वाले मकानों एवं क्वार्टरों की संख्या	7765	3. सैन्य बलों के लिए आवासीय क्वार्टरों का प्रावधान।	3.1. उन लोगों में आवासीय संतुष्टि जिन्हें सुविधा आबंटित की गई (45.14 %)	48.03%
					3.2. वर्ष के अंत में आवासीय भवनों (संचयी) की अधिभोग दर	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	II. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल चिकित्सा विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआईएमएस)					
	1. सुरक्षा एवं प्रशासनिक आधारभूत अवसंरचना के प्रावधान सुनिश्चित करना।	1.1. बैरकों की संख्या जिनका निर्माण किया जाना है	450	1. बेहतर आवासीय संतुष्टि स्तर।	1.1. वित्तीय वर्ष में अनुबंधित मकानों में से आवासीय भवनों की अधिभोग दर (%)	0%[61]
		1.2. कार्यालय भवनों की संख्या जिनका निर्माण किया जाना है	3			
		1.3. योजना के तहत संचालित किए जाने वाले अस्पतालों की संख्या	1	2. अस्पताल के निर्माण से केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए चिकित्सा सुविधाएं बढ़ेंगी।	2.1. अस्पतालों में डॉक्टर मरीज का अनुपात	0[62]
	2. आवासीय संरचना के प्रवधानों को सुनिश्चित करना।	2.1. आवास प्रदान करने के लिए निर्मित मकानों और क्वार्टरों की संख्या	451			
	III. अन्य संगठन (केन्द्रीय पुलिस संगठन)					
	1. बीपीआरएंडडी योजनाएं बीपीआरएंडडी मुख्यालय सीएपीटी, भोपाल तथा गाजियाबाद, चंडीगढ़ तथा जयपुर में सीडीटीआई की सुरक्षा तथा प्रशासनिक अवसंरचनाओं के प्रावधानों को सुनिश्चित करना	1.1. केन्द्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी (सीएपीटी), भोपाल का निर्माण(%)	100%	1. पुलिस कर्मियों का क्षमता निर्माण	1.1. प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की संख्या	3,980
		1.2. केन्द्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) जयपुर का निर्माण (%)	100%			
		1.3. सीडीटीआई, चंडीगढ़ की संरचना का विकास	5%			

[61] *मकानों का निर्माण चल रहा है।*

[62] *अस्पताल का निर्माण चल रहा है।.*

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		तथा स्थान परिवर्तन (%)				
	2. पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण	2.1. पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	140%			
	IV. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी					
	1. एसवीपी, एनपीए हैदराबाद प्रशासनिक संरचना तथा सुरक्षा के प्रावधानों को सुनिश्चित करना।	1.1. इब्राहिमपत्तनम में जहां नेशनल टेक्टिकल सेंटर विकसित हुआ है, में जीओ और एनजीओ के लिए क्वार्टरों और गेस्ट हाउसों के निर्माण का प्रतिशत।	50%	1. पुलिस अधिकारियों (केन्द्र/राज्य) को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना।	1.1. आईपीएस अधिकारियों की लगभग संख्या जिन्हें प्रशिक्षण देना हैं	1,500
		1.2. इब्राहिमपटनम में बाउंड्री वाल का निर्माण का प्रतिशत	68%			
		1.3. इब्राहिमपत्तनममें लंबी बफ्फल फायरिंग रेंज (100 मीटर) का निर्माण का प्रतिशत	65%			
		1.4. इब्राहिमपत्तनममें विभिन्न आउटडोर प्रशिक्षण सुविधाओं का निर्माण का प्रतिशत	75%			
		1.5. इब्राहिमपत्तनम में मूलभूत संरचना की सुविधाओं का प्रतिशत निर्माण (गार्ड	45%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		रूम/प्रसाधन/रेस्ट रूम/पार्किंग शेड निर्माण का प्रतिशत				
		1.6. अकादमी में साईड- बी पर बफ्फल परियोजना रेंज का निर्माण का प्रतिशत	65%			
		1.7. इब्राहिमपत्तनम में सीवर लाइनों और प्रकाश व्यवस्था के साथ सड़कों का निर्माण का प्रतिशत	25%			
		1.8. इब्राहिमपत्तनम में जंगल शूटिंग रेंज और रूम शूटिंग रेंज का निर्माण का प्रतिशत	65%			
		1.9. इब्राहिमपत्तनम में चैक डैम और जल संचयन संरचनाओं का निर्माण का प्रतिशत	40%			
	V. उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी					
	1. नेपा शिलांग की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना के प्रावधानों को सुनिश्चित करना	1.1. चारदीवारी की मरम्मत (प्रतिशत निर्माण %)	30%	1. अकादमी की प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ाया जाएगा।	1.1. वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों (उप-एसपी और एसआई रैंक) की संख्या	500
		1.2. 120 बेडेड लेडी केडेट मेस में दीवार का निर्माण %	50%		1.2. प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों की संख्या (अन्य रैंक)	1920

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3. 20 बेड वाले वरिष्ठ अधिकारियों के मैस में अवरोधन दीवार का निर्माण %	30%			
		1.4. प्रशासनिक ब्लॉक के रेट्रोफिटिंग उपाय (प्रतिशत निर्माण %)	50%			
		1.5. 120 बेडेड लेडी केडेट मेस का निर्माण %	30%			
	VI. डीएफएसएस के अधीन सीएफएलएस					
	1. डीएफएसएस के अधीन सीएफएलएस सुरक्षा एवं प्रशासनिक अवसंरचना सुनिश्चित करना	1.1. आधुनिक सीएफएसएल के निर्माण का प्रतिशत	100%	1. निपटाए गए मामलों की संख्या	1.1. पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में निपटाए गए मामलों में परिवर्तन का प्रतिशत	25%
				2. स्वयं के भवन से कार्य करने वाले सीएफएलएस	2.1. स्वयं के भवनों से कार्य करने वाले सीएफएसएलएस की संख्या	6
	VII. राष्ट्रीय जांच एजेंसी					
	1. भूमि का अधिग्रहण और कार्यालय तथा आवासीय भवनों का निर्माण तथा इनको कब्जे में लेना	1.1. एनआईए रायपुर के लिए कार्यालय भवनों के निर्माण का प्रतिशत	100%	1. शाखा कार्यालय रायपुर का कार्यालय स्वयं के चलाएं जाएंगे।	1.1. रायपुर में कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%)	100%
		1.2. एनआईए कोच्ची के लिए कार्यालय भवनों के निर्माण का प्रतिशत	75%	2. शाखा कार्यालय कोच्चि के कार्य स्वयं के भवन से चलाएं जाएंगे।	2.1. कोच्चि में कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%)	0%
		1.3. एनआईए जम्मू के लिए कार्यालय भवनों के निर्माण का प्रतिशत	70%	3. शाखा कार्यालय जम्मू का कार्यलय स्वयं के भवन से चलाएं जाएंगे।	3.1. जम्मू में कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%)	0%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.4. एनआईए रायपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घरों और सामुदायिक केंद्रों का निर्माण- प्रतिशत	100%	4. एनआईए रायपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घर और सामुदायिक केंद्र उपलब्ध होंगे।	4.1. एनआईए रायपुर में 49 आवासीय घरों तथा सामुदायिक केंद्रों की अधिभोग दर (%)	100%
		1.5. एनआईए कोच्चि के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घरों और सामुदायिक केंद्रों का निर्माण- प्रतिशत	70%	5. एनआईए कोच्चि के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घर तथा सामुदायिक केंद्र उपलब्ध होंगे।	5.1. एनआईए कोच्चि में 49 आवासीय घरों तथा सामुदायिक केंद्रों की अधिभोग दर (%)	0%
		1.6. एनआईए जम्मू के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घरों और सामुदायिक केंद्रों के निर्माण का प्रतिशत	70%	6. एनआईए जम्मू के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 49 आवासीय घर तथा सामुदायिक केंद्र उपलब्ध होंगे।	6.1 एनआईए जम्मू के 49 आवासीय घरों तथा सामुदायिक केंद्रों की अधिभोग दर (%)	0%
		1.7. एनआईए मुख्यालय, नई दिल्ली के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 222 आवासीय घरों तथा सामुदायिक केंद्रों के निर्माण का प्रतिशत	100%	7. एनआईए मुख्यालय नई दिल्ली के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 222 आवासीय घर तथा सामुदायिक केंद्र उपलब्ध होंगे।	7.1. एनआईए मुख्यालय नई दिल्ली में 222 आवासीय घरों तथा सामुदायिक केंद्रों की अधिभोग दर (%)	100%
				8. आवासीय संतुष्टि सूची में सुधार होगा	8.1. निर्मित 547 घरों में से अधिकृत मकानों की संख्या	400

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				9. स्वयं के भवनों से कार्य करने हेतु कार्यालय भवनों की संख्या	9.1. 8 कार्यालयों में से स्वयं के भवनों से कार्य करने वाले कार्यालय	6
	VIII. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो					
	1. चंडीगढ़ में कार्यालय सह-आवासीय परिसर का निर्माण।	1.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	100%	1. कार्यालय सह आवासीय परिसरों और कार्यालय परिसरों के निर्माण से ब्यूरो के आधार को मजबूत करना।	1.1. चालू वित्त वर्ष में निर्मित कार्यालय सह आवासीय परिसरों की अधिभोग दर (%)	50%
		1.2. 27 आवासीय फ्लैट के निर्माण का प्रतिशत।	100%		1.2. र्यालय सह आवासीय परिसरों की अधिभोग दर (%)	50%
	2. अहमदाबाद में कार्यालय सह आवासीय परिसर का निर्माण।	2.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	100%		1.3. वित्त वर्ष में निर्मित कार्यालय परिसर की अधिभोग दर	50%
		2.2. 18 आवासीय फ्लैट के निर्माण का प्रतिशत।	100%		1.4. कार्यालय परिसर की संचयी अधिभोग दर	50%
	3. इंदौर में कार्यालय सह आवासीय परिसर का निर्माण।	3.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	100%		1.5. आवास संतुष्टि सूचकांक स्तर	35.6
	4. भुवनेश्वर में कार्यालय परिसर का निर्माण	4.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	100%		1.6. क्षेत्रीय कार्यालयों की कुल संख्या की तुलना में स्वयं के भवनों से संचालनरत क्षेत्रीय कार्यालय (%)	38.46
	5. गुवाहाटी में कार्यालय सह आवासीय परिसर का निर्माण	5.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	30%			
		5.2. आवासीय भवनों के निर्माण का प्रतिशत।	0%			
	6. बैंगलोर में कार्यालय परिसर का निर्माण	6.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	10%			
	7. दिल्ली में कार्यालय परिसर का निर्माण	7.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	10%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	8. लखनऊ में कार्यालय सह आवासीय परिसर का निर्माण	8.1. 01 कार्यालय भवन के निर्माण का प्रतिशत।	20%			
	9. शेष क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों, मुंबई, पटना, अजमेर, देहरादून, गोवा, मदुरै, कोच्चि, मंडी, हैदराबाद, मंदसौर के लिए भूमि की खरीद	9.1. खरीदी गई / इच्छित भूमि का प्रतिशत	100%			
	IX. पुलिस अवसंरचना: दिल्ली पुलिस					
	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिश्चित करना	1.1. जरोदा कलॉ में निर्माणाधीन बैरकों की संख्या	4	1. दिल्ली पुलिस में बेहतर कार्यशील अवसंरचना	1.1. उपलब्ध स्थान और आवश्यक स्थान का अनुपात (प्रतिशत के संदर्भ में)	100
		1.2. बैरक के निर्माण का प्रतिशत।	100		1.2. जरोदा कलॉ में निर्मित बैरक की अधिभोग दर (%)	100
	2. स्वयं के कार्यालय भवनों और रखरखाव का प्रावधान सुनिश्चित करना	2.1. निर्माणाधीन कार्यालय भवनों की संख्या	4	2. स्वयं के भवनों वाले पुलिस स्टेशनों का प्रतिशत	2.1. स्वयं के भवनों वाले पुलिस स्टेशनों की प्रतिशत वृद्धि	69.85
		2.2. कार्यालय भवनों के निर्माण का प्रतिशत	100			
	3. आवासीय अवसंरचना और रखरखाव का प्रावधान सुनिश्चित	3.1. आनंद विहार में निर्माणाधीन स्टाफ क्वार्टरों की संख्या	30	3. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	3.1. आवास संतुष्टि सूचकांक स्तर (वित्त वर्ष के अंत में) (वर्तमान में: 19.53)	19.57

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	करना				3.2. वित्त वर्ष में निर्मित स्टाफ क्वार्टरों की अधिभोग दर[63]	100
					3.3. स्टाफ क्वार्टर की अधिभोग दर (संचयी) (%)	100

2. पुलिस बलों का आधुनिकीकरण[64] (सीएसएसआई)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2803.11	I. **सीसीटीएनएस (सीएसएस)**					
	1. सीसीटीएनएस परियोजना में सम्मिलित थानों और उच्चतर कार्यालयों में कम्प्यूटरीकरण एवं कोर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का विकास	1.1. थानों की संख्या जहां सीसीटीएनसी को लगाया गया है	16,091	1. राष्ट्रीय स्तर पर अपराध और अपराधी के रिकार्ड की अपेक्षाकृत तेजी से खोज	1.1. अपराध और अपराधी डाटाबेस के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर खोज की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. थान की संख्या जिनकी एनडीसी सर्च तक पहुंच है	15,700	2. अपराध और अपराधी के पिछले 10 वर्ष के रिकार्ड का डिजीटलाइजेशन	2.1. पिछले 10 वर्ष में डिजीटल किए गए रिकार्डों की संख्या (कुल) का प्रतिशत	100

[63] स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण पूरा हो जाने के बाद निष्पादन एजेंसियों द्वारा ये क्वार्टर दिल्ली पुलिस को सौंप दिए जाएंगे। दिल्ली पुलिस के क्वार्टर आबंटन प्रकोष्ठ द्वारा इन क्वार्टरों के आबंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और स्थायी आदेश के अनुसार, एक अथवा दो महीने के अंदर ये क्वार्टर, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से दिल्ली पुलिस के जरूरतमंद पुलिस कर्मियों को सौंप दिए जाएंगे। आबंटन के बाद, दिल्ली पुलिस के संबंधित कर्मियों द्वारा शीघ्र इनका कब्जा ले लिया जाएगा।

[64] इस स्कीम में केन्द्रीय अधिनियमों एवं विनियमों का प्रशासन (1.00 करोड़ रुपए), विदेशी नागरिकों का पंजीकरण एवं निगरानी (5.00 करोड़ रुपए), और नागरिकता अधिनियम के प्रशासन के लिए राज्यों को प्रतिपूर्ति (1.00 करोड़ रुपए)के लिए छोटे-छोटे आबंटन भी शामिल है जिनके लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3. थानों की संख्या जो सीसीटीएनएस के निर्दिष्ट फार्मों (आईआईएफ-I से आईआईएफ-V तक) में 100% प्रविष्टि कर रहे	15,700	3. नागरिक सेवा के लिए प्रभावी ऑनलाइन सिस्टम	3.1. राज्य/यूटी पोर्टल पर प्राप्त नागरिक सेवा अनुरोधों की कुल संख्या	1
		1.4. सीसीटीएनएस में राष्ट्रीय स्तर पर अपराध और अपराधी का रिकार्ड तलाशने में लगने वाला औसत समय (1 मिनट से कम)	2		3.2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जो नागरिकों को एसएमएस चेतावनी द रहे हैं।	36
	2. सीसीटीएनएस का ई-कोर्ट एवं ई-कारावास के साथ एकीकरण	2.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां सीसीटीएनएस से ई-कोर्ट से जोड़ा गया है।	36	4. पुलिस अधिकारी को भूमिका आधारित प्रशिक्षण	4.1. वित्त वर्ष में सीसीटी-एनएस पर प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	20,000
		2.2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां सीसीटीएनएस से ई-कारावास को जोड़ा गया है।	36		4.2. सीसीटीएनएस पर प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या (कुल)	5,90,000
	II. **पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए सहायता**					
	1. दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों हेतु पलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए वितीय सहायता प्रदान करना।	1.1. कुल स्वीकृत हथियारों में से राज्यों द्वारा खरीदे गए हथियारों का प्रतिशत	20	1. वामपंथी उग्रवाद की हिंसक घटनाओं एवं नागरिकों की मृत्यु में कमी।	1.1. वामपंथी उग्रवाद की हिंसक में कमी प्रतिशत।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. कुल अनुमोदित प्रशिक्षण गेजैट में से राज्यों द्वारा खरीद का प्रतिशत	20		1.2. वामपंथी उग्रवाद की नागरिकों की मृत्यु में कमी। प्रतिशत।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3. कुल अनुमोदित उन्नत सूचना उपकरणों में से राज्यों द्वारा खरीद का प्रतिशत	20	2. पूर्वोत्तरमें हिंसकविद्राही घटनाओं एवं नागरिकों की मृत्यु में कमी	2.1. पूर्वोत्तरमें हिंसकविद्राही हिंसक घटनाओं कमी का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.4. कुल अनुमोदित फोरेंसिक उपकरणों में से राज्यों द्वारा खरीद का प्रतिशत	20		2.2. पूर्वोत्तरमें हिंसकविद्राही नागरिकों की मृत्यु में कमी का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	III. **एलडब्लयूई प्रबंधन हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता**					
	1. केन्द्रीय एजेंसियों को आवश्यक सहायता का प्रावधान	1.1. चालू वित्त वर्ष में एलडब्ल्यूई कार्यकलापों हेतु भाड़े/पट्टे पर लिए गए हेलीकाप्टरों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा जारी की गई धनराशि का कारगर उपयोग	1.1. पूरे किए गए कैंप अवसंरचना कार्यों का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत किए गए कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों में से पूरे किए गए कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3. स्वीकृत किए गए कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.3. स्वीकृत कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों की कुल संख्या की तुलना में पूरे किए गए कैंप अवसंरचना निर्माण कार्यों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	IV. **गंभीर रूप से प्रभावित एलडब्ल्यूई जिलों को विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए)**					
	1. आकस्मिक प्रकृति के सार्वजनिक अवसंरचना में कमी को पूरा करना	1.1. चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत अवसंरचना संबंधी निर्माण कार्यों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. सार्वजनिक अवसंरचना में खामियों को दूर करना	1.1. चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं में सेस्कीमके तहत जिलों द्वारा पूरी की गई परियोजनाओं का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. चालू वित्त वर्ष में स्कीम के तहत जिलों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. जिलों द्वारा स्कीम के तहत (कुल) पूरी की गई परियोजनाओं का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3. जिलों द्वारा स्कीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं (कुल) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	V. **एसआरई : एलडब्ल्यूई**					
	1. राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति	1.1. चालू वित्त वर्ष में खोले गए/स्वीकृत ओपी/सीपी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. प्रभावी एलडब्ल्यूई प्रबंधन	1.1. चालू वित्त वर्ष में खोले गए/स्वीकृत ओपी/ सीपी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. एसएफ के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. चालू वित्त वर्ष में प्रशिक्षित एसएफ की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	VI. **एसआरई : एनई**					
	1. सिक्किम और मिजोरम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय प्रदान करना	1.1. गृह मंत्रालय द्वारा एसआरई (एनई) के तहत प्राप्त दावों की कुल राशि (6 माह) (करोड़ रु.)	185.25	1. यह स्कीम पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद से निपटने के लिए सुरक्षाबलों की रसद जरूरत को पूरा करने में सहयोग करेगी और पुलिस स्थापनाओं को सुदृढ़ करेगी एवं आत्मसमर्पण कर चुके आतंकवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए आत्मसमर्पण सह पुनर्वास नीति के माध्यम से भटके युवाओं को उग्रवादी समूहों में शामिल होने से रोकेगी।	1.1. गृह मंत्रालय द्वारा एसआरई (एनई) के तहत सेटल दावों की संख्या (6 माह) (करोड़ रु.)[65]	185.25

[65] *वास्तविक धनराशि, एसआरई (एनई) के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र की राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत दावों पर निर्भर करती है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	VII. **एसआरई: जम्मू व कश्मीर(आर एंड आर)**[66]					
	1. प्रवासियों को नकद मदद/मुफ्त राशन, मारे गए पुलिस/सुरक्षा कर्मियों के परिजनों (एनओके) को अनुग्रह राहत, सीमा पार गोलीबारी के पीड़ितों आदि जैसे मुख्य घटकों पर व्यय के लिए जम्मू एवं कश्मीर सरकार को दी गई मासिक प्रतिपूर्ति।	1.1. चालू वित्त वर्ष में जम्मू एवं कश्मीर के प्रवासी परिवारों के लिए राहत के प्रावधान हेतु प्राप्त दावों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. एसआरई (आर एवं आर) सम्मिलित विभिन्न घटकों पर व्यय (जैसे प्रवासियों को नकद राहत/मुफ्त राशन, मारे गए पुलिस/सुरक्षा कर्मियों के परिजनों (एनओके) को अनुग्रह राहत, सीमा पार गोलीबारी आदि के पीड़ितों को राहत)।	1.1. चालू वित्त वर्ष में कश्मीर एवं जम्मू के प्रवासियों परिवारों के लिए राहत के प्रावधान हेतु खर्च की गई धनराशि (करोड़ रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. चालू वित्त वर्ष में निर्मित बंकरों की संख्या (व्यक्तिगत एवं सामुदायिक)	2,000		1.2. जेकेपी, सीपीएमएफ, सेना और एसओपी के परिजनों को अनुग्रह राधि के भुगतान पर खर्च की गई धनराशि (करोड़ रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.3. सीमा पार गोलीबारी /आतंकवाद/कानून और व्यवस्था/उग्रवाद आदि के पीड़ितो के लिए किए राहत उपायों पर खर्च की गई धनराशि (करोड़ रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	VIII. **एसआरई(जम्मू एवं कश्मीर) पुलिस**					
	1. एसआरई (जम्मू एवं कश्मीर) पर सुरक्षा संबंधी व्यय : पुलिस	1.1. चालू वित्त वर्ष में तैनात एसपीओ की संख्या[67]	32,355	1. जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के संबंध में एसआरई: पुलिस	1.1. चालू वित्त वर्ष में मानदेय के रूप में एसपीओ को अदा की गई धनराशि (करोड़ रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[66] *जम्मू एवं कश्मीर सरकार : राहत एवं पुर्नवास कार्यों पर जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा किए गए सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति। जम्मू प्रवासियों को और कश्मीरी प्रवासियों को नकद सहायता, आतंकवादी हिंसा/कानून एवं व्यवस्था की घटनाओं में मारे गए सुरक्षा बल कर्मियों के संबंध अनुग्रह राहत, इसपैकेज के तहत कश्मीरी प्रवासियों को रोजगार, घाटी में 6000 पारगमन आवासों का निर्माण तथा पैकेज के अन्य घटक एसआरई (आर एवं आर) स्कीम के मुख्य घटक हैं।*

[67] *34,707 पदों के कुल अनुमोदन की तुलना में*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	IX. एलडब्ल्यूई प्रभावित राज्यों में 250 मजबूत थानों के निर्माण सहित विशेष अवसंरचना स्कीम (एसआईएस)					
	1. एलडब्ल्यूई प्रभावित राज्यों के लिए विशेष अवसंरचना सहायता	1.1. चालू वित्त वर्ष में एलडब्ल्यूई प्रभावित राज्यों में निर्माण के लिए अनुमोदित थानों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. स्कीम के तहत प्रदान की गई धनराशि का कारगर उपयोग	1.1. चालू वित्त वर्ष में अनुमोदित डीपीआर की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. एलडब्ल्यूई प्रभावित राज्यों निर्माण के लिए अनुमोदित थानों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. चालू वित्त वर्ष में स्कीम के तहत निर्मित थानों को शुरू किया जाना (संख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3. चालू वित्त वर्ष में खरीदे गए प्रशिक्षण हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.3. स्कीम के तहत निर्मित थानों को शुरू किया जाना (कुल)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.4. चालू वित्त वर्ष में में खरीदे गए निगरानी हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.4. खरीदे गए निगरानी हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर मदों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.5. चालू वित्त वर्ष में खरीदे गए वाहनों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.5. खरीदे गए निगरानी हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर मदों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.6. चालू वित्त वर्ष में खरीदे गए अन्य उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.6. खरीदे गए वाहनों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.7. चालू वित्त वर्ष में खरीदे गए हथियारों एवं गोलाबारूद की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.7. खरीदे गए अन्य उपकरणों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.8. में खरीदे गए हथियारों एवं गोलाबारूद की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	X. **एलडब्ल्यूई का सिविक एक्शन प्रोग्राम एवं मीडिया योजना**					
	1. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं अन्य एजेंसियों के लिए धनराशि जारी किया जाना	1.1. चालू वित्त वर्ष में आयोजित जनजातीय युवा अदल-बदल कार्यक्रमों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. एलडब्ल्यूई प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के प्रति सकारात्मक अवधारणा का निर्माण	1.1. चालू वित्त वर्ष में जनजातीय युवा अदल-बदल कार्यक्रमों में भाग लेने वाले युवाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. चालू वित्त वर्ष में अन्य कार्यकलापों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. विभिन्न इनगेजमैंट मीडिया के माध्यम से पहुंचे लोगों की अनुमानित संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3. सीएपी कार्यकलाप कर रहीं सीएपीएफ कम्पनियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	XI. **जम्मू एवं कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति (सिविक एक्शन प्रोग्राम एवं मीडिया योजना)**					
	1. जम्मू और कश्मीर के युवाओं को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों, चिकित्सा शिविरों, वेटेनरी शिविरों और	1.1. आयोजित किए जाने वाले कार्यकलाप की संख्या	100	1. जम्मू और कश्मीर के युवाओं को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों,	1.1. इन कार्यकलापों के माध्यम से पहुंचे लोगों की संख्या	2,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि जैसे विभिन्न कार्यकलापों में लगाने के उद्देश्य से सीएपीएफ एवं जेकेपी को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए धनराशि प्रदान की जानी है			चिकित्सा शिविरों, वेटेनरी शिविरों और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि जैसे विभिन्न कार्यकलापों में लगाने के उद्देश्य से सीएपीएफ एवं जेकेपी को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए धनराशि प्रदान की जानी है		
	2. भारत दर्शन टूर/वतन को जानो टूर	2.1. आयोजित किए जाने वाले भारत दर्शन टूर/वतन को जाने टूर की संख्या	100	2. जम्मू और कश्मीर के युवाओं और बच्चों कोदेश के दूसरे हिस्सों में हो रही सांस्कृतिक एवं सामाजिक आर्थिक विकास के बारे जानकारी देना	2.1. भारत दर्शन टूर/वतन को जानों टूर में भाग लेने वाले छात्रों की वास्तविक संख्या	5,000
	3. व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए सेवा संसाधन केद्र स्थापित करके जम्मू और कश्मीर की महिलाओं का सशक्तीकरण	3.1. आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं की संख्या	100	3. उग्रवाद से प्रभावित जम्मू और कश्मीर की महिलाओं का क्षमता निर्माण एवं उन्हें वित्तीय रूप से आत्म निर्भर बनाने के लिए	3.1. सेवा के संसाधन केंद्रों में प्रशिक्षित की जाने वाली महिलाओं की वास्तविक संख्या	750
	4. जम्मू एवं कश्मीर के विशेष क्षेत्रो से संबंधित विशिष्ट मुद्दों पर आईसीएसएसआर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शोध अध्ययन जैसे अन्य कार्य	4.1. कार्यक्रम के तहत प्राप्त होने वाले अध्ययनों/रिपोर्टों की संख्या	6	4. जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सुरक्षा मुद्दों के विभिन्न आयामों को बेहतर रूप से समझना	4.1. प्रकाशित अध्ययनों/ रिपोर्टों/शोध अध्ययनों की वास्तविक संख्या	6

1. स्मार्ट सिटी मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
6,450.00	1. संशोधित स्मार्ट आवाजाही अवसंरचना	1.1. वित्तीय वर्ष के दौरान विकसित स्मार्ट सड़कों/प्रारंभ की गई पुनर्सरचित परियोजनाओं की संख्या	60	**1.** स्मार्ट और पर्यावरण अनुकूल आवाजाही अवसंरचना के साथ सभी के लिए बेहतर पहुंच	1.1. स्मार्ट सड़क परियोजनाओं को संचालित करने वाले सभी शहरों के एबीडी क्षेत्र में सड़क नेटवर्क की लंबाई के अनुसार स्मार्ट सड़कों की औसत लंबाई (कुल का प्रतिशत)	2%
		1.2. वित्तीय वर्ष के दौरान तैयार की गई स्मार्ट सड़कों की लंबाई (किमी.)	250		1.2 एनएमटी परियोजनाओं को संचालित करने वाले शहरों के एबीडी क्षेत्र में सड़क नेटवर्क की लंबाई के अनुसार एनएमटी अवसंरचना की औसत लंबाई (कुल का प्रतिशत)	2%
		1.3 वित्तीय वर्ष के दौरान विकसित/पुनर्सरचित एनएमटी अवसंरचना (फुटपाथ, साइकिल लेन) की लंबाई (किमी.)	500			
	2. स्मार्ट शासन हेतु प्रौद्योगिकी का एकीकरण	2.1 वित्तीय वर्ष के दौरान निर्मित/पूरे किए गए (प्रचालनरत) एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) की संख्या	25	2 सभी के लिए डिजिटल शासन प्रणालियों के तहत सेवाओं का बेहतर कवरेज	2.1 वित्तीय वर्ष में आईसीसीसी के माध्यम से प्रचालनशील सेवाओं की संख्या	125[68]
	3. नागरिकों के सहयोग और	3.1. शहर स्तर पर सलाहकार मंच (सीएलएएफ) वाले शहरों की संख्या	100	3 नगर विकास और शासन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी	3.1. वित्तीय वर्ष में आयोजित सीएलएएफ बैठकों की संख्या	250

[68] *प्रति शहर 5 औसत सेवाएं*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	वास्तविक शासन मंचों को सक्षम बनाना	3.2 वित्तीय वर्ष में तैनात मोबाइल अनुप्रयोगों/ इंटरैक्टिव डिजिटल मंचों की संख्या	10		3.2. वित्तीय वर्ष में डिजिटलप्लेटफॉर्म / मोबाइल एप्लिकेशनके माध्यम से उपलब्ध नागरिक सेवाओं की संख्या	25
	4 स्मार्ट स्थानों का विकास-हरित और सार्वजनिक खुले स्थान	4.1 वित्त वर्ष में सार्वजनिक स्थान के विकास/कायाकल्प के लिए परियोजनाओं की संख्या	30	4 शहरों में हरित एवं सार्वजनिक खुले स्थान तक बेहतर पहुंच	4.1 वित्तीय वर्ष में विकसित हरित एवं सार्वजनिक खुले स्थान का कुल क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)	15
		4.2 वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए सार्वजनिक स्थानों के विकास/कायाकल्प के लिए परियोजनाओं की संख्या	30			
	5 जल निकायों, नदी तटों एवं तालाब तटों का विकास एवं पुनरुद्धार	5.1 वित्तीय वर्ष में तैयार जल निकायों, नदी तटों एवं तालाब तटों के विकास/कायाकल्प के लिए परियोजनाओं की संख्या	20	5 शहरों में जल निकायों तक पहुंच और उसकी गुणवत्ता में सुधार	5.1. वित्तीय वर्ष में विकसित जल निकायों का कुल क्षेत्रफल(वर्ग किलोमीटर में)	15
		5.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए जल निकायों, नदी तटों एवं तालाब तटों के विकास/ कायाकल्प के लिए परियोजनाओं की संख्या	20			
	6. सौर ऊर्जा के द्वारा ऊर्जा आपूर्ति का संवर्धन	6.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित/पूर्ण की गई सौर ऊर्जा संबंधी परियोजनाओं की संख्या	25	6. शहर में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि	6.1 वित्तीय वर्ष में स्थापित सौर ऊर्जा की कुल क्षमता (एमडब्ल्यू)	25
	7. पर्याप्त जल आपूर्ति एवं प्रबंधन अवसंरचना	7.1 वित्तीय वर्ष में तैयार / पूर्ण की गई स्मार्ट जल परियोजनाओं की संख्या	35	7. विश्वसनीय और गुणवत्ता वाले जल की आपूर्ति और बेहतर जल प्रबंधन तक	7.1 वित्तीय वर्ष में पूरे किए गए स्मार्ट वाटर / मीटर परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले परिवारों की संख्या	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		7.2 वित्तीय वर्ष में स्थापित स्मार्ट मीटरों की संख्या	10,000	पहुंच	7.2 मीटरशुदा जल आपूर्ति का औसत	5%
	8. पर्याप्त अपशिष्ट जल प्रबंधन अवसंरचना	8.1. वित्तीय वर्ष में तैयार/ पूर्ण की गई स्मार्ट अपशिष्ट जल परियोजनाओं की संख्या	30	8. शहरों में बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन	8.1. निर्मित अपशिष्ट जल शोधन क्षमता का (% उपयोग)	70%
		8.2. वित्तीय वर्ष में निर्मित अपशिष्ट जल शोधन क्षमता (एमएलडी)	100			
	9. नवीन स्वास्थ्य अवसंरचना का बेहतर विकास एवं मौजूदा में सुधार	9.1. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई / निर्माणाधीन स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं की संख्या	20	9. स्वास्थ्य अवसंरचना तक बेहतर पहुंच	9.1 वित्तीय वर्ष में निर्मित या पुनर्निर्मित (ई-स्वास्थ्य समाधानों की तैनाती सहित) स्वास्थ्य सुविधाओं से लाभान्वित रोगियों की संख्या	50,000
		9.2 वित्तीय वर्ष में निर्मित या पुनर्निर्मित (ई-स्वास्थ्य समाधानों की तैनाती सहित) स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या	20			
	10. नवीन एवं मौजूदा शिक्षा अवसंरचना का बेहतर विकास	10.1 वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई /निर्माणाधीन स्मार्ट शिक्षा परियोजनाओं की संख्या	20	10. शिक्षा अवसंरचना तक बेहतर पहुंच	10.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित या पुनर्निर्मित शिक्षा सुविधाओं से लाभ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों (स्कूलों की डिजिटल सक्षमता सहित) की संख्या	25,000
		10.2. वित्तीय वर्ष में निर्मित या पुर्ननिर्मित शिक्षा (स्कूलों की डिजिटल सक्षमता सहित) सुविधाओं की संख्या	20			
	11. धरोहर एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना संवर्धन	11.1 वित्तीय वर्ष में धरोहर / स्थानीय पहचान को बढ़ावा देने वाली पूर्ण की गई /निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	15	11. स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए स्टार्ट-अप के लिए .धरोहर और सुविधा केन्द्रों तक पहुंच	11.1. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई स्थानीय पहचान और विरासत को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं का क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)	5
		11.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई / निर्माणाधीन पुर्नविकसित मार्केट परियोजनाओं की संख्या	15		11.2 वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई पुनर्विकसित मार्केट परियोजनाओं का क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		11.3.वित्तीय वर्ष में स्टार्ट अप के लिए विकसित इन्क्यूबेशन केंद्रों की संख्या	5		11.3.वित्तीय वर्ष में विकसित इन्क्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से शुरू किए गए स्टार्ट अप की संख्या	50
	12. जलवायु स्मार्ट अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना	12.1. वित्तीय वर्ष में स्थापित पर्यावरणीय सेंसरों की कुल संख्या	200	12. स्वच्छतर ऊर्जा, हरित भवन, हरित कवर और जैव विविधता, आवाजाही और वायु गुणवत्ता, वायु और जल प्रबंधन पर शहरों का संवेदीकरण	12.1.जलवायु कार्य योजनाओं सहित शहरों की संख्या	30
		12.2.वित्तीय वर्ष में स्थापित पर्यावरणीय सेंसरों की कुल संख्या	100			
	13. डाटा स्मार्ट अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना	13.1.वित्तीय वर्ष में ओपन डाटा प्लेटफॉर्म पर आंकड़े साझा करने वाले शहरों की संख्या	100	13. डाटा उन्मुख शासन संस्कृति को बढ़ावा देना	13.1.वित्तीय वर्ष में ओपन डाटा प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए डेटा सेटों की संख्या	1,000
					13.2 सिटी डाटा पॉलिसी वाले शहरों की संख्या	30

2. स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,300.00	1. व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों का निर्माण	1.1 वित्तीय वर्ष में पारिवारिक शौचालयों की कुल संख्या	50,000	1. सभी वैधानिक शहर खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) हुए	1.1. वैधानिक नगरों की संख्या जिन्होंने ओडीएफ स्थिरता कायम रखी	4,372[69]

[69] *सभी शहरों की ओडीएफ स्थिरता की प्रत्येक 12 महीनों में जांच की जाएगी और उनमें ओडीएफ की स्थिति को पुर्नवैध बनाया जाएगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. सामुदायिक/ सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों / मूत्रालयों की कुल संख्	15,000		1.2 वैधानिक नगरों की संख्या जिन्होंने ओडीएफ+ स्थिरता कायम रखी	91[70]
	3. घर-घर से ठोस अपशिष्ट संग्रह में सुधार	3.1 शत प्रतिशत घर-घर से कलेक्शन (संचयमान) वाले वार्डों की संख्या	85,000	2. बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और प्रोसेसिंग क्षमता	2.1. एकत्र किए गए कुल अपशिष्ट में से प्रोसेस्ड अपशिष्ट की औसत प्रतिशतता	75%
		3.2 शत प्रतिशत डोर टू डोर कलेक्शन वाले वार्डों की प्रतिशतता	99%	3. सार्वजनिक स्वास्थ्य में आरोग्यता और स्वच्छता के महत्व की तुलना में व्यवहारिक बदलाव एवं बेहतर जागरूकता।	3.1. जीएफसी, स्वच्छ मंच के लिए स्टार रेटिंग में प्रतिभागी नागरिकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [71]
	4. स्रोत पर बेहतर ठोस अपशिष्ट पृथक्करण	4.1. स्रोत पर शत प्रतिशत पृथक्करण करने वाले वार्डों की संख्या (संचयमान)	74,000		3.2. स्वच्छता ऐप डाउनलोड की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[88]
		4.2. स्रोत पर 100% पृथक्करण करने वाले वार्डों की प्रतिशतता	86%			
	5. सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्वच्छता के महत्व पर जोर	5.1. वित्तीय वर्ष में रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया पर अभियानों और ई-शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	100[72]			

[70] *91 शहर ओडीएफ+ के रूप में प्रमाणित किए जाएंगे, 31 मार्च, 2021 को स्थिति के अनुसार 1,319 शहर ओडीएफ+ की प्रगति का आकलन करते हुए*

[71] *सभी नागरिकों में जागरूकता का सृजन तथा यूएलबी अधिकारियों में क्षमता निर्माण*

[72] *अधिकतम प्रतिभागिता के साथ नागरिकों के लिए विषयक अभियानों सहित लगभग 100 कार्यशालाओं का संचालन किया गया।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	देने वाले आईईसी अभियान और सार्वजनिक जागरूकता	5.2. वित्तीय वर्ष में अभियानों में प्रतिभागियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

3. एमआरटीएस और मेट्रो परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
23,500.00	1. नई मेट्रो लाइनों का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रचालनरत नई मेट्रो लाइनों की किलोमीटर संख्या (किलोमीटर)	61.55	1. बेहतर परिवहन और वायु गुणवत्ता के मामले में बेहतर जीवंतता परिणाम	1.1 समय लागत की बचत (करोड़ रुपये में)	1,823.02
					1.2. वाहन परिचालन लागत की बचत (करोड़ रुपये में)	774.70
					1.3 उत्सर्जन बचत लागत (करोड़ रुपये में)	211.20
					1.4. दुर्घटना में कमी की बचत (करोड़ रुपये में)	20.50
					1.5 अवसंरचना रखरखाव लागतबचत (करोड़ रुपये में)	117.40

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					1.6 प्रचालनरत नई मेट्रो लाइन की दैनिक यात्रियों का औसत (प्रति घंटा प्रति प्रचालन में यातायात)	0[73]
	2. क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली का निर्माण (दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ लाइन)	2.1 वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रचालनरत नई आरआरटीएस लाइनों की किलोमीटर संख्या	0	2 सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना	2.1. प्रचालनरत नई आरआरटीएस लाइनों के दैनिक यात्रियों का औसत (प्रति घंटा प्रति यातायात प्रचालन)	0[74]
	3. यूटी योजना और क्षमता निर्माण योजना	3.1. परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए आयोजित क्षमता निर्माण (चलाए जाने वाले प्रशिक्षण की संख्या)	3	3 बेहतर प्रशिक्षित क्षमता (मानव)	3.1. प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	120

[73] *मेट्रो रेल परियोजनाओं की लंबी अवधि होती है और इसलिए मेट्रो लाइन का प्रचालन विभिन्न शहरों में चरणबद्व तरीके से किया जाता है। एक मेट्रो लाइन के यात्रियों की पूर्ण संभावना को संपूर्ण कॉरीडोर लंबाई का प्रचालन हो जाने के बाद ही हासिल किया जा सकता है। एक मेट्रो लाइन के यात्रियों की पूरी क्षमता केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब संपूर्ण कॉरीडोर की लंबाई और प्रचालन और सीमांत मल्टी मॉडल् इंटीग्रेशन, फीडर प्रणाली और अंतिम मील कंनेटक्विटी द्वारा विधिवत पूरक हो। इस प्रकार, नियोजित परियोजना की समय-सीमा तक औसत दैनिक यात्रियों की उपलब्धी की सूचना नहीं दी जा सकती है।*

[74] *दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस परियोजना निर्माणाधीन चरण में है। परियोजना कार्यान्वयन की अवधि 6 वर्ष और वित्तीय वर्ष 2025-26 तक चालू होने की संभवना है। निर्माण चरण के दौरान कोई निर्गम –परिणाम संकेतक व्यवहार्य नहीं होगा।*

4. अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
7,300.00	1. शहरी घरों में कार्यात्मक नल जल कनेक्शनों का प्रावधान	1.1. उपलब्ध कराए गए नए घरेलू नल जल कनेक्शनों की संख्या (लाख में)	24	1. सभी मिशन शहरों के घरेलू परिसरों में जल आपूर्ति के लिए सार्वभौमिक कवरेज	1.1. नल-जल कनेक्शन प्रदान किए गए परिवारों का %	88%[75]
	2. सीवेज उपचार क्षमता और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण / पुन: उपयोग क्षमता में सुधार	2.1. वित्तीय वर्ष में स्थापित कुल सीवेज उपचार क्षमता (एमएलडी में)	1,400	2. मिशन शहरों के आवासों के लिए सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन की बेहतर पहुंच	2.1. सीवर कनेक्शन या सेप्टेज प्रबंधन प्रदान किए गए परिवारों का %	49%[76]
		2.2. वित्तीय वर्ष में स्थापित कुल अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण क्षमता (एमएलडी में)	150		2.2. योजना के तहत विकसित की गई पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग क्षमता सहित उपचार	70%
		2.3. वित्तीय वर्ष में स्थापित कुल मल पंक शोधन क्षमता (एमएलडी में)	0			
		2.4. प्रदान किए गए / परिवारों तक पंहुचाए गए नए घरेलू सीवरेज कनेक्शनों की संख्या (लाख में	20			
	3. हरित स्थलों और पार्कों का विकास	3.1. विकसित किए गए नए या बेहतर हरित स्थलों / पार्कों की संख्या	240	3. मिशन शहरों में गुणवत्ता वाले हरित स्थानों में बढोतरी	3.1. बेहतर हरित आवरण और गुणवत्ता वाले सार्वजनिक स्थानों / विकसित पार्कों का क्षेत्रफल (एकड. में)	650

[75] *आधार के रूप में 2011 की जनगणना पर विचार करते हुए*

[76] *आधार के रूप में 2011 की जनगणना पर विचार करते हुए*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	4. मिशन शहरों में वर्षा जल निकासी का प्रावधान	4.1. वर्षा जल निकासी की विकसित / पुनर्निर्मित की गई लम्बाई	300 कि0मी0	**4.** शहरी क्षेत्रों में बाढ़ में कमी	4.1. जल-भराव वाले क्षेत्रों की संख्या में हुई कमी	500
	5. मिशन शहरों में गैर-मोटर चालित परिवहन के बुनियादी ढांचे में सुधार	5.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित / पुनर्निर्मित गैर-मोटर चालित मार्ग (साइकिल लेन और फुटपाथ) परियोजनाओं की संख्या	50	5. फुटपाथ / पैदल मार्ग, साइड-वॉक, फुट ओवर ब्रिज और साइकिलिंग लेन की उपलब्धता बढ़ाना	5.1. निर्मित / पुनर्निर्मित किए गए गैर-मोटर चालित मार्गों (साइकिल लेन और फुटपाथ) की लम्बाई (किलोमीटर)	150
		5.2 वित्तीय वर्ष में निर्मित बहुमंजिला पार्किंग परियोजनाओं की संख्या	7		5.2. निर्मित बहु-मंजिला पार्किंग स्थानों की संख्या	7
	6. क्षमता निर्माण और आईसीटी का उपयोग	6.1. प्रशिक्षित किए गए नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या	0[77]	6. यूएलबी के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए नगर निगम के अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता में वृद्धि	6.1. बढ़ी हुई क्रेडिट रेटिंग वाले शहरों की संख्या	4
					6.2. वित्तीय वर्ष में नगरपालिका बांड जारी करने वाले शहरों की संख्या	2
		6.2. उन शहरों की संख्या जहां ऑनलाइन बिल्डिंग परमिशन सिस्टम (ओबीपीएस) लागू है	15		6.3. बाजार वित्त (नगरपालिका बांड सहित) के माध्यम से जुटाए गए अतिरिक्त संसाधन (करोड़ रुपये में)	400

[77] *मिशन लक्ष्य 2021-22 पहले ही हासिल है*

5. प्रधान मंत्री आवास योजना - ऋण आधारित सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) (सीएस) (ईडब्ल्यूएस/एलआईजी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,000	1. आवास ऋण लेने वाले ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी प्रदान करना	1.1. ईडब्ल्यूएस / एलआईजी लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	2.5	1. पर्याप्त वास्तविक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के साथ जल, रसोई, बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं वाली सभी मौसमों के अनुकूल स्व-स्वामित्व वाली आवास इकाइयां प्रदान करके शहरी लाभार्थियों (ईडब्ल्यूएस / एलआईजी /एमआईजी) के लिए सम्मानजनक आवासीय परिस्थितियां उपलब्ध कराना.	1.1. ईडब्ल्यूएस /एलआईजी /एमआईजी आवासों की स्वामित्व दर (%)	90%
		1.2. एमआईजी लाभार्थियों की संख्या (लाख में	0[78]		1.2 प्रदान किए गए आवासों के लाभार्थियों की संख्या	10.5
		1.3 वित्तीय वर्ष में ईडब्ल्यूएस / एलआईजी के लिए कुल सब्सिडी राशि (करोड़ रुपए में)	6,000	1. आवास स्वामित्व के माध्यम से सुनिश्चित अवधि और महिला सशक्तिकरण	2.1. महिलाओं के स्वामित्व में या महिलाओं के संयुक्त स्वामित्व वाले आवासों का %	75%
		1.4 वित्तीय वर्ष में एमआईजी के लिए कुल सब्सिडी राशि (करोड़ रुपए में))	0[79]			

[78] *एमआईजी की सीएलएसएस योजना 31.03.2021 तक प्रभावी है।*

[79] *एमआईजी की सीएलएसएस योजना 31.03.2021 तक प्रभावी है।*

6. प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) (अन्य घटक) - एएचपी, आईएसएसआर बीएलसी और एआरएचसी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
7,000.00[80]	1. स्व-स्थाने स्लम पुनर्विकास - मौजूदा स्लम क्षेत्र के अंदर विकसित आवास संरचना में सुधार	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या (आईएसएसआर) (लाख में)	0.45	1. पुनर्वास तथा उच्च रहन-सहन की स्थिति के चलते शहरी जनसंख्या के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करना।	1.1. लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या जिन्हें बुनियादी ढांचे के साथ आवास के माध्यम से गरिमापूर्ण जीवन स्तर प्रदान किया गया है (लाख में)	85
		1.2. कब्जा की गई आवासीय इकाईयों का प्रतिशत (आईएसएसआर)	75%		1.2 पुनर्वासित की गई स्लम जनसंख्या का %	28%
					1.3 मिशन के तहत निर्मित कुल आवास इकाईयो में कब्जा प्राप्त बस्तियों का संचयी प्रतिशत 90% (मिशन के अंतर्गत निर्मित कुल आवासीय ईकाईयों में से)	90%
	2. भागीदारी में किफायती आवास - शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस आवास की बेहतर आपूर्ति	2.1 वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या (एएचपी) (लाख में)	2.0	2. आवास के स्वामित्व के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण और अवधि की सुरक्षा	2.1. आवासों की संख्या, महिलाओं के नाम से या संयुक्त स्वामित्व के रूप में(लाख में)	50
		2.2. कब्जा की गई आवासीय इकाईयों का प्रतिशत (एएचपी)	25%			

[80] *जीबीएस के परिव्यय 7,000 करोड़ रूपए में से 4,720 करोड़ रूपए ईबीआर ऋण तथा विविध प्रशासनिक व्यय के कारण किए जाने वाले ब्याज के भुगतान हेतु चिन्हित किए गए।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
	3. लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण / संवर्धन - शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस आवास की बेहतर आपूर्ति	3.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या (बीएलसी) (लाख में)	15	3. शहरी गरीबों / प्रवासियों के लिए किराये के आवास तक बेहतर पहुंच	3.1. कब्जा प्राप्त आवासीय इकाइयों का प्रतिशत (एआरएचसी)	75%
		3.2. वित्तीय वर्ष निर्मित आवासों की संख्या (बीएलसी)	100%			
	4. किफायती किराया आवास परिसरों (एआरएचसी) का विकास	4.1. वित्तीय वर्ष में विकसित किराया आवासीय इकाइयों की संख्या (एआरएचसी) (लाख में)	1			
		4.2 वित्तीय वर्ष में विकसित किराया आवासीय इकाइयों की कुल क्षमता (लोगों की संख्या)	2.5			

7. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य**2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य**2021-22
795.00	1. स्वयं सहायता समूहों के साथ-साथ सूक्ष्मउद्यमशीलता हेतु	1.1. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान (अल्पसंख्यकों के लिए अलग आंकड़ों सहित)	1,00,000	1. शहरी गरीबों के लिए संशोधित आजीविका	1.1. (अल्पसंख्यकों के लिए अलग आंकड़ों सहित) सफलतापूर्वककौशल	70%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य**2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य**2021-22
	रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण एवं सहायता	कौशल प्रशिक्षण प्रदत्त लोगों की संख्या			प्रशिक्षण प्राप्त स्थापित लोगों की प्रतिशत	
		1.2. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान (अल्पसंख्यकों के लिए अलग आंकड़ों सहित) सूक्ष्म-उद्यम स्थापना में सहायता प्राप्त लोगों की संख्या	60,000			
	2. शहरी बेघरों के लिए आश्रय का प्रावधान	2.1. कार्यशील आश्रयों की संख्या	50	2. पथ विक्रेताओं की आजीविका के संरक्षण हेतु विक्रेता उन्मुख शहरी आयोजना को प्रोत्साहन देना	2.1. सृजित शहरी पथ विक्रय योजनाओं की संख्या	200
	3. शहरी पथ विक्रेताओं को सहायता प्रदान करना	3.1. संचालित पथ विक्रेता सर्वेक्षणों की संख्या	100	3. शहरी गरीबों में वित्तीय समावेशन तक पहुंच[81]	3.1. स्वयं सहायता समूहों में शामिल सदस्यों की संख्या (कुल)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकत
		3.2. परिचय पत्र जारी किए गए पथ विक्रेताओं की संख्या	1,00,000		3.3. स्वयं सहायता समूहों में शामिल सदस्यों की संख्या (महिला)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.3 विक्रण प्रमाण पत्र (सीओवी) जारी किए गए विक्रेताओं की संख्या	1,00,000		3.3 स्वयं सहायता समूहों में शामिल सदस्यों की संख्या (दिव्यांग)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[81] *प्रगति अद्यतन की जानी है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
	4. शहरी गरीबों में सामाजिक सुदृढ़ीकरण एवं वित्तीय समावेशन सेवाओं को बढ़ावा देना	4.1. चालू वित्तीय वर्ष में निर्मित स्वयं सहायता समूहों की संख्या	1,00,000			
		4.2. परिक्रामी निधि (आरएफ) सहायता प्राप्त स्वयं सहायता समूहों की संख्या	80,000			
		4.3. तैयार एएलएफ (क्षेत्र स्तर के संघों) की संख्या	1,000			
		4.4. तैयार सीएलएफ (शहर स्तर के संघों) की संख्या	60			
		4.5. कार्यशील बनाए गए सीएलसी की संख्या	20			
		4.6. तैयार कस्बा विक्रय समितियों की संख्या	100			
		4.7. लाभार्थियों के खोले गए खातों की संख्या	10,00,000			
		4.8. स्वयं सहायता समूहों को बैंक संपर्क समेत शहरी गरीबों को दिए गए ऋणों की संख्या	6,00,000			

8. सामान्य श्रेणी के परिसर: गैर- आवासीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,745.94	1. सामान्य श्रेणी के आवासों	1.1. वित्तीय वर्ष के दौरान मंजूर कार्यालय स्थल का क्षेत्रफल	78,768	1. केन्द्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के लिए	1.1. कार्यालय परिसर मांग अंतराल संतुष्टि	3.95

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	का निर्माण अवसंरचना का विकास	(वर्ग मीटर में)		कार्यालय स्थलों तक बेहतर पहुंच	(कुल मांग के प्रतिशत के रूप में)	
		1.2. वित्तीय वर्ष के दौरान पूरी की गई गैर-आवासीय परियोजनाओं की संख्या	1			
		1.3. वित्तीय वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों को उपलब्ध कराए गए कार्यालय स्थलों का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	35,000			

9. सामान्य पुल आवास : आवसीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
606.07	1. सामान्य पुल आवास का निर्माण	1.1 वित्तीय वर्ष में स्वीकृत आवासीय इकाईयों की संख्या	569	1. सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास की उपलब्धता में सुधार	1.1 वित्तीय वर्ष में आवंटित और अधिग्रहण नए आवास इकाईयों की प्रतिशत	28 संख्या
		1.2 वित्तीय वर्ष में पूरा किया गया आवसीय परियोजनाओं की संख्या	1		1.2 आवास की मांग के अंतराल को पूरा करने की प्रतिशतता (प्रतिशत में)	0.13
		1.3 वित्तीय वर्ष में वितरित किया गया आवसीय इकाईयों की संख्या	28			

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
850.01	1. गंगा में सीवेज के प्रत्यक्ष निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार।	1.1. संचयी मलजल उपचार स्थापित क्षमता (एमएलडी में)	28	1. बेहतर जल गुणवत्ता गंगा में निर्वहन से पहले सीवेज का उपचार और 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करना।	1.1. गंगा में बहाए जाने से पहले उपचार किए गए सीवेज की मात्रा (एमएलडी में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.2. औसत बी.ओ.डी. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	3
		1.2. संचयी सीवेज उपचार क्षमता संचालन (एमएलडी में)	28		1.3. औसत डी.ओ. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	5

2. राष्ट्रीय गंगा योजना एवं घाट निर्माण कार्य - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
600.01	I. राष्ट्रीय गंगा योजना					
	1. गंगा में औद्योगिक कचरे के प्रत्यक्ष निर्वहन के विनियमन और जल की गुणवत्ता की निगरानी के माध्यम से प्रदूषण का उन्मूलन।	1.1. गैर-अनुपालन वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों के % में परिवर्तन।	100%	1. 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए पानी की गुणवत्ता में सुधार।	1.1. औसत बी.ओ.डी. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	3
		1.2. अतिरिक्त मैनुअल जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या	0		1.2. औसत डी.ओ. सामग्री (एमजी/ली - सीमा से नीचे)	5
		1.3. मैन्युअल जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संचयी संख्या।	97			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
		1.4. अतिरिक्त रियल टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या स्थापित	40[82]			
		1.5. स्थापित रियल टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संचयी संख्या।	76			
	2. गंगा में सीवेज के सीधे निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार।	2.1. सीवेज उपचार क्षमता स्थापित (एमएलडी में)	280	2. 2022 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए पानी की गुणवत्ता में सुधार।	2.1. गंगा में बहाए जाने से पहले उपचारित सीवेज की मात्रा। (एमएलडी में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		2.2. संचयी सीवेज उपचार क्षमता संचालन (एमएलडी में)	280			
	3. नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा।	3.1. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	7	3. सार्वजनिक भागीदारी के लिए सामाजिक आउटरीच बढ़ाना और स्वस्थ और स्वच्छ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।	3.1. घाट और श्मशान घाट पर फुटफॉल में % परिवर्तन।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2. आधुनिक / नवीनीकृत किए गए घाटों की संख्या।	0			
	4. श्मशान अनुष्ठानों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, गंगा नदी में निस्सृत शवों को रोकना	4.1. नवनिर्मित शवदाहगृहों की संख्या	2			
		4.2. शवदाहगृहों का आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण	0			

[82] *40 नए आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस स्थापित किए जाने हैं, 36 मौजूदा आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
	5. आईईसी गतिविधियाँ	5.1. (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान आदि) के दौरान, स्थानीय पर्वों एवं कार्यक्रमों के दौरान कार्यक्रम, जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शनियां तथा अन्य सार्वजनिक रूप से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के दौरान आईईसी गतिविधियां। (हाँ/ नहीं)	हाँ	4. आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता और व्यवहार में परिवर्तन।	4.1. धारणा सर्वेक्षण से अभियान का % रिकाल तथा इसकी विशेषता।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	6. स्वच्छ गंगा के लिए गंगा नदी के बेसिन में जलीय प्रजातियों का संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का रखरखाव हेतु योजना एवं प्रबंध।	6.1. गंगा बेसिन में सहायक नदियों के सभी क्षेत्रों (8) में किए जाने वाले पारिस्थितिक सर्वेक्षणों की संख्या।	2	5. डिजिटल और प्रिंट मीडिया में वैज्ञानिक और आउटरीच सामग्रियों के विकास में प्रजातियों के उपयोग से संबंधित वितरण जानकारी।	5.1. वैज्ञानिक और आउटरीच सामग्री के साथ प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या।	10,00
		6.2. जैव विविधता और नदी आवास की निगरानी, और बचाव कार्यों के लिए विभिन्न पणधारियों (वन विभागों, पशु चिकित्सकों, स्थानीय	15	6. गंगा बेसिन में चुनिंदा सहायक नदियों पर राज्यों की स्पीयरहेड टीमों की स्थापना।	6.1. अपने संबंधित राज्यों में प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा संरक्षण गतिविधियों के लिए समर्पित समय। (मानक दिवस आधार पर)	1,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
		समुदाय आदि) के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या।				
		6.3. गंगा बेसिन में किए गए जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशालाओं की संख्या।	100	7. नदी और जैव विविधता संरक्षण के प्रति स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों को जागरूक करना और जुटाना।	7.1. हितधारकों की संख्या संवेदनशील और लामबंद।	1,000
		6.4 आजीविका विकास के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	20	8. स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों द्वारा स्थायी आजीविका प्रथाओं को अपनाना।	8.1. स्थायी आजीविका गतिविधियों को प्रशिक्षित और अभ्यास करने वाले लाभार्थियों की संख्या।	500
		6.5 कैडर में नामांकित गंगा प्रहरियों की संख्या।	100	9. गंगा प्रहरियां संरक्षण गतिविधियों में शामिल हैं।	9.1. संरक्षण गतिविधियों के संचालन के लिए गंगा प्रहरियों द्वारा समर्पित समय। (मानक दिवस आधार पर)	1,000
		6.6 उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में गंगा में गिने जाने वाले कार्प फ़िंगरलिंग की संख्या।	8,00,000	10. गंगा नदी की मत्स्य जैव विविधता में सुधार। मछुआरा समुदायों के बीच मछली की जैव विविधता के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना।	10.1. प्रयास में प्रति यूनिट घंटे के आधार पर सुधार।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		6.7 महाशीर (कीस्टोन प्रजाति) ब्रूडर्स की संख्या विकसित हुई।	50		10.2. महाशीर आबादी में वृद्धि (प्रयोगात्मक मछली पकड़ने या मछुआरों का सर्वेक्षण करके) (किलोग्राम	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[83]

[83] *चूंकि ब्रूडर 2-3 वर्षों में विकसित होंगे इसलिए परिणाम की गणना उनके बंद होने पर होगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
		6.8 फर्राका धारा में वयस्क हिल्सा की संख्या।	7,000		10.3. फरक्का में हिलसा की अपस्ट्रीम में बढ़ती उपलब्धता इलाहाबाद तक (हाँ / नहीं)	हाँ
		6.9 साइट की संख्या- मछुआरों के लिए आयोजित विशेष जागरूकता सह प्रशिक्षण।	50		10.4. प्रशिक्षित मछुआरों की संख्या।	1,500
	7. वृक्षारोपण क्षेत्रफल में बढोत्तरी।	7.1 वनीकरण के तहत कवर किया गया अतिरिक्त क्षेत्र (हे. में)[84]	5,000	11. वर्षा की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार, जो नदी और अविरल धारा की पूर्णता में सुधार लाने के उद्देश्य में योगदान देगा।	11.1. पौधों का % अस्तित्व।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [85]
		7.2 संचयी वनीकरण क्षेत्र बनाए रखा जा रहा है (5 वर्ष की अवधि) (हे. में)	26,764			
0.01	I. **घाटों तथा नदी फ्रंट का सौन्दर्यीकरण**					
	1. नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा	1.1. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	2	1. सार्वजनिक भागीदारी के लिए सामाजिक आउटरीच बढ़ाना और स्वस्थ और स्वच्छ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।	1.1. घाट और श्मशान घाट पर फुटफाल में बढोत्तरी।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. नवनिर्मित घाटों की संख्या।	4			

[84] *एमओईएफ एवं सीसी द्वारा नेशनल एवं स्टेट कंपा निधि द्वारा किया जाएगा।*

[85] *माध्यमिक परिणाम। वित्त वर्ष 16-20 की अवधि हेतु मेड-टर्म मूल्यांकन की योजना है जो वित्त वर्ष 21-22 में की जाएगी।*

3. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
5588.49 (एचकेकेपी बजटरी संसाधन) (रुपए 3600 करोड़ की ऋण सेवा सहित)	I. ***त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी)***					
	40 *परियोजनाओं (चरणों सहित) एआईबीपी का शीघ्र कार्यान्वयन।*	1.1. मार्च 2022 तक पूरा करने के लिए लक्षित एआईबीपी परियोजनाओं की संख्या।	10	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण	1.1. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से कुल अतिरिक्त सिंचाई संभावित (लाखो हेक्टेयर में) बनाया गया	3.5
					1.2. पीएमकेएसवाई -एआईबीपी के माध्यम से निर्मित बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से सिंचाई क्षमता का %	100%[86]
		1.2. एआईबीपी के अंतर्गत संभावित रूप से पूरी की गई परियोजनाएं (संचयी)	54	2. फसलों की उपज में वृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि; भूजल की पुनःपूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से बढ़ी हुई सिंचाई के कारण फसल की उपज में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के कारण भूजल स्तर में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	II. ***हर खेत को पानी (एचकेकेपी)***					
	1. ***कमान क्षेत्र विकास तथा जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम)***					
	1. सीएडीडब्ल्यूएम पहचान की गई तथा प्राथमिक परियोजनाओं में काम करता है	1.1. अतिरिक्त कल्चरल कमांड एरिया (हा) कवर (लाख हे. में)[87]	2	1. सृजित और उपयोग की जाने वाली क्षमता के बीच अंतर को कम करें	1.1. अतिरिक्त खेती योग्य कमांड क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का उपयोग (लाख हेक्टेयर में)	2
		1.2. जल उपयोगकर्ता के अतिरिक्त संघों का	400	2. सहभागितापूर्ण सिंचाई प्रबंधन को	2.1 जल उपयोगकर्ता संघों के माध्यम से भागीदारी सिंचाई प्रबंधन के	2

[86] सीएडीडब्ल्यूएम का कार्य पूरा होने पर, कृषि विस्तार आदि कार्य।

[87] 2.00 लाख हेक्टेयर के बकाया कृषि कमान क्षेत्र में सीएडी कार्य

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		निर्माण		मजबूत करना	लिए कवर किया गया कमान क्षेत्र । (लाख हेक्टेयर में)	
		1.3. जल उपयोगकर्ता संघों को सौंपी गई संपत्ति की संख्या [88] (अतिरिक्त)	300			
	2. ***सतही लघु, सिंचाई तथा जल निकायों की बहाली तथा नवीनीकरण***					
	1. योजना के आरआरआर / एसएमआई घटकों पर तेजी से कार्रवाई करें।	1.1. आरआरआर और एसएमआई परियोजनाओं की पूरी की गई अतिरिक्त संख्या (परियोजना / जल निकाय)	100	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण	1.1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.5
	3. ***भूजल सिंचाई***					
	1. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: गुजरात	1.1. सुरक्षित[89] ब्लाकों/जिलों में पंप तथा पाइप से बने कुओं की संख्या: चरण-।। गुजरात में	2,512	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	1.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	3,768
				2. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	2.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,655
	2. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश चरण ।।	2.1. सुरक्षित[90] ब्लॉकों/ जिलों में पंप, पाइप/ के साथ निर्मित कुंओं की सं.: अरूणाचल प्रदेश चरण ।।	519	3. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	3.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	1,957
				4. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	4.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,633

[88] *डब्ल्यूयूए तथा संयची डब्ल्यूयूए को अब तक सृजित 8391 परिसंपत्तियों में से 2900 परिसंपततियां सौंप दी गईं*

[89] *इस योजना के कार्यान्वयन के बाद जीडब्ल्यू का 70 प्रतिशत से अधिक विकास नहीं होना चाहिए।*

[90] *7 राज्यों ने फील्ड कार्य पूरा कर लिया है, 12 राज्यों में दिसंबर 2020 तक पूरा होने की संभावना है। वित्त वर्ष 20-21 के अंत तक इन 19 राज्यों के लिए डेटा प्रविष्टि और सत्यापन पूरा हो जाएगा। 14 राज्यों को फ़ील्ड कार्य, डेटा प्रविष्टि और सत्यापन को दिसम्बर '21 तक पूरा करना है ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: नागालैंड	3.1. सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: नागालैंड	262	5. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	5.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	667
				6. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	6.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	264
	4. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: मणिपुर	4.1. सुरक्षित ब्लॉकों जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: मणिपुर	550	7. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	7.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	2,057
				8. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	8.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	1,445
	5. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: मिजोरम	5.1. सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों में पंप, पाइप / के साथ निर्मित कुओं की संख्या: मिजोरम	209	9. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	9.1. अतिरिक्त कमांड क्षेत्र का निर्माण (हेक्टेयर में)	553
				10. किसानों को सिंचाई की सुविधा।	10.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	411
15.00	III ***सिंचाई मतगणना -स्टैंड अलोन घटक***					
	1. 6वीं जनगणना के साथ अभिसरण में जल निकायों की जनगणना आयोजित करना	1.1. राज्यों/संघ राज्य प्रदेश (की संख्या) जिसमें छठी लघु सिंचाई जनगणना के फील्ड कार्य और राज्य/संघ राज्य प्रदेशों के द्वारा जल निकायों की प्रथम जनगणना से संबंधित कार्य पूरा किया जा चुका है	14	1. लघु सिंचाई क्षेत्र में योजना और नीति निर्माण की जानकारी दी।	1.1. जनगणना रिपोर्ट के डाउनलोड की संख्या - 6वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[91]

[91] *चूंकि छठी मध्यम सिंचाई गणना और जल निकायों की वर्ष 2018-19 में आरंभ की गई है। गणना रिपोर्ट 2020-22 तक प्रकाशित होने की संभावना है। फील्ड वर्क के पूर्ण होने की संभावना है जो चालू महामारी को प्रदर्शित कर सके। इसलिए लक्ष्य गणना रिपोर्ट के प्रकाशन हो चुकने पर ही परिचालन होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. राज्यों/संघ राज्य प्रदेश (की संख्या) जिसमें 6 वीं एमआई जनगणना और जल निकायों की जनगणना, डेटा प्रविष्टि, सत्यापन और अपडेशन सहित राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा डाटा प्रोसेसिंग गतिविधियों का कार्य पूरा हो गया है।	14		1.2. संस्थानों और संगठनों (निजी और सार्वजनिक) से प्राप्त डेटा अनुरोधों की संख्या - 6 वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय जनगणना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[106]
					1.3. बनाई गई जनगणना रिपोर्ट के उद्धरणों / संदर्भों की संख्या - 6 वीं एमआई जनगणना और साथ ही जल निकाय जनगणना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [106]
400.00	**IV महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं हेतु विशेष पैकेज**					
	1. मध्यम और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और भूतल लघ् सिंचाई (एसएमआई) परियोजना का समीचीन कार्यान्वयन। 18 एसएमआई परियोजना पूरी की गई।	1.1. मार्च, 2022 तक पूर्ण की गई प्रमुख और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) परियोजनाओं की संख्या	5	1. विशेष पैकेज के तहत परियोजनाओं की कमान में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण और उपयोग	1.1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण । (लाख हे. में)	1.5
					1.2. सिंचाई क्षमता का उपयोग [92]	100%[93]
		1.2. मार्च, 2022 तक अतिरिक्त सतही लघ् सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	65	2. फसलों की उपज में वृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि; भूजल की पुनःपूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	2.1. महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज से सिंचाई में वृद्धि के कारण फसल की उपज में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					2.2. महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज के कारण भूजल स्तर में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[92] *आईपीयू, सीएडीडब्ल्यूएम कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर करता है।*

[93] *सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार आदि कार्यों के पूरा होने पर।*

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

1. जल जीवन मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
50,011.00	1. ग्रामीण परिवारों हेतु उनके परिसरों के भीतर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्मित सतत् अवसंरचना।	1.1. कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) की संख्या। टैप कनेक्शन की कार्यशीलता का अर्थ अवसंरचना होना है अर्थात् घरेलू टैप कनेक्शन से उचित मात्रा में जल उपलब्ध कराना अर्थात् तय मात्रा का न्यूनतम 55 एलपीसीडी अर्थात् बीआईएस: 105500 मानक, नियमित आधार पर, अर्थात् दीर्घावधि तक लगातार आपूर्ति	300,00,000	1. सामाजिक- उन महिलाओं को जिन्हें दूर के जल स्रोतों से जल लाते हुए उन्हें कठिन श्रम से मुक्ति मिली है।	1.1. उन महिलाओं की संख्या जिन्हें दूर के जल स्रोतों/ और अथवा सार्वजनिक स्रोतों से जल लाते हुए उन्हें कठिन श्रम से मुक्ति मिली है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
	2. नल कनेक्शन के जरिए सार्वजनिक संस्थानों के भीतर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्मित सतत् अवसंरचना।	2.1. नल कनेक्शन के जरिए पाइपगत जलापूर्ति वाले स्कूल की संख्या।	1,10,000[94]	2. सामाजिक- जीवन यापन को आसान बनाना।	2.1. उन परिवारों की संख्या जिन्हें नियमित तथा दीर्घावधि आधार पर पर्याप्त मात्रा, निर्धारित गुणवत्ता में जलापूर्ति की जाती है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		2.2. नल कनेक्शन के जरिए पाइपगत जलापूर्ति वाले आंगनवाड़ी केन्द्र की संख्या।	2,50,000	3. आर्थिक- पीडब्ल्यूएस योजनाओं के साथ सृजित रोजगार	3.1 प्रतिवर्ष सृजित रोजगार की दिवसों की संख्या - पाइपगत जलापूर्ति अवसंरचना का निर्माण।[95]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					3.2 प्रतिवर्ष सृजित रोजगार की दिवसों की संख्या - जलापूर्ति प्रणालियों का प्रचालन और रख-रखाव।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

2. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण II- (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	**निर्गम 2021-22**			**परिणाम 2021-22**		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
9994.10	1. शौचालयों की सुविधा (पहुंच) और निरंतर प्रयोग को बढ़ावा देना।	1.1. मानदण्डों के अनुसार निर्मित किए गए वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) की संख्या (नए परिवार)	30,00,000	1. ओडीएफ निरंतरता	1.1. ओडीएफ के रूप में सत्यापित गांवों की प्रतिशतता।	100%
		1.2. मानदण्डों के अनुसार निर्मित किए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसरों	30,000			

[94] *दिए गए लक्ष्य अस्थायी हैं और बदलने की संभावना है क्योंकि राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के परामर्श से इसे फिर से तैयार किया गया है.*

[95] *स्थानीय रोजगार / भुगतान रजिस्टर से, स्थानीय उद्यमों की संख्या निर्धारित की जाती है.*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		(सीएससी) की संख्या (जरूरत पर आधारित)				
	2. प्रभावी ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम)[96]	1.1 प्रभावी ठोस कचरा प्रबंधन वाले गांवों की संख्या।	35,000	2. संपूर्ण स्वच्छता और दृश्य स्वच्छता	2.1 कम कचरा और कम जल जमाव वाले गांवों की संख्या।	35,000
		1.2 प्रभावी ग्रे-वॉटर प्रबंधन वाले गांवों की संख्या।	50,000			
		1.3 पर्याप्त प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों वाले ब्लॉकों की संख्या।	1,000		2.2 उन गांवों की संख्या जहां हाथ से कचरा साफ करने विशेषकर मल-गाद को हाथ से साफ करने की प्रथा को समाप्त करने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है।	80,000
		1.4 पर्याप्त मल गाद प्रबंधन (एफएसएम) व्यवस्थाओं वाले कवर किए गए जिलों की संख्या।	95			

[96] *एसबीएम (जी) चरण। प्रचालनात्मक दिशा-निर्देश के अनुसार प्रभावी एसएलडब्ल्यूएम का तात्पर्य कम से कम 80% घरों और ठोस अपशिष्ट तथा ग्रे-वॉटर प्रबंधन वाले गांवों में सभी सार्वजनिक स्थलों को कवर करना है।*

1. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[97]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
7,364.00	1. पेंशन के प्रावधान	1.1. ईपीएस के अंतर्गत पंजीकृत लाभार्थियों की कुल संख्या	6,59,69,704	1. औद्योगिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करना	1.1. पेंशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या	60,22,661
		1.2. डिजिटल आधार आधारित जीवन प्रमाण पत्र के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्रदान करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	80		1.2. ईपीएस के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने वाले श्रम बल का प्रतिशत[98]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

2. रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[99]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
976.90	**I. अजा/अजजा के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) केन्द्र (पूर्व में अजा,अजजा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोचिंग एवं मार्गदर्शन)**					
	1. बेरोजगार अजा/अजजा की रोजगारपरकता में वृद्धि करना	1.1. उन लाभार्थियों की संख्या जिन्हें रोजगारपरक मार्गदर्शन और कैरियर परामर्श सेवाएं दी गई है।	70,000	1. बेरोजगार अजा/अजजा अभ्यर्थियों की रोजगारपरकता में वृद्धि	1.1. रोजगार प्राप्त अजा/अजजा के अभ्यर्थियों की संख्या	5,500

97 *प्रस्तावित लक्ष्य*

98 *सहज अनुगामी नहीं हैं, क्योंकि देश में कुल श्रम शक्ति से संबंधित आंकड़े ईपीएफओ के पास उपलब्ध नहीं हैं। (अंश = आउटपुट में लक्ष्य 1.1; हर = भारत में कुल श्रम बल)*

99 *प्रस्तावित लक्ष्य*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[99]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. अजा/अजजा के बेरोजगार जिन्हें नियोजनीयता संवर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया गया।	5,500	2. सेवा की गुणवत्ता	2.1. लाभार्थियों से प्राप्त सर्वेक्षण आधारित फीडबैक स्कोर	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	I. प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना[100]					
	1. प्रतिष्ठानों, कर्मचारियों और सहायक वित्तीय प्रक्रियाओं को पहचान देना	1.1. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. रोजगार सृजन और नौकरियों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए नियोजकों को प्रोत्साहन देना।	1.1. सृजित नए औपचारिक नियोजनों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभ पाने के लिए पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	II. राष्ट्रीय कैरियर सेवा[101]					
	1. नियोजकों और नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों के लिए डिजिटल मंच उपलब्ध कराना।	1.1. पंजीकृत नौकरी के इच्छुकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	2. राष्ट्रीय कैरियर सेवा: राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना एक डिजिटल पोर्टल की परिकल्पना देती है जो नौकरी को इच्छुकों और नियोजकों को गतिशील, कुशल और प्रतिक्रियात्मक रूप में नौकरी के मिलान के लिए नौकरी के इच्छुकों	2.1. जुटाई गईं नौकरियों की संख्या[102]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. पंजीकृत नियोजकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		1.3. जुटाई गईं रिक्तियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा		2.2. पोर्टल के	

---

100 *इस अवधि के लिए कोई लक्ष्य नहीं दिए गए हैं क्योंकि पीएमआरपीवाई के तहत पंजीकरण की समापन की तिथि **31.03.2019** थी। योजना 31 मार्च 2019 को समाप्त हो गई थी।*

101 *एनसीएस परियोजना लक्ष्य आधारित नहीं है। हालांकि, परियोजना का आउटपुट आउटरीच गतिविधियों, नौकरी मेलों एनसीएस, अभियान, आदि पर निर्भर करता है।*

102 *पोर्टल के माध्यम से भरी गई रिक्तियां*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[99]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
			सकते	और नियोजकों के लिए राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान करता है।	उपभोगताओं से सर्वे आधारित फीडबैक स्कोर	
		1.4. वेबसाइट पर विशिष्ट हिटों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		1.5. आयोजित किए गए नौकरी मेलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

न्याय विभाग

1. न्यायपालिका के लिए अवस्थापना सुविधाओं की योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
776.00	1. न्यायालय भवनों और आवासीय इकाइयों का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में पूरी हुई आवासीय इकाइयों की संख्या	225	1. निर्माण कार्य कोसमय से पूरा करना	1.1. राज्य के जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में कोर्ट हॉलों की उपलब्धता की तुलना में न्यायिक अधिकारियों / न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के बीच के अंतर में % कमी	9
		1.2. वित्तीय वर्ष में पूरेकिए गए कोर्ट रूमोंकी संख्या	375			
		1.3. अब तक उपलब्ध कोर्ट रूमों की संख्या	20,500			
		1.4. अब तक उपलब्ध आवासीय इकाइयों की कुल संख्या	18,000	2. बेहतर न्याय वितरण की सुविधा के लिए बुनियादी ढाँचा प्रदान करना	2.1. न्यायिक अधिकारियों के लिए रिक्तियों में % कमी	8

1. **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
2000.00	1. स्व-रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु परियोजनाओं की स्थापना	1.1. स्थापित नई परियोजनाओं की संख्या	78,000	1. सतत और स्थायी रोजगार	1.1. नई परियोजनाओं द्वारा नियोजित लोगों की कुल संख्या (लाख व्यक्तियों में)	6.2
		1.2. स्थापित नई परियोजनाओं का कुल मूल्य (करोड़ रु. में)	10,800			
	2. सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु सहायता प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराना	2.1. लघु उद्यमियों में स्तरोन्नत सूक्ष्म उद्यमियों की संख्या	1,000		1.2. संस्वीकृत परियोजनाओं का कुल वार्षिक कारोबार (रु. में)[103]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[103] *इस संकेतक के लिए डाटा प्राप्त करने संबंधी कार्यतंत्र स्थापित किया जा रहा है।*

1. शैक्षणिक सशक्तीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
2,381.00	**I. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति**					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों की संख्या	30,00,000	1. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं का सशक्तीकरण	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों का प्रतिशत (नई प्रदत्त छात्रवृत्तियों/कुल नए पात्र आवेदकों की संख्या)	68
		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्रों की संख्या	52,00,000		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों का प्रतिशत (प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/कुल नवीकरण पात्र आवेदकों की संख्या)	43%
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त नई छात्रवृत्ति की संख्या	15,00,000	2. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं का सशक्तीकरण	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नई छात्राओं का % (प्रदत्त छात्रवृत्ति/कुल पात्र महिला आवेदकों की संख्या)	68%
		2.2. छात्राओं के लिए दी जाने वाली नवीकरण छात्रवृत्तियों की संख्या	26,00,000		2.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरणछात्राओं का % (प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/ कुलनवीकरण पात्र छात्राओं की संख्या)	43%
	II. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों की संख्या	5,00,000	1. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं का सशक्तीकरण	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों का प्रतिशत (प्रदत्त नई छात्रवृत्ति/ कुल नए पात्रआवेदकों की संख्या)	60%
		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीनीकरण छात्रों की संख्या	4,50,000		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्रों का प्रतिशत (प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/कुल नवीकरण पात्र आवेदकों की संख्या)	40%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों की संख्या	2,50,000	2. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का सशक्तीकरण	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नई छात्राओं का प्रतिशत (प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों/ कुल पात्र नए आवेदकों की संख्या)	60%
		2.2. छात्राओं को प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों की संख्या	2,50,000		2.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्राओं का प्रतिशत (प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/ कुल नवीकरण पात्र आवेदकों की संख्या)	40%
	III. व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति (स्नातक और स्नातकोत्तर)					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों की संख्या	60,000	1. पेशेवर और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं की रोजगारपरकता में सुधार	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नए छात्रों का प्रतिशत (प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों/ कुल पात्र नए आवदेकों की संख्या)	70%
		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्रों की संख्या	90,296		1.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्रों का प्रतिशत (प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/कुल पात्र नवीकरण आवेदकों की संख्या)	62%
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों की संख्या	21,000	2. पेशेवर और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं की रोजगारपरकता में सुधार	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त नई छात्राओं का प्रतिशत (प्रदत्त नई छात्रवृत्तियों/कुल नए पात्र आवदेकों की संख्या)	70%
		2.2. छात्राओं को प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्तियों की संख्या	31,603		2.2. छात्रवृत्ति प्रदत्त नवीकरण छात्राओं का प्रतिशत(प्रदत्त नवीकरण छात्रवृत्ति/कुल पात्र नवीकरण आवेदकों की संख्या)	62%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
	IV. अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति					
	1. कुल अनुमोदित आवेदन	1.1. कुल अनुमोदित आवेदन	1,000	1. एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाले छात्र	1.1. अध्येतावृत्ति के आवेदन के 5 वर्षों के भीतर एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाले छात्रों का%	60%
		1.2. छात्राओं के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	300	2. एम.फिल/पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाली कुल छात्राएं	2.1. अध्येतावृत्ति के आवेदन के 5 वर्षों के भीतर एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाली छात्राओं का %	60%
		1.3. दिव्यांग छात्रों के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	20	3. एम.फिल/ पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल दिव्यांग छात्र	3.1. अध्येतावृत्ति के आवेदन के 5 वर्षों के भीतर एम.फिल/ पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले दिव्यांग छात्रोंका %	60%
	V. अल्पसंख्यकों के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं संबद्ध योजना[104]					
	1. कोचिंग दिए जाने वाले छात्र	1.1. गैर-आवासीय पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए जाने वाले छात्राओं की कुल संख्या	9,000	1. कोचिंग दिए गए छात्रों की सफलता दर (तकनीकी/ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के मामले में 20% और समूहक, ख और ग परीक्षाओं के लिए 15% और नए घटक के अंतर्गत आवासीय कोचिंग के लिए 30%, जिसमें से कम से कम 5%	1.1. गैर-आवासीय कोचिंग कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी/ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए गए छात्रों की सफलता दर	20%
		1.2. आवासीय पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए जाने वाले छात्राओं की कुल संख्या	3,000		1.2. कोचिंग दिए गए कुल छात्रों में से सिविल सेवा परीक्षाओं (प्री) हेतु सफलता की दर	10%
	2. 30% की दर से कोचिंग दी जाने वाली छात्राओं की संख्या	2.1. गैर-आवासीय पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए जाने वाले छात्राओं की कुल संख्या	3,000		1.3. कोचिंग दिए गए कुल छात्रों में से ग्रुप 'क' की अन्य सेवाओं हेतु छात्रों की सफलता की दर	15%

[104] *योजना (नि:शुल्क कोचिंग) के संशोधन और पुनर्गठन के कारण 2021-22 से लक्ष्यों में थोड़ा बदलाव हो सकता है। (नि:शुल्क प्रशिक्षण) 2021-22 से*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
		2.2. आवासीय पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए जाने वाले छात्राओं की कुल संख्या	1,000	सरकारी कॉलेजों/ संस्थानों में प्रवेश या प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों/ संस्थानों में सरकारी सीटों के लिए अर्हता प्राप्त कर सकते हैं।	1.4. कोचिंग दिए गए कुल छात्रों में से ग्रुप 'ख' व 'ग' सेवाओं हेतु छात्रों की सफलता की दर	15%
					1.5. नए घटक के अंतर्गत आवासीय कार्यक्रम के अंतर्गत कोचिंग दिए गए कुल छात्रों की सफलता दर।	30%
		2.2. गैर-आवासीय पाठ्यक्रमों हेतु कोचिंग दिए जाने वाले छात्राओं की कुल संख्या	3,000		1.6. इंजीनियरिंग/ मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने वाले कुल छात्रों में से सरकारी कॉलेजों में प्रवेश या प्रतिष्ठित प्राइवेट कॉलेजों/संस्थानों में सरकारी सीटों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों का प्रतिशत।	5%
	VI. विदेशों में अध्ययन के लिए शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी					
	1. कुल आवेदन	1.1. प्राप्त नए आवेदनों की संख्या	1,000	1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले छात्र	1.1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले छात्रों का प्रतिशत	100%
		1.2. नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	1,500			
		1.3. अनुमोदित आवेदनों की संख्या	2,500			
	2. छात्राओं से आवेदन	2.1. छात्राओं से प्राप्त नए आवेदन की संख्या	250	2. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं	2.1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं का प्रतिशत	100%
		2.2. छात्राओं से नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	375			
		2.3. छात्राओं के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	625			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य2021-22
	VII. यूपीएससी, एसएससी, राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) आदि द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को सहायता।					
	1. यूपीएससी/एसएससी (सीजीएल और सीएपीएफ)/राज्य पीएससी आदि की प्रारंभिक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले सभी छह अधिसूचित अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।	1.1. यूपीएससी के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या	300	1. सिविल सेवाओं तथा केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाना	1.1. योजना के अंतर्गत समर्थित यूपीएससी/ एसएससी (सीजीएल और सीएपीएफ)/एसपीएससी परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का प्रतिशत।	5%
		1.2. पीएससी के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या	2,000			
		1.3. एसएससी (सीजीएल और सीएपीएफ) के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या	2,000			
		1.4. राज्य पीएससी (अराजपत्रित) के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या	800			

2. कौशल विकास और आजीविका (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
573.00	**I. कौशल विकास पहलें**					
	1. आधुनिक के साथ-साथ पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों (पीआईए) को निधियां प्रदान की जाती हैं।	1.1. प्रशिक्षित युवाओं की संख्या (रोजगार की दिशा में अपेक्षित कौशल विकास प्रदान करते हुए अल्पसंख्यक युवाओं की जीवन गुणवत्ता बढ़ाना	1,75,000	1. अल्पसंख्यक युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना और रोजगार प्राप्त करना।	1.1. प्रशिक्षित लाभार्थियों को निश्चित मजदूरी/ स्व-रोजगार	1,31,250 (75%)
		1.2. प्रशिक्षित महिला अभ्यर्थियों की संख्या	57,750		1.2. 12 महीने के बाद भी प्रशिक्षित युवाओं की ट्रैकिंग	65625 (37.5%)
					1.3. प्रशिक्षित लाभार्थियों को निश्चित मजदूरी/ स्व-रोजगार	43313 (75%)
					1.4. 12 महीने के बाद भी प्रशिक्षित युवाओं की ट्रैकिंग	19058 (37.5%)
	II. नई मंजिल-एकीकृत शैक्षिक एवं आजीविका पहल[105]					
	1. 9-12 महीने की अवधि का गैर- आवासीय कार्यक्रम (कक्षा VIII अथवा कक्षा X हेतु) जिसमें उनकी शिक्षा हेतु बेसिक ब्रिज	1.1. योजना के शिक्षा घटक के अंतर्गत नामांकित लाभार्थियों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. आजीविका के संदर्भ में योजना का दायरा विस्तृत करना।	1.1. कुल पात्र आबादी में से उन लाभार्थियों का प्रतिशत जिनकी आजीविका बढ़ी है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. शिक्षा में प्रमाण-पत्र लेने वाले लाभार्थियों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

[105] *आर्थिक कार्य विभाग तथा वर्ल्ड बैंक द्वारा हस्ताक्षरित अनुबंध के अनुसार नई मंजिल योजना 30 जून 2021 को समाप्त होगी, इसे चालू रखने के लिए प्रस्ताव विचाराधीन है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3. राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कौशल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	2. पात्र युवाओं को दी गई प्लेसमेंट एवं प्लेसमेंट उपरांत सहायता	2.1. वेतन रोजगार में नियोजित किए लाभार्थियों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	III. विकास के लिए पारंपरिक कलाओं/शिल्पों में कौशलों का उन्नयन और प्रशिक्षण (उस्ताद)					
	1. पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों (पीआईए) को निधियां प्रदान की जाती हैं	1.1. पारंपरिक कलाओं और शिल्पों में प्रशिक्षण के माध्यम से पारंपरिक कलाओं/शिल्पों का संरक्षण	5,082	1. पारंपरिक ट्रेडों में प्रशिक्षत किए गए अल्पसंख्यक युवा तथा स्वरोजगार के लिए स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) का निर्माण	1.1. पारंपरिक कलाओं/शिल्पों में स्वरोजगार अथवा एसएचजी कार्यकलाप	5,082
					1.2. स्वरोजगार हेतु एसएचजी का निर्माण	250
	2. हुनर हाट का आयोजन	2.1. आयोजित किए गए हुनर हाटों की संख्या	10	2. कारीगरों के लिए बड़े बाजार की उपलब्धता	2.1. विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की संख्या	1000
	IV. अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व क्षमता विकास योजना					
	1. मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉड्यूलों के माध्यम से नेतृत्व क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु चुनिंदा गैर-	1.1. 18-65 की उम्र के बीच उन अल्पसंख्यक महिलाओं की जो संख्या नेतृत्व विकास के मॉड्यूल के अंतर्गत	40,000	1. अल्पसंख्यक महिलाओं का सशक्तीकरण और उन्हें आत्मविश्वासी बनाना तथा पुरूषों पर निर्भरता को कम करना।	1.1. सभी स्तरों पर सरकारी तंत्रों, बैंकों एवं अन्य संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करने हेतु जानकारी, उपकरण एवं तकनीक उपलब्ध कराते हुए आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वासी बन रही अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या।	40,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	सरकारी संगठनों को सहायता-अनुदान तथा अल्पसंख्यक महिलाओं तथा 25% तक गैर-अल्पसंख्यक महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण।	प्रशिक्षित की गई नामत:				
	V. एनएमडीएफसी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (एससीए) को सहायता अनुदान					
	1. एससीए के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाना	1.1. वसूली संबंधी विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए एससीए द्वारा नियोजित व्यक्तियों की संख्या।	55	1. ऋण वसूली	1.1. जीआईए फंड का लाभ उठाने वाले एससीए द्वारा ऋण की वसूली में % वृद्धि	10%
	2. एनएमडीएफसी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना।	2.1. आयोजित किए गए जागरूकता शिविरों और ऋण मेलों की संख्या	105	2. जागरूकता	2.1. जागरूक किए गए व्यक्तियों की संख्या	10,000
	VI. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी) को इक्विटी अंशदान					
	1. पात्र अभ्यर्थियों को प्रदान किया गया रियायती ऋण	1.1. एनएमडीएफसी की क्रेडिट योजनाओं के अंतर्गत सावधि ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या।	19,968	1. सावधि ऋण प्रदान करके अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाना	1.1. पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सावधि ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या में % वृद्धि।	5%
		1.2. एनएमडीएफसी की क्रेडिट योजनाओं के	2,219	2. शैक्षिक ऋण प्रदान करके अल्पसंख्यकों	2.1. पिछले वित्त वर्ष की तुलना में शैक्षिक ऋण प्राप्त करने वाले	5%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		अंतर्गत शैक्षिक ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या।		को सशक्त बनाना	अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या में % वृद्धि।	
		1.3. एनएमडीएफसी क्रेडिट योजनाओं के तहत वित्त ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या।	1,22,880	3. सूक्ष्म वित्त ऋण प्रदान कर अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाना	3.1. पिछले वित्त वर्ष की तुलना में सूक्ष्म वित्त ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या में % वृद्धि।	3%
	2. आवेदन से संवितरण तक समयावधि	2.1. आवेदन प्राप्ति के 3 महीने के भीतर कार्रवाई किए गए आवेदनों की संख्या	1,80,000	4. आवेदन से संवितरण तक समयावधि	4.1. 3 महीने के भीतर कुल स्वीकृत आवेदनों में से कार्रवाई किए गए आवेदनों का प्रतिशत	90%
	3. एनएमडीएफसी की प्रचार योजनाओं के तहत लाभार्थियों को प्रदत्त लाभ	3.1. कौशल से कुशलता योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या	400	5. कौशल व विपणन सहायता प्रदान कर अल्पसंख्यकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना	5.1. वेतन/स्वरोजगार पाने वाले लाभार्थियों की संख्या	280
		3.2. विपणन सहायता योजना के तहत आयोजित प्रदर्शनियों की संख्या।	4	6. कारीगरों/ लाभार्थी को लाभ	6.1. एनएमडीएफसी/ एसएचजी की विपणन सहायता योजना के अंतर्गत लाभ पाने वाले कारीगरों/लाभार्थियों की संख्या।	320
		3.3. महिला समृद्धि योजना के तहत प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	250	7. लाभार्थी महिलाओं की संख्या	7.1. सृजित एसएचजी की संख्या	12

3. प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1390.00	1. अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में पीएमजेवीके के तहत राज्यों/संघ द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं को अनुमति।	1.1 अभिज्ञात 1300 एमसीए में से कवर किए गए एमसीए की संख्या	520	1. शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, स्वच्छता, पेयजल, महिला सशक्तीकरण आदि के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए एमसीएमें सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी सुविधाओं में सुधार करना।	1.1 शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार हेतु स्वीकृत कुल परियोजनाओं में से पूरी की गई परियोजनाओं का प्रतिशत	5%
	2. स्कूल, आवासीय विद्यालय छात्रावास, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, , हुनर हब, सद्भाव मंडप, कॉमन सर्विस सेंटर, शौचालय, पेयजल आदि जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण।	2.1. शिक्षा क्षेत्र के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या।	150		1.2 कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से शिक्षा क्षेत्र हेतु पूरी की गई परियोजनाओं का %	5%
		2.2. स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	50		1.3 कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु पूरी की गई परियोजनाओं का%	5%
		2.3. कौशल क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या।	25		1.4 कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से कौशल विकास हेतु पूरी की गई परियोजनाओं %	5%
		2.4. स्वच्छता क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	50		1.5 कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से स्वच्छता क्षेत्र हेतु पूरी की गई परियोजनाओं %	10%
		2.5. महिलाओं सशक्तीकरण के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	80		1.6 कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से हेतु पूरी की गई महिला केन्द्रित परियोजनाओं का %	5%
	3. सृजित परिसंपत्ति की जियो-टैगिंग	3.1. जियो-टैगिंग की गई परिसंपत्तियों की संख्या	5,000		1.7 परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग को पूरा करना	5%

1. सौर विद्युत – ग्रिड इंटरएक्टिव अक्षय विद्युत (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,369.13	1. देश में ग्रिड संबद्ध सौर विद्युत (ग्राउन्ड माउन्टेड/रूफटॉप) को चालू करना । (कुसुम को छोड़कर)	1.1. सौर पार्कों में चालू की गई क्षमता (मेगावाट में)	5,000	1. सौर विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादित सौर ऊर्जा (बीयू[106])	66.60[107]
		1.2. रूफटॉप सौर में चालू की गई क्षमता (मेगावाट में)	2,000			
		1.3. सीपीएसयू योजना के तहत परियोजनाओं में चालू की गई क्षमता (मेगावाट में)	860			
		1.4. वीजीएफ योजना के तहत परियोजनाओं में चालू की गई क्षमता (मेगावाट में)	0[108]			
	2. सौर पैनलों और सौर सेलों के घरेलू निर्माण में वृद्धि	2.1. एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण घरेलू तौर पर निर्मित सौर पैनलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट में): सीपीएसयू योजना पी-II	1,500	2. आयात निर्भरता में कमी	2.1. सौर पैनल और सेल के घरेलू उत्पादन के कारण आयात के मूल्य में कमी। [109] (करोड़ रुपये में): सीपीएसयू योजना पी-II	2,250
		2.2. एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण घरेलू तौर पर निर्मित सौर पैनलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट में): पीएम-कुसुम	1,100		2.2. सौर पैनल और सेल के घरेलू उत्पादन के कारण आयात के मूल्य में कमी। [124] (करोड़ रुपये में): पीएम-कुसुम	1,650

[106] *बीयू = बिलियन यूनिट*

[107] *केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के पास संयंत्र-वार उत्पादन के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, अतः उत्पादन के तौर पर सभी ग्रिड संबद्ध सौर संयंत्रों से संचयी उत्पादन लिया गया है।*

[108] *पुनर्मूल्यांकन के अधीन योजनाएं*

[109] *आयात के मूल्य में कमी = घरेलू सौर मॉड्यूलों की अपेक्षित मात्रा में तैनाती x औसत अंतर्राष्ट्रीय मूल्य (वर्तमान में 1.5 करोड़ प्रति मेगावाट के हिसाब से)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		2.3. एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण घरेलू तौर पर निर्मित सौर पैनलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट में): रूफटॉप सौर पी-II	1,500		2.3. सौर पैनल और सेल के घरेलू उत्पादन के कारण आयात के मूल्य में कमी।[124] (करोड़ रुपये में): रूफटॉप सौर पी-II	2,250

2. किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) – ऑफ-ग्रिड / वितरित और विकेन्द्रीकृत अक्षय विद्युत (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
776.30	1. 7.5 एचपी तक की व्यक्तिगत पंप क्षमता के स्टैन्ड अलोन सौर चलित कृषि पंपों की संस्थापना	1.1. 7.5 एचपी तक की व्यक्तिगत पंप क्षमता वाले संस्थापित स्टैन्ड अलोन सौर चलित कृषि पंपों की संख्या	2,00,000	1. कुल उत्पादन	1.1. उत्पादन (बीयू)[110]	1.60

[110] *बिलियन इकाइयों में अनुमानित उत्पादन*

1. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए): क्षमता निर्माण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
593.00	1. बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और ग्राम पंचायतों में मानव क्षमताओं का निर्माण करना	1.1 चालू वर्ष में प्रशिक्षित प्रतिनिधियों (ईआर) और पंचायतों के अधिकारियों की संख्या	50,00,000	1. ग्राम पंचायतों में आधारभूत संरचना और सुविधाओं में सुधार।	1.1 योजना प्लस पर अपलोड किए गए जीपीडीपी की संख्या।	2,45,000
		1.2 एक्सपोजर दौरे में भाग लिये चुने हुए प्रतिनिधि और पदाधिकारियों की संख्या	1,200		1.2 प्रशिक्षण संस्थान बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्रशिक्षण सुविधाओं में गुणवत्ता मानकों के साथ कार्यात्मक हैं।	30
		1.3 विकसित पीयर लर्निंग सेंटर (पीएलसी) की संख्या	50			
		1.4 तैयार की गई ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की संख्या	2,48,000			
		1.5 निर्मित पंचायत भवन की संख्या	700			
		1.6 मरम्मत की गई पंचायत भवन की संख्या	350			
		1.7 जनशक्ति के साथ समर्थित राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों (एसपीआरसी) की संख्या	30			
		1.8 जनशक्ति के साथ समर्थित जिला पंचायत संसाधन केंद्रों (डीपीआरसीएस) की संख्या	300			
		1.9 कंप्यूटर के साथ समर्थित ग्राम पंचायतों की संख्या	1,600			

1. एलपीजी राजसहायता : लाभ का सीधा अंतरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
12,480.00	1. अतिरिक्त नकदी अंतरण अनुपालक लाभार्थी	1.1. शामिल किए गए नकदी अंतरण अनुपालक लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	1	1. सभी वर्तमान और नए घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के खातों में सीधे प्राप्त हुई डीबीटी	1.1. लाभार्थी परिवारों की % एलपीजी कवरेज	100
					1.2. प्रति वर्ष औसत रिफिल्स	6.5
					1.3. एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़ में)	28
	2. लाभों का अपेक्षाकृत अधिक शीघ्रता से अंतरण	2.1. डीबीटी में लगा औसत समय (घंटों में)	40			
		2.2. एलपीजी सिलिंडर के लिए आर्डर दिए जाने पर डिलीवरी मे लगने वाला समय (घंटों में)	48			
		2.3. एजेंसी पर सिलिंडर भरवाए जाने की तुलना में घरों में की गई % डिलीवरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [111]			

[111] *इसके संग्रह हेतु डेटा तंत्र विकसित किए जा रहे हैं/*

1. विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,454.95	I. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम राज्यों में पारेषण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण					
	1. पैकेजों को अवार्ड करना और उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों की संख्या	7	1. क्षेत्र में उन्नत विद्युत पारेषण क्षमता	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए में)	844.8
		1.2. अवार्ड किए गए पैकेजों की प्रगति का प्रतिशत (डीपीआर दर)	75			
	II. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम को छोड़कर उत्तर पूर्वी राज्यों में विद्युत प्रणाली में सुधार-एनईआरपीएसआईपी					
	1. पैकेजों को अवार्ड करना और उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों की का प्रतिशत संचयी प्रगति	78	1. क्षेत्र में उन्नत विद्युत पारेषण क्षमता	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए में)	3,789.5
	III. स्मार्ट ग्रिड					
	1. स्मार्ट ग्रिड का रेडिनैस-सैल्फ एसस्मेंट टूल।	1.1. स्मार्ट ग्रिड रेडिनैस के लिए मूल्यांकन की गई यूटिलिटियों की संख्या	10	1. स्मार्ट मीटरों और उन्नत मीटर अवसंरचना (एएमआई) के कवरेज में सुधार	1.1. स्मार्ट मीटरों के लिए कवर किए गए उपभोक्ताओं में बिलिंग दक्षता	97%
	2. स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं का अवार्ड	2.1. लैटर ऑफ अवार्ड दी गई परियोजनाओं की संख्या	1			
	3. स्मार्ट मीटरिंग का नियोजन	3.1. एनएसजीएम संस्वीकृतियों के अंतर्गत स्थापित स्मार्ट मीटरों की संख्या	1,00,000			
	4. स्मार्ट ग्रिड नियोजन में प्रशिक्षित पेशेवर	4.1. आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की संख्या	150			

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	IV. **हरित ऊर्जा कोरिडोर (जीईसी)**					
	1. हरित ऊर्जा कोरिडोर का निर्माण	1.1.वित्तीय वर्ष में स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केन्द्रों (आरईएमसी) की संख्या[112]	1	**1.** उन्नत प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी	1.1. आरई की कुल स्थापित क्षमता की तुलना में आरईएमसी में मानीटर की गई आरई क्षमता का प्रतिशत	100
					1.2. आरईएमसी/जीईसी से जुड़े नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों का औसत क्षमता उपयोग घटक (%)[113]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

2. विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
574.16	1. ग्रिड सुरक्षा एवं प्रचालन में सुधार लाने के लिए परियोजना का उन्नत कार्यान्वयन	1.1 पुनरुद्धार एवं आधुनिकीकरण की गई पारेषण लाइन की कुल लंबाई (सीकेएम)	76	1. ग्रिड सुरक्षा एवं परिचालन में सुधार	1.1 विद्युत पारेषण क्षमता में वृद्धि (एमवीए)	0[114]
		1.2 वोल्टेज प्रोफाइल को नियंत्रित करने के लिए उपलब्ध प्रतिक्रियाशील विद्युत क्षमता में परिवर्धन (एमवीएआर)	302		1.2 विसंगतियों के लिए परिशोधित किए गए सब स्टेशनों की कुल संख्या	172
		1.3 पुनरुद्धार एवं उन्नयन किए गए सब स्टेशनों की संख्या	151			

[112] *उत्तर प्रदेश में आरईएमसी का स्थापना मंत्रालय में विचाराधीन है।*

[113] *हरित ऊर्जा कोरिडोर के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र देश में स्थापित इस प्रकार की अवसंरचना में प्रथम हैं और आधारभूत आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। इसलिए, लक्ष्या निर्धारित नहीं किए जा सके।*

[114] *परियोजना कार्यान्वयन की संचारण क्षमता में वृद्धि के लिए एक वर्ष से अधिक समय लगेगा।*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.4 स्थापित किए गए विशेष ऊर्जा मीटरों (एसईएम) और फेजर मापन यूनिटों (पीएमयू) की संख्या	136			
		1.5 अनुमोदित परियोजनाओं पर उपयोग की जाने वाली निधि की राशि	120.54			
		1.6 बढ़ाई गई ईबीआर के लिए ब्याज का भुगतान	452.62			

1. **नई लाइनें (निर्माण कार्य) (सीएस),**
2. **आमान परिवर्तन (सीएस) और**
3. **लाइन दोहरीकरण (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य *2021-22*	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
21,049.01	1. नई लाइनों, आमान परिवर्तन और लाइन दोहरीकरण के निर्माण की गति में तेजी लाई जाए	1.1. नई लाइनों का निर्माण (किमी)	300	1. बिना संपर्कता वाले मार्गों विशेष रूप से एलडब्ल्यूई जिलों, सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जिलों, जनजातीय क्षेत्रों, आदि में बेहतर पंहुच।	1.1. नई लाइनों के निर्माण के कारण रेलवे से जुड़ने वाले स्थान (मानक अंतिम स्थान दूरी को मानकर)	284[115]
		1.2. आमान परिवर्तन (किमी) कार्यों की कुल लंबाई	500			
		1.3. लाइन दोहरीकरण (किमी) की कुल लंबाई कार्य पूरा कर लिया गया है।	1,600	2. अधिक संरक्षा और थ्रुपुट के साथ-साथ सघन मार्गों पर अधिक माल यातायात सेवाएं।	2.1 यात्री थ्रुपुट (प्रकिमी) में वृद्धि	0.15%
					2.2 माल यातायात थ्रुपुट (एनटीकेएम) में वृद्धि	2.2%

115 *कार्यान्वयन होनेवाली नयू लाईन परियोजनायें:बिहार शरीफ - बरबीघा, दानियावान-फजलचक, फजलचक-जाटडुमर, गाजीपुर शहर-तारियोह), मेहम - हाँसी, दीदवाना - पिपलानी , मिलवितन - मेलमरूदूर, सोलापुर वाडी - आशटी, माहीपुर - नुआगाँव, झारताभा - बिछौली, मोहनपुर - बाबूपुर), गजवेल - कोडाकांडला, गुंडलकामा - डारसी, मगनपुर - मकधाल), करातगी - सिंधानुर*

4. सिगनल एवं दूरसंचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य *2021-22*
2,448.30	1. सिगनलों को बदलने का कार्य	1.1 स्टेशनों की संख्या जहां आधुनिक सिगनलिंग कार्य शुरू/पूरे किए गए हैं।	310	1. स्टेशनों पर संरक्षा में वृद्धि जहां सिगनलों को बदलने के कार्य किए गए हैं।	1.1. सिगनल विफलताओं से उत्पन्न असुरक्षित कार्यप्रणाली की घटनाओं की संख्या	0
	2. समपार फाटकों का अंतपार्शन	2.1 समपार गेटों की संख्या जहां इंटरलॉकिंग कार्य शुरू/पूरे किए गए हैं।	250	2. समपार गेटों पर संरक्षा में वृद्धि जहां समपार गेटों में इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	2.1 गेटों पर होने वाली घटनाओं की संख्या जहां समपार गेट इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	0

5. रेलपथ नवीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	*संकेतक*	*लक्ष्य 2021-22*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2021-22*
10,695.00	1. नवीकृत रेलपथ की अधिक लंबाई	1.1. रेलपथ नवीकरण (किमी) की कुल लंबाई	4,000	1. रेलपथ नवीकरण कार्यों के कम कार्य	1.1 लंबित रेलपथ नवीकरण कार्यों को पूरा करने का समय	3 वर्षों में

6. **सड़क संरक्षा कार्य-समपार (सीएस) और**

7. **सड़क संरक्षा कार्य-ऊपरी/निचले सड़क पुल (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम 2021-22**		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2021-22***	**परिणाम**	**संकेतक**	***लक्ष्य 2021-22***
6,300.00	1. ऊपरी सड़क पुल का निर्माण	1.1 निर्मित आरओबी/ आरयूबी की संख्या	1,500	1. संवर्धित संरक्षा	1.1 समपारों पर दुर्घटनाओं की संख्या में प्रतिशत कमी	0[116]
		1.2 हटाए गए चौकीदार वाले समपारों की संख्या	1,400			

8. **चल स्टॉक (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2021-22**			**परिणाम 2021-22**		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2021-22***	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2021-22***
6,815.36	1. प्रत्येक किस्म के चल स्टॉक का अधिग्रहण	1.1 परिचालित विद्युत रेलइंजनों की संख्या	725	1. माल यातायात और यात्री सेवाओं में अधिक थ्रुपुट	1.1 यात्री थ्रुपुट (प्रकिमी) में वृद्धि	0.15%
		1.2 परिचालित एलएचबी सवारीडिब्बों की संख्या	6,695		1.2 माल यातायात थ्रुपुट (एनटीकेएम) में वृद्धि	2.2%
		1.3 परिचालित रेलपथ मशीनों की संख्या	100			

[134] दुर्घटनाओं के संख्या में 100 प्रतिशत कमी।

9. यातायात सुविधाएं– यार्ड रिमाडलिंग एवं अन्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य *2021-22*	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य *2021-22*
1,128.00	1. कार्यों की अधिक कवरेज	1.1 शुरू किए गए कार्यों की संख्या	43	1. जहां यार्ड रिमॉडल किए गए हैं, उन मार्गों पर अधिक यात्री और माल यातायात थ्रुपुट	1.1 यात्री थ्रुपुट (प्रकिमी) में वृद्धि	0.15%
					1.2 माल यातायात थ्रुपुट (एनटीकेएम) में वृद्धि	2.2%

10. उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य *2021-22*	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*
1,850.00	1. परियोजनाओं को शीघ्र शुरू करना	1.1 शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	50	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-रखाव	1.1. चल स्टॉक उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है।	100%
					1.2. सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण	0%

11. मशीनरी एवं संयंत्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*
630.00	1. नई मशीनरी को बदलना और संयंत्र का	1.1 प्रतिस्थापन आधार पर मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (करोड़)	125 करोड़	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-	1.1 चल स्टॉक उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है।	100%

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*
	संस्थापन	1.2 अतिरिक्त की गई खरीद का कुल अधिमान	225 करोड़	रखाव		
					1.2 सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण	0%

12. यात्री सुविधाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*
2,800.00	1. यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना	1.1. अपग्रेडेड स्टेशनों की संख्या	30 स्टेशन	1. अधिक यात्री संतुष्टि सूचकांक	1.1. यात्री संतुष्टि सूचकांक	80%
		1.2. निर्मित पैदल पार पुलों की संख्या	250 संख्या			

13. महानगर परिवहन परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपयों में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य 2021-22*
1900.00	1. उप-नगरीय रेलगाड़ियों की अधिकतम उपलब्धता	1.1. महानगर की नई लाइनों का निर्माण कार्य शुरू किया गया	11.5	1. इन परियोजनाओं के परिणामस्वरूप यात्रियों के थ्रूपुट में वृद्धि हुई	1.1 कुल उपनगरीय पीकेएम पूरा किया गया	1,58,387

14. **पुल संबंधी, सुरंग संबंधी कार्य एवं पहुंच मार्ग (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपयों में)	**निर्गम 2021-22**			**परिणाम 2021-22**		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	***लक्ष्य 2021-22***	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य *2021-22***
900.00	1. पुल संबंधी कार्यों की संवर्धित गति	1.1. शुरू किए गए/ पूरे किए गए पुल संबंधी कार्यों की संख्या	1,100	1. बेहतर औसत गति	1.1. वार्षिक रूप से समाप्त किए गए गति प्रतिबंधों की संख्या	50[117]

पुल संबंधी गति प्रतिबंधों को 50 की संख्या से कम रखने का लक्ष्य रखा गया है।

[117] *पुल संबंधी गति प्रतिबंधों को 50 की संख्या से कम रखने का लक्ष्य रखा गया है।*

सड़क कार्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
60,241.28	1. भारतमाला परियोजना सहित सभी योजनाओं में देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का विकास	1.1 वर्ष के दौरान निर्मित सड़कों (रारा) की कुल लंबाई (किलोमीटर में)	12,000	1. सड़क घनत्व	1.1 सड़क की लंबाई (लेन किलोमीटर/ 1,000 वर्ग किलोमीटर)	88.00
		1.2 वर्ष के दौरान नई सड़कों का कुल निर्माण (लेन-किलोमीटरमें)	36,000		1.2 प्रति व्यक्ति रोड (लेन किलोमीटर / 1,00,000 जनसंख्या)	24
		1.3 वर्ष के दौरान कुल सौपें गये सड़क की लंबाई (रारा) (किलोमीटरमें)	10,000		1.3 एसएल/आयएलएनएचमें %कमी (%)	8.00%
		1.4 वर्ष के दौरान नए एक्स प्रेसवे का निर्माण (किलोमीटर में)	300		1.4 4 लेन राजमार्गों में % की वृद्धि (%)	9.00%
		1.5 वर्ष के दौरान नए आर्थिक गलियारों का निर्माण (किलोमीटर में)	1,150			
		1.6 वर्ष के दौरान नए इंटर और फीडर गलियारों का निर्माण (किलोमीटर में	625			
		1.7 वर्ष के दौरान नई सीमा और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क सड़कें (किलोमीटर में)	80			
		1.8 वर्ष के दौरान नई तटीय और बंदरगाह संपर्क सड़कें (किलोमीटर में)	150			
		1.9 वर्ष के दौरान राष्ट्रीय गलियारों की दक्षता (किलोमीटर में)	525			
	2. अरुणाचल प्रदेश पैकेज सहित एसएआरडीपी -एनई	2.1 वर्ष के दौरान निर्मित रारा सड़कों की कुल लंबाई (किलोमीटर में)	600			
		2.2 वर्ष के दौरान कुल सौपें गये (रारा) सड़क की लंबाई (किलोमीटर में)	285			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. आकांक्षी जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास	3.1 संपर्क जिलों की संख्या (सभी जिले रारा से जुड़े हुए हैं)	0	2. आकांक्षी जिले में सड़क घनत्व	2.1 विकसित सड़क की लंबाई घनत्व (किलोमीटर / 1,000 वर्ग किलोमीटर)	1.45
		3.2 वर्ष के दौरान निर्मित सड़क की लंबाई (किलोमीटर में)	300		2.2 विकसित सड़क की लंबाई घनत्व (किलोमीटर / 1,00,000 जनसंख्या)	0.46
		3.3 वर्ष के दौरान कुल सौंपें गये सड़क की लंबाई (किलोमीटर में)	300			
	4. सड़क नेटवर्क के गुणवत्ता और रखरखाव में सुधार	4.1 सड़क नेटवर्क प्रौद्योगिकी उपयोग की गुणवत्ता और रखरखाव में सुधार (नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन) पूर्ण सड़क नेटवर्क के लिए (किलोमीटर में)	25,000	3. बेहतर संपर्कता और गतिशीलता	3.1 पिछले 3 वर्षों के दौरान विकसित / पूर्ण किए गए रारा के हिस्सों की संचयी लंबाई और चालू वर्ष में उसी अवधि के दौरान रारा पर पीआर /आयआरक्यूपी की लंबाई।	85,000
		4.2 सड़क नेटवर्क रखरखाव के तहत (आवधिक नवीकरण/आइआरक्यूपी) (किलोमीटर में)	2,000		3.2 कुल रारा नेटवर्क की लंबाई का 3.1 प्रतिशत	62
	5. इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह को सक्षम करना	5.1 आरएफआईडी टैग जारी किया गया (लाखमें)।	400	4. ईटीसी पेनेट्रेशन	4.1 ईटीसी के माध्यम से एकत्र किए गए टोल का प्रतिशत	80
					4.2 टोल पर ईटीसी का उपयोग करके वाणिज्यिक वाहनों का प्रतिशत	90
	6. सड़क सुरक्षा	6.1 वर्ष के दौरान सुधारे गए ब्लैकस्पॉट की कुल संख्या (सं.)	1,000	5. ब्लैक स्पॉट में कमी के माध्यम से बेहतर सड़क सुरक्षा	5.1 पिछले वर्ष की तुलना में रारा पर दुर्घटना में कमी (%)	5
		6.2 सड़क सुरक्षा लेखापरीक्षा (किलोमीटर)	7,500			
	7. पुल और आरओबी का निर्माण	7.1 पुलों का निर्माण/ उन्नयन (सं.)	180			
		7.2 आरओबी का निर्माण (सं.)	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	8. पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) पीपीपी परियोजना के तहत रारा विकास में रियायतकर्ताओं द्वारा निवेश की गई राशि	8.1 पीपीपी: सभी पीपीपी परियोजनाओं के तहत एनएच विकास में रियायतकर्ताओं द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपये में)	22,700	6. पीपीपी के तहत सौंपी गई परियोजनाओं का%	6.1 सौंपे गए बीओटी अनुबंध (सौंपे गए कुल किमी का %)	8
		8.2 पीपीपी: पीपीपी परियोजनाओं बीओटी (टोल) परियोजनाओं के तहत रारा विकास में रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपये में)	5,000		6.2 सौंपा गया एचएएम अनुबंध (सौंपे गए कुल किमी का %	50
		8.3 पीपीपी: पीपीपी परियोजनाओं बीओटी (वार्षिकी) परियोजनाओं के तहत एनएच विकास में रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ में)	17,100			
	9. विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों का मुद्रीकरण	9.1 टीओटी मोड के माध्यम से विकसित रारा के मुद्रीकरण से उदग्रहित किए गए कुल धनराशि (करोड़ रुपये में)	6,000			
		9.2 आईएनवीआईटी द्वारा विकसित रारा खंडों के मुद्रीकरण से उदग्रहित किए गए धनराशि (करोड़ रु. में)	4,000			
	10. आंतरिक और वाह्य बजटीय संसाधन	10.1 आईईबीआर के माध्यम से उदग्रहित की गई राशि (करोड़ रुपये में)	65,000	7. ऋण- सेवा कवरेज अनुपात (डीएससीआर)	7.1 ऋण-सेवा कवरेज अनुपात (डीएससीआर)	1.1
		10.2 एसपीवी के माध्यम से जुटाई गई राशि (करोड़ रुपये में)	15,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	11. दुर्घटना प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) - यानी भारतमाला और एनएचडीपी खंडों के लिए एम्बुलेंस, क्रेन आदि प्रदान करना - आईएमएस वाले 4 या अधिक लेन सड़कों की लंबाई)	11.1 वर्ष के दौरान आईएमएस ऑपरेशन (किमी)	3,000			

ग्रामीण विकास विभाग

1. प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
19,500.00	1. पर्याप्त बुनियादी सेवाओं सहित अंतिम मकानों का समय पर निर्माण	1.1. पूर्ण मकानों की संख्या (शौचालय सहित) (लाख में)	46	1. और अधिक परिवार बुनियादी सेवाओं की पहुंच सहित योग्य घरों में रहते हैं।	1.1. 2.95 करोड़ के लक्ष्य में से गुणवत्ता मकान और बुनियादी सुविधाएं (बिजली कनेक्शन, खाना बनाने के लिए स्वच्छ ईंधन और सुरक्षित पेयजल) प्राप्त परिवारों की संख्या (लाख में)	46
		1.2. स्वीकृत मकानों की संख्या (लाख में)	65			
		1.3. प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या	50,000			
		1.4. अ.जा. और अ.ज.जा. लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	18			
		1.5. स्वीकृत मकानों की तुलना में महिला लाभार्थियों के स्वामित्व वाले मकानों का प्रतिश	25			
		1.6. स्वीकृत मकानों की तुलना में महिला और पुरूष संयुक्त लाभार्थियों के (स्वामित्व वाले मकानों का प्रतिशत)	67			
		1.7. उन भूमिहीन लाभार्थियों की संख्या जिन्हें भूमि प्रदान की जानी है (लाख में)	1			

2. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
13677.61	1. गरीब	1.1. स्व-सहायता समूहों में एकजुट किए गए परिवारों की संख्या	73.2	1. कौशल निर्माण,	1.1. किसान उत्पादक संगठन (उत्पादक समूह और	1.64

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	परिवारों की सामाजिक एकजुटता और संस्थाओं का निर्माण	(लाख मे)		क्रेडिट तक पहुंच, विपणन और अन्य आजीविका सेवाओं के माध्यम से गरीबों की दीर्घकालिक आजीविकाएं।	उत्पादक उद्यम) में संगठित महिला किसानों की संख्या	
		1.2. प्रोन्नत स्व-सहयता समूहों की संख्या (लाख में)	6.1			
	2. गरीबों को दीर्घकालिक आजीविका सेवाएं	2.1. कृषि पारिस्थितिकीय प्रथाओं के अंतर्गत कवर की गई महिला किसानों की संख्या	15	2. एसएचजी का वित्तीय अंतर्वेशन	2.1. उन स्व-सहायता समूहों की संख्या जिन्हें बैंक क्रेडिट की सुविधा प्रदान गई (लाख में)	32
					2.2. एसएचजी द्वारा ली गई बैंक क्रेडिट राशि	73,777
	3. छोटा व्यापार चलाने वाले एसएचजी सदस्य	1.2. एस.वी.ई.पी के माध्यम से समर्थित उद्यमों की संख्या	38,000			
	4. ग्रामीण यातायात सेवाएं संचालित करने वाले एसएचजी सीबीओ	4.1. ए.जी.ई.वाई योजना के माध्यम से संचालित वाहनों की संख्या	600			
	5. कौशल प्रशिक्षण और नियोजन	5.1. डी.डी.यू-जी.के.वाई के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	3.25			
		5.2. आर.एस.ई.टी.आई के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	4.25			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		(लाख में)				
	6. स्व-सहायता समूहों को पूंजी प्रदान करना	6.1. प्रदान की गई चक्रिय निधि (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) की राशि (रुपए करोड़ में)	2,500			

3. **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
73,000.00	1. रोजगार, संवर्धित संस्थागत क्षमता प्रदान करना और दीर्घकालिक परिसंपत्ति सृजन करना	1.1. सृजित श्रम दिवसों की संख्या (करोड़ में)	*[118]	1. सामाजिक रूप से लाभ से वंचित समूहों को आर्थिक सूरक्षा प्रदान करना, ग्रामीण परिसंपत्तियों का सृजन करना और रोजगार प्रदान करना	1.1. माइक्रो सिंचाई कार्य (संख्या में)	*[130]
		1.2. वर्ष के दौरान सृजित परिसंपत्तियों की कुल संख्या (संख्या में)			1.2. वनरोपण कार्य (संख्या में)	
					1.3. जल निकायों का सृजन/नवीकरण (संख्या में)	
	2. नए कार्य संबंधी कार्यक्रम की शुरूआत करना	2.1. वर्ष के दौरान पंजीकृत नए कार्यों की संख्या			1.4. महिलाओं की भागीदारी (% में)	
					1.5. अ.जा. की भागीदारी (% में)	

[118] *महात्मा गांधी नरेगा मांग संचालित एक कार्यक्रम है। कार्य ग्राम पंचायत स्तर पर निष्पादित किए जाते हैं और इसीलिए निष्पादन के लिए ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है। कार्य दैनिक आधार पर एमआईएस में अभिग्रहित किए जाते हैं।*

4. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
15,000.00	1. गुणवत्ता बारहमासी सड़कों की उपलब्धता और उनकी समय पर मरम्मत	1.1. जोड़ी गई सड़क लंबाई (कि.मी. में)	50,000	1. पात्र बसावटों की बारहमासी सड़क संपर्कता भी शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और यातायात के लिए पहुंच मार्ग है।	1.1. पात्र बसावटों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई पात्र बसावटों का प्रतिशत	100
		1.2. एन.क्यू.एम द्वारा निरीक्षित कार्य (संख्या में)	5,756		1.2. वित्तीय वर्ष में कुल लक्ष्य में से जोड़ी गई सड़क लंबाई का प्रतिशत	100
		1.3. पूर्ण कार्य जिन्हें असंतोषजनक माना गया (गत तीन वर्षों के औसत एनक्यूएम द्वारा निरीक्षित कार्यों का प्रतिशत)	4	2. ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए दीर्घकालिक और हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग।	2.1. हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए निर्मित सड़क लंबाई (कि.मी. में)	10,000
		1.4. मरम्मत कार्य जिन्हें असंतोषजनक माना गया (गत तीन वर्षों के औसत एनक्यूएम द्वारा निरीक्षित कार्यों का प्रतिशत)	15			
		1.5. पी.एम.जी.एस.वाई-।।। के अंतर्गत संस्तुतियां (कि.मी. में)	45,000			
		1.6. पी.एम.जी.एस.वाई-।।। के अंतर्गत उन्नत सड़क लंबाई (कि.मी. मे)	26,200			
		1.7. पी.एम.जी.एस.वाई-।।। सड़कों के लिए की गई सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा (सड़कों की संख्या)	1,160			
		1.8. मेरी सड़क ऐप पर पंजीकृत शिकायतों में से निपटान का समानुपात (प्रतिशत में)	100			

5. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
600.00	1. क्लसटरों का अनुमोदन	1.1. मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्लसटरों की संख्या	*[119]	1. रूर्बन क्लस्टर के विकास निष्कर्ष	1.1. पूर्ण किए गए क्लस्टर विकास की आयोजना अधिसूचना	300
	2. एकीकृत क्लस्टर कार्य योजना (आईसीएपी) का अनुमोदन	2.1. राज्यों से संकलित आईसीएपी की संख्या	*		1.2. क्लस्टरों की संख्या जहां स्पेशियल आयोजना का संस्थानीकरण पूरा है।	30
	3. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का अनुमोदन	3.1. राज्यों से संकलित विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की संख्या	11		1.3. डीपीआर में प्रस्तावित कार्य की पूर्णता का प्रतिशत	65
	4. सीजीएफ की रिलीज	4.1. उन क्लस्टरों की संख्या जिनको सीजीएफ निधियां आवंटित की गई है	300			
		4.2. कुल सीजीएफ की रिलीज (रुपए करोड़ में)	1,127			
	5. सीजीएफ के अंतर्गत व्यय लक्ष्य	5.1. कुल सीजीएफ रिलीज की गई (केंद्र+राज्य अंश) (रुपए करोड़ में)	4,633[120]			
	6. तालमेल के अंतर्गत व्यय लक्ष्य	6.1. कुल तालमेल उपयोग किया गया (रुपए करोड़ में)	14,016[121]			

[119] सभी 300 क्लस्टरों को वित्तीय वर्ष 2020-21 के अंत तक अनुमोदित किया जाना है। इसलिए वित्तीय वर्ष 2021-22 का कोई लक्ष्य नहीं है।

[120] 300 अनुमोदित डीपीआर के लिए 7128 करोड़ रुपए की कुल अनुमोदित सीजीएफ का न्यूनतम 65 प्रतिशत

[121] 300 अनुमोदित डीपीआर के लिए 21563 करोड़ रुपये के कुल अनुमोदित तालमेल का कम से कम 65%

6. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
6259.08	1. लाभार्थी कवरेज	1.1. कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (स्वीकृत पेंशनभोगी) (लाख में)	221	1. समाज के सबसे गरीब वर्ग को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1. एसईसीसी वृद्ध व्यक्तियों की जनसंख्या में से कवर किए गए लाभार्थियों का प्रतिशत	100
		1.2. योजना के अंतर्गत कवर किए गए लाभार्थीं में से आधार के साथ सीड किए गए खातों वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	100			
		1.3. निर्धारित समयावधि के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या	221			

7. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1938.80	1. लाभार्थी कवरेज	1.1. कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	65.71	1. समाज के सबसे गरीब वर्ग को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1. एसईसीसी के अंतर्गत विधवा जनसंख्या (दिव्यांग और बीपीएल को छोड़कर) में से कवर किए गए लाभार्थियों का प्रतिशत	100
		1.2. निर्धारित समयावधि के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	65.71			
		1.3. योजना के अंतर्गत कवर किए गए लाभार्थीं में से आधार के साथ सीड किए गए खातों वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	100			

8. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रमः राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना (सीएसएस)

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य** 2021-22
622.69	1. लाभार्थी कवरेज	1.1. कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	3.58	1. समाज के सबसे गरीब वर्ग को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1. निर्धारित समयावधि के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	3.58
		1.2. आधार लिंकेज सहित पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	100			

भूमि संसाधन विभाग

1. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना का वाटरशेड विकास घटक (सीएसएस)[122]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2000.00	1. अवक्रमित/ वर्षा सिंचित क्षेत्र का विकास	1.1 निरूपित अवक्रमित भूमि/ विकसित वर्षा सिंचित क्षेत्र का क्षेत्रफल (हे.)	6,00,000	1. अधिक कृषि उपज	1.1 बुआई क्षेत्र मे वृद्धि (हे.)	40,000
	2. मृदा नमी और वर्षा जल का सतह पर जल प्रवाह को कम करने और भू-जल पुनर्भरण के लिए संरक्षण करना	2.1 मृदा और नमी संरक्षण कार्यकलापों सहित शामिल किया गया क्षेत्र (हे.)	1,20,000	2. भूमि की उत्पादकता में वृद्धि	2.1 किसानों की आय में वृद्धि (प्रति वर्ष) (%)	10%
		2.2 पौध रोपण के तहत लाया गया क्षेत्र [वनीकरण/बागवानी आदि)	21,000	3. स्कीम की कवरेज	3.1 लाभांवित किसानों की संख्या	2,05,000
		2.3 निर्माण की गई/ नवीकृत की गई जल संचयन संरचनाओं की संख्या	21,480		3.2 संरक्षित सिंचाई के अधीन लाया गया क्षेत्र (हे.)	55,400
	3. फसलों की विविधता	3.1 विविधिकृत फसलों के अधीन शामिल किया गया क्षेत्र/ फसल प्रणालियों में परिवर्तन (हे.)	20,000	4. रोजगार में योगदान	4.1 सृजित श्रम दिवसों की संख्या (श्रम दिवस)	40,00,000
	4. बुआई क्षेत्र में वृद्धि	4.1 शून्य/ एकल फसल से दोहरी अथवा अधिक फसल में लाया गया क्षेत्र (हे.)	40,000			

[122] *यह सरकार द्वारा डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई को आगे जारी रखने के अनुमोदन के अध्यधीन है।*

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1. एसएंडटी संस्था एवं मानव क्षमता निर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,099.80	**क. इंस्पायर - मानक**					
	1. स्कूली छात्रों के बीच नवोन्मेष और रचनात्मक सोच की संस्कृति विकसित करना।	1.1 जागरूकता लाने के लिए आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	30	1. सामाजिक आवश्यकताओं का समाधान करने वाले उपायों को बढ़ावा देना।	1.1 उत्पादित नवोन्मेषी उत्पादों/ सेवाओं की संख्या	60
		1.2 इंस्पायर मानक पुरस्कारों के लिए चयनित नवोन्मेषी विचारों की संख्या	1,00,000		1.2 प्रदत्त पेटेंटों की संख्या	60
		1.3 राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी तथा परियोजना प्रतिस्पर्धा के बाद उन नवोन्मेषी विचारों की संख्या जिन पर उत्पाद/ प्रक्रिया के आगे विकास का काम शुरू किया गया।	60			
	ख. विश्वविद्यालयी अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स)					
	1. विश्वविद्यालयों में आरएंडडी अवसंरचना को सुदृढ बनाना	1.1 मौजूदा वर्ष के दौरान सहायित विश्वविद्यालयों की संख्या	30	1. शिक्षण तथा अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार	1.1 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	450
		1.2 मौजूदा वर्ष में प्रदत्त उपकरणों/ संगणनात्मक/ अवसंरचनात्मक सुविधाओं की संख्या	450		1.2 पर्स अनुदान प्राप्त करने वाले सभी विश्वविद्यालयों के निष्पादन में एच-सूचकांक के आधार पर सुधार	30%
		1.3 आयोजित प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या	120		1.3 प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	5,000
		1.4 मौजूदा वर्ष में सहायित संस्थानों में/द्वारा प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या (यूजी/ पीजी/ पीएचडी/संकाय)	300			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ग. विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा संस्थान एसएंडटी अवसंरचना सुधार निधि (फिस्ट)					
	1. कॉलेजों, शिक्षण तथा शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों में आरएंडडी अवसंरचना का सुदृढीकरण	1.1 मौजूदा वर्ष के दौरान सहायित विभागों/ पीजी महाविद्यालयों की संख्या	400	1. शिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार	1.1 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	5,000
		1.2 मौजूदा वर्ष के दौरान सुदृढ़ बनाए गए अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधा केंद्रों की संख्या	800		1.2 प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	3,000
		1.3 प्रशिक्षित संकाय सदस्यों की संख्या	2,000		1.3 प्रदत्त पेटेंटों की संख्या	1
		1.4 दाखिल किए गए पेटेंटों की संख्या	5		1.4 प्रस्तुत किए गए पीएचडी की संख्या	500
	घ. अत्याधुनिक विश्लेषण यंत्र सुविधा केंद्र (सैफ)					
	1. देश में आरएंडडी अवसंरचना का सुदृढीकरण	1.1 अत्याधुनिक विश्लेषण यंत्र सुविधा केंद्र में सहायित वैज्ञानिकों की संख्या	30,000	1. विश्लेषण यंत्र की गुणवत्ता में सुधार	1.1 विकसित तकनीकों के प्रयोक्ताओं की संख्या	20
		1.2 विश्लेषण यंत्रों के उपयोग के विषय में आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	55		1.2 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	2000
		1.3 विभिन्न केंद्रों में सहायित अत्याधुनिक विश्लेषण यंत्र सुविधाओं की संख्या	20		1.3 प्रदत्त पेटेंटों की संख्या	1
					1.4 विश्लेषित नमूनों की संख्या	90,000
					1.5 सुविधाओं के उपयोग से आय (करोड़)	9
	ड. अत्याधुनिक विश्लेषण एवं तकनीक सहायता संस्थान (साथी)					
	1. देश में आरएंडडी अवसंरचना का सुदृढीकरण	1.1 मेजबान संस्थान और बाह्य सुविधा, दोनों के, प्रयोक्ताओं की संख्या	16	1. विश्लेषण यंत्रों की गुणवत्ता में सुधार	1.1 विकसित तकनीकों के प्रयोक्ताओं की संख्या	10
		1.2 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	50		1.2 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	10
		1.3 मौजूदा वर्ष के दौरान उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, सहायित प्रयोक्ताओं की संख्या	70		1.3 विकसित नई तकनीकों की संख्या	1

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.4 विश्लेषित नमूनों की संख्या	500		1.4 सुविधाओं के उपयोग से आय (लाख)	50
		1.5 नए साथी केंद्रों की संख्या	3			
		1.6 साथी में उन्नत सैफ केंद्रों की संख्या	2			
		1.7 चल रहे साथी केंद्रों की संख्या	17			
		1.8 दाखिल पेटेंटों की संख्या	0			
	च. मानव एवं संगठन संसाधन विकास केंद्र (कॉर्ड)					
	1. अनुसंधान पारितंत्र का सुदृढ़ीकरण	1.1 मौजूदा वर्ष के दौरान सहायित नवीन एवं कार्यशील अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35	1. नवोन्मेषी तथा प्रभावकारी अनुसंधान	1.1 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	10
	छ. इंस्पायर अध्येतावृत्ति					
	1. एसएंडटी, चिकित्सा, तथा विज्ञान के सभी क्षेत्रों में डॉक्टरल डिग्री करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।	1.1 छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या	2,000	1. मेधावी छात्रों को पीएच.डी. कार्यक्रम करने हेतु प्रोत्साहित करना।	1.1 कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त करने के पश्चात डॉक्टरल कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले छात्रों की संख्या	250
		1.2 जारी इंस्पायर छात्रवृत्तियों से कितनों को सहायता प्राप्त हुई?	4,000			
		1.3 नयी इंस्पायर छात्रवृत्तियों से कितनों को सहायता प्राप्त हुई?	1,000			
	ज. इंस्पायर प्रशिक्षुतावृत्ति					
	1. प्रतिष्ठित विज्ञानियों के साथ छात्रों की समझ में सुधार	1.1 कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षुतावृत्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	450	1. विज्ञान और अनुसंधान में कैरिअर का अनुशीलन कर रहे छात्रों के रेट में सुधार	1.1 स्टेम में कैरिअर बनाने का लक्ष्य रखने वाले छात्रों की संख्या	40,000
		1.2 कार्यक्रम से लाभान्वित होने वाले छात्रों की संख्या	50,000			
		1.3 अनुमोदित प्रशिक्षुतावृत्ति विज्ञान कैम्पों की संख्या	250			
		1.4 प्रत्येक कैम्प में छात्रों की औसत संख्या	200			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.5 "ग्रांड चैलेंज थीम" के अंतर्गत वितरित पुरस्कारों की संख्या	250			
	झ. इंस्पायर संकाय					
	1. देश में अनुसंधान पारितंत्र को समर्थ बनाना	1.1 इंस्पायर संकाय हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या	2,000			
		1.2 कार्यशील इंस्पायर संकाय से लाभान्वितों की संख्या	700			
		1.3 नए इंस्पायर संकाय से लाभान्वितों की संख्या	150			
	ञ. उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (शी)					
	1. विज्ञान प्रधान कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा के अंतर्गत युवाओं को प्रोत्साहन	1.1 छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या	20,000	1. एम.एससी./ डॉक्टरल कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले शी छात्रों की संख्या	1.1 वर्ष में इंस्पायर कार्यक्रम के अंतर्गत, प्राकृतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञानों के निष्णात डिग्री कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले शी छात्रों की संख्या	5,000
		1.2 कार्यशील शी छात्रवृत्ति से लाभान्वितों की संख्या	40,000		1.2 वर्ष में इंस्पायर कार्यक्रम के अंतर्गत, प्राकृतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञानों में पीएच.डी. कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले शी छात्रों की संख्या	250
		1.3 नए शी छात्रवृत्ति से लाभान्वितों की सं	12,000			
		1.4 प्राकृतिक एवं मूलभूत विज्ञान पाठ्यक्रमों में स्नातक शिक्षा हेतु सहायित छात्रों की संख्या	26,000			
		1.5 प्राकृतिक एवं मूलभूत विज्ञान पाठ्यक्रमों में निष्णात शिक्षा हेतु सहायित छात्रों की संख्या	10,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ट. राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसएसटीपी)					
	1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद का सुदृढ़ीकरण	1.1 वित्त वर्ष के दौरान सहायित आधारभूत सहायता समूहों (सीएसजी) की संख्या	31	1. सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयत्न करने के लिए उद्यमशीलता और प्रौद्योगिकी विकास संवर्धन पारितंत्र का सृजन	1.1 मौजूदा वर्ष के दौरान दाखिल/प्रदत्त पेटेंटों की संख्या	50
		1.2 स्थापित पेटेंट सूचना केंद्रों की संख्या	40		1.2 विकसित प्रौद्योगिकियों के लाभार्थियों की संख्या	10,000
		1.3 संचालित कार्यशालाओं/ प्रशिक्षणों/ जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	60		1.3 प्रकाशित पत्रों की संख्या	75
		1.4 राज्यों में सहायित परियोजनाओं और सर्वेक्षणों की संख्या	15		1.4 एसएचजी गठन/ सूक्ष्म उद्यम/ मानव क्षमता/ अनुसंधान सुविधा का निर्माण	10,000
		1.5 प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं प्रसार केंद्रों की स्थापना (हां/नहीं)	26		1.5 तैयार की गई रिपोर्टों/ पुस्तिकाओं की संख्या	50
	ठ. प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान संवर्द्धन में ज्ञान की सहभागिता (किरण)					
	1. महिलाओं के लिए एसएंडटी	1.1 मौजूदा वर्ष में महिला प्रौद्योगिकी पार्क सहित नई और चल रही परियोजनाओं की संख्या	30	1. महिलाओं के लिए एसएंडटी	1.1 स्थापित सामुदायिक रेडियो की संख्या	2,000
				2. अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1 पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या।	250
	2. अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1 चालू वर्ष में सहायित अध्येतावृत्ति की संख्या।	450	3. संस्थागत सहायता	3.1 शोध प्रकाशनों की संख्या।	300
	3. संस्थागत सहायता	3.1 क्यूरी के तहत सहायित संस्थानों की संख्या	20	4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण	4.1 चालू वर्ष में प्रशिक्षित महिला वैज्ञानिकों की संख्या।	125
	4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण	4.1 चालू वर्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ड. संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएआईआर)					
	1. समर्थन अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और संज्ञानात्मक विज्ञान में क्षमता निर्माण का समर्थन	1.1 सीएसआरआई के तहत समर्थित चल रही और नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: व्यक्तिगत और बहु-केंद्रित	110	1. संज्ञानात्मक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना	1.1 शोध प्रकाशन की संख्या	50
		1.2 सीएसआरआई के तहत सम्मानित किए गए पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप की संख्या	15	2. संज्ञानात्मक विज्ञान में मानव संसाधन विकास	2.1 शोध प्रकाशन की संख्या	6
		1.3 सीएसआरआई के तहत आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियों/ संगोष्ठियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं की संख्या	5			
	ढ. योग और ध्यान का विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सत्यम)					
	1. संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य पर योग अनुसंधान का समर्थन करें	1.1 सत्यम के तहत समर्थित चल रही और नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	70	1. मानव भलाई पर योग, ध्यान के प्रभाव को देखने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना	1.1 शोध प्रकाशन की संख्या	20
	ण. नीतिगत अनुसंधान प्रकोष्ठ (पीआरसी)					
	1. नीति तंत्र को मजबूत करना	1.1 इस कार्यक्रम के तहत सहायित शैक्षणिक संस्थानों की संख्या।	3	1. नीतिगत अनुसंधान में सुधार	1.1 पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	10
		1.2 डीएसटी-एसटीआई फैलोशिप के तहत प्रदान की गई फेलोशिप की संख्या	20		1.2 प्रकाशित अध्ययन सामग्री की संख्या	20
		1.3 आयोजित कार्यशाला की संख्या	6			

2. अनुसंधान और विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
593.94	**क. राष्ट्रीय नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन**					
	1. नैनो विज्ञान मूलभूत पहलुपरक आरएंडडी, जनशक्ति प्रशिक्षण, और उद्योग-अकादमिक भागीदारी को सहायता	1.1 नैनो मिशन के तहत सहायित अनुसंधान परियोजनाएं: अलग-अलग वैज्ञानिक विनिर्दिष्ट परियोजनाओं या बहु संस्थागत परियोजनाओं की संख्या।	38	1. नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में संवर्धित अनुसंधान और विकास	1.1 चालू वर्ष में पूरी की गई परियोजनाओं में शोध प्रकाशनों की कुल सं. (अनुक्रमित पत्रिकाएँ)	35
		1.2 नैनो मिशन के तहत सहायित अनुसंधान परियोजनाएं: उद्योगशिक्षा जगत साझेदारी परियोजनाओं की संख्या	5		1.2 विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		1.3 नैनो मिशन के तहत सहायित अनुसंधान परियोजनाएं: अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परियोजनाओं की संख्या।	4		1.3 स्वीकृत पेटेंटों की संख्या	5
		1.4 सहायित नैनो विज्ञान इकाइयों/ सुविधाओं की संख्या	5			
		1.5 नैनो मिशन के तहत पुरस्कृत पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों की संख्या	10			
		1.6 नैनो मिशन के तहत आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ संवाद/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं की संख्या।	2			
		1.7 नैनो मिशन के तहत विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	10			
		1.8 प्रस्तुत किए गए पेटेंट की संख्या	5			
		1.9 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सीओई की स्थापना	0			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ख. जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (सीसीपी)					
	1. एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन के क्षेत्र में एसएंडटी क्षमताओं का निर्माण और ज्ञान का सृजन।	1.1 एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के तहत संस्थाओं की मजबूती के लिए कार्यान्वित /निर्मित ज्ञान नेटवर्क की संख्या	9	1. एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन के क्षेत्र में एसएंडटी क्षमताओं का निर्माण और ज्ञान का सृजन।	1.1 प्रकाशनों और विषयगत रिपोर्टों की संख्या (चालू वर्ष में)	100
		1.2 राज्य और अनुसंधान संस्थानों के स्तर पर एनएमएसएचईऔर एनएमएसकेसीसीके तहत केंद्रों (स्थापित/ मजबूत किए गए) की संख्या।	15		1.2 विभिन्न क्षमता निर्माण क्रियाकलापों के माध्यम से प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या-जलवायु परिवर्तन में (चालू वर्ष में)।	500
		1.3 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	25			
		1.4 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में हितधारकों के लिए आयोजित क्षमता निर्माण (सीबी) कार्यक्रमों गोष्ठियों/ प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या	30			
	ग. प्रौद्योगिकी संलयन और अनुप्रयोग अनुसंधान (टीएफएआर)					
	1. अनुसंधान एवं विकास पारिस्थिति की को बढ़ावा देना	1.1 8 विषयों सीपीएसआरआई, डीएसआरआई, आईओटीआरआई, सीएसआरआई, आईएचडीएस, ईडीएआरआई, आईएसएआरआईऔर कवेस्टके तहत सहायित विशेषज्ञ संचालित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	14	1. उदीयमान प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	30
		1.2 8 विषयों सीपीएसआरआई, डीएसआरआई, आईओटीआरआई, सीएसआरआई, आईएचडीएस, ईडीएआरआई, आईएसएआरआई और	4		1.2 राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए विकसित नई प्रौद्योगिकी/ अनुप्रयोगों की संख्या।	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		क्वेस्ट पर क्लस्टर आधारित नेटवर्क कार्यक्रमों के माध्यम से कंसोर्टियम आधारित अनुसंधान विषयक परियोजनाओं की संख्या (क्लस्टर में)				
		1.3 प्रस्तुत किए गए पेटेंट की संख्या	20		1.3 प्रस्तुत पीएचडी/पोस्ट-डॉक्टरेट की संख्या	80
	2. उदीयमान क्षेत्रों में उच्च परिणामप्रद शोधकर्ताओं के स्तर, मानव संसाधन विकास (एचआरडी) में वृद्धि	2.1 आयोजित राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/ सम्मेलनों की संख्या।	4			
		2.2 प्रशिक्षित शैक्षणिक एजेंसियों की संख्या।	8			
		2.3 प्रशिक्षित संकाय प्रशिक्षकों की संख्या।	160			
		2.4 आयोजित छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	12			
	घ. अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग					
	1. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी को बढ़ावा देना	1.1 चालू वर्ष में सहायित औद्योगिक अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	370	1. एसएंडटी पारिस्थितिकी की गुणवत्ता में सुधार	शोध प्रकाशन की संख्या	600
		1.2 चालू वर्ष में विनिमय यात्राओं की संख्या।	2,000		स्वीकृत पेटेंट की संख्या	20
		1.3 चालू वर्ष में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं, एसएंडटी कार्यक्रमों, मंच, विषयगत बैठकों की संख्या।	140		सामाजिक चुनौती का समाधान करने के लिए विकसित प्रौद्योगिकीय कार्यकलापों की संख्या	15
		1.4 चालू वर्ष में उत्कृष्टता केंद्र की संख्या	10			
		1.5 चालू वर्ष में दी गई अध्येतावृत्ति की संख्या (इनबाउंड और आउटबाउंड)	270			
		1.6 अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	20			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ड. वृहत बुनियादी अनुसंधान सुविधाएं					
	1. बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए वृहत सुविधाओं को सुदृढ़ करना	1.1 चल रही और नई मेगा सहायित परियोजनाओं की संख्या	12	1. बुनियादी अनुसंधान में प्रौद्योगिकी/ उत्पाद का विकास	1.1 विकसित प्रोटोटाइप की संख्या	3
		1.2 सृजित अनुसंधान अवसंरचनाओं की संख्या	3		1.2 विकसित प्रोद्योगिकी की संख्या	3
		1.3 स्थापित अनुसंधान सुविधाओं की संख्या	0		1.3 उद्योगों को अंतरित प्रोद्योगिकियों की संख्या	1
		1.4 शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली अनुसंधान सुविधाओं की संख्या	3		1.4 मेगा परियोजनाओं को आपूर्ति	80
		1.5 अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	40		1.5 प्रस्तुत पीएचडी की संख्या	30
		1.6 की गई सहयोगात्मक यात्राओं की संख्या	30		1.6 एससीआई पत्रिकाओं में अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	70
		1.7 प्रतिभागी/प्रतिभागियों के साथ आयोजित कार्यशालाओं, स्कूली या अन्य कार्यक्रमों की संख्या	8		1.7 प्रस्तुत की गई वैज्ञानिक/ तकनीकी रिपोर्टों की संख्या	40
					1.8 प्रशिक्षित अन्य तकनीकी कर्मियों की संख्या	30

3. नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी विकास और इस्तेमाल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
951.95	**क. जल प्रौद्योगिकी पहल (डबल्यूटीआई)**					
	1. जल प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवोन्मेषी परियोजनाओं को सहायता प्रदान करना	1.1 सहायित जल प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवोन्मेषी परियोजनाओं की संख्या	109	1. प्रौद्योगिकी का विकास	1.1 सूचित शोध प्रकाशनों की संख्या	92
		1.2 सहायित वर्चुअल नेटवर्क केंद्रों की संख्या	07		1.2 दर्ज /मंजूर पेटेंट की संख्या	04
		1.3 जल गुणवत्ता/जल की मात्रा/अपशिष्ट जल अभिक्रिया सुधार सहयोगशील अनुसंधान कार्यक्रमपरक सहायित परियोजनाओं की संख्या	25		1.3 विकसित नई प्रोद्योगिकी संख्या	12
		1.4 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	175		1.4 कार्यक्रम के तहत विकसित व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से लाभान्वित बस्तियों की संख्या	5
					1.5 इस्तेमालशुदा और प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
	ख. स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल (सीईआरआई)					
	1. प्रमाण-अवधारणा पर आधारित नई प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए पारिस्थितिकी को बेहतर	1.1 मौजूदा वर्ष में सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	230	1. नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 सूचित शोध प्रकाशनों की संख्या	130
		1.2 मौजूदा वर्ष में सहायित संस्थानों की संख्या	150		1.2 दर्ज/ मंजूर किए गए पेटेंट की संख्या	15
		1.3 मौजूदा वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	500		1.3 प्रयोगशाला स्तर पर विकसित प्रौद्योगिकी की संख्या	14

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	वाणिज्यकरण की दृष्टि से सक्षम करना	1.4 मौजूदा वर्ष में सहायित, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग वाली परियोजनाओं की संख्या	65		1.4 इस्तेमाल की गई अनुसंधान सुविधाओं/ टेस्ट बेड की संख्या	7
					1.5 क्षेत्र इस्तेमाल की संख्या	2
	ड. एसएंडटी संचार और लोकप्रियता					
	1. राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस	1.1 मौजूदा वर्ष में वैज्ञानिक स्वभाव के संवर्धन के लिए सहायित बच्चों की संख्या।	2,50,000	1. राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस	1.1 प्रस्तुत बाल वैज्ञानिक परियोजनाओं की संख्या	650
	2. व्यावहारिक स्टेम और नवोन्मेष प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम	2.1 मौजूदा वर्ष में आयोजित प्रदर्शनियों की संख्या	100	2. व्यावहारिक स्टेम और नवोन्मेष प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम	2.1 फुटफॉल/ ई-विज़िटर/ ई अटेंडीज़ की संख्या	10,00,000
		2.2 मौजूदा वर्ष में की गई औद्योगिक यात्राओं की संख्या	40		2.2 औद्योगिक यात्राओं के संपर्क मेंआने वाले छात्रों की संख्या	4,000
		2.3 चालू वर्ष में एस एंड टी पर आयोजित प्रेरक वार्ता की संख्या।	20		2.3 लाभान्वित छात्रों की संख्या	2,000
	3. विज्ञान-कॉम लोक मीडिया/ कम लागत वाले शिक्षण सहायक उपकरणों के लिए प्रशिक्षण	3.1 आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	40		2.4 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1,200
	4. विज्ञान मीडिया और विज्ञान संचार अनुसंधान संवर्धन	4.1 आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक विज्ञान कांग्रेस और कार्यशालाएँ	40	3. विज्ञान-कॉम लोक मीडिय/ कम लागत वाले शिक्षण सहाय प्रशिक्षण	3.1 विज्ञान मीडिया में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1,200
		4.2 आयोजित विज्ञान मीडिया में प्रशिक्षणों की संख्या।	60	4. विज्ञान मीडिया और	4.1 प्रशिक्षित विज्ञान संचारकों कीसंख्या	600

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
				विज्ञान संचार अनुसंधान संवर्धन		
		4.3 विज्ञान संचारकों में क्षमता निर्माण पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों की संख्या	30	5. विज्ञान की लोकप्रियता और संचार के लिए पुरस्कार	5.1 पुरस्कारों की संख्या प्रदान की गई	6
	5. विज्ञान की लोकप्रियता और संचार के लिए पुरस्कार	5.1 प्राप्त आवेदनों की संख्या -एस एंड टी संचार और लोकप्रियकरण	200		5.2 अवसर पुरस्कार विजेताओं की संख्या	124
		5.2 आयोजित अवसर कार्यशालाओं की संख्या	2,000			
	घ. विज्ञान और समाज कार्यक्रम (एसएसपी)					
	1. ग्रामीण क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी उन्नति (तारा)	1.1 वित्त वर्ष में सहायित कोर सहायता समूह (सीएसजी) की संख्या।	30	1. सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्यमशीलता और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने वाली पारिस्थितिकी बनाना।	1.1 विकसित प्रौद्योगिकियों के लाभार्थियों की संख्या।	2,500
		1.2 वित्त वर्ष में सृजित/ सहायित, इनक्यूबेटरों/ त्वरक की संख्या	2		1.2 बनाए गए नए उद्यमियों की संख्या।	200
	2. सामाजिक जरूरतों के लिए परियोजना	2.1 सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहायित परियोजनाओं की संख्या	115		1.3 विकसित और प्रयुक्त नई तकनीकों की संख्या	50
		2.2 सहायित गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	20		1.4 मंजूर पेटेंट की संख्या	10
		2.3 सहायित राज्यों की संख्या	28		1.5 प्रकाशित पत्रों की संख्या	100
	3. युवा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद (एसवाईएसटी) योजना के	3.1 इस कार्यक्रम के तहत सहायित युवा वैज्ञानिक की संख्या।	50		1.6 संबंधित मंत्रालयों के साथ/ क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अंतरण या कंपनी को अंतरित प्रोद्योगिकी के लिए सृजित अग्रेषण संपर्क की संख्या	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	माध्यम से युवा वैज्ञानिक माहौल अनुकूलन					
	4. नेटवर्क कार्यक्रम	4.1 बहु-हितधारक सहयोगों के लिए (सीएसआर परियोजनाओं, राज्य सरकार के सहयोगों सहित) हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों/ करारों की संख्या	2	2. एससी/ एसटी के लिए एसएंडटी के इनपुट के साथ सामाजिक कार्यक्रम	2.1 कवर किए गए घरों की संख्या	1,000
		4.2 सीड योजनाओं/ कार्यक्रमों से सीखने के लिए आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों की संख्या	100		2.2 कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या	5,000
		4.3 मौजूदा वर्ष में दर्ज किए गए पेटेंटों की संख्या।	10		2.3 विकसित/ संशोधित/ प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	20
	5. अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आबादी के लिए एसएंडटी कार्यक्रम	5.1 एससी और एसटी समुदाय के विकास के लिए समर्थित परियोजनाओं की संख्या	50		2.4 आयोजित जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	100
		5.2 एससी और/ या एसटी के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) हब की संख्या	20		2.5 प्रशिक्षित युवाओं/ महिलाओ पुरुषों की संख्या	1,000
		5.3 एससी/ एसटी कोशिकाओं की संख्या	10		2.6 सामान्य सुविधा केंद्रों/ संख्या	40
					2.7 उत्पन्न रिपोर्ट/ मैनुअल/ कागजात की संख्या	20
	ड. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (टीडीपी)					
	1. प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए	1.1 उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (एएमटी) के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या	40	1. देश में प्रौद्योगिकी विकास	1.1 विकसित की गई उन्नत प्रौद्योगिकियों की संख्या।	10

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	पारिस्थितिकी को बढ़ावा देना।	1.2 जैव-चिकित्सीय उपकरणों के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या	40		1.2 नए विकसित जैव-चिकित्सीय उपकरणों की संख्या	8
		1.3 प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या।	34		1.3 प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के तहत विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	7
		1.4 उपकरण विकास कार्यक्रम के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या।	40		1.4 उपकरण विकास कार्यक्रम के तहत विकसित नए उपकरणों की संख्या	6
		1.5 विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (एसएचआरआई) के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या	34		1.5 एसएचआरआई के तहत रिपोर्ट और विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या।	10
		1.6 भारतीय रेलवे के लिए प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमआईआर) के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या	2		1.6 भारतीय रेलवे के लिए प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमआईआर) के तहत विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	1
		1.7 अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों के तहत सहायित परियोजनाओं की संख्या।	40		1.7 अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों के तहत विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
	च. ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स रिसर्च प्रोग्राम (डीपीआरपी)					
	1. फार्मा उद्योग में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।	1.1 उद्योग-अकादमी सहयोग के तहत सहायित परियोजना की संख्या।	1	1. औषधियों का विकास	1.1 कार्यक्रम के तहत विकसित नई दवाओं की संख्या।	0
		1.2 सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थानों और अकादमी जगत के तहत सहायित सुविधा की संख्या।	5		1.2 उन उत्पादों की संख्या जिनके लिए नैदानिक परीक्षण किए गए हैं	0

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.3 उपेक्षित रोगों पर नैदानिक परीक्षणों के लिए सहायित उद्योगों की संख्या।	0			
	छ. राष्ट्रीय स्थानिक डेटा बुनियादी ढांचा (एनएसडीआई)					
	1. भूस्थानिक डेटा एवं प्रौद्योगिकी विकास तथा मानकीकरण ताकि स्थानिक डेटा अवसंरचना का सृजन करके अभिशासन एवं निर्णयन में उपयोग किया जा सके।	1.1 एनएसडीआई साझेदार एजेंसियों की मौजूदा डेटा सेट और मेटाडेटा की संख्या जो राष्ट्रीय डेटा रजिस्ट्री (एनडीआर) डेटा नोड्स में दर्ज की गई हो।	20	1. आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने वाले अभिशासन और निर्णयन हेतु उपलब्ध प्राधिकृत और एकीकृत भू-स्थानिक डेटा की वर्धित व्याप्ति विस्तार	1.1 एनएसडीआई की राष्ट्र और राज्य साझेदारी एजेंसियों द्वारा प्रदत्त भू-स्थानिक डेटा सेवाओं की संख्या	20
		1.2 एप्लिकेशन विकास से लाभान्वित ग्राम पंचायतों/वार्डों की संख्या	20		1.2 खास उत्पाद प्रयोक्ता द्वारा खोज, पहुंच और उपयोगवाले खोज तंत्र में पंजीकृत भू-स्थानिक डेटा सेवाओं की संख्या	20
		1.3 एनएसडीआई जियो-प्लेटफ़ॉर्म पर वर्चुअल मशीनों का उपयोग करने के लिए नामित एजेंसियों की संख्या	10		1.3 भू-स्थानिक डेटा और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए निर्णयन में सुधार से लाभान्वित पंचायतों/वार्डों की संख्या	20
		1.4 विकसित और प्रयुक्त भू-स्थानिक डेटा परिसंपत्ति/ प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग/ मानक की संख्या	10		1.4 कलाकृतियों की संख्या का प्रदर्शन किया	2
		1.5 एनएसडीआई प्राथमिकताओं के अनुसार सहायता प्राप्त और नई परियोजनाओं की संख्या	10		1.5 प्रकाशित/ प्रदर्शन किए गए कागजात/ आउटपुट की संख्या	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ज. एसएंडटी आधारित नवप्रवर्तन और उद्यमिता विकास					
	1. संस्थागत तंत्र: निधि-नवप्रवर्तन को सुविधाजनक बनाना, इनक्यूबेशन केंद्र (टीबीआई/सीओई) और निधि प्रयास केंद्र बनाना	1.1 स्टार्ट-अप में परिवर्तित हो रहे नवप्रवर्तन की संख्या।	200	1. उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पारिस्थितिकी को समर्थ करना	1.1 उद्यमशीलता क्षमता निर्माण गतिविधियों ईडीपी/ टीईडीपी/ एफ़डीपी के माध्यम से प्रशिक्षित युवाओं/महिलाओं की संख्या	1,200
		1.2 टीबीआई सेट-अप की संख्या।	8		1.2 बाजार में स्टार्टअप उत्पादों/ विकसित प्रौद्योगिकी की संख्या	350
		1.3 कार्यक्रम के तहत सहायित अकादमिक संस्थानों की संख्या	100			
		1.4 सहायित प्रयास केंद्र (पीसी) की संख्या	40			
	2. स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए सीडिंग त्वरित कार्यक्रम	2.1 प्रारंभिक चरण के वित्तपोषण सहायता के साथ प्रदान किए गए स्टार्ट-अप की संख्या	80			
		2.2 एक्सीलेटर के माध्यम से स्केल अप सहायता प्रदान किए गए स्टार्ट-अप की संख्या	150			
	झ. राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी)					
	1. राष्ट्रीय भू-स्थानिक पारिस्थितिकी उत्प्रेरण अभिशासन के सभी स्तरों पर सतत सामाजिक-आर्थिक	1.1 भू-स्थानिक विज्ञान में कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	10	1. सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय विकासात्मक प्राथमिकता, मानव संसाधन विकास, भू-स्थानिक उद्यमिता, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, और	1.1 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	10
		1.2 भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और भू-विश्लेषण तंत्र कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	20		1.2 विकसित उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की संख्या।	10
		1.3 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और राष्ट्रीय विकासात्मक प्राथमिकता के अनुरूप भू-स्थानिक समाधान कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	16		1.3 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और राष्ट्रीय विकासात्मक प्राथमिकता के अनुरूप विकसित एसएंडटी आधारित भू-	16

वित्तीय परिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	विकास संवर्धन	1.4 क्षमता निर्माण के लिए सहायित कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	20	भू-स्थानिक उत्पाद/सेवा विकास में विकास	स्थानिक समाधानों की संख्या	
		1.5 भू-स्थानिक उद्यमिता कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	4			
		1.6 स्थानिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एसडीआरआर) कार्यक्रमों और परियोजनाओं की संख्या	20			
		1.7 भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी संवर्धित क्षेत्रों की संख्या	4			
		1.8 उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग की संख्या	2			
		1.9 सहायित भू-स्थानिक स्टार्टअप की संख्या	2			

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. अनुसंधान एवं विकास (सीएस)

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,660.28	1. अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए	1.1 समर्थित जारी परियोजनाओं की संख्या	2,100	1. जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार में विकास।	1.1 वर्तमान वर्ष में समर्थित/ प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	21,000
		1.2 समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	600		1.2 डीबीटी वित्त पोषित परियोजना (पीआई/ सीओपीआई) में महिला लाभार्थियों की संख्या	1,200
		1.3 सीओपीआई समर्थित वैज्ञानिकों की संख्या	4,600		1.3 प्रकाशनों की संख्या	3,800
		1.4 समर्थित अनुसंधान की संख्या (जेआरएफ/एसआरएफ /आरए)	6,000		1.4 वर्तमान वर्ष में दायर/ प्रदत्त/ व्यवसायिक पेटेंटों की संख्या	80
		1.5 समर्थित संस्थानों की संख्या	1,000		1.5 विकसित/ अंतरित/ (सॉफ्टवेयर और डाटाबेस सहित प्रौद्योगिकियों की संख्या	120
	क) ज्ञान सृजन और खोज अनुसंधान, नए उपकरण और प्रौद्योगिकी					
	1. आधुनिक जीव विज्ञान में मौलिक अनुसंधान, जैव प्रणाली तथा जैव प्रसंस्करण अभियांत्रिकी, और खोज	1.1 प्रशिक्षण/ कार्यशालाएँ/ विचार मंथन बैठकें	140	1. आधुनिक जीव विज्ञान में मौलिक अनुसंधान, जैव प्रणाली तथा जैवप्रसंस्करण अभियांत्रिकी, नैनो-जैवप्रौद्योगिकी, अनुवांशिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना विज्ञान: विज्ञान में उन्नत	1.1 विकसित डाटाबेस/ सॉफ्टवेयर्स	10
		1.2 साझा नेटवर्क पर उपलब्ध ई-जर्नल	2,000		1.2 मौजूदा के स्थान पर नए तरीके/ परख/ विकसित अथवा वैध/ संशोधित किटें	4
		1.3 साझा अनुसंधान संसाधन तक पहुँच बनाने वालेसंस्थानजैसे डेलकॉन	70		1.3 जीनोम संपादित कार्यक्रम / मॉडल ऑर्गेनिज्म/ सृजित कोशिकीय प्रणाली	5

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	अनुसंधान, नए उपकरण, प्रौद्योगिकी	1.4 नैदानिकी/ औषधि/ कृषि उपकरणों के विकास की दिशामें की गई नैनो आधारित मध्यस्थताएं	10	अनुसंधान एवं नवाचार	1.4 वर्धित दक्षता के साथ मौजूदा उत्पादों के संक्षिप्त उत्पादों/संक्षिप्तिकरण का विकास	4
		1.5 जीनोम-संपादन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करतेहुए संकल्पना साक्ष्य (प्रूफ ऑफ-कॉन्सेप्ट) की स्थापना	10		1.5 जैविक तंत्रों की स्थापना	4
		1.6 स्थापित नए जैव सूचना विज्ञान केंद्र	10			
		1.7 समर्थित जारी जैव सूचना विज्ञान केंद्र	10			
	ख) चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी: स्वास्थ्य देखभाल हेतु आधुनिक जीव विज्ञान में अग्रणी अनुसंधान तथा नवाचार					
	1. किफायती स्वास्थ्य देखभाल (हेल्थकेयर) (बायोफार्मा उत्पाद और रोगाणुरोधी प्रतिरोध)	1.1 किफायतीबायोफार्मास्यूटिकल के विकास हेत् समर्थित परियोजनाओं की संख्या	10	1. किफायती स्वास्थ्य देखभाल (हेल्थकेयर) (बायोफार्मा उत्पाद और रोगाणुरोधी प्रतिरोध)	1.1 विकास के विभिन्न चरणों के माध्यम से वैक्सीन कैंडिडेट की संख्या में तेजी	2
		1.2 किफायती नैदानिकी किटों/डिवाइसों के विकास हेत्समर्थित परियोजनाओं (जारी/नई) की संख्या	10		1.2 विकसित की गई नैदानिक किटे/ चिकित्सा उपकरणोंकी संख्या	4
		1.3 एएमआर के तहत समर्थित परियोजनाओं (जारी/नई) कीसंख्या	10		1.3 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	100
		1.4 आयोजित कार्यशालाओं/ प्रशिक्षणों की संख्या	20		1.4 रोगाणुरोधी प्रतिरोध निगरानी के लिए किफायती निदान का विकास	3
		1.5 स्थापित सुविधाओं की संख्या	5		1.5 एनसीएमआर जैव भंडार (बायोरेपोजिटरी) में एएमआर नमूनों का भंडारण	10,000

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. किफायती हेल्थकेयर (जीनोमिक्स)	2.1 नामांकित और प्ररूपित विषयों की संख्या	6,666	2. किफायती हेल्थकेयर (जीनोमिक्स)	2.1 भारतीय जनसंख्या का जीनोम अनुक्रमण	3,333
		2.2 अनुक्रमित जीनोम की संख्या	3,333		2.2 मानव जीनोम अनुक्रमण और मानव जीनोमिक्स डाटा विश्लेषण में प्रशिक्षित जनशक्ति	120
		2.3 विश्लेषित जीनोम अनुक्रमों तथा प्राप्त किए गए वेरिएंट की संख्या	3,333		2.3 भारतीय जनसंख्या के लिए क्षेत्र में मानवजीनोमिक्स और आनुवंशिक वेरिएंट की पहचान	5
		2.4 सरणी-विस्तृत जीनोटाइपिंग के लिए गए व्यक्तियों की संख्या,	3,333		2.4 भारतीयों में आनुवंशिक विविधताओं के एक डाटाबेसका विकास	1
					2.5 सूक्ष्म जीवों की उप-जनसंख्या की रूपरेखा	3,400
	3. किफायती हेल्थकेयर (दुर्लभ और आनुवंशिक विकार)	3.1 स्थापित निदान केंद्रों की संख्या	6,666	3. किफायती हेल्थकेयर (दुर्लभ और आनुवंशिक विकार)	3.1 उम्मीद पहल के तहत अनुवांशिक रोगों हेतु नवजातों की जांच (महत्वाकांक्षी जिलों में)	1,05,000
					3.2 उम्मीद पहल के तहत अनुवांशिक रोगों हेतु गर्भवती माताओं की जांच (महत्वाकांक्षी जिलों में)	2,10,000
	ग) जैव संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी					
	1. क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास सहायता	1.1 डीबीटी वित्त पोषित परियोजना में आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/विचार मंथन बैठक/ प्रशिक्षणों की संख्या	50	1. क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास सहायता	1.1 पेट्रोलियम/ पीएएच दूषित स्थलों के लिए अभियांत्रिकी जैव उपचार दृष्टिकोण के लिए मंच, अत्याधुनिक अथवा अंतर क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करना, जैव अर्थव्यवस्था मिशन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव	4

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					आरंभ करना, अपशिष्ट से मूल्य उत्पादों के प्रोटोटाइप और प्रदर्शन का विकास।	
		1.2 डीबीटी वित्त पोषित परियोजना में स्थापित नई सुविधाओं की संख्या	3		1.2 प्रायोगिक स्तर पर शैवाल जैवईंधन का विकास और प्रदर्शन, 2जी इथेनॉल प्रायोगिक संयंत्र पर सेल्युलेटिक एंजाइम का परीक्षण और उनकी वृद्धि	1
		1.3 समर्थित नए नेटवर्क/ मिशन कार्यक्रमों की संख्या	3		1.3 नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (बायोमेथेनेशन तथा सीवेज) (कैविटेशन और शैवाल फोटो जैव रिएक्टर), निर्मित गीली भूमि के उपचार के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में वृद्धि	3
		1.4 अपशिष्ट से ऊर्जा/जैव ऊर्जा/ फाइटोफार्मा के क्षेत्र में समर्थित सीओई की संख्या	5			
		1.5 समर्थित प्रदर्शन परियोजनाओं की संख्या	5			
	घ) जल कृषि तथा पशु जैव प्रौद्योगिकी सहित कृषि जैव प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्र					
	1. कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: अनुसंधान और विकास वैज्ञानिक प्रगति का समर्थन	1.1 डीबीटी वित्त पोषित परियोजना में आयोजित कार्यशाला/ संगोष्ठी / विचार मंथन बैठक/ प्रशिक्षणों की संख्या	15	1. जर्मप्लाज्म गुणसूत्रीकरण के बारे में मिशन कार्यक्रम	1.1 उन्नत किस्मों की संख्या	20
		1.2 स्थापित सुविधाओं (गति प्रजनन और जीनोमिक चयन) की संख्या	3	2. जीन एडिटिंग (पोषण की दृष्टि से समृद्ध और जलवायु अनुकूलित फसलें)	2.1 जीन संपादित लाइनों की संख्या	20
		1.3 समर्थित नए नेटवर्क/ मिशन कार्यक्रमों की संख्या	4	3. कृषि सुधार और उत्पादकता में वृद्धि: फसल किस्मों को जारी करना	3.1 उन्नत किस्मों की संख्या	4

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.4 कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम (फैलोशिप/ प्रशिक्षण)का समर्थन	5	4. जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन पर मिशन कार्यक्रम	4.1 जीनोम एसेम्बली संबंधी मसौदों की संख्या	2
		1.5 कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के उभरते क्षेत्रों में समर्थित सीओई की संख्या	4		4.2 विभिन्न फसलों की फेनोटाइप/ जीनोटाइप विशेषता वाली लाइनों की संख्या	50,000
				5. जीन एडिटिंग (पोषण से समृद्ध और जलवायु अनुकूल फसलें)	5.1 जीन संपादित लाइनों की संख्या	2
				6. नए निदान और टीके	6.1 पशु और मत्स्य रोगों के लिए नए निदान की संख्या	2
					6.2 नए/संशोधित मौजूदा पशु टीकों के विकास की संख्या	2
	ड) मानव संसाधन और विकास					
	1. मानव संसाधन विकास (एचआरडी): स्टार कॉलेज, पीजी शिक्षण कार्यक्रमों, एसटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जेआरएफ, आरए को समर्थन प्रदान करना	1.1 वर्तमान वर्ष में माइक्रोस्कोपी में प्रशिक्षित छात्रों/ नागरिकों की संख्या	2,000	1. कुशल मानव संसाधन विकसित करना	1.1 स्टार कॉलेजों में पीजी पाठ्यक्रमों को चुनने वाले छात्रों की संख्या	900
		1.2 स्टार कॉलेज योजना के तहत समर्थित नए कॉलेजों की संख्या	50		1.2 बीआईटीपी/ डीबीटी-जेआरएफ/ डीबीटी-आरए/ कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रोजगारा पाने	300
		1.3 स्टार कॉलेज योजना के तहत समर्थित चल रहे कॉलेजों की संख्या	145	2. शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के लिए ज्ञान और उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	2.1 बायोकेयर के तहत परियोजनाओं पर काम करने के बाद रोजगार पाने वाली महिला वैज्ञानिकों की संख्या	50
		1.4 प्रशिक्षित पीजी छात्रों की संख्या	800			

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.5 प्रदत्त डीबीटी-जेआरएफ फेलोशिप की संख्या	300	3. शोधकर्ताओं को पहचानना और उनका पोषण करना	3.1 भाग लेने वाले छात्रों/शोधकर्ताओं की संख्या	2,000
		1.6 प्रदत्त डीबीटी-आरए फेलोशिप की संख्या	100		3.2 अवार्ड प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	5
	2. कौशल विज्ञान कार्यक्रम हेत् समर्थित गतिविधियाँ	2.1 आयोजित किए गए एसटीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	15			
		2.2 बीआईटीपी के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	200			
		2.3 तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	100			
		2.4 छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	200			
		2.5 उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	50			
	3. एचआरडी: जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारी अनुसंधान और विकास गतिविधियां करने के लिए शोधकर्ताओं को सहायता प्रदान करना	3.1 बायो केअर के तहत समर्थित परियोजनाओं/ महिला वैज्ञानिकों की कुल की संख्या	30			
		3.2 प्रदत्त रामालिंगस्वामी पुन: प्रवेश फेलोशिप (अध्येतावृत्ति) की संख्या	88			
		3.3 प्रदत्त टाटा इनोवेशन फेलोशिप की संख्या	5			
		3.4 नवाचारी युवा जैव प्रौद्योगिकीविद् पुरस्कार	15			
		3.5 करियर विकास हेतु राष्ट्रीय जीव विज्ञान अवार्ड	10			

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		3.6 राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक अवार्ड	3			
		3.7 बायोटेक उत्पाद, प्रक्रिया विकास और व्यावसायीकरण अवार्ड	5			
		3.8 प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रोफेसरशिप अवार्ड	2			
		3.9 एमके भान-युवा अनुसंधान फैलोशिप कार्यक्रम	50			
	4. एचआरडी: शोधकर्ताओं की पहचान तथा पोषण: विज्ञान में तेजी लाने के लिए समर्थित गतिविधियाँ	4.1 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: सम्मेलन	150			
		4.2 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: यात्रा अनुदान	400			
		4.3 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: लोकप्रिय व्याख्यान	35			
		4.4 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: प्रदर्शनियाँ	30			
		4.5 टियर II शहरों में समर्थित सीटीईपी कार्यक्रमों की संख्या	15			
		4.6 टियर- III शहरों में समर्थित सीटीईपी कार्यक्रमों की संख्या	10			
	च) जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संसाधन और सुविधाएं					
	1. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम:	1.1 डीबीटी-एसएएचएजे के तहत स्थापित राष्ट्रीय सुविधाओं की संख्या	15	1. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	1.1 सुविधाओं का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या: (अकादमि और बाहरी उपयोगकर्ता)	2,550
		1.2 डीबीटी-बीयूआईएलडीईआर के तहत समर्थित विश्वविद्यालयों	10		1.2 इन सुविधाओं का उपयोग करते हुए अनुसंधान एवं विकास	50

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	अवसंरचना विकास हेतु समर्थित गतिविधियाँ	की संख्या			परियोजना की संख्या	
					1.3 जैव सुरक्षा नियमों पर दिशानिर्देशों और नीति दस्तावेजों की संख्या को जैव सुरक्षा नियमों को सुव्यवस्थित करने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित प्रक्रिया को अपनाने के लिए विकसित किया गया है	4
	छ) अंतरराष्ट्रीय सहयोग					
	1. अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ	1.1 वर्तमान वर्ष में की गई नई अंतर्राष्ट्रीय भागीदारियां	2	1. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस): उच्च गुणवत्ता वाली जैव चिकित्सा अनुसंधान को उत्प्रेरित करना और भारत में अनुसंधान क्षमता का निर्माण करना	1.1 कार्यक्रम के माध्यम से उच्च गुणवता वाली बुनियादी नैदानिक अनुसंधान साझेदारी विकसित हुई	3
		1.2 वर्तमान वर्ष में घोषित प्रस्तावों के लिए संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रण	11			
		1.3 वर्तमान वर्ष में वित्त पोषित नई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	44			
		1.4 वर्तमान वर्ष में जारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	135			
	2. क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास	2.1 वर्तमान वर्ष में आयोजित/समर्थित कार्यशालाओं की संख्या	12			
		2.2 अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के तहत वर्तमान वर्ष में	30			

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		आयोजित वैज्ञानिक विनिमय/ दौरों की संख्या				
		2.3 समर्थित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान फैलोशिप की संख्या	107			
	ज) जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम/ डीबीटी-डब्ल्यूटी इंडिया एलायंस (आईसी)					
	1. जैव चिकित्सा अनुसंधान (मानव और पशु चिकित्सा) के लिए प्रतिभाशाली अनुसंधानकर्ताओं को वित्तीय और अध्ययन सहायता	1.1 वर्तमान वर्ष में वित्तीय सहायता प्रदत्त नैदानिक अनुसंधान केंद्रों की संख्या	3			
		1.2 के तहत समर्थित जारी परियोजनाओं की संख्या: क) मानव जैव चिकित्सा अनुसंधान ख) पशु चिकित्सा जैव चिकित्सा अनुसंधान	188			
		1.3 क्षमता निर्माण हेतु समर्थित गतिविधियों की संख्या	74			
	झ) जैव प्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक विकास					
	1. ग्रामीण जैव-संसाधन परिसरों/ प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र/ इकाइयों का विस्तार (अवसंरचना विकास के लिए समर्थित कार्यकलाप)	1.1 ग्रामीण जैव-संसाधन परिसरों/ महत्वाकांक्षी जिलों में समर्थित ग्रामीण प्रौद्योगिकी समूहों की संख्या	30	1. स्वरोजगार के अवसरों का सृजन	1.1 स्व:रोजगार सृजित करने वाली महिलाओं/ अजा./अजजा./अपिव. की संख्या	160
					1.2 अनुप्रयोग के लिए शुरू किए गए तकनीकी मध्यस्थताओं की संख्या	10
					1.3 महिलाओं/ अजा./अजजा./अपिव. को प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए लाभार्थियों को दिया जाने वाला प्रशिक्षण और प्रदर्शनियां	3,800

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	2. प्रदर्शन, प्रशिक्षण और विस्तारित कियों का प्रसार	2.1 आयोजित व्यावहारिक प्रशिक्षण/ कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम की संख्या	250			
		2.2 कार्यशालाओं में प्रशिक्षित/ भाग लेने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या	2,500			
		2.3 प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों/ मध्यस्थताओं की संख्या	30			
	3. बायोटेक किसान	3.1. समर्थित बायोटेक-किसान हब की संख्या	145	2. बायोटेक किसान	2.1 शामिल किए गए जिलों की संख्या	150
		3.2. किए गए प्रदर्शनों की संख्या	500		2.2 किसान लाभार्थियों की संख्या (प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम दोनों के तहत)	1,00,000
		3.3. की गई मध्यस्थताओं की संख्या	50		2.3 महिला और आदिवासी किसान लाभार्थियों की संख्या	30,000
		3.4. किसानों के लिए संचालित व्यावहारिक कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	200		2.4 सफलता की कहानियों की संख्या	75
					2.5 केन्द्रीय विकास केंद्र और राज्य कृषि विभागों द्वारा किए गए उन्नत क्रियाकलापों की संख्या	50
		3.5. जैव-उद्यमिता विकास के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या	40		2.6 विकसित किए गए सफल जैव निवेशकों की संख्या	150
	ञ. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम					
	1. वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास वैज्ञानिक	1.1 एनईआर विशिष्ट आर एंड डी कार्यक्रमों के विकास हेतु आयोजित विचार मंथन बैठकों की संख्या	4	1. अनुसंधान एवं विकास वैज्ञानिक प्रगतियों का समर्थन: कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध	1.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र के संकलित विशिष्ट जर्मप्लाज्म की संख्या	1,000

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	उन्नयन के लिए सहायता	1.2 कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी, संबद्ध क्षेत्र, औषधीय, सुगंधित पौधे, पर्यावरण जैव-प्रौद्योगिकी और जैव-संसाधन आधारित विकास के क्षेत्र में समर्थित नए नेटवर्क/ मिशन कार्यक्रमों की संख्या:	50	क्षेत्र	1.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जर्मप्लाज्म के लिए स्थापित जर्मप्लाज्म-रिपॉजिटरी, फील्ड जीन बैंक, क्रायोबैंक, स्केन/ रूटस्टॉक बैंक की संख्या।	8
		1.3 एनईआर में समर्थित नए उत्कृष्टता केंद्रों की सं.	2		1.3 क्यूपीएम के लिए स्थापित फसल रोग निदान केंद्रों और उच्च तकनीकी नर्सरी की संख्या	2
		1.4 एनईआर में समर्थित चल रहे उत्कृष्टता केंद्रों की सं.	3		1.4 स्थानीय फसलों के लिए विकसित वैद्य बायोफार्मयूलेशन की संख्या	4
	2. क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए मानव संसाधन विकास	2.1 बायोटेक हब कार्यक्रम के तहत समर्थित नए कॉलेजों/विश्वविद्यालयों की संख्या	65		1.5 पशु और मत्स्य रोगों के लिए विकसित किए गए नए नैदानिक केंद्रों की संख्या	5
		2.2 बीईआईएसएस-डीएनए क्लब कार्यक्रम के तहत समर्थित नए एनई स्कूलों की संख्या	85		1.6 पूर्वोत्तर खाद्य और सजावटी मछलियों के लिए विकसित वैध प्रजनन प्रोटोकॉल की संख्या	5
		2.3 राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा उन्नत जैव प्रौद्योगिकियों में छात्रों और शोधकर्ताओं हेतु आयोजित प्रशिक्षणों/व्यवहारिक कार्यशालाओं की संख्या	4	2. चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र	2.1 एनई विशिष्ट चिकित्सा चुनौतियों की संख्या जिनका कंसोर्टियम मोड में समाधान किया जा रहा है1	3

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		2.4 विजिटिंग अनुसंधान प्रोफेसरशिप कार्यक्रम के तहत समर्थित प्रख्यात वैज्ञानिकों की संख्या	10		2.2 न्यू पैथोजन खोज कार्यक्रम के तहत एकत्र किए गए नमूनों के लिए एनईआर में स्थापित जैव-रिपोजिटरी की संख्या	2
	3. एनईआर हेतु अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधाएं	3.1 समर्थित क्षेत्रीय सुविधाओं की संख्या	6		2.3 न्यू पाथोजन खोज कार्यक्रम के तहत बायो-रिपॉजिटरी में जमा किए गए नमूनों की संख्या	80
	4. आजीविका सुरक्षा और उद्यमिता सृजन हेतु जैवसंसाधनों का विकास	4.1 समर्थित नई प्रदर्शन परियोजनाओं की संख्या	15	3. औषधीय और सुगंधित पौधे, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी और जैस स्रोत आधारित विकास	3.1 स्थानीय औषधीय और सुगंधित पौधे की संख्या, जिसके लिए कैपिटिव खेती, प्रथाओं का पैकेज और निष्कर्ष मानकीकरण किया जा रहा है	6
		4.2 समर्थित जारी प्रदर्शन परियोजनाओं की संख्या	3		3.2 एनईआर में स्थापित क्यूए/ क्यूसी सुविधाओं की संख्या	2
		4.3 प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों/मध्यस्थताओं की संख्या	15		3.3 एनईआर के जैव-संसाधनों के उपयोग के लिए विकसित तकनीकों की संख्या, जिसमें मूल्य वर्धित उत्पाद भी शामिल हैं	15
		4.4 किसानों और स्थानीय उद्यमियों हेतु आयोजित कौशल विकास उन्मुखी प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं की संख्या	30	4. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कार्यक्रम: मानव संसाधन विकास क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए	4.1 बायोटेक हब में आयोजित विशेष अनुसंधान एवं विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	75
					4.2 बायोटेक हब में प्रशिक्षित यूजी/पीजी/जेआरएफ/पीडीएफ की संख्या	2,000
					4.3 बायोटेक हब में प्रशिक्षित स्थानीय उद्यमियों और किसानों की संख्या	500
					4.4 बीएलआईएसएस-डीएनए क्लब कार्यक्रम के तहत स्कूली छात्रों के लिए	25

वित्तीयपरिव्यय (करोड़रुपयेमें)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
					आयोजित प्रशिक्षण/व्यवहारिक कार्यशालाओं और कृषिगत यात्राओं की संख्या	
					4.5 बीएलआईएसएस-डीएनए क्लब कार्यक्रम के तहत स्थानीय जैवसंसाधन जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित स्कूली छात्रों की संख्या	1,000
					4.6 विजिटिंग शोध अध्येतावृत्ति से लाभ प्राप्त करने वाले पूर्वोत्तर संस्थानों की संख्या	8
				5. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधाएं	5.1 सुविzधाओं का लाभ उठाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों की संख्या	8
					5.2 सुविधा का उपयोग करने वाले शोधकर्ता/ छात्रों की संख्या	200
					5.3 पूर्वोत्तर शोधकर्ताओं के लिए आयोजित की जा रही उन्नत प्रशिक्षणों की संख्या	8
				6. आजीविका सुरक्षा और उद्यमिता के सृजन लिए जैवसंसाधन का विकास	6.1 प्रशिक्षित किसानों और स्थानीय निवेशकों की संख्या	10,000
					6.2 प्रदर्शन परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाले जिलों और लक्षित क्षेत्रों की संख्या	50

2. औद्योगिक और उद्यमिता विकास (आईईडी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
960.00	1. देश में बायोटेक उद्योग केविकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी पार्क को बढ़ावा देना	1.1 मौजूदा वर्ष में स्थापित नए बायोटेक पार्क की संख्या।	2	1. बायोटेक क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता में वृद्धि, ज्ञान परिवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना और सार्वजनिक निजी भागीदारी नवाचार कार्यक्रम को संबर्धन करना और उनका समर्थन करना	1.1 दायर किए गए/ स्वीकृत पेटेंट की संख्या।	62
		1.2 इनक्यूबेटरों के लाभार्थियों की संख्या	35		1.2 विकसित/ व्यवसायीकृत उत्पादों/ प्रौद्योगिकी की संख्या	91
	2. विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देना	2.1 मौजूदा समर्थित जैव क्लस्टरों की संख्या	4		1.3 क्लस्टर में स्थापित संसाधनों के उपयोग करने वाले लाभार्थियों की संख्या	800
		2.2 स्थापित किए गए नए जैव क्लस्टरों की संख्या	6		1.4 समर्थित/ प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	260
		2.3 समर्थन किए गए स्टार्टअप्स/ उद्यमियों और उद्योग अकादमी के बीच स्थापित किए गए संपर्कों की संख्या	104		1.5 समर्थित निवेशकों, स्टार्टअप/ लघु तथा मध्यम उद्यम/ उद्योगों की संख्या	850
		2.4 विकसित की गई नई सुविधाओं की संख्या	9		1.6 वित्त पोषण के बाद स्टार्टअप्स की संख्या	32
	3. सार्वजनिक निजी भागीदारी नवाचार कार्यक्रमों को	3.1 मौजूदा वर्ष में समर्थित उद्यमियों/ स्टार्ट-अप्स की संख्या।	850			
		3.2 वर्तमान वर्ष में समर्थित जैव इन्क्यूबेटरों की संख्या।	70			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	बढ़ावा देना और उनका समर्थन करना	3.3 मौजूदा वर्ष में समर्थित लघु व्यवसाय नवाचार अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) की संख्या।	54			
		3.4 वर्तमान वर्ष में समर्थित जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) अनुदानों की संख्या।	300			
		3.5 वर्तमान वर्ष में समर्थित जैव प्रौद्योगिकी उद्योग भागीदारी कार्यक्रम (बीआईपीपी) परियोजनाओं की संख्या।	45			
		3.6 मौजूदा वर्ष में समर्थित अनुबंध अनुसंधान और सेवा (सीआरएस) परियोजनाओं की संख्या	10			
	4. प्रौद्योगिकी क्लस्टरों की स्थापना	4.1 स्थापित एम-ज़ोन की संख्या	1			
		4.2 स्थापित टीप्रोपेल्लरस की संख्या	2			

1. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 3.0 (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2505.00	I. सीएससीएम घटक के तहत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 3.0					
	1. केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र निर्माण और प्रशिक्षण भागीदारों को प्रोत्साहित करना	1.1. बनाए जाने वाले प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या (एसटीटी)	900	1. उद्योग मान्यता प्राप्त प्रमाणन के साथ रोजगार में वृद्धि	1.1. सत्यापित रोजगार प्रतिशत[123]	5%
	2. रोजगार में सुधार और रोजगार में वृद्धि के लिए कौशल प्रशिक्षण का संचालन करना	2.1. अल्पावधि पाठ्यक्रमों में नामांकित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	2,00,000	2. रोज़गार और स्वरोजगार सहित रोजगार में वृद्धि	2.1. पूर्व बेरोजगार* प्रमाणित प्रशिक्षुओं के 90 दिनों के पश्चात तैनात/रोजगार प्राप्त का प्रतिशत	62,933
		2.2. विशेष परियोजनाओं में नामांकित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	27,600		2.2. कुल प्रशिक्षुओं की तैनाती दर [124]	70.00%
		2.3. आरपीएल घटक में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	4,63,765		2.3. मजदूरी रोजगार में तैनात किए जाने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या	89,316
		2.4. नामांकित होने वाली महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	2,54,699		2.4. स्व-रोजगार में संलग्न होने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या	7,848
		2.5. नामांकित होने वाले पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	4,36,528		2.5. तैनाती प्राप्त महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	49,158

[123] *आरक्षित प्लेसमेंट प्रतिशत की गणना, प्लेसमेंट-प्लेसमेंट ट्रैकिंग के समय नियोजित प्रशिक्षुओं की संख्या / नियुक्ति (प्रमाणित) के लिए पात्र प्रशिक्षुओं की कुल संख्या के रूप में की जाती है। कट-ऑफ डेट के बाद इन्हें संचयी संख्याओं के रूप में लिया जाएगा, जो प्लेसमेंट ट्रैकिंग शुरू होने पर होगी*

[124] *90 दिन पूर्व प्रमाणित लोगों की संख्या / लोगों की संख्या*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		2.6. नामांकित होने वाले ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	138		2.6. तैनाती प्राप्त पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	49,816
					2.7. तैनाती प्राप्त ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	54
	3. प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए कुशल श्रमिकों के मानकीकृत मूल्यांकन का संचालन करना	3.1. अल्पावधि पाठ्यक्रमों में लाभार्थियों की संख्या का आकलन किया जाना है	1,54,000	3. अपस्किलिंग के कारण रोजगार की बेहतर गुणवत्ता	3.1. कौशल मजदूरी प्रीमियम (प्रशिक्षण की मात्रा द्वारा शीर्ष 10 जॉब रोलों में पहले से कार्यरत प्रशिक्षुओं के लिए औसत वेतन वृद्धि)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2. विशेष परियोजनाओं में लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	21,252			
		3.3. आरपीएल घटक में लाभार्थियों की संख्या का आकलन किया जाना है	3,47,824			
		3.4. अल्पावधि के पाठ्यक्रमों में प्रमाणित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	1,45,000		3.2. महिला प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.5. विशेष परियोजनाओं में प्रमाणित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	20,000			
		3.6. आरपीएल घटक में प्रमाणित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	4,35,000			
		3.7. प्रमाणित होने वाली महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	2,21,040		3.3. पुरुष प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.8. प्रमाणित होने वाले पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	3,78,840		3.4. ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		3.9. ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या प्रमाणित की जानी है	120			
	4. उद्योग भागीदारों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाले मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति का विकास करना	4.1 एनएसक्यूएफ-संरेखित पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की कुल संख्या के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	100%	4. उद्योग मांग के साथ प्रदान किए गए प्रशिक्षण का मिलान	4.1. प्रशिक्षित जॉब रोलों में कार्यरत लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	5. मानकीकरण के लिए समन्वय और दिशानिर्देश प्रदान करना	5.1 एनएसक्यूएफ प्रत्यायन और संबद्धता दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	5. कुशल कामगारों की उपलब्धता के कारण औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि	5.1. जॉब रोलों की संख्या की रिपोर्टिंग उत्पादकता प्रभाव संचालित	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		5.2 वित्त संस्थानों के दिशानिर्देश / सामान्य मानदंड का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		5.3 एनक्यूएएफ / पीएमकेवीवाई प्रक्रिया दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	6. श्रम कार्यबल संबंधी डेटाबेस के साथ अभिसरण के लिए एक अनुवीक्षण प्रणाली प्रदान करना	6.1 लाभार्थियों के डेटा की संख्या एलएमआईएस/ केंद्रीय डेटाबेस के साथ एकीकृत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	7. टीपी को नकद हस्तांतरण प्रदान करना	7.1 पीएफएमएस से सम्बद्ध प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	ख. सीएसएसएम घटक के तहत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0					
	1. केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र निर्माण और प्रशिक्षण भागीदारों को प्रोत्साहित करना	1.1. बनाए जाने वाले प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या (एसटीटी)	0	1. उद्योग मान्यता प्राप्त प्रमाणन के साथ रोजगार में वृद्धि	1.1. सत्यापित रोजगार प्रतिशत[125]	5%
	2. रोजगार में सुधार और रोजगार में वृद्धि के लिए कौशल प्रशिक्षण का संचालन करना	2.1. अल्पावधि पाठ्यक्रमों में नामांकित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	64,515	2. रोज़गार और स्वरोजगार सहित रोजगार में वृद्धि	2.1. पूर्व बेरोजगार प्रमाणित प्रशिक्षुओं के 90 दिनों के पश्चात तैनात/रोजगार प्राप्त का प्रतिशत	20,103
		2.2. विशेष परियोजनाओं में नामांकित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	8,250		2.2. कुल प्रशिक्षुओं की तैनाती दर [90 दिन पूर्व प्रमाणित लोगों की संख्या/ लोगों की संख्या]	70%
		2.3. आरपीएल घटक में नामांकित लाभार्थियों की संख्या	1,54,255		2.3. मजदूरी रोजगार में तैनात किए जाने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या	28,797
		2.4. नामांकित होने वाली महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	83,634		2.4. स्व-रोजगार में संलग्न होने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या	2,530
		2.5. नामांकित होने वाले पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	1,43,340		2.5. तैनाती प्राप्त महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	15,850
		2.6. नामांकित होने वाले ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	45		2.6. तैनाती प्राप्त पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	16,061
					2.7. तैनाती प्राप्त ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या	18

[125] *आरक्षित प्लेसमेंट प्रतिशत की गणना, प्लेसमेंट-प्लेसमेंट ट्रैकिंग के समय नियोजित प्रशिक्षुओं की संख्या / नियुक्ति (प्रमाणित) के लिए पात्र प्रशिक्षुओं की कुल संख्या के रूप में की जाती है। कट-ऑफ डेट के बाद इन्हें संचयी संख्याओं के रूप में लिया जाएगा, जो प्लेसमेंट ट्रैकिंग शुरू होने पर होगी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए कुशल श्रमिकों के मानकीकृत मूल्यांकन का संचालन करना	3.1. अल्पावधि पाठ्यक्रमों में लाभार्थियों की संख्या का आकलन किया जाना है	49,677	3. अपस्किलिंग के कारण रोजगार की बेहतर गुणवत्ता	3.1. कौशल मजदूरी प्रीमियम (प्रशिक्षण की मात्रा द्वारा शीर्ष 10 जॉब रोलों में पहले से कार्यरत प्रशिक्षुओं के लिए औसत वेतन वृद्धि)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2. विशेष परियोजनाओं में लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	6,353		3.2. महिला प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी/ पुरुष प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी/ ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की पूर्व-तैनात मजदूरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.3. आरपीएल घटक में लाभार्थियों की संख्या का आकलन किया जाना है	1,15,691			
		3.4. अल्पावधि के पाठ्यक्रमों में प्रमाणित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	46,750			
		3.5. विशेष परियोजनाओं में लाभार्थियों की संख्या प्रमाणित होने वाले	8,250			
		3.6. आरपीएल घटक में प्रमाणित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	1,45,000			
		3.7. प्रमाणित होने वाली महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	73,680			
		3.8. प्रमाणित होने वाले पुरुष प्रशिक्षुओं की संख्या	1,26,280			
		3.9. ट्रांसजेंडर प्रशिक्षुओं की संख्या प्रमाणित की जानी है	40			
	4. उद्योग भागीदारों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाले	4.1. एनएसक्यूएफ-संरेखित पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की कुल संख्या	100%	4. उद्योग भागीदारों के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाले	4.1. एनएसक्यूएफ-संरेखित पाठ्यक्रम/ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की कुल	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति का विकास करना	के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या		मानकीकृत पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति का विकास करना	संख्या[126]	सकते
	5. मानकीकरण के लिए समन्वय और दिशानिर्देश प्रदान करना	5.1. एनएसक्यूएफ/ प्रत्यायन और संबद्धता दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	5. श्रम कार्यबल संबंधी डेटाबेस के साथ अभिसरण के लिए एक अनुवीक्षण प्रणाली प्रदान करना	5.1. लाभार्थियों के डेटा की संख्या एलएमआईएस/ केंद्रीय डेटाबेस के साथ एकीकृत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		5.2. वित्त संस्थानों के दिशानिर्देश/ सामान्य मानदंड का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		5.3. एनक्यूएएफ/ पीएमकेवीवाई प्रक्रिया दिशानिर्देशों का पालन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	6. श्रम कार्यबल संबंधी डेटाबेस के साथ अभिसरण के लिए एक अनुवीक्षण प्रणाली प्रदान करना	6.1. लाभार्थियों के डेटा की संख्या एलएमआईएस/ केंद्रीय डेटाबेस के साथ एकीकृत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

[126] *यह प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन से उपलब्ध होगा। इस प्रकार, प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के परिणाम के माध्यम से आधारभूत रूप से लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।*

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

1. अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति
2. अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
4140.62	**क. अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (सीएसएस)**					
	1. छात्रवृत्तियों के माध्यम से अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1. चालू वर्ष में प्राप्त आवेदनों की संख्या (लाख में)	62	1. मैट्रिकोत्तर शिक्षा पूरी करने में समर्थ होना।	1.1. उन अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने आधार वर्ष में अध्ययन संबंधी अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाया है।	5%
		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या जिन्होंने छात्रवृत्ति का लाभ उठाया। (लाख में)	28		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने छात्रवृत्ति का लाभ उठाया है।	3%
	ख. अस्वच्छ व्यवसाय में लगे लोगों के बच्चों को मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. छात्रवृत्ति के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1. पात्र छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या।(लाख में)	3	1. मैट्रिकपूर्व शिक्षा पूरी करने में समर्थ हों।	1.1. उन छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने आधार वर्ष में अध्ययन संबंधी अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की है।	50%
		1.2. पात्र महिला छात्रों प्रदत्त छात्रवृत्तियों संख्या(लाख)	1.40			
	ग. शैक्षिक सशक्तिकरण - अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. छात्रवृत्तियों के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1. चालू वर्ष में प्राप्त आवेदनों की संख्या। (लाख में)	30	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों द्वारा	1.1. पिछले वर्ष के दौरान छात्रवृत्ति की सहायता से कक्षा 10वीं की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत।	50%

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की। (लाख में)	14	मैट्रिकपूर्व शिक्षा पूरी करने में समर्थ होना।	1.2. उन महिला छात्रों में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की।	20%
	घ. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जातियों के लिए राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति (सीएस)					
	1. पात्र अनुसूचित जाति छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।	1.1. उन छात्रों की संख्या जिन्होंने ओवरसीज उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।	100	1. उच्चतर ओवरसीज शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति छात्र।	1.1. उन छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने ओवरसीज छात्रवृत्ति प्राप्त की।	20%
		1.2. उच्चतर ओवरसीज शिक्षा के लिए जिन महिला छात्रों ने छात्रवृत्ति प्राप्त की उनकी संख्या।	40			
	ङ. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जातियों के लिए उत्कृष्ट श्रेणी शिक्षा (सीएस)					
	1. छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1. उन छात्रों की संख्या जिन्होंने प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।	4,000	1. प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति छात्र।	1.1. उन अनुसूचित जाति छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।	50%
		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या जिन्होंने प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।	500			

3. प्रधान मंत्री यशश्वी

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
1,550.00	**क. पिछड़े वर्गों के लिए योजनाः ओबीसी छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (सीएसएस)**					
	1. मैट्रिकोत्तर शिक्षा पूरी करने के लिए ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।	1.1. उन छात्रों की संख्या जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की। (लाख में)	80	1. ओबीसी छात्रों का मैट्रिकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने में समर्थ होना।	1.1. उन पुरुष छात्रों में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की।	5%
		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की। (लाख में)	34		1.2. उन महिला छात्रों में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की।	3%
	ख. पिछड़े वर्गों के लिए योजना - ओबीसी छात्रों को मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. पात्र ओबीसी छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. चालू वर्ष में प्राप्त आवेदनों की संख्या (लाखों में)	200	1. माध्यमिक पूर्व स्तर पर अध्ययनरत ओबीसी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना ताकि वे अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।	1.1. पिछले वर्ष के दौरान छात्रवृत्ति की सहायता से 10वीं कक्षा पूरी करने वाली महिला छात्रों की संख्या में परिवर्तन का प्रतिशत।	5%
		1.2. उन महिला छात्रों की संख्या जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की।	96		1.2. उन महिला छात्रों में वृद्धि का प्रतिशत जिन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की।	3%
	ग. अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के लिए ओवरसीज अध्ययन हेतु शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी संबंधी डॉक्टर अंबेडकर योजना (सीएस)					
	1. पात्र ओबीसी/ईबीसी छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति।	1.1. उन ओबीसी/ईबीसी छात्रों की संख्या जिन्होंने विदेश में उच्चतर अध्ययन अर्थात स्नातकोत्तर डिग्री, एम.फिल., पीएच.डी. के लिए शिक्षा ऋण पर ब्याज सब्सिडी का लाभ	2,000	1. उन्हें विदेश में बेहतर अवसर प्रदान करना और उनके लिए रोजगार के अवसर में वृद्धि करना।	1.1. उन छात्रों की संख्या जिन्होंने स्नातकोत्तर और पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा कर लिया।	1,500

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
	घ. ईबीसी छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति की डॉ. अंबेडकर योजना (सीएसएस)					
	1. पात्र ईबीसी छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति।	1.1. इस योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति पाने वाले ईबीसी छात्रों (12वीं, स्नातक और स्नातकोत्तर) की संख्या।	50,000	1. ईबीसी छात्रों में उच्चतर शिक्षा संवर्धन।	1.1. माध्यमिकोत्तर स्तर के मैट्रिकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के % छात्रों में वृद्धि	10

4. सिविल अधिकार - सिविल अधिकार संरक्षण (पीसीआर) अधिनिय 1955 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
600.00	1. जागरुकता सृजन कार्यकलाप/कार्यशाला/ सेमिनार/जन-जागरण/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित करना।	1.1 आयोजित जागरुकता सृजन कार्यकलापों की संख्या	1,500	1. समाज में बड़े पैमाने पर एससी/एसटी के लोगों की सक्रिय भागीदारी - एससी/एसटी के प्रति अस्पृश्यता और भेदभाव के अपराधों की समाप्ति।	1.1. एससी सदस्यों के प्रति अत्याचार के मामलों की संख्या में कमी का प्रतिशत।	1%
		1.2 आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	500			
		1.3 आयोजित सेमिनारों की संख्या	500			
		1.4 आयोजित जन-जागरणों की संख्या	1,500			
		1.5 आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	1,000			
	2. अत्याचारों के पीड़तों को राहत/मुआवजा आदि प्रदान करना।	2.1. मुआवजा/राहत प्रदत्त पीड़ितों का प्रतिशत	100%	2. अंतर-जातीय विवाहों के मामलों की संख्या में वृद्धि जिनमें दम्पत्ति में से एक सदस्य अनुसूचित जाति का हो।	2.1. उन अंतर-जातीय विवाहों के मामलों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत जिनमें दम्पत्ति में से एक सदस्य अनुसूचित जाति का हो।	5%

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. पीओए, 1989 और पीसीआर, 1955 अधिनियमों के कार्यान्वयन तथा निगरानी के लिए विशेष प्राधिकरणों की स्थापना।	3.1. विशेष न्यायालय, एससी/एसटी संरक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना, राज्य स्तरीय सतर्कता निगरानी समिति का गठन, नोडल अधिकारी, विशेष लोक अभियोजक, जांच अधिकारी नामित करना।	100%	3. एससी/एसटी पीओए अधिनियम, 1989 और पीसीआर अधिनियम, 1955 के अंतर्गत न्यायालय में सुलझाए गए मामलों की संख्या में वृद्धि।	3.1. सुलझाए गए मामलों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत।	2%

अंतरिक्ष विभाग

1. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
10,250.16	1. गगनयान-भारतीय समानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम	1.1 वर्ष के दौरान संचालित परीक्षण रॉकेट प्रमोचनों की संख्या	1	1. समानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का विकास	1.1 कर्मीदल बचाव प्रणाली एवं पैराशूट प्रणाली की अर्हता तथा वैधीकरण को पूरा करने का प्रतिशत	100%
				2. वर्ष 2020 तक मानव युक्त उड़ान का समयबद्ध प्रमोचन	2.1 भारतीय समानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए तैयारी[127]	36%
	2. उपग्रहों का डिजाइन, विकास तथा प्रमोचन	2.1 वर्ष के दौरान प्रमोचित भू-प्रेक्षण (ई.ओ.) उपग्रहों की संख्या	2	3. बेहतर क्षमता के साथ भू-प्रेक्षण तथा अवस्थितिक सेवाओं को निरंतर प्रदान करने हेतु अंतरिक्ष अवसंरचना का संवर्धन	3.1 समर्थन प्रदान करने वाले मंत्रालय/विभागों की संख्या	16
		2.2 वर्ष के दौरान प्रमोचित नौवहन उपग्रहों की संख्या	1			
	3. अनुसंधान एवं विकास तथा प्रमोचक रॉकेटों का निर्माण	3.1 वर्ष के दौरान प्रमोचित ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (पी.एस.एल.वी.) की संख्या	2	4. घरेलू तथा विदेशी उपग्रहों के लिए प्रचालनात्मक प्रमोचन सेवाओं को सुनिश्चित करना	4.1 वर्ष के दौरान पी.एस.एल.वी. के द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	4
		3.2 वर्ष के दौरान प्रमोचित भूतुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (जी.एस.एल.वी.) की संख्या	1		4.2 वर्ष के दौरान जी.एस.एल.वी. के द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	1
		3.3 वर्ष के दौरान प्रमोचित	0		4.3 वर्ष के दौरान	0

[127] *भारतीय समानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए तैयारी = (सफलतापूर्वक संपन्न परीक्षणों की संख्या/पूरी मिशन के लिए निर्धारित कुल परीक्षणों की संख्या)*100*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		जी.एस.एल.वी. मार्क-III रॉकेटों की संख्या			जी.एस.एल.वी. मार्क-III द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	
		3.4 वर्ष के दौरान प्रमोचित लघु उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (एस.एस.एल.वी.) की संख्या	2		4.4 वर्ष के दौरान एस.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	2
	4. देशभर में शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रम का संवर्धित कवरेज	4.1 वर्ष के दौरान बाह्य एजेंसियों द्वारा स्थापित नई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी यूनिटों की संख्या	3	5. अन्य उद्देश्यों हेतु सेवाओं का उपयोग	5.1 वाणिज्यिक प्रमोचन सेवाएं प्रदान करते हुए उत्पन्न राजस्व (रु. करोड़ में)	129.35
				6. प्रौद्योगिकी क्षमताएं और आत्म-निर्भरता की ओर कार्यरत	6.1 सामाजिक/वाणिज्यिक/अन्य उद्देश्यों के लिए अंतरित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों की संख्या	22
					6.2 % आयात निर्भरता[128]	22%

2. अंतरिक्ष अनुप्रपयोग (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,476.85	1. नीतभारों का डिजाइन एवं विकास/इ.ओ., नौवहन, संचार, आपदा	1.1 साकार किए गए इ.ओ./संचार/नौवहन नीतभारों की संख्या	8	1. प्राकृतिक संसाधन, प्राकृतिक आपदाओं, कृषि संबंधी योजना, अवसंरचना योजना तथा	1.1 मुख्य आपदा घटनाओं का %, जहाँ आपदा सहायता उपलब्ध कराई गई[129]	85%

[128] *आयात निर्भरता % = [(आयात-निर्यात/आयत+घरेलू उत्पादन-निर्यात)] *100*

[129] *मुख्य आपदा घटनाओं का %, जहाँ आपदा सहायता उपलब्ध कराई गई = (उन घटनाओं की संख्या, जहाँ सूचना सहायता उपलब्ध कराई गई/कुल हुई घटनाओं की संख्या) *100*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	प्रबंधन सहायता के लिए आवेदन	1.2 राष्ट्रीय मिशनों तथा प्रयोक्ता परियोजनाओं की सहायता के लिए जारी किए गए नए मानचित्रों की संख्या	11,000	ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सेवाओं तक पहुँच के लिए सूचना सहायता	1.2 सहायता प्राप्त सरकारी योजनाओं/प्रमुख कार्यक्रमों/परियोजनाओं की संख्या	20
		1.3प्रयोक्ताओं द्वारा डाउनलोड किए जाने के लिए डेटा/मूल्य-वर्धित डेटा उत्पादों की संख्या	4,80,000		1.3 सुदूर संवेदन डेटा तथ्य डेटा उत्पादों की बिक्री के जरिए उत्पन्न राजस्व (रु. करोड़ में)	11
		1.4मूल्य वर्धित डेटा उत्पादों के लिए विशिष्ट प्रयोक्ताओं की संख्या	1,20,000		1.4 भुवन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले राज्यों/संघशासित क्षेत्रों की संख्या	11
		1.5डेटा/मूल्य वर्धित डेटा उत्पादों के डाउनलोडों की संख्या	7,00,000		1.5 सामाजिक/वाणिज्यिक्य उद्देश्यों के लिए रित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों की संख्या	15
		1.6नाविक के लिए स्थापित किए जाने वाले भू-केंद्रों की संख्या	3		1.6 उद्योग मानकीकरण के जरिए नाविक सेवाओं का उपयोग करने के लिए समर्थ किए गए क्षेत्रों की संख्या	4

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय **मांग सं. 95**

1. क्षमता विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
598.36	1. रिपोर्टों का प्रकाशन और सर्वेक्षण करना	1.1. संदर्भ अवधि की समाप्ति के 6 महीने के समय अंतराल के अंदर प्राथमिक डेटा का उपयोग करके जारी की गई रिपोर्टों की संख्या[145]	18	1. रिपोर्टों/ सर्वेक्षण परिणामों का समय से प्रकाशन	1.1. संदर्भ अवधि की समाप्ति के 6 महीने के समय अंतराल के भीतर जारी की रिपोर्टों/ प्रकाशनों का प्रतिशत	100%
		1.2. संदर्भ अवधि के समाप्त होने के 6 महीने के बाद के समय के उपरान्त प्राथमिक डेटा का उपयोग करके जारी की गई रिपोर्टों की संख्या	10		1.3. संदर्भ अवधि के समाप्त होने के 6 महीने के बाद जारी की गई रिपोर्टों/प्रकाशनों का प्रतिशत	100%
		1.3. सेकंडरी डेटा (प्रमुख क्षेत्र जिनमें आईआईपी, भारत में महिला और पुरुष, पर्यावरण सांख्यिकी शामिल हैं) का उपयोग करके जारी की गई रिपोर्टों की संख्या	40	2. राज्यों की बढ़ी हुई क्षमताएं	2.1. ऐसे राज्यों/ज्य क्षेत्रों की संख्या जो एसएसएस उप-योजना के तहत समर्थित राज्य /उप-राज्य स्तर के आंकड़े नियमित रूप से जारी हैं जैसे सीपीआई/ आईआईपी/एसडीपी	8
		1.4. किये गये सर्वेक्षणों की संख्या	7	3. सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी	3.1. आयोजितप्रशिक्षणों में भागलेने वाले प्रतिभागियोंकीकुल संख्या	150
	2. राजकीय सांख्यिकी की बेहतर गुणवत्ता	2.1 राष्ट्रीय एसडीजी संकेतकों का प्रतिशत, जिनके लिए वर्तमान में डेटा सरकारी सांख्यिकीय प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध है	85%		3.2. आयोजित प्रशिक्षणों में भागीदारी दिनों की संख्या	200

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	3. सांख्यिकीय कार्मिकों का प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण	3.1. राजकीय सांख्यिकी पर सांख्यिकीय अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या (केंद्र + राज्य)	10	4. बढ़ी हुई सर्वेक्षण क्षमताएं	4.1 प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अधिकारियों की संख्या	300
		3.2. आयोजित किए गए रिफ्रेशर/इन-सर्विस प्रशिक्षणों की संख्या (केंद्र)	12		4.2 नई तकनीक उदाहरणार्थ एमएल मोड्यूल पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अधिकारियों की संख्या	100
		3.3. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र केंद्र स्तर पर आयोजित की गई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं की संख्या	4	5. आईसीटी का उपयोग	5.1. सीएपीआई/जीआईएस/अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करते हुए आयोजित किये गए सर्वेक्षणों की संख्या	4
	4. सांख्यिकीय सुदृढ़ीकरण समर्थन (एसएसएस) के अंतर्गत सहायता	4.1. एसएसएस उप-योजना के अंतर्गत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के उपरांत निधियों को प्राप्त कर चुके अथवा प्राप्त कर रहे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	26	6. आर्थिक गणना में कवर किए गए प्रतिष्ठानों का आर्थिक प्रोफाइल	6.1. 7वीं आर्थिक गणना संबंधी डेटाबेस का उपयोग करते हुए हितधारकों द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	2
	5. आउटरीच गतिविधियों को फसिलिटेट करना	5.1. नियोजित सोशल मीडिया विमोचन की संख्या	42		6.2. 7वीं आर्थिक गणना पर तैयार की गयी मूल्य वर्धित/ कस्टमाइज्ड सांख्यिकीय रिपोर्टों की संख्या जिन्हें हित धारकों के साथ सांझा किया गया है	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	6. आर्थिक गणना: 7वीं आर्थिक गणना संबंधी डाटा पर सांख्यिकीय उत्पादों का विकास और प्रसार	6.1. उन राज्यों की संख्या जिनके लिए राज्य/जिला स्तर पर सांख्यिकीय रिपोर्टें तैयार की गयी है	35		6.3. केंद्रीय/अन्य राज्य सरकार के प्रतिष्ठान संबंधी डेटाबेस के साथ विधिमान्यकरण/समेकन की संख्या	2
		6.2. उन राज्यों की संख्या जिनके प्रतिष्ठानों की डायरेक्टरी तैयार की गई है	35			
		6.3. 7वीं आर्थिक गणना संबंधी डेटाबेस पर हित धारक परामर्श	12			

1. संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-2022	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[130]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[131]
700.00	1. मशीनरी के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 जारी पूंजी निवेश सब्सिडीकी संख्या (सीआईएस) (संचयी)	4,078	1. वर्धित उत्पादकता के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादकता, रोजगार सृजन, निर्यात सृजन, आयात प्रतिस्थापन को सुकर बनाना	1.1 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि (कुल) (मात्रा के संदर्भ में)[132]	45%
		1.2 वर्ष के दौरान जारी पूंजी निवेशसब्सिडी की संख्या (सीआईएस)	1,616			
		1.3 जारी की गई यूआईडी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[133]		1.2 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि (बुनाई)	69%
		1.4 वर्ष के दौरान जारी कीगई यूआईडी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[134]			
		1.5 वर्ष के दौरान प्रोत्साहन दी गई ऊर्जा की बचत करने वाली मशीन की संख्या	537		1.3 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि (प्रसंस्करण)	14%
		1.6 प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्राप्त करने वाले उद्यमियों/ यूनिट धारकों की संख्या (वर्तमान वर्ष)	1,566		1.4 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि(परिधान बनाना)	54%

[130] *01.04.2020 से 20.12.2020 तक की अवधि के आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया गया ह*

[131] *मात्रा के संदर्भ में उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि योजना के तहत सब्सिडी प्राप्त करने वाली उन यूनिटों तक सीमित है, जिन्होंने डाटा सूचित किया है क्योंकि दिशानिर्देशों में इसकी सूचना देना वैकल्पिक है।*

[132] *उत्पादन पर डाटा संकलित करने का प्रावधान सब्सिडी के दावे के आवेदनों में नहीं है। अत:अनुमानित लक्ष्य विभिन्न खंडों के अंतर्गत टर्नओवर के अनुसार है।*

[133] *इस क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि ईकायों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदनों के आधार पर यूआईडी को 26.07.2019 सेऑटो जनरेट किया जा रहा है ।*

[134] *यूआईडी जारी करना योजना प्रशासन/क्रियान्वयन एजेंसी के नियंत्रण में नहीं है क्योंकि वे मांग आधारित है और पात्रता मापदंड को पूरा करने वाली यूनिट द्वारा आईटीयूएफएस साफ्टवेयर में पंजीकरण करने और ऋणदाता एजेंसी से आवधिक ऋण मंजूर करा लेने के पश्चात यह स्वत: तैयार हो जाता है। अतएव इस क्षेत्र के लिए पहले से लक्ष्य निर्धारित करना संभव नहीं है। तथापि, अन्य संकेतक अर्थात जारी किए गए सीआईएस की संख्या, जारी की गई कुल सब्सिडी आदि मशीन के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके आउटपुट संकेतक-। के लिए पर्याप्त कब्जा करते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-2022	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[130]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[131]
		1.7 निम्नलिखित उप-क्षेत्रों - बुनाई, प्रसंस्करण, परिधान बनाना, अन्य - के लिए निवेश लाने के लिए जारी की गई कुल सब्सिडी	750		1.5 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि (अन्य)	42%
		1.8 निवेश लाने के लिए जारी की गई कुल सब्सिडी (बुनाई)	240		1.6 कुल रोजगार (अनुमानित) - निम्नलिखित क्षेत्रों में सृजित रोजगारों की संख्या: बुनाई, प्रसंस्करण, परिधान बनाना, अन्य	2,3571[135]
		1.9 निवेश लाने के लिए जारी की गई कुल सब्सिडी (प्रसंस्करण)	75		1.7 रोजगारों की संख्या (विविंग)	5,564
		1.10 निवेश लाने के लिए जारी की गई कुल सब्सिडी (परिधान बनाना)	60		1.8 रोजगारों की संख्या (प्रसंस्करण)	2,736
		1.11 निवेश लाने के लिए जारी की गई कुल सब्सिडी (अन्य)	375		1.9 रोजगारों की संख्या (परिधान बनाना)	4,623
		1.12 वर्ष के दौरान मशीनों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (कुल)	31,158		1.10 रोजगारों की संख्या (अन्य)	10,648
		1.13 मशीनों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (विविंग)	9,096			
		1.14 मशीनों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (प्रसंस्करण)	760			

[135] *दिनांक 01.04.2020 से 20.12.2020 तक की अवधि के लिए सृजित नए रोजगार के आधार पर अनुमानित आंकड़ाआंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-2022	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[130]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22[131]
		1.15 मशीनों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (परिधान बनाना)	9,575			
		1.16 मशीनों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता (अन्य)	1,127			
		1.17 वर्ष के दौरान अतिरिक्त निवेश (करोड़ रुपये में) (कुल)	**शून्य**लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[136]			
		1.18 अतिरिक्त निवेश (विविंग)	**शून्य**			
		1.19 अतिरिक्त निवेश (प्रसंस्करण)	लक्ष्य			
		1.20 अतिरिक्त निवेश (परिधान बनाना)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[137]			
		1.21 अतिरिक्त निवेश (अन्य)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

[136] *आउटपुट संकेतक संख्या 1.9 के संबंध में यह उल्लेखनीय है कि इस योजना से वस्त्र क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा दिए जाने की संभावना है जहां सरकार उन परिधान इकाइयों के लिए 10% अतिरिक्त पूंजी निवेश सब्सिडी (सीआईएस) प्रदान करेगी जिन्होंने 3 वर्ष की अवधि के पश्चात अनुमानित उत्पादन और रोजगार की प्राप्ति के आधार पर एटीयूएफएस के अंतर्गत 15% सीआईएस का लाभ उठाया है। 3 वर्ष की अवधि की गणना ऋण को जारी की गई एटीयूएफएस सब्सिडी की तारीख से की जाएगी। यह योजना दिनांक 13.01.2016 से 31.03.2019 तक लागू थी।*

[137] *आउटपुट संकेतक संख्या 1.9 के संबंध में यह उल्लेखनीय है कि इस योजना से वस्त्र क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा दिए जाने की संभावना है जहां सरकार उन परिधान इकाइयों के लिए 10% अतिरिक्त पूंजी निवेश सब्सिडी (सीआईएस) प्रदान करेगी जिन्होंने 3 वर्ष की अवधि के पश्चात अनुमानित उत्पादन और रोजगार की प्राप्ति के आधार पर एटीयूएफएस के अंतर्गत 15% सीआईएस का लाभ उठाया है। 3 वर्ष की अवधि की गणना ऋण को जारी की गई एटीयूएफएस सब्सिडी की तारीख से की जाएगी। यह योजना दिनांक 13.01.2016 से 31.03.2019 तक लागू थी।*

2. रेशम उत्पादन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
876.00	1.अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी का उपयोग, कौशल उन्नयन, बीज उत्पादन, गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली	1.1 चालू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35	1. उत्पादकता में सुधार, गुणवत्ता, वृद्धित रेशम उत्पादन, रोजगार और निर्यात[138]में कमी	1.1 उत्पादकता में सुधार (किलोग्राम में प्रति हेक्टेयर कच्चा रेशम)	109
		1.2 बीज उत्पादन (संख्या लाख में): शहतूत	44,23.75		1.2 प्रति 100 रोग मुक्त लेइंगउत्पादन (डीएफएल)	70
		1.3 बीज उत्पादन (संख्या लाख में) : वन्या - टस्सर, इरी, मूगा	60.25		1.3 रेशम उत्पादों के निर्यात में प्रतिशत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[139]
		1.4 कच्चे रेशम का उत्पादन (एमटी)	39,500		1.4 वर्ष के दौरान कुल रोजगार सृजन (लाख में।)	96.30
		1.5 आयात प्रतिस्थापक कच्चे रेशम का उत्पादन (एमटी)	8,500			
		1.6 क्षमता निर्माण: इस वर्ष के दौरान प्रशिक्षित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	11,110			
		1.7 गुणवत्ता प्रमाणन: सिल्क मार्क लेबल (लाख में)	27.00			
		1.8 कोकून परीक्षण केंद्रों की संख्या	4			
		1.9 कच्चे रेशम के परीक्षण केंद्रों की संख्या	2			

[138]अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए बाईवोल्टाइन के उत्पादन में वृद्धि करने और अंतर-नस्ल रेशम को बेहतर बनाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

[139]निर्यात योजना का प्रत्यक्ष परिणाम नहीं है। अत: इस संकेतक की मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती।

1. विशिष्ट थीम पर आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
630.00	1. स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत परिपथों में स्वीकृत परियोजनाएं (राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों तथा अन्य हितधारतको के परामर्श से)	1.1. योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या।[140]	76	1. अभिज्ञात परिपथों में रोजगार सृजन	1.1. वित्तीय वर्ष के दौरान स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में प्रत्यक्ष रूप से नियोजित लोगों की कुल संख्या।	34,200
	2. स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की समाप्ति	2.1. वित्त वर्ष के अंत तक स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत कुल परियोजनाओं में से पूर्ण परियोजनाएं की कुल संख्या।	37			
		2.2. स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत कुल परियोजनाओं में से चल रही शेष परियोजनाओं का समापन प्रतिशत।	49%			
	3. पर्यटक गंतव्यों पर घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों के लिए अपेक्षित सुविधाओं सहित अवसंरचना विकास	3.1. वित्त वर्ष के अंत तक स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के कुल गंतव्यों में से पूर्ण/ उन्नत किए गए पर्यटक गंतव्यों की संख्या।[141]	443			

[140] *वर्ष 2020-21 तक संचयी परियोजनाएं को दर्शाता है।*

[141] *उपरोक्त परियोजनाओं को कवर करने वाली पर्यटक अवसंरचना का सृजन*

2. बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
524.02	1. भौतिक अभियानों की संवर्धित पहुंच: संयुक्त संवर्धन/ संवर्धनात्मक समारोह/ आयोजन/ इंडिया इवनिंग्स/ खाद्य महोत्सव (स्टैण्ड एलोन तथा अन्य संगठनों के सहयोग से)	1.1. वित्तीय वर्ष में आयोजित भौतिक अभियानों की संख्या।	20	1.संवर्धित अंतर्राष्ट्रीय यात्रा	1.1. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा आगमन में प्रतिशत वृद्धि (वाईओवाई)[142]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2. भौतिक अभियानों के माध्यम से संपर्क किये गऐ संगठनो (बी2बी)/लोगों की संख्या।	500			
	2. डिजिटल अभियानों की संवर्धित पहुंच: इलेक्ट्रॉनिक/ ऑनलाइन/ डिजिटल मीडिया में विज्ञापन	2.1. डिजिटल तथा सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से व्यूज की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वर्ष की तुलना में)।	5	2. संवर्धित विदेशी मुद्रा आय	2.1. पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय में प्रतिशत वृद्धि (वाईओवाई)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	3. व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों/ भारत को जाने संगोष्ठियों/ रोड शोज की संवर्धित पहुंच	3.1. व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, भारत को जाने संगोष्ठियों तथा रोड शोज की संख्या जिनमें भाग लिया गया या जिनका आयोजन किया गया।	30			
		3.2. उन देशों की संख्या जहां व्यापार मेलों/ प्रदर्शनियों/ भारत को जाने संगोष्ठियों तथा रोड शोज में भाग लिया गया या इनका आयोजन किया गया।	20			

[142] *अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के आगमन में भारत में विदेशी यात्रा आगमन + एनआरआई आगमन शामिल हैं*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		3.3. व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, भारत को जाने संगोष्ठियों तथा रोड शोज के माध्यम से संपर्क किए गए संगठनों (बी2बी) की संख्या।	200			
	4. आतिथ्य कार्यक्रम की बढ़ती पहुंच (स्टैंडअलोन और अन्य संगठनों के सहयोग से)	4.1. प्रायोजित मेहमानों की संख्या।	300			
	5. विपणन विकास सहायता	5.1. विपणन विकास सहायता प्राप्त करने वाले सेवा प्रदाताओं की संख्या।	100			

1. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) (सीएस)[143]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,418.04	1. नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना	1.1. वित्त वर्ष के दौरान स्वीकृत नए ईएमआरएस की संख्या	150	1. अजजा छात्रों का (उत्तीर्णता) पास प्रतिशत	1.1. वित्त वर्ष के दौरान ईएमआरएस में 10वीं कक्षा में नामांकित छात्रों की तुलना में उस कक्षा के छात्रों का (उत्तीर्णता) पास प्रतिशत।	100%
		1.2. वित्त वर्ष के दौरान कार्यात्मक ईएमआरएस की संख्या	40		1.2. वित्त वर्ष के दौरान ईएमआरएस में 12 वीं कक्षा में दाखिला लेने वाले छात्रों में उस कक्षा के छात्रों का (उत्तीर्णता) पास प्रतिशत।	100%
		1.3. कुल कार्यात्मक ईएमआरएस की संख्या	325			
	2. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) में नामांकन	2.1. ईएमआरएस में अजजा छात्रों के नामांकन में वृद्धि	10	2. शिक्षा के सापेक्ष पहुंच	2.1 वर्ष के दौरान ईएमआरएस में लिंग समता सूचकांक	1
	3. ईएमआरएस को सीबीएसई की संबद्धता	3.1. वित्त वर्ष के दौरान सीबीएसई से संबद्ध ईएमआरएस की संख्या	30	3. प्रशिक्षित शिक्षक	3.1. ईएमआरएस में छात्र और प्रशिक्षित शिक्षक का अनुपात	1:30

[143] *उपर्युक्त लक्ष्य पूर्ण रूप से वित्त वर्ष 2021-22 के लिए है तथा विभिन्न तिमाहियों के दौरान नामांकन में कोई परिवर्तन नहीं है क्योंकि छात्र शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ में दाखिला लेते हैं तथा वर्ष के अंत में अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं।*

2. जनजातीय शिक्षा (सीएसएस)[144]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
2,393.00	1. पात्र जनजातीय छात्रों को दी गई छात्रवृत्ति	1.1. मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के तहत छात्रों की संख्या (लाख में)	15	1. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की बढ़ी हुई संख्या का लैंगिक और वर्गीय अलग-अलग डेटा	1.1. योजना के तहत कक्षा 9 में छात्रवृत्ति पाने वाले कक्षा 10 में पदोन्नत हुए छात्रों का प्रतिशत।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[145]
		1.2. मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति XI, XII, स्नातक और स्नातकोत्तर सहित) के तहत छात्रों की संख्या (लाख में)	20		1.2. योजना के तहत कक्षा 10 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले कक्षा 11 में पदोन्नत हुए छात्रों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[166]
					1.3. कक्षा 12 में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत	
	2. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से प्रभावी निगरानी	2.1. ऑनलाइन आवेदन पोर्टल का उपयोग करने वाले राज्यों की संख्या	15			

[144] पाठ्यक्रम पूरा करने वाले वे छात्र जिन्होंने छात्रवृत्ति का लाभ लिया है को राष्ट्रीय / राज्य छात्रवृत्ति नहीं दी जा सकती क्योंकि पोर्टल इस आंकड़े को ग्रहण नहीं करता है।

[145] *मानक लक्ष्य के अनुपलब्ध: वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी*

3. विशेष केंद्रीय सहायता[146] (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
1,350.00	1. विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अंतरों को पाटना	1.1. प्रदत्त शिक्षा सुविधाओं/ गतिविधियों की संख्या	150	1. पूरी की गई कार्रवाईयां और आबादी को लाभ	1.1 योजना के तहत पूरी की गई गतिविधियों/परियोजनाओं की संख्या	100
		1.2. इस योजना के तहत प्रदान की गई स्वास्थ्य सुविधाओं/ गतिविधियों की संख्या	72			
		1.3. योजना के तहत प्रदान की गई कृषि और डेयरी सुविधा/ गतिविधियाँ	225	2. योजना के तहत लाभान्वित लाभार्थी	2.1 नई शिक्षा सुविधाओं से लाभान्वित छात्र	50,000
		1.4. योजना के तहत स्वीकृत अन्य विकास परियोजनाओं की संख्या	125		2.2 स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत लाभ प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या	2,00,000
					2.3 कृषि क्षेत्रों के तहत लाभ प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या	3,00,000
					2.4 अन्य विकास परियोजनाओं योजना के तहत लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या	6,00,000

[146] *इसमें जनजातीय उप-स्कीमों को विशेष केंद्रीय सहायता शामिल है।*

1. संक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (पूर्ववर्ती आईसीडीएस/सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
20,105.00	1. आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रचालन	1.1. संस्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	13,99,697	1. 6 माह से 6 वर्ष तक की आयु समूह के बच्चों की पोषण और स्वास्थ्य संबंधी स्थिति में सुधार	1.1. 6 वर्ष से कम के अविकसित बच्चों का प्रतिशत[147]	2%
		1.2. प्रचालनरत आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	13.90		1.2. कम भार वाले 6 वर्ष से कम के बच्चों का प्रतिशत	2%
		1.3. संस्वीकृत पदों (सीडीपीओ, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी सहायक) की संख्या	27,40,981		1.3. खून की कमी वाले 6 वर्ष से कम के बच्चों का प्रतिशत[148]	3%
		1.4. रिक्त पदों (सीपीडीओ, सुपरवाइजर) की संख्या को कम किया जाना है।	80,500		1.4. 5 वर्ष से कम के अल्प पोषित बच्चों का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[149]
		1.5. सीडीपीओ के मंजूर पदों की संख्या	7,075			
		1.6. सीडीपीओ के रिक्त पदों की संख्या को कम किया जाना है।	500			
		1.7. सुपरवाइजरों के संस्वीकृत पदों की संख्या	51,312			
		1.8. सुपरवाइजरों के रिक्त पदों की संख्या को कम किया जाना है।	5,000			
		1.9. आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मंजूर पदों की संख्या	13,99,697			

147 *एनएफएचएस-4 (2015-16) आंकड़ों के अनुसार 38.4 प्रतिशत बच्चे अविकसित थे।*

148 *एनएफएचएस-4 (2015-16) आंकड़ों के अनुसार 56 प्रतिशत बच्चे खून की कमी वाले हैं।*

149 *पोषण अभियान के तहत कैबिनेट नोट में निर्बलता का लक्ष्य तय नहीं किया गया है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
		1.10. आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों की संख्या को कम	35,000			
		1.11. आंगनवाड़ी सहायिकाओं के मंजूर पदों की संख्या	12,82,897			
		1.12. आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की संख्या को कम किया जाना है।	40,000			
		1.13. रैपिड रिपोर्टिंग प्रणाली (आरआरएस) (रुपये लाख में) के माध्यम से आंकड़ों को अद्यतन करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	12.00			
	2. बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और आरंभिक शिक्षा परिणामों में सुधार हेतु सेवाएं प्रदान करना	2.1 सरकारी निजी भवनों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख में)	7.00	2. बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल के लिए माता की क्षमता को बढाना।	2.1 6 वर्ष से कम आयु के अविकसित बच्चों में प्रतिशत कमी[150]	2%
		2.2 किराए के भवनों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख में)	3.00		2.2 6 वर्ष से कम आयु के अल्पवजन वाले बच्चों में प्रतिशत कमी[151]	2%
		2.3 स्कूल/सामुदायिक केंद्र आदि भवनों में आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख में)	2.90		2.3 6 वर्ष से कम आयु के एनीमिया वाले बच्चों का प्रतिशत कमी[152]	3%
		2.4 चालू शौचालयों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख में)	12.00			

150 *एनएफएचएस-4 (2015-16 के आंकडों के अनुसार 38.4% बच्चे अविकसित थे ।*

151 *एनएफएचएस-4 (2015-16 के आंकडों के अनुसार 38.4% बच्चे अल्पवजन थे ।*

152 *एनएफएचएस-4 (2015-16 के आंकडों के अनुसार 38.4% बच्चे एनीमिया - पीड़ित थे ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम** 2021-22			**परिणाम** 2021-22		
2021-22	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2021-22**
		2.5 पर्याप्त पेयजल आपूर्ति वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख में)	12.00			
		2.6 सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर टीएचआर (6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चे और पीडब्ल्यूएंडएलएम) प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या	6[153]			
		2.7 सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्म पका भोजन प्राप्त करने वाले (3 से 6 वर्ष तक के) बच्चों की कुल संख्या	3			
	3. स्वास्थ्य और पोषण व्यवहार के संबंध में जागरूकता पैदा करन	3.1 वित्त वर्ष में आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत पीडब्ल्यूएंडएलएम की संख्या (करोड में)	1.80			
	4. आंगनवाड़ी केंद्रों पर आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और देखभाल अवसंरचना की उपलब्धता	4.1 3 से 6 वर्ष के आयु समूह में पूर्व-स्कूल बच्चों (लड़कों) की कुल संख्या (करोड में)	1.5			
		4.2 3 से 6 वर्ष के आयु समूह में पूर्व-स्कूल बच्चों (लड़कियों) की कुल संख्या (करोड में)	1.5			

153 *अस्थायी लक्ष्य*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	5. तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से देश भर में सभी जिलों में राष्ट्रीय पोषण मिशन को लागू करना	5.1 पोषण अभियान के रोल-आउट द्वारा शामिल किए गए जिलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[154]	5. तीन वर्ष से कम आयु के बच्चों पर अधिक ध्यान दिए जाने के लिए, सुदृढ़ आईसीडीएस नीतिगत ढांचा, प्रणालियां और क्षमताएं, और उन्नत सामुदायिक नियोजन	5.1 आईसीटी सक्षम प्रणाली (पोषण ट्रैकर) के तहत सामान्य वजन के बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		5.2 संस्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		5.2 आईसीटी सक्षम प्रणाली (पोषण ट्रैकर) के तहत सामान्य कुपोषित (-2 एसडी से -3 एसडी) बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		5.3 संस्वीकृत पदों (सीडीपीओ, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी सहायक) की संख्या			5.3 आईसीटी सक्षम प्रणाली (पोषण ट्रैकर) के तहत डब्ल्यूएचओ प्रगति चार्ट के आधार पर गंभीर रूप से कुपोषित (<-3एसडी) बच्चों (लड़कों और लड़कियों) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	6. रीयल टाइम आईसीटी-सक्षम निगरानी के माध्यम से आईसीडीएस प्रणाली को सुदृढ़ बनाना	6.1 नियमित तौर पर जानकारी (बच्चों के वजन और कद, और पीएसई गतिविधियों सहित) अपडेट करने वाले रीयल टाइम निगरानी के माध्यम से शामिल	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[8]	6. अविकसित के स्तर, अल्प-पोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन के बच्चों में कमी लाना	6.1 अविकसित बच्चों के प्रतिशत में प्रति वर्ष कमी	2%

[154] पोशन ट्रैकर के लॉन्च के बाद वित्त वर्ष 2021-22 के लिए लक्ष्य तय किया जाएगा। इस आंदोलन में विभिन्न गतिविधियों के लिए 2021-22 तक का लक्ष्य नहीं दिया जा सकता है, यह सक्षम अधिकारी द्वारा योजना का विस्तार स्वीकृत होने के बाद प्रस्तुत किया जाएगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या				
		6.2 आईसीडब्ल्यू समर्थित प्रणाली (पोषण ट्रैकर) को पूरा करने वाले एडब्ल्यूडब्ल्यू की संख्या			6.2 अल्प पोषण (अल्प वजन) में प्रति वर्ष प्रतिशत की कमी	2%
		6.3 परिवार-वार पंजीकृत लाभार्थियों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		6.3 बच्चों में खून की कमी में प्रति वर्ष प्रतिशत की कमी	3%
		6.4 आईसीटी समर्थित प्रणाली (पोषण ट्रैकर) में वजन किए गए बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		6.4 15-49 वर्ष की महिलाओं और किशोरियों में प्रति वर्ष प्रतिशत कि कमी	3%
		6.5 आईसीटी समर्थित प्रणाली (पोषण ट्रैकर) में लम्बाई दर्ज किए गए बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		6.5 जन्म के समय अल्प वजन की दर में प्रति वर्ष प्रतिशत की कमी	2%
		6.6 आईसीटी समर्थित प्रणाली (पोषण ट्रैकर) में दर्ज आयु वाले बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	7. प्राप्य लक्ष्य निर्धारण, कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में लाइन मंत्रालयों के संबंधित सचिवों	7.1 संचालित कार्यकारी समितियों (ईसी) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[175]	7. सामुदायिक गतिविधियां और व्यवहारिक परिवर्तन	7.1 सितम्बर माह में पोषण माह के दौरान की गई गतिविधियां	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
	के साथ क्षेत्र स्तरीय बैठकों, प्रत्येक स्तर के लिए संयुक्त दिशानिर्देशों, संयुक्त निगरानी दौरों और विकेंद्रीकृत नियोजन द्वारा अभिसरण सुनिश्चित करना				7.2 मार्च के माह में होने वाले पोषण पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियां	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	8 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन	8.1 पोषण अभियान के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन के लिए पात्र फ्रंटलाइन कर्मचारियों (एडब्ल्यूडब्ल्यू) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	9 ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण दिवस) को सक्रिय करना	9.1 संचालित वीएचएसएनडी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	10 नागरिक नियोजन और शिकायत निवारण	10.1 प्राप्त आवक कॉल्स की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		10.2 कॉल सेंटर स्तर पर समाधान /निपटान की गई आवक कॉल्स की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		10.3 कार्यान्वयन के हस्तक्षेप के लिए प्रस्तुत	लक्ष्य निर्धारित नहीं			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		बहिर्गामी कॉल्स की संख्या	किए जा सकते			
	11 वजन कांटे, वजन सक्षमता पोषण को दृश्यमान बनाना	11.1 वजन कांटे वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या[155]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	12 सामुदायिक जुटाव और व्यवहार परिवर्तन	12.1 पिछली तिमाही में आयोजित किए गए समुदाय-आधारित कार्यक्रमों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		12.2 पिछली तिमाही में कम से कम दो सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[175]			
	13 गंभीर रूप से तीव्र कुपोषित बच्चों का समुदाय-आधारित प्रबंधन	13.1 गभीर तीव्र कुपोषित बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		13.2 सामान्य तीव्र कुपोषित बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

[155] *क) इन्फैंटोमीटर, ख) स्टेडियोमीटर ग) वजन कांटा-शिशुघ, वजन कांटा-माता और शिशु*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
		13.3 पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) को संदर्भित किए गए गंभीर तीव्र कुपोषित बच्चों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

2. सामर्थ्य: प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना (पीएमएमवीवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
2,522.00	1. डीबीटी के माध्यम से मातृत्व लाभ के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान	1.1 2021-22 में पीएमएमवीवाई के अनुमानित पात्र लाभार्थियों की संख्या (लाख)[156]	51.7	1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में स्वास्थ्य में सुधार का व्यवहार	1.1 वर्ष के दौरान पीएमएमवीवाई से लाभान्वित लाभार्थियों की कुल संख्या (लाख)	51.7
	2. स्कीम के दिशानिर्देशों के अनुसार 30 दिनों के भीतर लाभार्थियों को प्रत्येक किस्त की डीबीटी	2.1 30 दिनों के भीतर अपनी पहली किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख)	51.7		1.2 पहली तिमाही में स्वास्थ्य सेवाओं में पंजीकरण कराने वाली महिलाओं की संख्या (एमसीपी कार्ड की तारीख से गणना की गई)	0
		2.2 आवेदन या पात्रता की तारीख, जो भी बाद में हो, के 30 दिनों के भीतर अपनी दूसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई	51.7			

[156] MCP कार्ड की तारीख से परिकलित

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
		लाभार्थियों की संख्या (लाख में)[157]				
		2.3 30 दिनों के भीतर अपनी तीसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख	51.7			
		2.4 प्रत्येक किस्त की प्राप्ति में औसत समय विलंब (कुल और किस्तवार दिनों में)	51.7			

3. मिशन वातस्लय

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
900.00	1. देखरेख, संरक्षण एवं पुनर्वास सेवाओं, वैधानिक सहायता सेवाओं तथा सेवा प्रदायगी संरचनाओं का प्रावधान	1.1 सीसीआई, विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियों (एसएए) तथा सीपीएस स्कीम के तहत खुले आश्रयों की संख्या	2,200[158]	1. संस्थागत देखरेख का संस्थानीकरण और सुदृढ़ीकरण	1.1 सीपीएस के तहत सुविधा प्रदान किए गए बच्चों की संख्या	88,000
		1.2 कानून का उल्लंघन करने वाले लड़कों के लिए कार्यशील	250		1.2 सीपीएस के तहत शामिल कानून का उल्लंघन करने वाले लड़कों की संख्या	12,500

[157] *लाभार्थी द्वारा एएनसी पूरा करने के बाद एक ही समय पर पहली और दूसरी किस्त के लिए आवेदन जमा करने का प्रावधान है। हालांकि स्कीम के दिशानिर्देशों के अनुसार भुगतान करने की प्रक्रिया केवल एलएमपी से छह महीने की अवधि के पूरा होने के बाद ही शुरू की जा सकती है।*

[158] *अनुमानित आंकड़े*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
		सीसीआई की कुल संख्या			जिन्हें संस्थागत सुविधा प्रदान की गई	
		1.3 कानून का उल्लंघन करने वाली लड़कियों के लिए कार्यशील सीसीआई की कुल संख्या	150		1.3 सीपीएस के तहत शामिल कानून का उल्लंघन करने वाली लड़कियों की संख्या जिन्हें संस्थागत सुविधा प्रदान की गई	7,500
					1.4 सीपीएस के तहत संस्थागत देखरेख में संस्थागत सुविधा प्रदान किए गए लड़कों की संख्या	47,625
		1.4 देखरेख और संरक्षण के जरूरतमंद लड़कों के लिए कार्यशील सीसीआई की कुल संख्या	1200		1.5 सीपीएस के तहत संस्थागत देखरेख में संस्थागत सुविधा प्रदान की गई लड़कियों की संख्या	22,300
		1.5 देखरेख और संरक्षण की जरूरतमंद लड़कियों के लिए कार्यशील सीसीआई की कुल संख्या	650		1.6 गैर-संस्थागत सहायता प्रदान किए गए बच्चों की संख्या	23,000
		1.6 सीपीएस के तहत पालक देखरेख, प्रायोजकता आदि जैसी परिवार आधारित गैर-संस्थागत देखरेख में बच्चों की संख्या	23,000		1.7 चाइल्डलाइन द्वारा संचालित आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या	4,00000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
		1.7 कार्यशील आपात आउटरीच सेवाओं यानी चाइल्डलाइन सेवाओं वाले जिलों की कुल संख्या	735		1.8 अंतर-देशीय दत्तकग्रहण में दिए गए बच्चों की संख्या	3,500
		1.8 गठित राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (सारा) की संख्या	36		1.9 पूर्ण संख्या बल वाले सीडब्ल्यूसी की संख्या	735
		1.9 गठित बाल कल्याण समितियों की संख्या	735		1.10 पूर्ण संख्याबल वाले जेजेबी की संख्या	735
		1.10 गठित किशोर न्याय बोर्डों (जेजेबी) की संख्या	735		1.11 स्कीम के तहत मदद दिए गए बच्चों की औसत संख्या	1,11,000
		1.11 गठित जिला बाल संरक्षण एककों (डीसीपीयू) की संख्या	735			
	2. खोए बच्चों की प्रभावी ढंग से ट्रैकिंग	2.1 ट्रैक चाइल्ड लाइन पर खोए/पाए बच्चों की प्रविष्टि कर रहे पुलिस थानों की संख्या	14,000	2. खोए बच्चों की ट्रैकिंग और बहाली/ बरामदगी	2.1 बहाल/बरामद किए गए खोए बच्चों का प्रतिशत	10%
		2.2 ट्रैक चाइल्ड लाइन में बच्चों का डेटा अपडेट	735		2.2 ट्रैक चाइल्ड के माध्यम से मिलान किए गए	30,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2021-22
		करने वाले सीडब्ल्यूसी की संख्या			बच्चों की संख्या	
		2.3 ट्रैक चाइल्ड लाइन पर बच्चों का डेटा अपडेट करने वाले जेजेबी की संख्या	735			
		2.4 ट्रैक चाइल्ड लाइन पर बच्चों का डेटा अपडेट करने वाले सीसीआई की संख्या	7,000			

खेल विभाग

1. खेलो इंडिया: राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
2021-22	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2021-22
657.71	1. उच्च कोटि कीखेल अवसंरचना, सभी स्तरों परप्रतियोगिता तक पहुंच मेंबढ़ोतरी तथाप्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच	1.1 राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल/ के लिए आयोजित खेल स्पर्धाओं की संख्या	2	1. प्रतियोगी स्पर्धाओं मेंजनप्रतिभागिता में वृद्धि	1.1 विगत वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में प्रतिभागियों की संख्या के प्रतिशत में परिवर्तन	0%[159]
		1.2 महिला/ ग्रामीण/ देशज/ जनजातीय खेलों के लिए खेल स्पर्धाओं की संख्या	1			
		1.3 विभिन्न स्पर्धाओं (राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल) में प्रतिभागियों की संख्या	8,000	2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्टताऔर प्रदर्शन में सुधार के लिए खेलों को बढ़ावा देना	2.1 विभिन्न राष्ट्रीय स्पर्धाओं में खेलो इंडिया खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदकों/ पुरस्कारों की संख्या	0
		1.4 महिलाओं/ ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों में प्रतिभागियों की संख्या			2.2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में खेलो इंडिया खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदकों/ पुरस्कारों की संख्या	0

[159] *कोविड-19 महामारी के कारण*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2021-22			परिणाम 2021-22		
		1.5 नवसृजित खेल अवसंरचना/ मौजूदा उन्नत खेल अवसंरचना की कुल संख्या	100		2.3 विगत वर्ष की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तुलना में विभिन्न खेल विधाओं में बेंच स्ट्रेन्थ में वृद्धि के प्रतिशत में परिवर्तन	0%
		1.6 विश्वविद्यालयों/ अन्य शैक्षणिक संस्थानों में नवसृजित खेल अवसंरचना/ मौजूदा उन्नत खेल अवसंरचना की संख्या	20			
		1.7 ऐसे चयनित खिलाड़ियों की कुल संख्या जिन्हें वृतिका प्रदान की गई	2,000			
		1.8 खेल प्रतियोगिता में पीडब्ल्यूडी प्रतिभागियों की संख्या	120			
		1.9 अभिज्ञात नई प्रतिभाओं की संख्या (वैश्विक रूप से स्वीकार्य मानदंडों के अनुसार)	750			
		1.10 खेल अकादमी में पंजीकृत नई प्रतिभाओं की संख्या	2,000			
	2. स्कूली बच्चों की शारीरिक स्वस्थता	2.1 शारीरिक स्वस्थता के लिए मूल्यांकित बच्चों की संख्या	25,00,000			
	3. समुदाय कोचिंग विकास	3.1 मास्टर प्रशिक्षुओं के रूप में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की संख्या	500			
	4. वितीय सहायता, पीपीपी, सीएसआर, प्रौद्योगिकी तथा जीआईएस का समेकन	4.1 सहायता प्राप्त खेलो इंडिया केंद्रों / अकादमियों/ केंद्रों की संख्या	250			
		4.2 जीआईएस के माध्यम से पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई खेल सुविधाओं की संख्या	5,000			
		4.3 पोर्टल देखने वाले व्यक्तियों की संख्या (लाखमें)	50			